दक्षिण एशिया के समुद्रीतट प्रबंधकों के लिए सामाजिक-आर्थिक प्रबोधन दिशानिर्देशिका

सॉकमॉन दक्षिण एशिया

अगस्त 2008

विनिता हूण, गया श्रिसकांतन, फिलिप टाउनस्ली, बेन कैट्टरमाउल
लीह बूंस एवं बॉब पॉमेरॉय

सॉकमॉन ड्राफ्टिंग ग्रुप के सहयोग से :
मनीष चंडी, राजेन्द्र प्रसाद, ग्लेडविन ग्नानासिर
नवीन नम्बूदरी, इन्द्रा राणासिंघे, अली रशीद

दक्षिण एशिया के समुद्रीतट प्रबंधकों के लिए सामाजिक-आर्थिक प्रबोधन दिशानिर्देशिका

सॉकमॉन दक्षिण एशिया

अगस्त 2008

विनिता हूण, गया श्रिसकांतन, फिलिप टाउनस्ली, बेन कैट्टरमाउल
लीह बूंस एवं बॉब पॉमेरॉय

सॉकमॉन ड्राफ्टिंग ग्रुप के सहयोग से :
मनीष चंडी, राजेन्द्र प्रसाद, ग्लेडविन ग्नानासिर
नवीन नम्बूदरी, इन्द्रा राणासिंघे, अली रशीद

सॉकमॉन दक्षिण एशिया दिशानिर्देश को दो प्रोजेक्टों के अंतर्गत तैयार किया गया है:

आई यू सी एन ग्लोबल मेरिन प्रोग्राम प्रोजेक्ट- "अंडमान और दक्षिण एशिया के सुनामी प्रभावित क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन से मूंगे-की चट्टानों और परितंत्र पर पड़ने वाले प्रभावों का प्रबंधन" जिसे हिन्द महासागर के समुद्र तट शोध एवं विकास (CORDIO) हेतु चलाई जाने वाली गतिविधियों के सहयोग के लिए फिनलैंड के विदेश मंत्रालय द्वारा निधिबद्ध किया गया है, तथा

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) प्रोजेक्ट- दीर्घावधि प्रबंधन और दक्षिण एशिया में मूंगे की चट्टानों के घिराव एम सी पी ए का संरक्षण हेतु संस्थानगत सशक्तीकरण एवं क्षमता विकास कार्यक्रम जिसे यूरोपियन यूनियन द्वारा निधिबद्ध किया गया है। इसका संयोजन दक्षिण एशिया सहकारी पर्यावरण कार्यक्रम (SACEP) ने अंतर्राष्ट्रीय मूंगा चट्टान नेट वर्क (ICRAN) तथा क्ष्ग ध्द्यड्ड. के साथ मिलकर किया है।

लेखकों द्वारा दिये गये कथन, खोज, निष्कर्ष तथा अनुशंसा उन्हीं के विचार हैं और यह किसी भी तरह से दाता या आई यू सी एन के दृष्टिकोण को नही दर्शाते हैं।

प्रकाशक : आई यू सी एन इकोसिस्टम्स और लाइवलीहुड ग्रुप एशिया और आई यू सी एन मेरिन प्रोग्राम

प्रशंसात्मक उल्लेख : हूण वी., श्रिसकांतन उ, टाउनस्ली पी, कैट्टरमाउल बी, बूंस एल एवं पॉमेरॉय बी 2008.

स्वत्वाधिकार © 2008 प्रकृति और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण हेतु अंतर्राष्ट्रीय संघ
इस रिपोर्ट का शैक्षिक और अन्य अव्यवसायिक लक्ष्य के लिए उपयोग स्वत्वाधिकार धारक की लिखित अनुमति के बिना अवांछनीय है।

सॉकमॉन दक्षिण एशिया तथा जी सी आर एम एन मैन्युअल (2000) की प्रतिलिपि वेबसाइट www.iucn.org/marinee and www.reefbase.org/socmon से डाउनलोड की जा सकती है।

हार्ड कॉपी के लिए संपर्क करें-

डॉ. विनिता हूण
सेंटर फॉर एक्शन रिसर्च ऑन इनवायरमेंट साइंस एण्ड सोशायटी,
160, शिवनंदा रोड, गिलनगर, एक्सटेंशन 2,
चूलैमेदु, चेन्नै - 600094
vineetahoon@gmail.com

गया श्रिसकांतन
आई यू सी एन इकोसिस्टम्स एण्ड लाइवलीहुड्स ग्रुप
एशिट्या क्षेत्रीय कार्यालय:
63 सोइ प्रॉमपांग, सुकुमवीट 39
वॉट्टाना बैंकाक 10110, थाईलैंड
फोन + 6626624029, फैक्स + 6626624389
gaya.sris@gmail.com
http://www.iucn.org/themes/marine/

सॉकमॉन दक्षिण एशिया के संबंध में आपके सुझावों तथा टिप्पणियों का स्वागत है। कृपया अपनी प्रतिपुष्टि विनिता हूण या श्रिसकांतन को भेजें।

ISBN .....

आवरण पृष्ठ फोटो ऊपर, बाँयी से दाहिनी ओर जाते हुए : ट्यूना को भिगाती नारी, लक्षद्वीप, विनिता हूण
स्टिंग रे ड्रायिंग, बंगाराम, लक्षद्वीप, विनिता हूण
फिश सेल्स, उत्तरी अंडमान, मनीष चंडी
तमिलनाडु का संसाधन मानचित्र, राजेन्द्रप्रसाद
मेल स्काईलाइन, विनिता हूण
अंडमान द्वीप के वायुशिफ, गया श्रिसकांतन

पश्च आवरण फोटो ऊपर, बाँयी से दाहिनी ओर जाते हुए: नारियल हारवेस्टर, लक्षद्वीप, ओ.जी.मूसा
निगरानी करते हुए मछुवारे, लक्षद्वीप, विनिता हूण
रीफ ग्लिनिंग, लक्षद्वीप, विनिता हूण
कोराली वर्कशॉप, श्री लंका,
ऑक्टोपस फिशर, लक्षद्वीप, ओ.जी.मूसा
ट्यूना के आचार को पैक करती स्त्री, मिनीकॉय, विनिता हूण

बार-बार घटित बॉक्स चित्र - दक्षिण एशिया में प्रयुक्त होने वाली मछली पकड़ने वाली नाव का अभिवेदन - मनीष चंडी

Printed by Karunaratne & Sons (Pvt) Ltd.
67, UDA Industrial Estate
Katuwana Road, Homagama, Sri Lanka
info@karusons.com

विषयानुक्रमणिका

भूमिका 4

भाग 1 : यह सब किसके बारे में है? 5

1.1 सॉकमॉन क्यों? 5

1.2 सॉकमॉन क्या है? 5

1.3 सॉकमॉन की कार्यप्रणाली? 6

1.4 सॉकमॉन किसके लिए है? 7

1.5 सॉकमॉन की सीमाएँ क्या हैं? 7

भाग 2 : मुझे यह क्यों करना चाहिए? 11

2.1 सामाजिक / जातिगत बदलाव समुद्री चट्टान बदलाव के संमुखीन 11

2.2 समुद्री चट्टानों का प्रयोग तथा परितंत्र सामग्री और व्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव की निगरानी 11

2.3 संसाधनो की महत्ता, मूल्य और सांस्कृतिक पहचान तथा उनके प्रयोग का निर्धारण 12

2.4 प्रबंधन उपायों के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों का मूल्यांकन 12

2.5 प्रबंधन संगठन के कार्यों का मूल्यांकन (प्रबंधन प्रभावकारिता) 12

2.6 पणधारियों को भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करते हुए शिक्षित और जागरूक करना 12

2.7 आधार रेखा स्तर के परिवार और समुदाय की रूपरेखा 12

भाग 3 : इसमें क्या शामिल है? 13

3.1 निगरानी किसे करनी चाहिए? 13

3.2 निगरानी करने की क्या प्रक्रिया है? 13

3.3 निगरानी के ढाँचे के लिए क्या आवश्यक है? 13

3.4 आंकड़ों की संकलन प्रक्रिया क्या है? 15

3.5 सर्वेक्षणों के लिए किनका साक्षात्कार किया जाना चाहिए? 17

3.6 निगरानी की अवधि क्या होनी चाहिए? 17

3.7 निगरानी खर्च कितना होगा? 18

3.8 कितने अंतराल से निगरानी की जानी चाहिए? 18

3.9 निगरानी कहाँ से होनी चाहिए? 18

3.10 परिणाम किसके लिए उपयोगी होंगे? 18

भाग 4 : मुझे क्या आंकड़े इक्ट्ठे करने हैं? 20

4.1 परिवर्तियाँ क्या हैं? 20

4.2 किन परिवर्तियों का प्रयोग मुझे करना चाहिये। 24

भाग 5 : मुझे इन आंकड़ों का क्या करना चाहिए? 25

5.1 आंकड़ों का विश्लेषण 25

5.2 संप्रेषण / प्रतिपुष्टि 25

5.3 अनुकूल प्रबंधन 27

परिशिष्ट अ : परिवर्तियाँ (Variables) 28

परिशिष्ट ब : द्वितीयक स्रोत / मूल सूचक और केन्द्रित समूह साक्षात्कार संदर्शिका 78

परिशिष्ट स : सर्वेक्षण संदर्शिका 83

परिशिष्ट द : मूल सूचक साक्षात्कार द्वितीयक स्रोत विश्लेषण तालिका 87

परिशिष्ट ढ : सर्वेक्षण विश्लेषण तालिका 94

भूमिका

सन् 1998 -2002 के दौरान ग्लोबल कोरल रीफ मॉनिटरिंग नेटवर्क (GCRMN) दक्षिण एशिया के सौजन्य से सामाजिक-आर्थिक मूल्यांकन और निगरानी प्रशिक्षण कार्यक्रम इस क्षेत्र के ऐसे स्थानों पर जहाँ महत्वपूर्ण मूंगा चट्टानों का घर है पूरा किया गया और जिसका अनुगमन समुदाय आधारित समाजिक-आर्थिक प्रबोधन प्रदर्शन प्रोजेक्ट के अंतर्गत ऐसे पाँच स्थानों पर किया गया जहाँ बॉयोफिजिकल सर्वे किया गया था: भारत में तीन स्थानों (अंडमान द्वीप, लक्षद्वीप और मन्नार की खाड़ी) तथा अन्य दो श्रीलंका और मालद्वीप में। प्रत्येक दल को मूंगा की चट्टानों के प्रबंधन के लिए जीसीआरएमएन सामाजिक-आर्थिक मैन्युअल के उपयोग और उनके कार्यक्षेत्र में निगरानी कार्यक्रम की स्थापना का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया था(GCRMN MANUAL)। इस मैन्युअल का दोष यह था कि इसमें दी गई विधि द्वारा सामाजिक-आर्थिक मूल्यांकन किया जा सकता था लेकिन निगरानी(प्रबोधन) नहीं। अतः दक्षिण एशिया के दल को यह स्पष्ट नहीं था कि निगरानी कैसे की जाये। उन्होंने व्यावहारिक निगरानी प्रोटोकाल के लिए सरल समुच्चय दिशानिर्देश (मार्गदर्शिका) के लिए प्रार्थना की जो विशेष रूप से कार्य स्थान पर लागू हो सके।

सन् 2007-2008 में कोरल रीफ एण्ड लाइवलीहुड इनिश्येटिव (CORALI) की कार्यशाला (एशिया क्षेत्र की प्रथम कार्यवाही जिसका केन्द्र दक्षिण एशिया था, जिसे यूरोपियन यूनियन तथा फिनलैंड विदेश मंत्रालय ने निधिबद्ध किया) के दौरान दक्षिण एशिया के कोराली दलों ने उनके कार्य में सॉकमॉन की संकल्पना और उसकी उपयुक्तता पर बहस की, जो कि संसाधनों का ज्यादातर अत्यंत कम उपयोग में लाने वाले उपभोक्ता थे, अतः संबंधित स्तर के गरीबों के लिए विशेष ध्यान की आवश्यकता थी। उन्हें यह भी चिंता थी कि सामाजिक-आर्थिक निगरानी दल की गतिविधियों से समुदाय की निगरानी पुलिस निगरानी के समकक्ष न हो जाये और वह लोगों की निजी जिंदगी में दखल न हो। अतः उन्होंने यह राय दी की निगरानी समुदाय के लोगों के द्वारा की जाये। यह सब लागू करते हैं कि आंकडे कैसे इक्ट्ठे किये जायें और नये रास्ते खुलते हैं जिनका केन्द्र निगरानी में परिवर्तन यहाँ के लोगों के परिप्रेक्ष्य में हो सके। प्रबंधन के लिए इसको अपनाने का तर्काधार समुदाय के परिप्रेक्ष्य में परिवर्तन की निगरानी ही इसका मुख्य केन्द्र रहा और यही सबसे महत्वपूर्ण विषय है जिसकी निगरानी की जरूरत है।

सॉकमॉन दक्षिण एशिया ने प्रबोधन (निगरानी) दिशानिर्देशिका इस बात को ध्यान में रखते हुए बनायी है कि समुद्रतटीय और समुद्री आवासी प्रबेंधक, पर्यावरण संरक्षक और स्थानीय समुदाय के स्वयंसेवक दल स्पष्ट निर्देशों से सामाजिक-आर्थिक निगरानी कर सकें। सॉकमॉन दक्षिण एशिया जीसीआरएमएन मैन्युअल की प्रशंसा करते हुए सरल, अतिसक्षम समुच्चय़ दिशानिर्देश देती है जो कि स्थान की आवश्यकता के अनुसार ढाले जा सकते हैं। यह दोनों ही दस्तावेज एस साथ उपयोग में लाये जाने चाहिये-- सॉकमॉन प्रथमता सूचक मूल्यांकन हेतु दिशानिर्देश प्रदान करता है और जीसीआरएमएन मैन्युअल इसे कैसे किया जाये का विवरण प्रदान करता है।

सॉकमॉन दक्षिण एशिया, दक्षिण एशिया के अनुभवों तथा संगठन के बहुमूल्य अनुभव जो की गत 10 वर्षों से इस क्षेत्र के समुदायों के बीच चल रहे प्रोजेक्टों और कार्यक्रमों के माध्यम से चलायी जा रही गतिविधियों से प्राप्त हुआ है की विशिष्टता दर्शाता है। कोस्टल रिसोर्स मैनेजमेंट प्रोजेक्ट(सीआरएमपी) श्रीलंका में, स्थानीय समुदाय आधारित संगठन(सीबीओ), फाउंनडेशन ऑफ इयधाफुशी यूथ लिड्रे ज(एफईवाईएलआई) और अटॉल इकोसिस्टम कंजर्वेशन प्रोजेक्ट बा अटोल में, मालद्वीप; भारतीय संगठन- द पीपल्स एक्शन फॉर डेवलपमेंट (पीएडी) जो कि मन्नार की खाड़ी में स्थित है, द अंडमान एंड निकोबार इनवाइरोनमेंट टीम(एएनईटी) अंडमान और निकोबार में कार्यरत है और द सेंटर फॉर एक्शन रिसर्च ऑन इनवाइरोनमेंट साइंस एंड सोसायटी (सीएआरईएसएस) लक्षद्वीप में कार्यरत है, ये सारे संगठन स्थानीय समुदायों को साथ लेकर पिछले दस सालों से मूंगा चट्टानों से संबंधित समस्याओं पर काम कर रहे हैं । इस दौरान इन्होंने संबंधित भागीदारी साधन का विकास किया है जो कि प्रबंधकों के लिये लाभप्रद हैं। सॉकमॉन दक्षिण एशिया इस क्षेत्र के समाजशास्त्रियों, स्थानीय समुदाय और तटीय प्रबंधकों के ठोस सहयोग से बना संगठन है। सॉकमॉन दक्षिण एशिया का लक्ष्य सामाजिक-आर्थिक सूचना, होने वाले परिवर्तन तथा इसका संपूर्ण ढाँचा, सॉकमॉन दक्षिण पूर्व एशिया, सॉकमॉन कैरिबियन, सॉकमॉन पश्चिमी हिन्दमहासागर संगठनों और स्थानीय समुदायों के साथ हमारे अनुभव पर आधारित है।

सॉकमॉन दक्षिण एशिया विश्व में हो रहे लगातार प्रयासों का एक अंश है जो कि बॉयोफिजिकल तथा सामाजिक-आर्थिक निगरानी कार्य को एक दूसरे का पूरक बनाना चाहते हैं ताकि उससे समुदायों की जानकारी तथा उनके संबंध समुद्रतटीय संसाधनों से बढ़ सकें ।

विनिता हूण तथा गया श्रिसकांतन
अगस्त 2008

भाग 1 : यह सब किसके बारे में है?

1.1 सॉकमॉन क्यों?

समुद्रतटीय संसाधन प्रबंधक यह महसूस करते हैं कि अब समुद्रतटीय संसाधन प्रबंधन सिर्फ बॉयोफिजिकल स्थितियों को केन्द्र में रख कर नहीं हो सकता है। समुद्रतटीय संसाधनों की ओर वहाँ के जन समुदायों का रवैया, उनका उपयोग एक गंभीर प्रभाव तटीय समुद्री व्यवस्था के बॉयोफिजिकल स्थिति पर छोड़ता है। तटीय संसाधन प्रबंधन भी समुदाय के समाजिक-आर्थिक स्थिति पर समान रूप से प्रभाव छोड़ता है। सामाजिक-आर्थिक सूचना तटीय संसाधन प्रबंधन में प्रभावकारी भूमिका निभाती है। उदाहरण :

सॉकमॉन दक्षिण एशिया, दक्षिण एशिया के क्षेत्रों में समुद्रतटीय प्रबंधन स्थानों पर सामाजिक-आर्थिक निगरानी प्रोग्राम स्थापित करने के लिए एक संग्रहित दिशानिर्देश है।

- समुद्री प्रजातियों का शिकार और भयभीत वासियों को बचाने के लिये समुद्री निषेध क्षेत्र या मछली पकड़ना निषेध अंचल का सुझाव उनको सुरक्षा प्रदान करता है। मछुआरा समुदाय अनुगमन और आय की क्षति के लिये आशंकित रहता है। स्थानीय तथा तटीय समुदाय के जीवनयापन निर्भरता के परिप्रेक्ष्य में निगरानी की मदद से आने वाले बदलाव और परिवर्तन प्रतिक्रिया को समझा जा सकता है। इससे प्रबंधकों को यह जानने मे मदद मिलती है कि कौन प्रभावित होने वाला है और कौन-सा वैकल्पिक जीवनयापन विकल्प स्वीकार्य होगा। किसी भी निर्णय में स्थानीय समुदाय को सम्मिलित करने से उनमें विश्वास पैदा होता है और नियम तथा कानून अनुपालन में मदद मिलती है।

- नीति निर्धारणकर्ता और जनता यह जानना चाहती है कि समुद्री प्रतिबंधित क्षेत्र कहाँ तक प्रभावाशील है। लोगों में बदलाव की सूचना उनके नियम और कानून के अनुपालन और उसके लागू होन के बोध से मिलती है और यही संकेत करती है प्रबंधन की गतिविधियों की सफलता -असफलता तथा समुद्री निषेध क्षेत्र की स्वीकार्यता की ओर।

यह बताना महत्वपूर्ण है कि सॉकमॉन एक संग्रहित कठोर दिशानिर्देश नहीं है। सॉकमॉन के प्रयोक्ता, समाजिक-आर्थिक निगरानी दल यह आशा रखते हैं कि वैरियेबल तथा विधियाँ कार्यस्थल की उपयुक्तता के अनुसार हों जैसा कि भाग 4.2 मे बताया गया है।(इस भाग के अंत में केस स्टडी देखें)

- विपदा के पश्चात (उदाहरण - सुनामी) प्रस्तावित विकासात्मक परियोजनाएँ आजीविका पर केन्द्रित हैं। सॉकमॉन के उपयोग से वे यह सुनिश्चित कर देते हैं कि परियोजनाओं में पर्यावरण और संसाधन प्रबंधन समस्याएँ तथा समुदाय और समुद्री चट्टानों में स्वाभाविक बदलाव को समझते हुए शामिल किया गया है। विकास और आजीविका विस्तार के साथ होने वाले बदलाव की निगरानी स्थानीय रीफ गतिविज्ञान में तथा दीर्घकालिक विकास के लिये लोगों की आजीविका के प्रति अच्छी समझ को सुनिश्चित करती है।

- समुद्रतटीय समुदायों के लिये एक मुख्य नई शैक्षणिक योजना प्रस्तावित है। समुदाय से संप्रेषण के तरीकों (उदाहरण - सभा, ट `लीविजन, समाचार पत्र) को समझ लेने से साक्षरता तथा अनेकों प्रयोक्ता दलों के शिक्षास्तर को सुधारने, उनके भयमुक्त विचार को दूर करने के लिए प्रबंधक आवश्यकता अनुरूप प्रोग्राम तैयार कर उपयुक्त संप्रेषण माध्यम का उपयोग करते हैं और सुनिश्चित करते हैं कि दिया गया संदेश उन तक पहुँचे।

स्पष्ट है कि सफलता पूर्वक तटीय संसाधन प्रबंधन के लिये प्रबंधकों को संतुलित दीर्घकालिक प्रयोग, संसाधन सुरक्षा और संरक्षण, समुदाय की आहार सुरक्षा, आजीविका तथा संसाधन के उचित प्रयोग के साथ आवश्यकतानुसार करें। इस प्रसंग को समझने के लिये यह जरूरी है कि तटीय संसाधन प्रबंधन के प्रयोग, मूल्यांकन और भविष्यवाणी को समझा जाये। सामाजिक-आर्थिक सूचना समाज, संस्कति, अर्थ और राजनीतिक विशेषताएँ तथा व्यक्तिगत, पारिवारिक, समूह, संगठन और जातियों की स्थिति को समझने में सहायक होती है। यह तटीय प्रबंधकों की कठिन समस्याओं को समझने तथा उसके अनुसार प्रबंधन की प्राथमिकता को केन्द्रित करती है।

1.2 सॉकमॉन क्या है?

सॉकमॉन एक ऐसी एक संग्रहित दिशानिर्देशिका है जो दक्षिण एशिया में स्थित तटीय प्रबंधन स्थानों पर सामाजिक-आर्थिक निगरानी परियोजना को स्थापित करती है। सॉकमॉन इस प्रकार के स्थलों के अध्ययन के लिये अत्यधिक उपयुक्त है। यह दिशानिर्देश प्राथमिकता के आधार पर सामाजिक-आर्थिक परिवर्तनों की सूची प्रदान करती है जो कि तटीय प्रबंधकों के साथ-साथ आंकड़ों के एकत्रीकरण के लिए प्रश्नों और आकंड़ों के विश्लेषण के लिये सारिणी बनाने में उपयोगी होती है। यह आशा की जाती है कि दिशानिर्देशिका प्रत्येक कार्यस्थल की आवश्यकता को पूरा करे। सॉकमॉन, कोरल रीफ मैनेजमेंट के लिये जीसीआरएमएन सामाजिक-आर्थिक मैन्युअल का सहयोगी है। (जीसीआरएमएन मैन्युअल)

सॉकमॉन का आशय है-

- नियमित रूप से मूल सामाजिक-आर्थिक आंकड़ों को एकत्र करने की कार्यप्रणाली प्रदान करता है जो कि तटीय प्रबंधन में कार्यस्थल स्तर पर उपयोगी हो।
- क्षेत्रीय व्यवस्था को आधार प्रदान करता है जिससे कार्यस्थल स्तर के आंकड़ों की राष्ट्रीय स्तर, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आंकड़ासंचय से तुलना की जा सके।
- तटीय और समुद्री संसाधनों के प्रबंधन में बेहतर क्षेत्रीय सहयोग के लिए विशेषज्ञों के समूह को एक मंच प्रदान करता है।

दक्षिण एशिया में पणधारियों के व्यावहारिक पूर्ण विस्तार के बावजूद, उन्हें अक्सर संसाधन उपभोक्ताओं के विभिन्न स्तर की गरीबी, जो कि गरीब से गरीब है, का सामना करना पड़ता है। सॉकमॉन का आशय प्रबंधकों जिनमें बहुत से विज्ञान या संसाधन प्रबंधन पृष्ठभूमि से हैं, को पूरी जानकारी प्रदान करना है कि सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था क्या है और कौन से सामाजिक-आर्थिक आंकड़ें कार्यस्थल स्तर प्रबंधन में कैसे उपयोगी हो सकते हैं।

सामाजिक वैज्ञानिक पिछले दस सालों से दक्षिण एशिया में सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था पर शोध कर रहे हैं। सॉकमॉन दक्षिण एशिया के उपयोगकर्ता वर्तमान में सामाजिक-आर्थिक निरीक्षण कार्यक्रम का उपयोग कर रहे हो सकते हैं। सॉकमॉन का आशय इन कार्यक्रमों में सहायक बनते हुए क्षेत्र के लिए सरल, मानक समुच्चय दिशानिर्देश प्रदान करना है।

सामाजिक -आर्थिक निगरानी समय के साथ-साथ सामुद्रिक संसाधनों के संमुखीन लोगों की समझ / प्रत्यक्षज्ञान में आये बदलाव की समझ और जानकारी लेने के बारे में है ताकि समय पर सही निर्णय लेते हुए सूचनापरक प्रबंधन हो। इसमें सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और लोगों की शासन प्रणाली की सूचनाएँ, दलों, समुदायों और संगठनों के दीर्घावधि आंकड़ों को नियमित अंतराल से एकत्र करना शामिल है जिनका विश्लेषण किया जाता है और ये प्रतिपुष्टि करते हैं योजना बनाने और निर्णय लेने की प्रक्रिया में। प्रबोधन या निगरानी स्वयं में एक अंत नहीं है बल्कि यह एक प्रबंधन की बेहतरी या उसके मूल्यांकन का साधन है।

1.3 सॉकमॉन कैसे कार्य करता है?

सामाजिक-आर्थिक प्रबोधन कार्यक्रम के अंतर्गत जैसा कि नीचे दिखाया गया है चार प्रावस्थाएँ होती हैं:

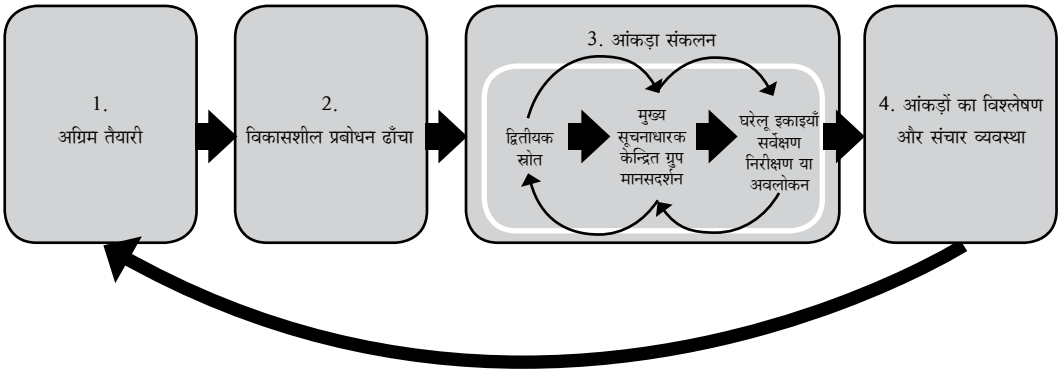

1) अग्रिम तैयारी जिसमें कार्यस्थल का चयन, सामाजिक-आर्थिक प्रबोधन के लक्ष्य की पहचान और प्रबोधन या निगरानी दल की पहचान शामिल हैं।

2) प्रबोधन या निगरानी ढाँचे को बनाना जिसमें समुदाय की परिस्थितियों, प्रबंधन के उद्देश्य, समुदाय के अनुभव, मुख्य परिवर्तियों का चयन, सामाजिक-आर्थिक निगरानी या प्रबोधन की क्रियान्वयन की विधि को परिभाषित करना और पणधारियों की पहचान करते हुए उनके परामर्शों को समझना आदि शामिल है(जीसीआरएमएन मैन्युअल अध्याय 1)।

3) द्वितीयक स्रोत द्वारा आंकड़ों का एकत्रीकरण(देखें जीसीआरएमएन मैन्युअल अध्याय 2); मानसदर्शन तकनीक उपयोग में लाने वाले मुख्य सूचनाधारक और केन्द्रित दल, सर्वेक्षण और निरीक्षण (देखें जीसीआरएमएन मैन्युअल अध्याय 3) और,

4) आंकड़ा प्रविष्टि, आंकड़ा विश्लेषण, संचार माध्यम और अनुकूलक प्रबंधन(देखें जीआरसीएमएन मैन्युअल अध्याय 4)।

सॉकमॉन परिवर्तियों (देखें खंड 4 और परिशिष्ट अ) का प्रस्तुतीकरण परिवर्तियों के वर्गीकरण और आंकड़ों के एकत्रीकरण के साधन जैसे द्वितीयक स्रोत, मुख्य सूचना देने वाले, निरीक्षण या अवलोकन,मानसदर्शन तकनीक और / या केन्द्रित दल और सर्वेक्षण पर आधारित हैं। इन्हें इस प्रकार विभाजित किया गया है कि इन दो प्रकार की साक्षात्कार संदर्शिकाओं- पहला द्वितीयक स्रोत, मुख्य सूचना देने वाले और केन्द्रित दल तथा दूसरा सर्वेक्षण में सहसंबंध स्थापित हो। परिवर्तियों का वर्गीकरण उनके एकत्र करने के साधारण महत्व के अनुसार भी हो सकता है। (देखें खंड 4.2.2)

इस बात पर फिर से बल देना कि सॉकमॉन एक कठोर समुच्चय दिशानिर्देश नहीं है महत्वपूर्ण होगा। सॉकमॉन के प्रयोक्ता सामाजिक-आर्थिक प्रबोधन या निगरानी दल परिवर्तियों (जोड़ना, घटाना, सॉकमॉन में प्राथमिकता प्राप्त परिवर्तियाँ)और अनुकूल विधियों का चयन कार्यस्थल की आवश्यकता अनुरूप करते हैं जैसा कि खंड 4 में चर्चित है।

1.4 सॉकमॉन किसके लिए है?

दक्षिण एशिया में सॉकमॉन प्रबोधन या निगरानी गतिविधियाँ अक्सर अत्यधिक गरीब संसाधन प्रयोक्ता के साथ कार्य करती हैं और इसके लिए संसाधन प्रयोक्ताओं के बीच समुदाय में गरीबी के संबंधित स्तर पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है। यह आंकड़े एकत्र करने में भी नजर रखते हैं। प्रायः सही गरीबों को ढूँढ पाना कठिन होता है और वे अपने आप को आसानी से मुख्य सूचना देने वाले के रूप में प्रस्तुत नहीं करते। जो भी सॉकमॉन का प्रयोग करते हैं,उनके लिये यह आवश्यक हो जाता है कि वे विशेष प्रयास करें यह जानने के लिये कि संसाधन प्रयोक्ता समुदाय में गरीब कौन है, तथा उन्हें इस प्रक्रिया में कैसे शामिल किया जाये।

सॉकमॉन के लक्षित दर्शक हैं तटीय प्रबंधक जिनमें शामिल हैं- तटीय प्रबंधन कर्मचारी, स्थानीय सरकारी अधिकारी, गैरसरकारी संगठन और स्थानीय लोग (उदा. सामुदायिक संगठन, मछुवारा समितियाँ, स्थानीय संसाधन प्रयोक्ता)। द्वितीयक दर्शक के रूप में शैक्षणिक और अंतर्राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय संगठन आते हैं।

पूरे दक्षिण एशिया के तटीय समुदायों में गरीबी चारों ओर फैली हुई है और दीर्घस्थायी बनी हुई है। इसे आय के स्तर, खाद्य सुरक्षा, पौषणिक स्तर, संपत्ति स्वामित्व और स्वास्थ्य स्थितियों के मूल्यांकन से मापा जा सकता है। गरीबी बहुधा संरचनात्मक लक्षणों से संबंधित होती है-लिंग और जाति तथा समाजिक बहिष्कार अक्सर लोगों की गरीबी के मूल में होता है। अतः इसलिए दक्षिण एशिया के समुदायों में अक्सर गरीबों को पहचानना विशेषकर कठिन होता है तथा और कठिन होता है भागीदारी मूल्यांकन में शामिल करना। इसमें शामिल हैं वे स्त्रियाँ जो कि परिवार की मुखिया हों, बूढ़े, बीमार, अपंग, नीची जाति और आदिवासी दल जो समुदाय की मुख्य जीवनधारा से बहिष्कृत हों और जो बाहर के लोगों से परस्पर संबंध बनाने में अनिच्छुक हों। वे अक्सर यह महसूस करते हैं उन्हें बहुत कम कहना है या जो भी वे कहेंगे वह महत्वपूर्ण नहीं होगा। अतः इसलिए शोधार्थियों को विशेष प्रयास करने की और अधिक सहनशक्ति की आवश्यकता होती है इनकी पहचान करने, संपर्क बनाने और यह सुनिश्चित करने में कि उनकी सामाजिक स्थिति को निगरानी प्रयासों में सम्मिलित कर लिया गया है।

1.5 सॉकमॉन की सीमाएँ क्या हैं?

सॉकमॉन एक बुनियादी समुच्चय दिशानिर्देश है। यह सामाजिक-आर्थिक निगरानी की संभावित सभी परिवर्तियों को सुरक्षित नहीं करता(उदा. यह विशेष रूप से लिंग एक अलग से परिवर्ती है इसकी चर्चा नहीं करता)। इसे न्यूनतम प्रधानता, संबंधित, सरल समुच्चय परिवर्तियों के रूप में रूपांकित किया गया है जिससे कार्य किया जा सके और यह जीसीआरएमएन मैन्युअल का सहचर बन सके, जो कि सामाजिक-आर्थिक आकलन के संभावित सारे प्रकार की परिवर्तियों का संपूर्ण विवरण प्रदान करता है। अतः दलों से यह आशा की जाती है कि वे जीसीआरएमएन मैन्युअल से सुझाव ग्रहण करें (विशेषकर परिशिष्ट अः सामाजिक-आर्थिक सीमाएँ / प्राचल) यदि यह निर्णय लिया गया हो कि सॉकमॉन के लिये प्रधानता प्राप्त परिवर्तियों के भी आगे जाया जाये।

सॉकमॉन यह भी विवरण नहीं प्रदान करता कि आंकड़े कैसे एकत्र किये जायें(उदा. साक्षात्कार कैसे किया जाये)। यह सूचना जीसीआरएमएन मैन्युअल में उपलब्ध है, जिसमें सामाजिक-आर्थिक आंकड़ों को कैसे एकत्र किया जाये, साक्षात्कार कैसे किया जाये, केन्द्रित समूह साक्षात्कार, निरीक्षण या अवलोकन, और द्वितीयक आंकड़ों का एकत्रीकरण आदि को विस्तार से व्याख्यायित किया गया है (देखें. जीसीआरएमएन मैन्युअल अध्याय 3: कार्यक्षेत्र आंकड़ा संकलन)। अतः यह सुझाव दिया जाता है कि पाठकों को दोनों दस्तावेजों का प्रयोग करना चाहिए - प्राथमिक परिवर्तियों के मूल्यांकन, क्या प्रश्न पूछें जायें और सारिणी विश्लेषण के लिए सॉकमॉन का प्रयोग और कैसे किया जाये इसके लिए जीसीआरएमएन मैन्युअल का प्रयोग।

एक अध्ययन : अगाती द्वीप में समुदाय पर आधारित रीफ संबंधित सामाजिक-आर्थिक निगरानी

लक्षद्वीप केन्द्रशासित राज्य क्षेत्र भारत[1]

विनिता हूण[2]

अगाती द्वीप भारत के केन्द्रशासित प्रदेश लक्षद्वीप के पश्चिम में 10° 51' N और 72° E में स्थित है। यह लाकाडीव -चागोस पर कोरल उत्पत्ति से बना है, यह पानी में डुबी हुई पहाड़ी है जिसकी पीठ का ढलान दुरारोह तरीके का है जिसकी गहराई1500 से 4000 मीटर भारत के पश्चिमी तट पर है। इस द्वीप का कुल क्षेत्रफल 2.7 वर्ग किलोमीटर है और यह 7.2 कि.मी. की लंबाई में फैला हुआ है। यहाँ की स्थानीय जनसंख्या 7072 है जो कि द्वीप के उत्तरी खंड में रहती है(देखें: हूण et al 2002[3] और टैमलैन्डर 2005[4])। पारंपरिक तौर पर मछली पकड़ने और अगाती के लोगों के भूमि अधिकार में कलपीटी द्वीप; अगाती के चारों ओर रीफ, पेरुमल पार से उत्तर पश्चिम और बंगाराम दलदल जो कि बंगाराम, तिनाकारा परेली I, II, III को घेरे हुए है भी शामिल है। पिछले दशक में पारंपरिक आर्थिक एवं सामाजिक स्थितियों में तेजी से बदलाव देखा गया है जिसके फलस्वरूप यह धीमी पारंपरिक आर्थिक व्यवस्था से वाणिज्यिक उन्मुख व्यवस्था में बदल गई है।

सन् 2001-2002 में जीसीआरएमएन(GCRMN) दक्षिण एशिया के सहयोग से समुदाय आधारित समाजिक-आर्थिक प्रबोधन प्रदर्शन परियोजना स्थापित की गई। इस परियोजना का उद्देश्य कोरल रीफ संसाधन प्रबंधन में निगरानी या प्रबोधन और शोधकार्य के लिये स्थानीय लोगों को शामिल करना रहा, जब कि निगरानी कार्यक्रम का कार्य द्वीप में आंकड़ों को एकत्र करना और जागरूकता अभियान चलाना रहा। कोई भी सक्षम है यह परिमणित करने में कि विभिन्न गतिविधियों द्वारा रीफ पर कितना दबाव पड़ रहा है(प्रशासन द्वारा कुछ को प्रतिबंधित कर दिया गया है)। जनमंडली आधारित कार्यक्रम होने से स्थानीय युवाओं और गैर सरकारी संगठनों ने प्रबंधन कार्यवाहियों की आवश्यकताओं पर ध्यान देना शुरू किया(हूण et al. 2002)। वे प्रबंधन, उसे लागू करने और संरक्षण की गतिविधियों के लिये प्रभावकारी दल के रूप में सेवा दे रहे थे।

इस प्रकार सामाजिक-आर्थिक मूल्यांकन का उद्देश्य था :

- द्वीपवासियों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों को समझने और उन्हें प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करने के लिए पणधारियों की भागीदारी को सुगम बनाना।
- इसका आकलन करना कि पणधारी कोरल रीफ को कितना महत्व देते हैं।
- संभवित खतरे और दबाव की पहचान करना।
- प्रबंधन की प्रभावात्मकता / समुदाय के फायदे और प्रबंधन की कार्यनीति के प्रभाव का मूल्यांकन करना।
- सामाजिक-आर्थिक सूचनाओं के लिए एक आधार रेखा स्थापित करना।
- एक प्रबंधन योजना बनाने के लिए लक्षद्वीप प्रशासन को सूचित और पर्यावरण विभाग को प्रोत्साहित करना।
- समुदाय आधारित प्रबोधन संदर्भ और निगरानी अनुसूची के विकास कार्यक्रम को स्थापित करना।

रीफ ग्लीनिंग, अगाती द्वीप - एक सामाजिक पिछलासमय

1. जीसीआरएमएन दक्षिण एशिया और कोरडिओ (CORDIO)के आर्थिक सहयोग से इस अध्ययन को पूरा किया गया।
2. मैनेजिंग ट्रस्टी, सेंटर फॉर एक्शन रिसर्च ऑन एन्वायरन्मेंट साइन्स एंड सोसायटी(CARESS) और सॉकमॉन दक्षिण एशिया, आई यू सीएन (IUCN) सलाहकार रहे।
3. हूण. वी, अब्दुल शक्कूर बी, मूसा ओजी, अयुब एइ, चेरियाकोया. एमआई, मुहम्मद अली एमसी, हजारा ए, मूसाकोया बी, तजुन्नीसा एनएम और अबुबेकर पीपी 2002। अगाती द्वीप का सामाजिक-आर्थिक मूल्यांकन और कोरल रीफ प्रबोधन, केन्द्र शासित प्रदेश, लक्षद्वीप - प्रोजेक्ट रिपोर्ट, CARESS चेन्नै।
4. हूण वि और टेमलैन्डर जे 2005, अगाती द्वीप पर कोरल रीफ संसाधन के उपयोग की समुदाय आधारित निगरानी या प्रबोधन, केन्द्रशासित प्रदेश, लक्षद्वीप, भारत। In: Souter D, Linden O(eds) कोरल रीफ डिग्रेडेशन इन इंडियन ओसन : स्टेटस रिपोर्ट 2005. डिपार्टमेंट ऑफ बॉयलाजी एंड एन्वायरन्मेंट सांइस यूनिवर्सिटी ऑफ कालमर।

इस लक्ष्यकी प्राप्ति के लिए चेन्नै की एक गैर सरकारी संस्था सेंटर फॉर एक्शन रिसर्च ऑन एन्वायरन्मेंट साइन्स एंड सोसायटी (CARESS) ने सामाजिक-आर्थिक ट्रैनिंग कार्यशाला का आयोजन अगाती द्वीप के समुदाय के स्वयंसेवकों के लिये किया और यह अगाती कोरल रीफ निगरानी या प्रबोधन नेटवर्क(ACRMN) बनाने में सहायक रही। प्रशिक्षण कार्यशाला के दौरान सभी प्रतिभागियों को जीसीआरएमएन मैन्युअल प्रदान किये गये। 'करो और सीखो' का रास्ता अपनाया गया और प्रतिभागियों को प्रशिक्षण देने में पीआरए टूल्स का उपयोग करने और अवलोकन अभ्यास में सहयोग मिला। इसका केन्द्र था, स्थानीय जैविक-संसाधनों पर आधारित समुदाय का जीवनयापन, मछली पकड़ना, यंत्रों का उपयोग, संसाधनों की शासनप्रणाली पद्धति, देशी जानकारी, कार्यस्थल का उपयोग, संसाधन का प्रत्यक्ष ज्ञान और लोगों में परिवर्तन का अनुभव और उसके कारण तथा प्रभावों के बारे में समझना। इस कार्यशाला के फलस्वरूप एक नयी बनी संस्था एसीआरएमएन(ACRMN) एक प्रबोधन या निगरानी प्रसंग और योजना के साथ सामने आयी। सामाजिक-आर्थिक मूल्यांकन में आंकड़ों के संकलन विधि का सार निम्नलिखित सारिणी द्वारा प्रस्तुत है-

आंकड़ा संकलन प्रवस्था	**समय लिया गया**	**क्या किया गया है**	
सॉकमॉन प्रशिक्षण कार्यशाला - समुदाय के स्वंय सेवकों के लिए	दो सप्ताह	समुदाय टीम को सामाजिक-आर्थिक मूल्यांकन और सामाजिक-आर्थिक मूल्यांकन में पीआरए टूल्स उपयोग करने में तैयार किया गया। करो और सीखो का रास्ता अपनाया गया और उन्हें जीसीआरएमएन मैन्युअल सहायक के रूप में दिया गया।	
		परिवर्तियाँ	**कार्यवाही / निर्णय**
द्वितीयक आंकड़ों का संकलन	कार्यशाला के एक सप्ताह पहले और पूरे कार्यक्षेत्र कार्य के दौरान	• द्वीप जनसांख्यिकी • सामुदायिक सेवाएँ • संबंधित अधिसूचनाएँ, विधान, शोध रिपोर्ट	सरकारी विभागों, पुस्तकालयों और शोध संस्थानों जो कि लक्षद्वीप के केन्द्र शासित क्षेत्र से व्यवहार करते हैं का निरीक्षण किया।
अवीक्षण सर्वेक्षण	दो दिन द्वितीयक आंकड़ा संकलन के दौरान	समुदाय के नेताओं, मुखिया अधिकारियों और सरकारी विभागों जैसे पर्यटन, मत्सपालन, बंदरगाह और पोर्ट विभाग, कल्याण विभाग से परिचय	मुख्य सूचना देने वालों के साथ अपने आप का परिचय और मूल्यांकन कार्य की योजना के संबंध में अनौपचारिक चर्चा
पीआरए तकनीक द्वारा सामाजिक-आर्थिक मूल्यांकन सामाजिक-आर्थिक मूल्यांकन में लिंग जानना मुख्याधारा में रहा और इससे एक अलग परिवर्ती के रूप में व्यवहार नहीं किया गया।	दो माह	• द्वीप का विवरण - स्थानीय शब्दावली का प्रयोग द्वीप और कोरल रीफ परितंत्र का विवरण देने में। • रीफ के उपयोग पैटर्न, पारंपरिक रूप से मछली पकड़ना, ग्लिनींग, व्यापारिक मत्स्यपालन, पर्यटन • पारंपरिक जानकारी • संसाधन शासन प्रणाली, व्यावहारिक नियम • प्रबंधन अधिकारियों का प्रत्यक्षज्ञान और आवश्यकता • बाज़ार का गुण निकालना या नहीं निकालना • पणधारियों का प्रत्यक्षज्ञान • उप्रयोगिक मूल्य • प्रत्यक्षज्ञान या अनुभव	अवलोकन, कारोबार करना, एफजीडी, घरेलू इकाइयों के स्तर पर मुख्यसूचना देने वालों से आंशिक ढाँचागत साक्षात्कार, प्रश्नावली सर्वेक्षण; आयु संबंधित, लिंग, और मौसम, मानसदर्शन तकनीक. संसाधन मानचित्रीकरण, मौसम का कैलेंडर, प्रत्यक्षबोध के लिये घरेलू स्तर सर्वेक्षण को श्रेणीबद्ध करना और आय, वेन आरेख; प्राब्लम ट्री विश्लेषण प्रतिभागियों का चयन क्रमरहित उनकी गतिविधियों के ग्रुपों के अंतर्गत (उदा. यंत्र के अनुसार मछली पकड़ना, उत्पाद के अनुसार मछली व्यापार)फ
भैंतिक जीवन प्रणाली और सर्वेक्षण	एक माह	• व्यवासाय ढाँचा और आय स्रोत • भैंतिक जीवनप्रणाली • बदलाव का बोध	एसएसआई और एफजीडी की सहायता के लिये एक प्रश्नावली का विकास और उस सूचना पर केन्द्रित था जो कि साधारणतया परिमाणित नहीं होती।
समुदाय टीम एसीआरएमएन द्वारा निगरानी ढाँचा बनाना		• रीफ संबंधित गतिविधियों की निगरानी • मछली पकड़ने की निगरानी(साइज और वजन के हिसाब से) • बदलाव का बोध	आवृति - दैनिक 10 दिन प्रत्येक दूसरे माह 5दिन प्रत्येक दूसरे माह
प्रमाणीकरण	2 दिन मूल्यांकन के दौरान	मुख्य शिक्षण को प्रभावशाली पणधारियों और द्वीप के प्रशासकों के सम्मुख प्रस्तुत करना	आवश्यकता के अनुसार

सामाजिक-आर्थिक आधार पर और लक्षद्वीप प्रशासन के औपचारिक प्रबंधन योजना की अनुपस्थिति में एसीआरएमएन एक प्रबोधन या निगरानी संदर्भ के साथ सामने आया जो कि समुदाय के लिये उपयोगी होगा। मानव गतिविधियों द्वारा रीफ पर पड़ रहे तनाव को मापना ही यह संदर्भ था। उन्होंने निश्चित किया यह निगरानी करने का कि कितने लोग रीफ और लागून दोनों का प्रयोग जीवनयापन और मनोरंजन के लिये करते हैं। विभिन्न यंत्रों और कोरल रीफ संसाधन संबंधित परिस्थितयों के अनुसार लोगों के संसाधन संबंधित अनुभवों से मछली पकड़ने (मछली, ऑक्टोपस, घोंघा और कोरल बोल्डर, रूबल, रेत) की मात्रा निर्धारित करना।

आंकड़ों का विश्लेषण किया गया और एक रिपोर्ट बनायी गयी जिसे लक्षद्वीप प्रशासन के संबंधित विभाग को सौंप दिया गया। इसके पश्चात, सन् 2002 में एक अध्ययन रिपोर्ट आईओसी / यूनेस्को (IOC/UNESCO) द्वारा गरीबी और रीफ रिपोर्ट के अंतर्गत प्रकाशित की गई तथा निगरानी से प्राप्त खोज के तथ्यों को पाक्षिक कोर्डियो (क्ङङ्कक्ष्र) रिपोर्ट में और सूचनापत्रों में प्रकाशित किया गया। एसीआरएमएन (ACRMN) ने अगाती द्वीप के समुदाय के लिये रीफ संबंधित गतिविधियों से मिली मुख्य जानकारी को प्रचारित करने और प्रतिबंधित समुद्री सुरक्षित क्षेत्र बनाने पर एकमत जुटाने के लिये कई संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन किया।

सामाजिक आर्थिक मूल्यांकन यह दर्शाता है -

- मातृप्रधान व्यवस्था जो कि मारुमुक्कातायम नाम से जानी जाती है टूट रही है और शरीयत कानून संपत्ति और संपत्ति विभाजन के लिये प्रचलित हो रहा है। यह कानून स्त्री उत्तराधिकार की अपेक्षा पुरुष उत्तराधिकार का पक्ष लेता है। (हूण et al. 2002)[5]
- अधिक आय और प्रोटीन ग्लीनिंग रीफ क्षेत्र में मछली पकड़ने पर निर्भर है। अगाती द्वीप के 20प्रतिशत परिवारों का मुख्य पेशा रीफ क्षेत्र में मछली पकड़ना और ग्लीनिंग है। 90प्रतिशत गरीब परिवारों को प्रोटीन रीफ क्षेत्र के मछली पकड़ने और ग्लीनिंग से मिलता है।
- रेत, रूबल, और कोरल बोल्डर का महत्व निर्माण वस्तु के रूप में जैसे का तैसा बना हुआ है, कोरल, रूबल और बोल्डर इक्ट्ठा करने पर प्रतिबंध की अधिसूचना के परिप्रेक्ष्य में लोगों का ग्रहणबोध यह है कि रूबल को इक्टठा करने से कोरल रीफ को कोई नुकसान नहीं पहुँचेगा।(हूण et al. 2002, हूण 2003 और हूण एवं टेमलैण्डर 2005)
- कोरल रीफ के परिस्थिति बोध के संबंध में सर्वेक्षण के दौरान 52 प्रतिशत लोगों का यह मानना है कि रीफ में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है, 40 प्रतिशत ने जवाब दिया है कि उन्हें इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है और 10प्रतिशत यह मानते हैं कि बढ़ती हुई रीफ संबंधित गतिविधियों से, रौंदने के फलस्वरूप, लंगर और नौकाओं के इंजिन से तेल के रिसाव से रीफ पर संकट है। (हूण et al. 2002)
- पर्यटन एक आगे बढ़ता हुआ उद्योग है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों पर्यटकों के लिये रिसार्ट सुविधाएँ अगाती और बंगाराम पर स्थापित हो चुकी हैं। आगे तिन्नाकारा में रिसार्ट स्थापित करने की योजना है। एक दूसरे एअर कैरियर ने अगाती के लिये अप्रैल 2007 से डेली उड़ान प्रारंभ कर दी है।(हूण et al. 2005)[6]

रीफ संबंधित गतिविधियों और अनुभवी प्रबोधन या निगरानी दर्शाता है–

- गोताखोरी पर्यटन की ओर द्वीपवासियों का नजरिया बदल गया है और वे वर्तमान में पर्यटन को लाभप्रद व्यवसाय मानते हैं और गोताखोरी का प्रमाणपत्र लेना चाहते हैं ताकि वे गोताखोरी केन्द्र स्थापित कर सकें या उसमें काम कर सकें।
- द्वीप के आसपास कौन से यंत्र का उपयोग किया जाये, उसे कैसे चलाया जाये, आवासियों द्वारा कैसे चलाया जाये और लक्षित जातियों की उपलब्धता आदि का निर्धारण हाइड्रोग्राफी द्वारा किया जाता है।(हूण एवं टेमलैण्डर, प्रकाशाधिन)[7]
- 12 कि.मी. के लागून क्षेत्र से अनुमानतः कुल वार्षिक पकड़ 61टन से ज्यादा है। ज्यादातर कुल पकड़ का आधा हिस्सा 20कि.ग्रा. से बड़ी 2 प्रतिशत मछलियों का होता है। अत्यधिक बड़ी पकड़ अभेदकर यंत्रों जैसे बड़े ड्रेगनेट द्वारा की जाती है।
- रीफ क्षेत्र मछली पकड़ने का महत्व स्थानीय लोगों के लिए जैसे का तैसा बना हुआ है और उसमें बढ़ोत्तरी होती लग रही है द्वीप के जनसांख्यिकीय ढाँचे की नजर से। साथ ही साथ रीफ फिशरीज का लक्ष्य नेपोलियन रासे, पैरेटफिश, ग्रुपर और स्नैपर फिश के निर्यात बाज़ार तक पहुँचाना है। (हूण et al. 2005)

सामाजिक -आर्थिक मूल्यांकन यह दर्शाता है कि प्रबंधन योजना डिजाइन करने के लिये अनेक विषयों पर विचार-विमर्श किया जाना चाहिए। औपचारिक प्रबंधन और मछली पकड़ने का आंकड़ा संकलन व्यावसायिक विशेष गतिविधि पर केन्द्रित है जैसे ट्यूना का उतराना और निर्वाह के लिये मछली पकड़ने में थोड़ा ध्यान देना।(हूण एवं टेमलैण्डर2005)

इसकी वजह से पर्यावरण और अगाती के संसाधन प्रबंधन में एक अंतर पैदा हो गया है और विभाजन है स्थानीय आबादी जो जानकारी रखती है तथा दूसरी ओर प्रबंधन अधिकारी जानकारी रखते हैं। सामाजिक-आर्थिक मूल्यांकन गैर सरकारी संगठनों के लिये उपयोगी है ताकि वे जीवनयापन योजना बनाने और संचार माध्यम के लिये रणनीति बनाने में प्रबंधन कार्यवाही के लिये सर्वसम्मति बना सकें। सन् 2008 अगाती द्वीपवासी आगे आये और उन्होंने लक्षद्वीप प्रशासन से प्रार्थना की प्रतिबंधित क्षेत्र के संयुक्त प्रबंधन की, जिसे अगाती संरक्षित क्षेत्र कहा जाता है जो कि समुदाय की स्वच्छंद कार्यवाही का प्रमाण है।

5. Hoon V., 2003: A Case Study on Lakshadweep Islands in Whittingham.E, Townsley P. and Campbell J., eds. Poverty and Reefs : Vol.2 Published by IOC /UNESCO
6. Hoon V., Moosa O.G., Cheriyakoya M.I., Samsuddin V.M., Ayoob A.E., Hussain S., Hajara A., Moosakoya B. and Tajunnussa N.M., 2005, Community based Monitoring of Reef Related Activity of Agatti Island –UT of Lakshdweep, Project Completion report CARESS, Chennai, 62pp
7. Tamlander J & Hoon V. 2008 The Artisanal Reef Fishery on Agatti Island, Union Territory of Lakshadweep, India, In: Obura, D.O., CORDIO Status Report 2008. CORDIO(Costal Ocean Research and Development, Indian Ocean) / Sida-SAREC, Mombasa. http//:www.cordioea.org. 400pp

अध्याय 2: मुझे यह क्यों करना चाहिए ?

तटीय प्रबंधन द्वारा सामाजिक-आर्थिक जानकारियाँ कई उद्देश्यों के लिये उपयोग में लायी जाती है। एक बार निगरानी के लिये संबंधित उद्देश्य का निर्णय होते ही टीम अनुकूल परिवर्तियों का चयन आंकड़ों के संकलन के लिये कर सकती है। अध्याय 4 में परिवर्तियों का परिचय और उनके चयन की विधि की चर्चा की गई है, जिसमें एक सारिणी भी सम्मिलित है इसमें यह दर्शाया गया है कि कौन सी परिवर्ती किस उद्देश्य के लिये महत्वपूर्ण होगी।

ये लक्ष्य परंपरागत हैं। तटीय प्रबंधक और निगरानी टीम इन लक्ष्यों को कार्यस्थल की आवश्यकतानुसार ढालें।

2.1 सामाजिक / सामुदायिक पलटाव संमुखीन रीफ के पलटाव का मूल्यांकन

समाजिक-आर्थिक जानकारियाँ और जीवनयापन का पैटर्न यह दिखाता है कि स्थानीय समुदाय प्राकृतिक संसाधन आधार के सम्मुख कितना लचीला है। मौसम में परिवर्तन, विरंजन, महासागर का अम्लीकरण आदि की वर्तमान में जैविकभौतिकी वैज्ञानिकों द्वारा निगरानी रीफ के पलटाव के अध्ययन के लिये की जा रही है। इन परिवर्तनों का प्रभाव समुदाय के रीफ पर आधारित रहने वालों के जीवनयापन और उनकी सेहत पर पड़ता है। लोगों को कोरल रीफ की स्थिति में हो रहे बदलाव को उसके क्या कारण और संबंध, तथा उसमें सुधार के अवसर को प्राथमिकता देना आदि समझाने में सहायक होना संभवतः परिवर्तन की आवश्यकता के लिये सर्वसम्मति बनाने में अधिक महत्वपूर्ण कदम है। बिना इस सर्वसम्मति के समुदाय को प्रबंधन के प्रयासों में सम्मिलित करना कठिन होगा। समुदाय के पलटाव को समझना प्राकृतिक संसाधन प्रबंधकों को स्थानीय समुदाय के लिये वैकल्पिक जीवनयापन उपाय ढूँढने में सहायक होता है और उससे उनकी प्राकृतिक संसाधनों पर आजीविका के लिये निर्भरता में कमी आती है।

2.2 रीफ संसाधन उपयोग गतिविधि और उसके परितंत्र वस्तुओं तथा सेवाओं पर पड़ने वाले प्रभाव की निगरानी

पणधारी संदर्भित है उन लोगों से जो तटीय संसाधनों का सीधा उपयोग करते हैं और साथ ही साथ उन लोगों से जिनकी कार्यवाही तटीय संसाधनों को प्रभावित कर सकती है।

तटीय और सामुद्रिक संसाधनों से निकाले जाने वाले और नहीं निकाले जाने वाले उपयोग संबंधी आंकड़ों का संकलन करने से, हम निकाली गई(मछलियाँ, ऑक्टोपस, शेल आदि) की मात्रा निर्धारित कर सकते हैं या इनसे कितने लोगों / पणधारियों को फायदा पहुँचा है जान सकते हैं। मछली, ऑक्टोपस, शेल आदि पकड़ने या निकालने की निगरानी, निकालने या पकड़ने, प्रजाति रचना, निकली मछली का आकार और वजन में आये परिवर्तन की जानकारी की पुष्टि करने में सहायक होती है। पारंपरिक ज्ञान और घरेलू साक्षात्कार के संयोजन से रीफ संसाधन पर निर्भरता की मात्रा ज्ञात होती है। गतिविधियों की निगरानी से तट ीय संसाधन प्रबंधक यह जान सकते हैं कि लोगों की गतिविधियों का तटीय परितंत्र पर किस मात्रा में प्रभाव पड़ेगा और वह आने वाले खतरे, समस्याओं, उपायों और तटीय संसाधन प्रबंधन के अवसर को भी उसके द्वारा जानते हैं। उदाहरण के लिये मछलियों के आकार में कमी और अन्य गतिविधियों में भाग लेने वाले लोगों की संख्या में बढ़ोतरी जैसे शोभाप्रद मछलियों का संकलन या आजीविका के लिये रीफ मत्स्यपालन से व्यावसायिक मत्स्यपालन की ओर बदलाव, बढ़ते हुये मछली पकड़ने के प्रयास से संभावित खतरे को सूचित करते हैं और तटीय प्रबंधन को कार्यवाही करने की आवश्यकता होती है। इस तरह की निगरानी, क्षेत्र की जौविकभौतिक निगरानी जो कि बार-बार मछुवारों के जीवनयापन बढ़ाने या विविधीकरण की योजना बनाने के लिये की जाती है, को निर्देशित करने में सहायक होती है।

2.3 रीफ की स्थिति, उपयोग और परिवर्तन के संबंध में लोगों के प्रत्यक्षज्ञान को समझना

समुदाय, उपयोगकर्ता के समूहों की बीच और कोरल रीफ में परिवर्तन की निगरानी संसाधन उपयोगकर्ता के परिप्रेक्ष्य में लोगों और कोरल रीफ के बीच के जटिल और हमेशा परिवर्तित होने वाले संबंधों को समझने में सहायक होती है। लोग और समुदाय, कोरल रीफ और आजिविका के संबंध में जो निर्णय लेते हैं वह उनके स्वयं के बोध हो रहे परिवर्तन के संबंध में और हो चुके या होने वाले प्रभाव पर आधारित है। लोगों का परिवर्तन और जोखिम का बोध उनके पिछले अनुभवों, सामाजिक और सांस्कतिक वातावरण जिसमें वे रहते हैं और जानकारी जो वह प्राप्त कर सकते हैं, से होता है।यह वैज्ञानिक तथ्यों को प्रतिबिंबित करता भी है और नहीं भी, परन्तु प्रबंधन निर्णयों और नीतिनिर्धारण में बराबर रूप से महत्वपूर्ण है। लोगों के बोध को समझना अतिआवश्यक है परिवर्तन की आवश्यकता पर सर्वसम्मति बनाने के लिये, यह समझते हुए कि कैसे लोग वैज्ञानिक जानकारियों, नयी नीतियों या प्रबंधन निर्णयों के संबंध में प्रतिक्रिया देंगे।

2.4 संसाधनों और उनके प्रयोक्ताओं के मूल्य और सांस्कृतिक विशेषता के महत्व का आकलन

तटीय संसाधनों और सेवाओं के मूल्य और महत्व को दर्शाना तटीय संसाधन प्रबंधन कार्यक्रम के लिये अधिक से अधिक सहयोग जुटाने में सहायक होता है। उदाहरण के लिये, कोरल रीफ के महत्व को जान लेना, वैकल्पिक विकास, प्रबंधन और संरक्षण के परिदृश्य (उदा. क्षेत्र में गोताखोरी को चालू करने का निर्णय उससे पर्यटन गतिविधि के रूप में समुदाय के लिये उत्पन्न होने वाले व्यवसाय और आय पर आधारित है।)की कीमत और फायदे का मूल्यांकन करने में सहायक होता है।

2.5 प्रबंधन युक्तियों के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव का मूल्यांकन करना

पणधारियों के संबंध में प्रबंधन के प्रभाव का निर्धारण नकारात्मक प्रभाव को कम करने और सकारात्मक प्रभाव को बढ़ानें के लिये बेहतर नीतिगत निर्णय लेनें में सहायक होता है। उदाहरण के लिये एक नीति द्वारा कुछ सुनिश्चित प्रकार के मछली पकड़नें के साधनों को प्रतिबंधित करने से समुदाय की व्यावसायिक संरचना और मछली की बाज़ार मूल्य पर प्रभाव पड़ेगा। इस प्रकार की नीति को लागू करने के पहले और बाद में के समुदाय की व्यावसायिक संरचना और मछलियों की कीमत पर प्रभाव के आकलन द्वारा प्रबंधक बेहतर तरीके से लागू की गई नीति के प्रभाव को जान सकते हैं। उदा.- विभिन्न क्षेत्रों में मछली पकड़ने वाले लोगों की संख्या की जानकारी द्वारा प्रबंधक यह भविष्यवाणी कर सकते हैं कि प्रस्तावित मछली पकड़ने के लिये प्रतिबंधित क्षेत्र से कितने लोगों को विस्थापित किया जायेगा।

2.6 प्रबंधन निकाय कैसे कार्य कर रहा है का मूल्यांकन (प्रबंधन की प्रभावात्मकता)

तटीय संसाधन प्रबंधन कार्यक्रम की उसके लक्ष्य को प्राप्त करने और उद्देश्य को पूरा करने की प्रभावात्मकता को मापना अनुकूलक प्रबंधन के लिये महत्वपूर्ण है। यदि स्थानीय पणधारियों की प्रबंधन क्रिया में भागीदारी को बहेतर बनाना एक लक्ष्य है तो लोगों के निर्णय-सृजन में भागीदारी की आवश्यकता संबंधी बोध या अनुभव को मापना होगा (उदा. बोधता / अनुभव सर्वेक्षण)। इस परिवर्ती में परिवर्तन प्रबंधन गतिविधियों और सर्वसम्मति बनाने में परिवर्तन के लिये संभावित आवश्यकता या गतिविधियों को लागू करने की सफलता या असफलता का सूचक है।

2.7 पणधारियों की भागीदारी और अनुकूल शिक्षा तथा जागरूकता कार्यक्रम बनाना

सामाजिक-आर्थिक जानकारियाँ प्रबंधन के कार्यों की ओर ध्यान देने वालों और उसमें रुचि रखने वाले पणधारियों समूहों की भागीदारी के संयोग को गाइड करने में उपयोगी हो सकती है। यह जानकारियाँ तटीय संसाधन प्रबंधन के लिये जागरूकता , शिक्षा कार्यक्रम और योजना बनाने में भी उपयोगी हो सकती है। उदाहरण - क्षेत्र के समुदाय और पणधारी संगठनों की पहचान प्रबंधकों को तटीय संसाधन प्रबंधन के कार्यों में पणधारियों को भागीदारी के अवसर सुनिश्चित करती है।

2.8 समुदाय की रूपरेखा और घरेलू इकाइयों की आधार रेखा स्थापित करना

तटीय संसाधन प्रबंधन कार्यक्रम के आरंभ में एकत्र की गई जानकारी भविष्य में तुलना के लिये आधार रेखा स्थापित करती है जो कि अनुकूलक प्रबंधन के लिये उपयोगी होती है। जैसे लक्ष्य और कार्यक्रम की गतिविधि में परिवर्तन होता है, प्रबंधक वर्तमान दशा की तुलना आधार रेखा से करते हैं यह जानने के लिये कि परिवर्तन के क्या कारण हैं और परिवर्तन का क्या प्रभाव है?

अध्याय 3 : क्या शामिल है ?

3.1 निगरानी किसे करनी चाहिये ?

निगरानी का कार्य कोई भी व्यक्ति विशेष कर सकता है, परन्तु सामाजिक-आर्थिक निगरानी का कार्य आदर्श रूप में तटीय प्रबंधन के कर्मचारी(उदा. प्रतिबंधित समुद्री क्षेत्र या मछलीपालन प्राधिकारी से निगरानी समन्वयक, पर्यावरण संगठन से शिक्षा अधिकारी) द्वारा बनाई गई टीम द्वारा किया जाता है जिसकी पृष्ठभूमि किसी एक सामाजिक विज्ञान (जो हैं-समाजशास्त्र, मानवशास्त्र, अर्थशास्त्र, राजनीतिकविज्ञान, मनोविज्ञान या भूगोल) से हो। कर्मचारियों का सामाजिक-आर्थिक निगरानी में शामिल होना दीर्घावधि सामंजस्य बनाने और तटीय प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिये उपयोग में आने वाले आंकड़ों तक तटीय प्रबंधन कर्मचारियों की पहुँच सुनिश्चित करने के लिये महत्वपूर्ण है।

टीम लीडर निगरानी की योजना बनाने, आंकड़ों को एकत्र करने, उन्हें विश्लेषित कर प्रस्तुत करने और कार्यक्रम का दीर्घावधि तक चलना सुनिश्चित करने के लिये उत्तरदायी होता है। बाकी निगरानी टीम आंकड़ों के एकत्रीकरण, विशेषकर साक्षात्कार, विश्लेषण, रिपोर्ट लिखने और उसे प्रस्तुत करने में सहायता देती है।

यह आदर्शस्वरूप होगा कि टीम के सदस्य समुदाय से हों, उन्हें साक्षात्कार करने और पीआरए और मानसदर्शन तकनीक में प्रशिक्षित किया जाये। इससे समुदाय की सहभागिता और रुचि बढ़ेगी और यह प्रबंधकों और संसाधन प्रयोक्ता के बीच संबंध बनाने में भी सहायक होगा।

यदि लीडर या सदस्यों के पास सामाजिक-आर्थिक विशेषज्ञ सीमित हों, यह विशेष महत्वपूर्ण हो जाता है कि वे जीसीआरएमएन मैन्युअल(GCRMN Manual) का पुनरीक्षण करें, जो कि विस्तृत पुनरीक्षण प्रदान करता है कि कैसे सामाजिक-आर्थिक मूल्यांकन करें। जीसीआरएमएन मैन्युअल, अध्याय 1 : प्रारंभिक गतिविधियाँ, मूल्यांकन टीम की पहचान करें, टीम बनानें में संकेत देता है।

3.2 निगरानी करने की विधि क्या है

सामान्यतः सामाजिक-आर्थिक निगरानी कार्य करने के लिये चार भाग हैं---

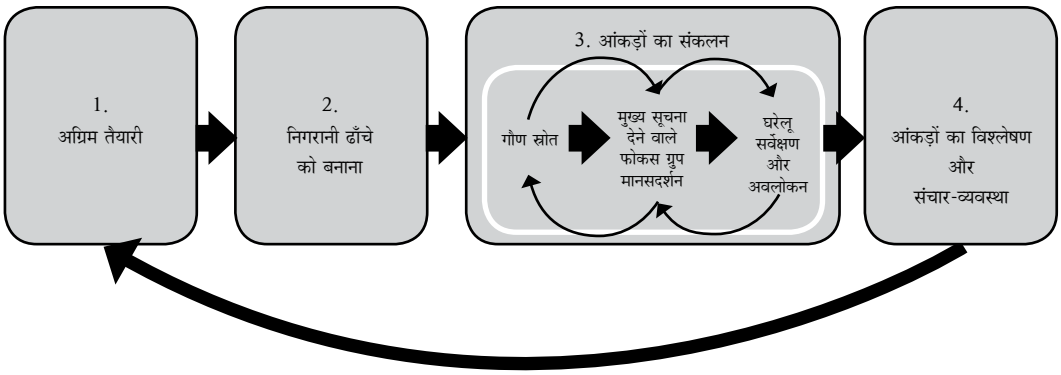

1. अग्रिम तैयारी जिसमें कार्यस्थल का चयन, सामाजिक-आर्थिक निगरानी का लक्ष्य की पहचान, और निगरानी टीम की पहचान शामिल है।
2. निगरानी ढाँचा बनाने में समुदाय के अनुभवों, सामुदायिक मूल्यांकन और प्रबंधन उद्देश्य को समझना, मुख्य परिवर्तियों का चयन, सामाजिक-आर्थिक निगरानी की विधि को परिभाषित करना, पणधारियों की सलाह लेना और पहचान आदि शामिल हैं।
3. गौण स्रोत या द्वितीयक स्रोत से आंकड़ों का संकलन; मुख्य सूचना देने वाले और केन्द्रित या फोकस समूह जो मानसदर्शन तकनीक का उपयोग करते हैं, सर्वेक्षण और अवलोकन और ;
4. आंकड़ा प्रविष्टि, आंकड़ों का विश्लेषण, संचार-व्यवस्था और अनुकूलक प्रबंधन(देखें जीसीआरएमएन मैन्युअल अध्याय 4)

यह एक पुनरावृत्तीय विधि है जिसे समय के साथ बदला जाना चाहिए। नयी जानकारियों की नयी आवश्यकता होती है अतः टीम को उन्नति का पुनरीक्षण करते हुए योजना में परिवर्तन करते हुए उसे नयी स्थिति के अनुरूप बनाना चाहिए इसमें आंकड़े एकत्र करने में परिवर्तियों की सूची में सुधार और उनका विश्लेषण शामिल है।

3.3 निगरानी ढाँचे के विकास की क्या आवश्यकता है

निगरानी ढाँचे के विकास में यहाँ पर तीन पक्ष शामिल हैं- अ) सामुदायिक मूल्यांकन ब) प्रबंधन उद्देश्य स) लोगों का प्रत्यक्षज्ञान। इन पक्षों को समुदाय के साथ समय गुजारकर और भागीदारी साधनों का उपयोग करते हुए तेजी से मूल्यांकन करते हुए समझा जा सकता है।

3.3.1 यह क्यों आवश्यक है ?

निगरानी ढाँचे बनाने की विधि निगरानी टीम को सॉकमॉन के लिये परिवर्तियों के चयन में और यह समझने में कि जानकारियाँ कैसे एकत्र की जायें सहायक होती हैं। जानकारी कैसे एकत्र करें समझने के लिये यह भी आवश्यक हो जाता है कि निगरानी टीम सॉकमॉन द्वारा उत्पन्न की गई जानकारियों को संचारित करने की कार्यनीति का विकास करे। संचार कार्यनीति बनाने में स्पष्ट रूप से यह समझना शामिल है कि जानकारियाँ किसके लिये हैं, वह कैसे इनका उपयोग करने वाले हैं और इसके आधार पर कौन सी जानकारी वास्तव में उन उपयोगकर्ताओं से संबंधित होगी और संचार का कौन -सा साधन और ढंग सबसे अच्छा हो सकता है। (अधिक मार्गदर्शन के लिये खंड 5 देखें।)

निगरानी ढाँचा कार्यस्थल के मजदूरों के नियमित अंतर से उपयोग के लिये डिजाइन किया गया है। जिससे वे समुदाय के साथ कोरल रीफ में हो रहे परिवर्तनों और लोग जो उस पर निर्भर हैं के बारे में जानते हैं। यह विधि के तीनों भागों का मुख्य अंग है जो कि परिवर्तन के प्रसंग को समुदाय में स्थापित करता है।

निगरानी ढाँचे के इन तीन पक्षों के दीर्घावधि के निगरानी कार्यक्रम के लिये योगदान नीचे व्याख्यायित है–

सामुदायिक मूल्यांकन

टीम कई साधनों का उपयोग करेती है जिसमें भागीदारी द्वारा और अधिक परिमाणात्मक सर्वेक्षण विधि शामिल हैं जिससे समुदाय में लोगों के जीवानयापन का, जीवनयापन की विविधता, संसाधन और समुदाय में आये बदलाव और संसाधन जिसका वे उपयोग करते हैं(उदा. ऐतिहासिक प्रवृत्ति, पर्यावरण प्रवृत्ति, नियामक परिवर्तन) का विश्लेषण किया जा सकता है।

यह सामाजिक और आर्थिक मूल्यांकन प्रदान करता है-

- समुदाय में हुये मुख्य परिवर्तनों का एक विहंगावलोकन और,
- रीफ में और उससे समुदाय में आये परिवर्तनों के संबंध में विस्तृत प्रसंग में कारणों और उसके प्रभाव को खोजने के लिये जानकारी प्रदान करता है।
- पणधारी, मुख्य पणधारी फोकस ग्रुप के लिये

जहाँ यह विधि चालू निगरानी गतिविधि की तरह दुहराई जाती है, सामुदायिक प्रसंग को समझने का कार्य सिर्फ पुष्टि करना और उनका नवीनीकरण की आवश्यकता है(बजाय उसे पूर्ण रूप से दोहराने के) जो सुनिश्चित करता है कि प्रसंगाधीन जानकारियाँ वैसी ही समुदाय संदर्भित बनी रहें।

प्रबंधन का उद्देश्य

प्रबंधन टीम को स्पष्ट रूप से उनके कोरल रीफ और समुदाय संबंधी उद्देश्य को बताना चाहिए। इन उद्देश्यों का निर्णय विभिन्न स्तरों(स्थानीय, राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय) और विभन्न सेक्टरों (सामाजिक विकास, संरक्षण, आर्थिक विकास आदि) पर किया जाता है। प्रत्येक उद्देश्य के लिये प्रबंधन टीम को निश्चित करने की आवश्यकता है-

- उद्देश्य प्राप्ति के लिये आवश्यक जानकारी
- उद्देश्य प्राप्ति की उन्नति समझने के लिये आवश्यक जानकारी
- रूप या फार्म जिसमें जानकारी की आवश्यकता है।

प्रत्यक्षज्ञान

शोधविधि की आवश्यकता होती है कि फील्डटीम परिवर्तनों को फोकस करे जो कि समुदाय और कोरल रीफ दोनों में हुये हों और यह प्रतिनिधि समूहों के सामान्य साक्षात्कार पर आधारित है। लोगों के प्रत्यक्षज्ञान को विश्लेषित करने की यह विधि संभवतः समुदाय और कोरल रीफ प्रबंधक संबंधित विषयों को उत्पन्न करती है।

- **लोगों के प्रत्यक्षज्ञान और स्वीकार्य वैज्ञानिक तथ्यों के बीच द्वन्द्व :** जहाँ समुदाय रीफ में हुए परिवर्तन (जैसे विरंजन, या नया विनियम) को नहीं मानता है या जहाँ लोगों का परिवर्तन के कारणों और प्रभावों संबंधित बोध और मानी गयी वैज्ञानिक सच्चाई में अंतर है तो यह आवश्यक हो जाता है कि शोध को या निगरानी को स्पष्ट स्थिति जानने के लिये क्रियान्वित किया जाये और फिर समुदाय को स्थिति की सच्चाई की जानकारी दी जाये।
- **नये परिवर्तनो और प्रवृत्तियों की पहचान :** यह वह हो सकता है जिस रीफ या जीवनयापन में परिवर्तन को समुदाय मान्यता देता है लेकिन उसी को प्रबंधकों और वैज्ञानिकों नहीं मानते हैं। इस प्रसंग में आगे वैज्ञानिक खोज या प्रबंधन के हस्ताक्षेप की आवश्यकता है।
- **परिवर्तन की आवश्यकता के चारों ओर सर्वसम्मित का स्तर :** यह वह हो सकता है जिसमें समुदाय रीफ में हो रहे परिवर्तन और दबाव को मान्यता देता है परन्तु वे अपनी कार्यवाही को परिवर्तित करने की आवश्यकता नहीं समझते संभवतः इसलिए कि वह कोई और विकल्प नहीं देखते या यह नहीं देख पाते कि वह इस परिवर्तन से कैसे प्रभावित होंगे।

3.4 मैं आंकड़े कैसे एकत्र करूँ?

सॉकमॉन में दी परिवर्तियों को आंकड़े एकत्र करने की पाँच मुख्य विधियों विभाजित किया है:

1. गौण या द्वितीयक स्रोत
2. मुख्य सूचना देने वाले / फोकस या केन्द्रित समूह साक्षात्कार
3. सर्वेक्षण
4. निरीक्षण या अवलोकन
5. समुदाय की भागीदारी से मानसदर्शन

सामान्यतः आंकड़ों को गौण या द्वितीयक स्रोत से सर्वप्रथम एकत्र करना चाहिए उसके बाद सूचना देने वालों के साक्षात्कार या फोकस समूह का पीआरए और मानसदर्शन तकनीक के प्रयोग से। यदि मुख्य सूचना देने वालों पर एकत्रित किये आंकड़े और गौण या द्वितीयक परिवर्ती सक्षम है टीम का लक्ष्य पानें में तो सर्वेक्षण करने की आवश्यकता नहीं है। अवलोकन समुदाय में चालू रहता है। इस विधि की जीसीआरएमएन मैन्युअल अध्याय 3 : फील्ड आंकड़ा संकलन में विस्तृत रूप से चर्चा की गई है।

टीम को निम्नलिखित मार्गदर्शक नियमों को अनुसरण पूरे आंकड़ों के संकलन के दौरान करना चाहिए :

- पणधारियों और समुदाय का आदर करें जैसे कार्य सूची, स्थानीय रीतिरिवाज और धर्म
- सूचना देने वालों के पक्षपात या तरफदारी को जानना
- लिंग विषय को संबोधित करें
- कम पहुँच के क्षेत्र तक पहुँचें
- भाषा के अंतर को संबोंधित करें (उदा. दुभाषिये का प्रयोग)
- विस्तृत नोट लें
- जानकारियों की दुतरफा पड़ताल करें

3.4.1 गौण या द्वितीयक स्रोत

निगरानी टीम को प्रारंभ चिह्नित परिवर्तियों के सभी संबंधित गौण या द्वितीयक आंकड़ों के पूर्ण मूल्यांकन से करना चाहिए। गौण आंकड़े वह हैं जो कि एकत्र कर विभिन्न तरीकों से प्रकाशित किये जा चुके हैं, जिसमें शामिल है:

- अधिकारिक या गैर अधिकारिक दस्तावेज
- सांख्यिकीय रिपोर्ट
- शोध रिपोर्ट
- पिछले या चल रही परियोजनाएँ के दस्तावेज जिसमें निगरानी और मूल्यांकन रिपोर्ट शामिल हैं।
- नक्शे
- आकाशीय फोटोग्राफ और सेटेलाइट इमेजेस
- ऐतिहासिक दस्तावेज और लेखा
- वेबसाइट और इंटरनेट

गौण या द्वितीयक आंकड़ों के मूल्यांकन में अनुपालन, मूल्यांकन और परिवर्तियों से संबंधित आंकड़ों का पुनरीक्षण शामिल है।

3.4.2 मुख्य सूचना देने वाले और फोकस या केन्द्रित समूह का साक्षात्कार

मुख्य सूचना देने वाले व्यक्ति विशेष हैं जिनका अनुभव या ज्ञान परख देता है और बड़ी जनसंख्या या एक विशेष समूह की जानकारी देते हैं। उदा. गाँव या समुदाय का मुखिया सारी समुदाय की पूरी पहचान देता है और समुदाय स्वीकृत व्यावहारिक कानून के बारे में भी बताता है। उदा. एक गाँव का मुखिया या समुदाय का नेता सारे समुदाय और उनके द्वारा स्वीकृत व्यावहारिक कानून के बारे में पूरी जानकारी प्रदान करता है, एक अनुभवी अभ्यस्त मछुवारा परितंत्र की दशा की पारंपरिक जानकारी और पड़ोस के मत्स्यपालन जानकारी का स्रोत होता है, इसी तरह ऑक्टोपस एकत्र करने वाले ऑक्टोपस शिकार क्षेत्र और उसकी स्थिति की जानकारी प्रदान करते हैं। मुख्य सूचना देने वाले इसलिए सर्वसामान्य जानकारी, सहभाजित जानकारी और विशेषज्ञ जानकारी प्रदान करते हैं। उदाहरण- यह निर्धारित करने के लिये कि वहाँ मत्स्यपालन प्रबंधन योजना है या नहीं, टीम इसे मत्स्यपालन अधिकारी को पूछ सकती है। अधिकतर परिवर्तियों को मुख्य सूचना देने वालों से प्राप्त मूलतथ्यों के प्रयोग द्वारा एकत्र किया जाता है(उदा. समुदाय की जनसांख्यिकीय, औपचारिक प्रबंधन निकाय का विद्यमान होना)। यह महत्वपूर्ण है कि अनेकों मुख्य सूचना देने वालों का साक्षात्कार कर विस्तृत जानकारी हाँसिल की जाये। अनुभव ज्ञान से वे निर्धारित करते है कि कब किसी विशेष परिवर्ती के संबंध में साक्षात्कार करना पर्याप्त हो गया है और कब उत्तर बारबार वही होंगे।

फोकस या केन्द्रित समूह (FGIs) में चयनित सूचना देने वालों के समूह (साधारणतः 4 से 10) जो कि सर्वसामान्य पृष्ठभूमि से आते हैं या जानकारी रखते हैं(उदा. उपयोग के प्रकार, भाषा, संगठन सदस्यता)। फोकस समूह सामान्यतः चर्चा के बिंदुओं पर आधारित है। यह लचीली विधि सुकारकों के उत्तरों की अच्छी तरह परीक्षण करने में सहायक होती है, और आगे की कार्यवाही के लिये असली उत्तर और उत्तर की नयी दिशा का अनुशीलन साक्षात्कार के दौरान करती है। इस विधा का लचीलापन और खुलापन दुतरफा पारस्परिक संवाद को प्रोत्साहित करता है, जिसमें सुकारकों और सूचना देने वालों के बीच जानकरियों का आदान-प्रदान शामिल है।

3.4.3 घरेलू इकाइयों या परिवारों का साक्षात्कार / सर्वेक्षण

सर्वेक्षण का उपयोग घरेलू इकाइयों / परिवारों / कुटुम्बों तथा व्यक्ति विशेष के परिप्रेक्ष्य को समझने के लिये होता है। उदाहरण- यदि टीम यह जानना चाहती है कि लोग तटीय प्रबंधन कार्यप्रणाली के बारे में क्या सोचते हैं तो यह आवश्यक हो जाता है कि लोगों के वर्णक्रम के बारे में पूछा जाये। अधिकतर परिवर्ती जिनका अध्ययन सर्वेक्षण के दौरान किया गया उनके संबंधित बोध को संबोधित करते हैं (उदा. बाज़ार रहित और अनुपयोगी मूल्य, संभावित समुदाय समस्याएँ)।

सॉकमॉन सर्वेक्षण संदर्शिका को इस प्रकार बनाया गया है कि उत्तरदाता परिवारों (पुरुष या स्त्री) के बारे में बोले बतायें। परिणाम इसलिए घरेलू स्तर के होंगे। यद्यपि, यदि टीम की रुचि व्यक्ति विशेष के स्तर में हो तो प्रश्नों को सुधारकर उसे व्यक्ति विशेष के बोध के संबंध में पूछा जा सकता है। उदाहरण- सामुद्रिक गतिविधियों के परिवर्ती के लिये उत्तरदाताओं को तटीय और सामुद्रिक संसाधन के उपयोग के बारे में सभी पुरुषों या स्त्रियों को चिह्नित करने के लिये पूछा जा सकता है(घरेलू सदस्यों जिसका उपयोग नहीं करते)।

वहाँ पर घरेलू इकाइयों के संबंध में कई परिभाषाएँ हैं। घरेलू इकाइयाँ क्या हैं इसे शुरूआत में ही परिभाषित करना और उसका ही अनुसरण करना महत्वपूर्ण है। घरेलू इकाई एक न्यूक्लियर परिवार भी हो सकता है या बढ़ा हुआ परिवार भी जो कि एक छत के नीचे रहता है। एक सर्वसामान्य परिभाषा खाना पकाने का पात्र है जिसके अनुसार घरेलू इकाई वह है जिसमें लोग रहते साथ-साथ, खाते साथ-साथ और आय की भागीदारी करते हैं। साक्षात्कार के पूर्व सूचना देने वालों के साथ इस परिभाषा से सहमत होना महत्वपूर्ण है

कुछ परिवर्तियों के संबंध में गहराई से समझने के लिये कुछ खुले प्रश्नों को शामिल कर सकते हैं। इन प्रश्नों को सीधे साक्षात्कार संदर्शिका में जोड़ा जा सकता है। कौन, क्या कब, कैसे और क्यों पर भी ध्यान देना उपयोगी होगा। उदाहरण- उपयोग पैटर्न परिवर्ती के संबंध में पूछा जाये कि कहाँ संसाधन उपयोग संबंधी गतिविधि हो रही है। आगे की कार्यवाही के लिये प्रश्नों में - रीफ मत्स्यपालन की सबसे अच्छी जगह कहाँ है? और आप मछलियों को कहाँ बिक्री करते हैं शामिल किया जा सकता है(देखें जीसआरएमएन मैन्युअल अध्याय 3: आधा-अधूरा संरचित साक्षात्कार)।

3.4.4 निरीक्षण या अवलोकन

निरीक्षण गुणात्मक और कभी-कभी परिमणात्मक विवरण होता है जिसे टीम के सदस्य देखते हैं और जिसे वैकल्पिक चौकसी और आसपास के बारे में अभिलेखन से प्राप्त करते हैं। उदाहरण- एक टीम का सदस्य भौतिक जीवन शैली संबंधित जानकारी उत्तरदाता के घर का निरीक्षण और छत, दीवार, फर्श और खिड़कियाँ बनाने में उपयोग में लाये सामान के आधार पर करते हैं। निरीक्षण या अवलोकन एक उपयोगी विधि है जिससे टीम अग्रिम रूप से जटिल गतिविधियों की जानकारी हासिल कर सकती है, जैसे- मत्स्यपालन पैटर्न। अधिकतर व्यवहार जो इन गतिविधियों में शामिल है अवलोकन और कार्य करने के द्वारा है मौखिक नहीं है। उदाहरण- मछुवारे स्वयं यह कह सकते हैं कि वे दिन में दो बार मछली पकड़ते हैं, परन्तु निरीक्षण से यह ज्ञात होता है कि यहाँ कई गतिविधियाँ शामिल हैं - लाईन फिशिंग, नेटिंग और नाव के उपयोग द्वारा ऑक्टोपस का शिकार। निरीक्षण पूरे आंकड़ों को एकत्र करने की प्रक्रिया के दौरान किया जाता है लेकिन निरीक्षण या अवलोकन आंकड़ों के एकत्र करने की शुरूआत में ही साक्षात्कार और सर्वेक्षण के लिये प्रश्नों को तैयार करने में उपयोगी होता है।

3.4.5 मानसदर्शन

मानसदर्शन और आंकड़े संबंधित आकृति या रेखाचित्र बनाने की तकनीक में नक्शे(संसाधान गतिविधि, सामाजिक आदि), कारोबार, टाईम लाइन, मौसम कैलेंडर, मैट्रिक्स, ऐतिहासिक कारोबार, निर्णय ट्री, वैनडाइग्राम और रैंकिंग करना शामिल है। इस तकनीक का उपयोग अधिक मात्रा में जटिल जानकारियों को एकत्र कर उसे स्पष्ट रूप से और संक्षिप्त रेखाचित्रों और सरलता से समझने वाले रूप में प्रस्तुत करने में होता है। इन तकनीकों को कार्यस्थल के आंकड़ों के संकलन के दौरान विश्लेषण साधनों के रूप में में उपयोग होता है, विशेषकर अधूरे बने हुए और फोकस समूह के साक्षात्कार के दौरान। वे इसे मौखिक इतिहास सर्वेक्षण और निरीक्षण के लिये भी उपयगो में लाते हैं जिसके द्वारा सूचना देने वाले जानकारियों को दृश्यप्रदर्शन से जोड़ते हैं(देखें जीसीआरएमएन मैन्युअल अध्याय 3: मानसदर्शन तकनीक)। अधिक तक लोग दृश्य सीखने वाले होते हैं जो कि जब चर्चा संबंधी विश्लेषण रेखाचित्र देखते हैं तो वे बेहतर समझते हैं और बताते हैं। मानसदर्शन वहाँ भी उपयोगी होता है जब शाब्दिक रूप या उसके अनुवाद के द्वारा किसी चीज को समझाना कठिन हो जाता है। निगरानी के दौरान भी यह उपयोगी होता है क्योंकि, वे आधार मानचित्र या नक्शे, मौसमी कारोबार रेखाचित्र आदि को देख सकते हैं जो कि आधार रेखा पर आधारित हैं और सरलता से परिवर्तनों को तटीय और सामुद्रिक वस्तुओं और सेवाओं के संबंध में नोट कर सकते हैं।

3.5 सर्वेक्षण के लिये किसका साक्षात्कार करना चाहिए ?

निगरानी टीम को अपनी स्वयं के प्रतिचयन रीति के विकास द्वारा यह निर्धारित करना चाहिए कि सर्वेक्षण के लिये किसका साक्षात्कार किया जाये। जीसीआरएमएन मैन्युअल, परिशिष्ट ब प्रतिचयन रीति एक विस्तृत स्पष्टीकरण प्रदान करता है कि कैसे अनुकूल संख्या में लोगों को साक्षात्कार के लिये चयनित किया जाये और किस तरह लोगों को साक्षात्कार के लिये पहचाना जाये(नियमित या अनियमित दोनों)। सर्वेक्षण के लिये उत्तरदाताओं का चयन निगरानी के लक्ष्य पर आधारित है। उदाहरण- यदि लक्ष्य तटीय विषयों के संबंध में सामान्य समुदाय के बोध को जानना है तो प्रतिचयनित घरेलूओं व्यक्ति विशेष का सर्वेक्षण किया जाना चाहिए।

एक महत्वपूर्ण निर्णय यह होता है कि लोगों का साक्षात्कार लोगों के नियमित या अनियमित नमूनों का किया जाये। यह निर्णय इस बात पर आधारित है कि क्या परिणामों की आवश्यकता समुदाय को सांख्यिकीय प्रतिनिधित्व देना है। यदि हाँ, तो यह महत्वपूर्ण है कि अनियमित प्रतिचयन प्रक्रिया से लोगों के सांख्यिकीय प्रतिनिधित्व नमूने एकत्र किये जायें(देखें जीसीआरएमएन मैन्युअल, परिशिष्ट ब प्रतिचयन रीति, पृष्ठ 233, प्रतिचयन सारिणी के लिये)। अधिक सांख्यिकीय सार्थकता कुछ भी हो संयोगवश होने की संभावना कम ही होती है। जबकि सांख्यिकीय प्रतिनिधि नमूना एकत्र करना बहुत ही खर्चीला होता है और इसमें अधिक समय नष्ट होता है तथा सांख्यिकीय प्रतिनिधित्व की आवश्यकता को कर्मचारियों की वास्तविकता,समय, निधिकरण तंगी की आवश्यकता के सम्मुख तुलना करें।

जनसंख्या	नमूनों का प्रकार
100	25
200	40
300	60
400	70
500	80
1,000	100

जहाँ पर जनसंख्या के सांख्यिकीय प्रतिनिधि नमूने की टीम को आवश्यकता नहीं होती है वहाँ पर छोटे आकार के नमूनों का प्रयोग किया जा सकता है। यद्यपि पूरी जनसंख्या का सांख्यिकीय प्रतिनिधित्व न होने से परिणाम जनसंख्या संबंधी उपयोगी जानकारी प्रदान करते हैं। इस अध्ययन के संबंध में निम्नलिखित नमूने का आकार प्रस्तावित है--

अनियमित प्रतिचयन के लिये यह महत्वपूर्ण है कि विभिन्न प्रकार के पणधारियों के समूह नमूने के रूप में लिये जायें यह सुनिश्चित करने के लिये कि विस्तृत अनुभव का मूल्यांकन किया गया है। द्वितीयक या गौण स्रोत और मुख्य सूचना देने वालों से एकत्र की जानकारी यह सुनिश्चित करने में कि विस्तृत रूप से समुदाय के लोगों का साक्षात्कार हुआ सहायक होती है। गौण या द्वितीयक स्रोत और मुख्य सूचना देने वालों के आंकड़ों में समुदाय के विभन्न प्रकार के पणधारियों की जानकारी शामिल है और साथ ही साथ मूल जनसांख्यिकीय वितरण में आयु, लिंग, शिक्षा, मूल का विवरण और आर्थिक स्थिति सम्मिलित है। टीम के लिये लोगों के साक्षात्कार, इस समूह के लगभग समान अनुपात में किये जाने की आवश्यकता है। उदाहरण - यदि यहाँ समुदाय में 50 प्रतिशत मछुवारे परिवार, 30 प्रतिशत सेवाएँ और 10प्रतिशत ग्लीनर, 10प्रतिशत व्यापारी हैं तो टीम को लगभग इनके समान प्रतिशत लोगों के साक्षात्कार करने की आवश्यकता होगी।

3.6 निगरानी को कितना समय लगेगा?

प्रत्येक सामाजिक-आर्थिक मूल्यांकन को क्रियान्वयन करने में लगने वाला समय स्थिति, जिसमें समुदाय का आकार, कुशलता और टीम के संसाधन, टीम का आकार, और चयनित परिवर्तियों के संख्या शामिल है पर आधारित है। पहली बार अधिक क्रियान्वयन में अधिक समय लगता है क्योंकि, विधि नयी होती है और परिवर्तियों की सूची लंबी होती है भविष्य में की जाने वाली परिवर्तियों की सूची से। समस्त रूप से सामान्यतः प्राक्कलन के आधार पर तीन से छः सप्ताह निम्नलिखित निगरानी क्रिया करने में लगते हैं:

- प्रारंभिक तैयारी गतिविधि : 3-5 दिन
- गौण या द्वितीयक स्रोत से आंकड़ों का संकलनः 3- 5 दिन
- मुख्य सूचना देने वालों और या फोकस समूह द्वारा आंकड़ों का संकलन : 3-5 दिन
- सर्वेक्षण के द्वारा आंकड़ों का संकलन : 5-10 दिन
- पकड़ी गई सामुद्रिक वस्तुओं की मात्रा के आधार पर - 10 दिन प्रति एक छोड़ कर एक माह में **(सूचना : जानकारियों को समय-मान पर संकलित करने की आवश्यकता है यह सॉकमान योजना की अवधि को बढ़ाती है)**
- मुख्य सूचना देने वालों और या फोकस समूह द्वारा आंकड़ों का संकलन : 3-5 दिन
- सर्वेक्षण के द्वारा आंकड़ों का संकलन : 5-10 दिन
- पकड़ी गई सामुद्रिक वस्तुओं की मात्रा के आधार पर - 10 दिन प्रति एक छोड़ कर एक माह में (सूचना : जानकारियों को समय-मान पर संकलित करने की आवश्यकता है यह सॉकमान योजना की अवधि को बढ़ाती है)
- आंकड़ा प्रविष्टि : 3-5 दिन प्रति सर्वेक्षण
- आंकड़ों का विश्लेषण, रिपोर्ट लेखन, प्रस्तुति और परामर्श : 5-10 दिन

यह वास्तविक कार्यदिन लंबे समय में फैले हुए होते हैं क्योंकि, प्रत्येक गतिविधि एक के बाद एक नहीं होती।

3.7 निगरानी कार्य के लिये कितना खर्च होगा?

बजट कार्यस्थल की आवश्यकता, विद्यमान संसाधन, और स्थानीय लागत के आधार पर भिन्न-भिन्न हो सकता है। सामान्यतः यह आशा की जाती है कि बजट में चीजें सम्मिलित हों परन्तु सीमित न हों :

- कार्यस्थल का यात्रा खर्च
- गौण या द्वितीयक आंकड़ों के संकलन के लिये सरकारी कार्यालयों तक जाने का परिवहन खर्च
- तीन से चार साक्षात्कारकर्ताओं का वेतन
- पेन, पेपर, नोटपैड, अन्य कार्यालयी वस्तुएँ
- मानचित्र, जहाजी चार्ट
- अध्ययन क्षेत्र का परिवहन खर्च (कार, बोट)
- फोटोकॉपिंग
- कम्प्यूटर - बैसिक वर्ड प्रोसेसर के साथ
- आंकड़ा प्रविष्टि, आंकड़ा संचय प्रबंधन और कम्प्यूटर पर फाइलों को व्यवस्थित करने के लिये व्यक्ति,
- ऐच्छिक : कैमरा, दूरबीन, टेपरिकार्डर, विडियो कैमरा, जियोग्राफिक पोजिशनिंग सिस्टम

3.8 कितने समय के अंतराल से निगरानी की जानी चाहिए

लाक्षणिक रूप में सामाजिक-आर्थिक कार्यक्रम की शुरूआत संपूर्ण प्रकार की परिवर्तियों का उपयोग करते हुए आधाररेखा पर सामाजिक-आर्थिक मूल्यांकन के साथ होती है जोकि भविष्य में उपयोग के लिये आंकड़ों को आधार प्रदान करती है। पिछले निगारनी प्रयास में परिवर्तियों की छोटी सूची बजाय आधाररेखा निगरानी की लंबी सूची के सम्मिलित है, कुछ परिवर्तियों को अन्य के बजाय जल्दी-जल्दी एकत्र करना होता है। खंड 4 में सारिणी 4.1 और 4.2, जहाँ परिवर्तियों का परिचय दिया गया है प्रत्येक परिवर्ती के लिये आंकड़ा संकलन की आवृति का सुझाव कम से कम 2 से 5 वर्षों तक के लिये देती है। टीम को अधिकतम अनुकूल आवृति को निर्धारित करने की आवश्यकता होती है जो कि कार्यस्थल की स्थिति और आंकड़ों की आवश्यकता पर आधारित है।

दक्षिण एशिया में मौसम तीव्र रूप से तटीय और समुद्री गतिविधियों को प्रभावित करता है। इसका भी निगरानी के दौरान ध्यान रखा जाना चाहिए और प्रत्येक निगरानी चक्र के लिये यह अनुकूल होगा कि कुछ परिवर्तियों की निगरानी भिन्न-भिन्न मौसम में की जाये।

3.9 निगरानी या प्रबोधन कहाँ पर करना चाहिए

सामान्यतः आंकड़ों का संकलन दो स्थानों पर होता है:

- अध्ययन क्षेत्र के बाहर - गौण या द्वितीयक स्रोत आंकड़े सामान्यतः विशिष्ट स्थान पर स्थित सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक, शोध, गैर सरकारी संगठन और अन्य कार्यालयों में होते हैं जो कि अधिकतर अध्ययन क्षेत्र के बाहर होते हैं
- अध्ययन के भीतर - सर्वेक्षण, निरीक्षण और अधिकतर मुख्य सूचना देने वालों और फोकस समूह का साक्षात्कार आदि कार्य अध्ययन क्षेत्र के भीतर ही किये जाते हैं।

3.10 परिणामों को सुनने वाले या जानने में इच्छुक कौन हैं?

परिणामों के श्रोतागण या परिणामों को जानने में इच्छुक का निर्धारण करने के पहले यह ध्यान देना महत्वपूर्ण है कि कौन-कौन सकारात्मक या नकारात्मक परिणामों से प्रभावति है। जो प्रभावित हैं वे सामाजिक-आर्थिक जानकारियों के लक्ष्य जैसा कि अध्याय 2 में व्याख्यायित किया गया है पर आधारित हो सकते हैं। उदाहरण- यदि निगरानी का उद्देश्य प्रबंधन निकाय के कार्यनिष्पादन का मूल्यांकन करना है तो प्रबंधन निकाय श्रोता होगा इसी तरीके से कोई अन्य जो कि प्रभावकारिता में रुचि रखता हो, जैसे- एजेंसियाँ जो कि प्रबंधन निकाय को अनदेखा करती हैं (उदा.पर्यावरण मंत्रालय), आमजनता और विशेषकर पणधारियों के समूह (उदा. मछुवारे, ट्यूरिज्म ऑपरेटर)।

यह भी ध्यान देना महत्वपूर्ण है कि कौन परिणामसंबंधी कार्यवाही करेगा। उदाहरण के लिये,यदि पणधारियों की भागीदारी लक्ष्य है तो पणधारी श्रोताओं के महत्वपूर्ण भाग हैं।
आखिर में, यह ध्यान देना महत्वपूर्ण होगा कि तटीय प्रबंधन गतिविधियों और संबंधित सामाजिक-आर्थिक दशा के बारे में किसे सूचति किये जाते रहना आवश्यक है, जो कि कुछ प्रसंगों में सारा समुदाय और दूसरे प्रसंगों में विशिष्ट सरकारी एजेंसियों या सलाहकार बोर्ड हो सकता है।

3.10.1 मुझे और क्या अतिरिक्त जानना चाहिए ?

किसी विकासशील परियोजना या अध्ययन को जानना या पहचानना महत्वपूर्ण है जो कि हाल ही में क्रियान्वित किया गया हो और उसमें सामाजिक-आर्थिक मूल्यांकन शामिल हो। विधियों और परिणामों की जानकारी का पुनरीक्षण तुलना के आंकड़ों के रूप में और सॉकमॉन आंकड़ों के संकलन से पहले किया जाना चाहिए ताकि आंकड़ों की द्विरावृति न हो सके। यदि वहाँ क्षेत्र में चल रही गतिविधि जो कि सामाजिक-आर्थिक विश्लेषण करती हैं और यदि विश्लेषण सॉकमॉन निगरानी से संबंधित हो तब गतिविधियों को सम्मिलित करने का प्रयास का निर्धारण महत्वपूर्ण हो जाता है। यह विशिष्ट रूप से समुदाय में दखल कम करने में महत्वपूर्ण है। यह समुदाय सदस्यों के लिये बार-बार के साक्षात्कार और उसकी अधिकता से क्षति पहुँचना असामान्य नहीं है।

जैसा कि खंड 1 में नोट किया गया है इस दस्तावेज को रूपांकित किया गया है जीसीआरएमएन मैन्युअल के साथ संयोजन में उपयोग के लिये। यह विशिष्ट रूप से महत्वपूर्ण है कि अध्याय 1: प्रारंभिक तैयारी गतिविधियाँ और अध्याय 2 : अवीक्षण और नियोजन का आंकड़ों का संकलन के पूर्व पुनरीक्षण किया जाये। अध्याय 3 : आंकड़ों का संकलन भी विवेचनात्मक है यह समने में कि साक्षात्कार कैसे करें।

प्रशिक्षण, अनुभव, और समुदाय में कार्य कौशल और सामाजिक-आर्थिक निगरानी के बदले में इन दिशानिर्देशों या जीसीआरएमएन मैन्युअल का प्रयोग नहीं किया जा सकता। यही एक कारण है कि एमसीपीए प्रबंधक जो कि प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन विषयों के अनुभवी हैं प्रोत्साहित करते हैं अच्छे शिक्षित और अनुभवी सामुदायिक विशेषज्ञो को साथ में कार्य करने के लिये। संगठनों से बाहर आये या पेशेवर जो समुदाय को जानते हैं जो उनके साथ कार्य कर चुके हैं और उन्हें वहाँ के लोगों से आदर प्राप्त है लोगों को प्राथिमिकता दी जाती है। यदि फिर भी उन्हें सामाजिक-आर्थिक निगरानी का विशिष्ट अनुभव नहीं है कोरल रीफ के संबंध में इस तरह के पेशेवर अपने प्रयासों से कई तत्वों को पहचानते हुए बोर्ड पर लाते जिसमें कि मुख्य सिद्धांत अंन्तर्निहित हैं।

अध्याय 4 : मैं कौन से आंकड़े एकत्र करूँ ?

4.1 परिवर्तियाँ क्या हैं ?

सॉकमॉन सामाजिक-आर्थिक परिवर्तियों पर केन्द्रित है, जो कि सारिणी 4.1 और 4.2 में प्रस्तुत हैं। परिशिष्ट अ प्रत्येक परिवर्तियों के संबंध में विस्तृत विवरण प्रदान करती है, जिसमें यह क्या है, कैसे एकत्र किया जाये, कैसे विश्लेषित किया जाये, और कैसे परिणामों की जानकारी प्रबंधकों और पणधारियों के लिये उपयोगी होगी शामिल हैं। इन परिवर्तियों के और अधिक व्यापक विवरण और साक्षात्कार कैसे करें जानने के लिये देखें जीसीआरएमएन मैन्युअल परिशिष्ट अ : सामाजिक-आर्थिक प्रचाल या सीमाएँ और अध्याय 3: कार्यस्थल आंकड़ों का संकलन, आधे-अधूरे संरचित साक्षात्कार, फोकस या केन्द्रित समूह साक्षात्कार और मानसदर्शन तकनीक।

आंकड़े एकत्र करने का लक्ष्य तय करने से पहले टीम को अध्ययन क्षेत्र, पणधारियों, जनसंख्या, परिवारों की संख्या और गतिविधियों संबंधी जानकारी का विकास करना और उसे समझना आवश्यक है। इन परिवर्तियों को पूरी तरह से मूल्यांकित साक्षात्कार के दौरान किया जा सकता है।

कुछ परिवर्तियाँ जैसे आयु, लिंग, और शिक्षा संबंधी आंकड़े मुख्य सूचना देने वालों / फोकस समूह / गौण या द्वितीयक स्रोत और सर्वेक्षण द्वारा एकत्र किये जा सकते हैं। यह परिणामों की दुतरफा पड़ताल के लिये किया गया क्योंकि, आंकड़ों के दो संग्रह एक दूसरे के समपूरक है। कुछ परिवर्तियों जैसे संसाधन उपोयग पैटर्न संबंधित आंकड़े पूरक विधियों जैसे मानसदर्शन तकनीक, निरीक्षण या अवलोकन और फोकस समूह साक्षात्कार के उपयोग से एकत्र किये जा सकते हैं। अन्य परिवर्ती जैसे व्यवसाय और आय का स्रोत की सर्वेक्षण, निरीक्षण, और मुख्य सूचना देने वालों के साक्षात्कार से दुतरफा पड़ताल की जा सकती है। मुख्य सूचना देने वाले / फोकस समूह और द्वितीयक स्रोत आंकड़े समुदाय स्तर, सकल जानकारियाँ जो कि समय के साथ परिवर्तन का मूल्यांकन करने में उपयोगी हों प्रदान करते हैं जबकि सर्वेक्षण आंकड़े अधिक सामयिक जानकारी अध्ययन क्षेत्र के घरेलू इकाइयों और व्यक्ति विशेष के संबंध में प्रदान करते हैं। उदाहरण - सामुदायिक स्तर जानकारी व्यवसाय और जनसांख्यिकीय के संबंध में एक संपूर्ण समझ प्रदान करती है कि कितने प्रतिशत समुदाय के लोग प्रत्येक व्यवसाय में कार्यरत हैं और कितने प्रतिशत समुदाय किस आयु वर्ग, उनके शिक्षा का स्तर प्रतिशत क्या है आदि। इसके विपरीत, व्यवसाय और जनसांख्यिकीय के सर्वेक्षण से प्राप्त जानकारियाँ पणधारियों के जीवनस्तर जैसे आजीविका के लिये मछलीपालन या टूर गाइड को जानने में उपयोगी होती हैं।

पहले मूल्यांकन के लिये, टीम को अधिक परिवर्तियों के आंकड़े एकत्र करना आवश्यक होता है बजाय बाद की निगरानी में। आदर्शरूप में एक आधाररेखा मूल्यांकन पूरी परिवर्तियों के संबंध में कार्यान्वित करने से यह आंकड़ों को भविष्य में उपोयग के लिये आधार प्रदान करता है। अनुवर्तीनिगरानी में परिवर्तियों की एक छोटी सूची शामिल होती है बजाय आधाररेखा निगरानी के इसलिए कुछ परिवर्तियों को दूसरों की बजाय जल्दी-जल्दी संकलित करना होता है। देखें सारिणी 4.1 कब किस परिवर्ती के लिये आंकड़े एकत्र करें से संदर्भित है।

निरीक्षण या अवलोकन को विशेष रूप से किसी भी परिवर्ती के संबंध में नोट नहीं किया गया है चूँकि यह सभी के लिये महत्वपूर्ण है। निगरानी टीम से यह आशा की जाती है कि वह निरीक्षण को प्राथमिक साधन के रूप में प्रयोग करते हुए अध्ययन क्षेत्र के बारे में जानकारी एकत्र करेगी और उसी के द्वारा द्वितीयक स्रोत, मुख्य सूचना देने वालों और सर्वेक्षण से प्राप्त आंकड़ों की दुतरफा पड़ताल भी करेगी।

सर्वेक्षण परिवर्तियों के लिये यह नोट किया जाना चाहिए कि परिवर्तियों के प्रथम भाग में उत्तरदाताओं को घरेलू जनसांख्यिकीय और तटीय तथा समुद्री गतिविधियों के बारे में पूछा जाना चाहिए जबकि दूसरे भाग में उत्तरदाता के व्यक्तिगत बोध के बारे में पूछा जाना चाहिए। यह उत्तरदाताओं से समुदाय के संबंध में ज्यदा से ज्यादा जानकारी प्राप्त करने के लिये किया जाना चाहिए जबकि उत्तरदाता सिर्फ उनके बोध के संबंध में ही सही रूप से बता सकते हैं न कि दूसरे परिवारों के सदस्यों के संबंध में।

सारिणी 4.1 और 4.2 में परिवर्तियाँ उनके वर्ग और एकत्र करने के साधन के अनुसार सूचीबद्ध है। सारिणी नोट विशिष्टकर प्रत्येक परिवर्तियों के पक्ष में उपयोगी हैं, इनमें आंकड़े एकत्र करने के प्रमुख साधन, कम से कम आवृति और आंकड़े संकलन का सामान्य महत्व शामिल है।

सारिणी 4.1 मुख्य सूचना देने वालों / गौण या द्वितीयक स्रोत परिवर्तियाँ

मुख्य सूचना देने वालों / गौण या द्वितीयक स्रोत		आंकड़े संकलन के मुख्य साधन (गौण-स्रोत Sec, मुख्य सूचना देने वाले KI, निरीक्षण O, मानसदर्शन V, सर्वेक्षण S)	आंकड़े संकलन की न्यूनतम आवृति	आंकड़े संकलन का सामान्य महत्व
समुदाय स्तर की जनसांख्यिकीय				
K1	अध्ययन क्षेत्र	Sec	5	मध्यम
K2	जनसंख्या	Sec	5	उच्च
K3	परिवारों की संख्या	Sec	5	उच्च
K4	प्रवासन दर	Sec	5	मध्यम
K5	आयु	Sec	5	मध्यम
K6	लिंग /सेक्स अनुपात	Sec	5	मध्यम
K7	शिक्षा	Sec	5	मध्यम
K8	साक्षरता	Sec	5	मध्यम
K9	मूल / जाति / जनजाति	Sec	5	मध्यम
K10	धर्म	Sec	5	मध्यम
K11	भाषा	Sec	5	मध्यम
K12	व्यवसाय	Sec	5	उच्च
सामुदायिक अवसंरचना या मूलभूत ढांचा, व्यापार विकास और स्वामित्व अधिकार (नोट -सभी परिवर्तियों के लिये तटीय और समुद्री परितंत्र से सहलग्नता दर्शाता है)				
K13	सामुदायिक अवसंरचना या मूलभूत ढांचा, व्यापार विकास और स्वामित्व अधिकार	Sec/KI/O	5	मध्यम
तटीय और सामुद्रिक गतिविधियाँ (लिंग जानकारी को सभी गतिविधियों और विश्लेषण में सम्मिलित करें)				
K14	गतिविधियाँ	All	1	उच्च
K15	वस्तुएँ और सेवाएँ	KI/O	1	उच्च
K16	उपयोग के प्रकार	KI/O/Sec स्रोत	1	उच्च
K17	वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य	KI/O/Sec स्रोत	1	उच्च
K18	वस्तुओं और सेवाओं के लक्षित बाज़ार	KI/Sec स्रोत	1	उच्च
K19	पारंपरिक जानकारी या ज्ञान	KI/मौखिक इतिहास	1	उच्च
K20	उपयोग पैटर्न	KI/O/V	1	उच्च
K21	गतिविधियों की स्थलस्थिति	KI/O/V	1	उच्च
K22	मौसमीपन	KI/O	1	उच्च
K23	प्रभाव के प्रकार और स्तर	KI/O	1	उच्च
K24	बाह्य लोगों द्वारा उपयोग का स्तर	KI/O	1	उच्च
K25	घरेलू उपयोग	KI/sec स्रोत /O	2	उच्च
K26	पणधारी (स्टेकहोल्डर)	KI	1	उच्च
K27	पर्यटक रूपरेखा	गौण या द्वितीयक स्रोत	3	मध्यम
शासनप्रणाली, संस्थाएँ और निर्णय-सृजन निकाय				
K28	प्रबंधन निकाय	Sec/KI	3	मध्यम
K29	प्रबंधन योजना	Sec/KI	3	मध्यम
K30	विधान सक्षमकरण	Sec/KI	3	मध्यम
K31	प्रबंधन संसाधन	Sec/KI	3	मध्यम
K32	औपचारिक अधिकार और नियम	Sec/KI	3	मध्यम
K33	अनौपचारिक अधिकार और नियम, रीतिरिवाज और परंपराएँ	Sec/KI	3	मध्यम
K34	सामुदायिक प्रोत्साहन	Sec/KI	3	मध्यम
K35	पणधारियों की भागीदारी और संतुष्टि	Sec/KI	3	मध्यम
K36	समुदाय और पणधारियों के संगठन	Sec/KI	3	मध्यम
K37	ताकत और प्रभाव	Sec/KI	3	मध्यम

सारिणी 4.2 घरेलू इकाइयों के साक्षात्कार की परिवर्तियाँ

सर्वेक्षण		आंकड़े संकलन की न्यूनतम आवृति प्रति वर्ष	आंकड़े संकलन का सामान्य महत्व (उच्च या मध्यम)
घरेलू जनसांख्यिकीय			
S1	आयु	5	मध्यम
S2	लिंग /सेक्स अनुपात	5	मध्यम
S3	शिक्षा	5	मध्यम
S4	मूल / जाति / जनजाति	5	मध्यम
S5	धर्म	5	मध्यम
S6	भाषा	5	मध्यम
S7	व्यवसाय	5	मध्यम
S8	परिवार का आकार	5	मध्यम
S9	परिवार का आय स्रोत	5	मध्यम
तटीय और सामुद्रिक गतिविधियाँ (तटीय और सामुद्रिक वस्तुओं और संसाधनों के विश्लेषण में सहलश्नता प्रदान करता है)			
S10	घरेलू इकाइयों की गतिविधियाँ	2	मध्यम
S11	घेरलू वस्तुएँ और सेवाएँ	2	मध्यम
S12	उपयोग के प्रकार	2	मध्यम
S13	घरेलू बाज़ार अनुस्थापन	2	मध्यम
S14	घरेलू उपयोग	2	मध्यम
तौरतरीके और प्रत्यक्षज्ञान तथा औपचारिक / अनौपचारिक संस्थाओं में भागीदारी			
S15	बाज़ार रहित और अनुपयोगी मूल्य	3	मध्यम
S16	संसाधन की दशा का प्रत्यक्ष बोध	3	उच्च
S17	संभवित खतरे का बोध	3	उच्च
S18	नियमों और विनियमों के प्रति जागरूकता	3	मध्यम
S19	अनुपालन	3	मध्यम
S20	क्रियान्विति या प्रवर्तन	3	मध्यम
S21	निर्णय-सृजन में भागीदारी	3	उच्च
S22	पणधारियों के संगठन / संस्थाओं में सदस्यता	3	मध्यम
S23	तटीय प्रबंधन की समस्याओं का बोध	3	उच्च
S24	तटीय प्रबंधन के उपायों का बोध	3	मध्यम
S25	सामुदायिक समस्याओं का बोध	3	मध्यम
S26	तटीय प्रबंधन की सफलता	3	मध्यम
S27	तटीय प्रबंधन की चुनौतियाँ	3	मध्यम
जीवन की भौतिक शैली			
S28	जीवन की भौतिक शैली	3	मध्यम
S29	गरीबी का स्तर	3	उच्च

4.2 किस परिवर्ती का मुझे उपयोग करना चाहिए ?

यदि सॉकमॉन में सभी परिवर्तियों तक पहुँचना नहीं संभव हो तो यह सुझाव दिया जाता है कि निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखते हुए उनके आधार पर परिवर्तियों को प्राथमिकता दे:

4.2.1 सामाजिक-आर्थिक जानकारियों का लक्ष्य / संदर्भ

सबसे महत्वपूर्ण यह है कि टीम को यह स्पष्ट करना चाहिए की आंकड़ों का संकलन क्यों करें और विशेषकर, संकलन के पश्चात इनका किस तरह प्रयोग किया जायेगा। उदाहरण- यदि टीम का अधिकतम प्रयोजन आने वाले खतरों को पहचानना है तो उनका ध्यान संभवित खतरे को पहचाने वाली परिवर्ती सूची पर केन्द्रित होगा। **अध्याय 2: सामाजिक-आर्थिक जानकारियों संकलन के विभिन्न लक्ष्यों /संदर्भों की चर्चाएँ।** परिवर्तियाँ जिन्हें सॉकमॉन में आंकड़ों के संकलन में प्राथमिकता दी गई है क्योंकि वे इस लक्ष्य को संबोधित करती हैं। सारिणी 4.3 में यह नोट किया जता है कि कौन सी परिवर्ती किस लक्ष्य / संदर्भ से संबंधित है अतः इस प्रकार टीम सरलता से कौनसी परिवर्ती उनकी आवश्यकता से संबंधित है की पहचान कर सकती है। कैसे परिवर्तियों का प्रयोग इन प्रत्येक लक्ष्यों / संदर्भों को समझने या जानने के लिये किया जाये संबंधित चर्चा परिशिष्ट अ के प्रत्येक परिवर्ती के खंड- प्रबंधकों और पणधारियों के लिये जानकारियाँ किस प्रकार उपयोगी होती हैं में दी गई है।

सारिणी 4.3 सामाजिक-आर्थिक निगरानी और संबधित परिवर्तियों का लक्ष्य / प्रसंग मुख्य सूचना देने वालों के साक्षात्कार / गौण स्त्रोत या द्वितीयक स्त्रोत परिवर्तियाँ

	समुदाय स्तर जनसांख्यिकीय												
	अध्ययन क्षेत्र	जनसंख्या	घरेलू इकाइयों की संख्या	प्रवासन दर	आयु	लिंग / सेक्स अनुपात	शिक्षा	साक्षरता	मूल निवासी विवरण / जाति / जनजाति	धर्म	भाषा	व्यवसाय	सामुदायिक अवसंरचना, व्यापार विकास और स्वामित्व अधिकार
लक्ष्य / प्रसंग	K1	K2	K3	K4	K5	K6	K7	K8	K9	K10	K11	K12	K13
सामाजिक / सामुदायिक पलटाव संमुखीन रीफ पलटाव का मूल्यांकन	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●		●	●
तटीय और सामुद्रिक गतिविधियों की निगरानी और उसका परितंत्र वस्तुओं और सेवाओं पर प्रभाव													
विभिन्न गतिविधियों द्वारा रीफ पर पड़ रहे दबाव का परिमाणित करना	●	●	●										
निकाली गयी वस्तुओं के उपयोग को परिमाणित करना	●	●											
लोगों के परिप्रेक्ष्य से रीफ संरक्षण और कार्यवाह													
लोगों के संसाधन प्रयोग में आये बदलाव													●
परिवर्तन जो परितंत्र और संसाधन उपयोग को प्रभावित करता है				●			●						
परिवर्तन ने कैसे लोगों को प्रभावित किया है।				●			●				●		●
इस परिवर्तन का सामना करने के लिये क्या कार्यवाही की गई													
संसाधन और उसके प्रयोग के महत्व, मूल्य और सांस्कृतिक विशिष्टता का निर्धारण													
महत्व / मूल्य	●											●	
सांस्कृतिक विशिष्टता	●												
प्रबंधन युक्तियों का सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव का मूल्यांकन													
जीवनयापन		●					●	●	●		●		●
विपणन और उत्पादन												●	●
खाद्य सुरक्षा													
तौरतरीके और प्रत्यक्षबोध													
तटीय गतिविधियाँ												●	
शासनप्रणाली													
प्रबंधन निकाय कैसे कार्य कर रहा है का मूल्यांकन													
प्रबंधन की प्राभावात्मकता													
पणधारियों की भागीदारी और अनुकूल शिक्षा तथा जागरूकता कार्यक्रम बनाना													
पणधारियों की भागीदारी		●			●	●	●	●	●	●	●	●	
जागरूकता कार्यक्रम				●									●
आधाररेखा के घरेलू इकाइयों को स्थापित करना और समुदाय रूपरेखा	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●

सारिणी 4.3 सामाजिक-आर्थिक निगरानी और संबधित परिवर्तियों का लक्ष्य / प्रसंग मुख्य सूचना देने वालों के साक्षात्कार / गौण स्रोत या द्वितीयक स्रोत परिवर्तियाँ

तटीय और सामुद्रिक गतिविधियाँ															शासन प्रणाली									
गतिविधियाँ	वस्तुएँ और सेवाएँ	उपयोग के प्रकार	वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य	वस्तुओं और सेवाओं के लिये लक्ष्य बाजार	पारंपरिक ज्ञान	उपयोग का पैटर्न	गतिविधि की स्थलस्थिति	मौसमीपन	प्रभाव के स्तर और प्रकार	बाहरी लोगों द्वारा उपयोग का स्तर	घरेलू इकाइयों द्वारा उपयोग	पणधारी	पर्यटक रूपरेखा	प्रबंधन निकाय	प्रबंधन योजना	विधान सक्षमीकरण	प्रबंधन संसाधन	औपचारिक अधिकार और नियम	अनऔपचारिक अधिकार	समुदाय प्रोत्साहन	पणधारियों की भागीदारी और संतुष्टि	सामुदायिक और पणधारी संगठन	ताकत और प्रभाव
K14	K15	K16	K17	K18	K19	K20	K21	K22	K23	K24	K25	K26	K27	K28	K29	K30	K31	K32	K33	K34	K35	K36	K37
●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●		●	●	●	●	●	●
●	●	●		●	●	●	●	●	●	●	●	●	●										
●	●	●		●	●	●	●	●	●	●		●											
●	●	●	●	●	●	●	●	●															
●		●	●	●	●	●	●	●	●	●		●		●	●	●		●	●	●	●	●	●
●	●	●		●	●	●	●	●		●		●								●	●	●	●
●														●	●	●		●	●	●	●	●	●
●			●	●						●	●	●										●	
																			●				
●	●	●	●		●	●					●												
			●	●		●																	
			●	●		●					●												
●	●	●		●	●	●																	
														●	●	●	●	●	●	●	●	●	●
●		●			●	●								●	●	●	●	●	●	●			
●			●	●	●	●				●			●										
●		●		●	●	●	●			●		●											
●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●		●	●

सारिणी 4.3 सामाजिक-आर्थिक निगरानी और संबधित परिवर्तियों का लक्ष्य / प्रसंग सर्वेक्षण परिवर्तियाँ

	घरेलू स्तर की जनसांख्यिकीय									तटीय और सामुद्रिक गतिविधियाँ						
	आयु	लिंग / सेक्स अनुपात	शिक्षा	मूल निवासी विवरण / जाति / जनजाति	धर्म	भाषा	व्यवसाय	घरेलू इकाइयों का आकार	घरेलू आय का स्रोत	घरेलू इकाइयों की गतिविधियाँ	घरेलू वस्तुएँ और सेवाएँ	उपयोग के प्रकार	घरेलू बाजार अनुस्थापन	घरेलू उपयोग	बाजार रहित / अनुपयोगी मूल्य	संसाधन दशा का प्रत्यक्ष बोध
लक्ष्य / प्रसंग	S1	S2	S3	S4	S5	S6	S7	S8	S9	S10	S11	S12	S13	S14	S15	S16
सामाजिक / सामुदायिक पलटाव संमुखीन रीफ पलट ाव का मूल्यांकन	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●
तटीय और सामुद्रिक गतिविधियों की निगरानी और उसका परितंत्र वस्तुओं और सेवाओं पर प्रभाव																
विभिन्न गतिविधियों द्वारा रीफ पर पड़ रहे दबाव का परिमाणित करना										●	●	●	●			●
निकाली गयी वस्तुओं के उपयोग को परिमाणित करना										●	●	●	●			●
लोगों के परिप्रेक्ष्य से रीफ संरक्षण और कार्यवाह																
लोगों के संसाधन प्रयोग में आये बदलाव	●	●	●				●			●	●	●	●	●	●	●
परिवर्तन जो परितंत्र और संसाधन उपयोग को प्रभावित करता है																●
परिवर्तन ने कैसे लोगों को प्रभावित किया है।							●		●	●	●	●	●	●	●	
इस परिवर्तन का सामना करने के लिये क्या कार्यवाही की गई																
संसाधन और उसके प्रयोग के महत्व, मूल्य और सांस्कृतिक विशिष्टता का निर्धारण																
महत्व / मूल्य							●		●				●			
सांस्कृतिक विशिष्टता																
प्रबंधन युक्तियों का सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव का मूल्यांकन																
जीवनयापन			●	●	●		●			●	●	●	●	●		
विपणन और उत्पादन											●	●	●	●		
खाद्य सुरक्षा											●	●	●	●		
तौरतरीके और प्रत्यक्षबोध															●	●
तटीय गतिविधियाँ							●			●	●	●				
शासनप्रणाली																
प्रबंधन निकाय कैसे कार्य कर रहा है का मूल्यांकन																
प्रबंधन की प्राभावात्मकता										●	●	●				
पणधारियों की भागीदारी और अनुकूल शिक्षा तथा जागरूकता कार्यक्रम बनाना																
पणधारियों की भागीदारी	●	●	●	●	●	●	●					●				
जागरूकता कार्यक्रम										●	●	●			●	●
आधाररेखा के घरेलू इकाइयों को स्थापित करना और समुदाय रूपरेखा	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●

सारिणी 4.3 सामाजिक-आर्थिक निगरानी और संबधित परिवर्तियों का लक्ष्य / प्रसंग सर्वेक्षण परिवर्तियाँ

तौरतरीके और प्रत्यक्षबोध तथा औपचारिक अनौपचारिक संस्थाओं में भागीदारी											जीवन की भौतिक शैली	
संभावित खतरा का बोध	नियमों और विनियमों के प्रति जागरूकता	अनुपालन	क्रियान्विति या प्रवर्तन	निर्णय-सृजन में भागीदारी	पणधारियों के संगठन में सदस्यता	तटीय प्रबंधन समस्या बोध	तटीय प्रबंधन के उपाय का बोध	सामुदायिक समस्याओं का बोध	तटीय प्रबंधन की सफलता	तटीय प्रबंधन की चुनौतियाँ	जीवन की भौतिक शैली	गरीबी का स्तर
S17	S18	S19	S20	S21	S22	S23	S24	S25	S26	S27	S28	S29
●	●	●	●	●	●	●	●	●			●	●
●	●					●	●	●			●	●
●	●					●	●	●				●
●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●
●	●	●									●	●
											●	●
	●	●									●	●
											●	●
												●
												●
●	●	●	●			●	●	●	●	●		●
●												●
			●									●
									●	●		
●	●	●		●	●				●	●		●
●	●											●
●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●	●

4.2.2 आंकड़ों को एकत्र करने का सामान्य महत्व

यह माना जाता है कि सभी जनसांख्यिकीय परिवर्तियाँ जो कि सूचीबद्ध हैं महत्वपूर्ण हैं और यदि आंकड़े विद्यमान हैं, तो यदि संभव हो तो उनकी निगरानी की जानी चाहिए। यदि विश्वसनीय जानकारी जनसांख्यिकीय में उपलब्ध न हो और संसाधनों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता हो तो प्रबंधकों को अपना ध्यान सीधे स्थापित प्रबंधन लक्ष्य से संबंधित परिवर्तियों पर केन्द्रित करना होगा। कुछ प्रकरणों में सामाजिक-आर्थिक निगरानी का लक्ष्य स्पष्ट नहीं होता है और उपलब्ध समय तथा संसाधन टीम को सारे परिवर्तियों तक पहुँचने नहीं देते। इस तरह की स्थिति में जहाँ निगरानी की संसाधन सीमित हों आंकड़े एकत्र करने के लिये जिन परिवर्तियों को अधिक महत्वपूर्ण समझा जाये उन्हें सूचित करें और उपसमुच्चय का माप करें जो कि आधारित है - (1) प्रबंधन की उपयोगिता (2) आंकड़ों के संकलन की सरलता और (3) नयी जानकारी प्रदान करने की संभावना पर।

4.2.3 कार्यस्थल - विशिष्ट दशा या स्थिति

कदाचित अधिक महत्वपूर्ण है, कि टीम अध्ययन क्षेत्र के स्थानीय महत्व के विषयों पर आधारित परिवर्तियों का चयन करे। उदाहरण - यदि वेस्ट या कूड़ा-करकट प्रबंधन महत्व विषय है तो टीम को सामुदायिक अवसंरचना को प्राथमिकता देते हुए वेस्ट निकासन से संबंधित प्रश्नों को उसमें जोड़ना होगा।

टीम को समुदाय और प्रबंधन में आने वाले परिवर्तनों को भी ध्यान में रखना होगा। उदाहरण - यदि पर्यटन बढ़ता है, तो टीम को पर्यटन उद्योग और उसके प्रभाव से संबंधित अधिक प्रश्नों को जोड़ना होगा।

सारिणी 4.1 और 4,2 में आंकड़ों के संकलन के साधन और वर्ग के अनुसार सूचक सूचीबद्ध हैं। सारिणी में दिये गये नोट प्रत्येक सूचक का उपयोगी पक्ष है जिसमें आंकड़ों के संकलन का मुख्य साधन, आकंड़ों के संकलन की न्यूनतम आवृति और आंकड़े संकलन सामान्य महत्व आदि शामिल हैं। निरीक्षण या अवलोकन विशिष्ट रूप से किसी भी सूचक के लिये नोट नहीं किया गया है क्योंकि, सभी ही महत्वपूर्ण हैं। निगरानी टीम से यह आशा की जाती है कि वे गौण या द्वितीयक स्रोत, मुख्य सूचना देने वालों और घरेलू साक्षात्कार से प्राप्त आंकड़ों की निरीक्षण द्वारा दुतरफा पड़ताल करेंगे। सारिणी 4.3 का उद्देश्य प्रबंधकों को तटीय और समुद्री संसाधन प्रबंधन के कार्यस्थल के लक्ष्य और उद्देश्य के अनुसार परिवर्तियों को प्राथमिकता देने में सहायता देना है।

अध्याय 5 : मैं इन आंकड़ों का क्या करूँ ?

5.1 विश्लेषण

आंकड़ों का विश्लेषण टीम की तरह एक विशिष्ट कार्यसंचालन है। आंकड़ों का संकलन करने की पूरी प्रक्रिया के दौरान टीम के सदस्य आंकड़ों का पुनरीक्षण और पुष्टिकरण करने के लिये एक दूसरे से कई बार मिलते हैं, चर्चा करते हैं और शुद्ध महत्वपूर्ण सीख, परिणामों को अर्थपूर्ण, महत्वपूर्ण सीख की पुष्टि और परिणामों को संचारित करने की योजना बनाते हैं। परिणामस्वरूप, अधिकतर आंकड़ों का विश्लेषण विशेषकर गुणात्मक आंकड़ों का विश्लेषण आंकड़ों के एकत्रीकरम के दौरान कार्यस्थल पर ही कर लिया जाता है। अंतिम विश्लेषण आंकड़ों के संकलन के अंत में उनका पुनरीक्षण कर कार्यस्थल विश्लेषण को अंतिम रूप दिया जाता है।

महत्वपूर्ण सीख संदर्भित है जाने- पहचाने गये विषयों से या अभ्यासों से जिसे टीम ने सीखा है और जो कि निगरानी के लक्ष्य या पणधारियों के सामाजिक-आर्थिक पक्ष को समझने में आवश्यक हैं। महत्वपूर्ण सीख और विश्लेषण के मूल सिद्धांत के संबंध में अधिक जानकारी के लिए देखें जीसीआरएमएन मैन्युअल अध्याय 4:अंतिम आंकड़ों का विश्लेषण।

यहाँ अनेकों विवेचनात्मक कदम टीम को साथ में आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिये उठाने चाहिए :

1. **सारे आंकड़ों को संकलित करें :** पूर्ण हो चुके सारे गौण स्रोतों, मुख्य सूचना देने वालों की साक्षात्कार संदर्शिका और सर्वेक्षण संदर्शिका के द्वारा।
2. **आंकड़े तैयार करें :** संकलित गौण स्रोत. मुख्य सूचना देने वालों के साक्षात्कार और सर्वेक्षण आंकड़ों को स्थानांतरित कर।
3. **आंकड़ों की व्याख्या करें :** सामाजिक-आर्थिक निगरानी के वास्तविक लक्ष्य की पहचान संबंधी जानकारियों को व्यवस्थित करने के लिये विश्लेषण पत्र से प्राप्त परिणाम का पुनरीक्षण कर आंकडों की व्याख्या करें। उभरते हुए पैटर्न और प्रवृत्ति को चिह्नित करने के लिये इन आंकड़ों का पुनरीक्षण, सहसंबंध और तुलना करना आवश्यक है। यह पैटर्न और प्रवृत्तियाँ महत्वपूर्ण सीख बन जाते हैं। तब परिणामों को उन आंकड़ों को चिह्नित करने के लिये जो महत्वपूर्ण सीख का समर्थन करते हैं संकलित करते हैं। उदाहरण - यदि निगरानी का लक्ष्य सामाजिक-आर्थिक प्रभाव को मछली पकड़ना प्रतिबंधित संबंधी विनियम के बारे में देखना हो तो तब दो परिवर्तियाँ व्यवसाय और गतिविधियाँ आवश्यकता के अनुसार होंगे। विश्लेषण के लिये, वहाँ व्यवसाय और गतिविधियों में परिवर्तन की प्रवृत्ति हो सकती है जैसे ही लोग मछली पकड़ना छोड़ कर दूसरे व्यवासयों और गतिविधियों में जाते हैं। यदि वहाँ लोग मछली पकड़ने से बाहर आ जाते हैं, तो महत्वपूर्ण अभ्यास यह मिलता है कि विनियमों का प्रभाव मछली पकड़ने की गतिविधियों पर पड़ रहा है जैसा कि लोगों ने प्रदर्शित किया था कि मछली पकड़ना व्यवसाय के रूप में छोड़ रहे हैं। व्यवसाय और गतिविधियाँ संबंधी परिणाम इस महत्वपूर्ण सीख का समर्थन करेंगे। इन आंकड़ों के भिन्न-भिन्न भागों के पुनरीक्षण, सहसंबंधिता और तुलना करने से प्रत्येक परिवर्ती में आये परिवर्तन को पहचाना जाना संभव हो सकता है। परिशिष्ट अ के प्रत्येक खंड में आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें और प्रबंधकों और अन्य पणधारियों के लिये जानकारियाँ कैसे उपयोगी हो सकती है में प्रत्येक परिवर्ती के लिये कैसे विश्लेषण और उपयोग करें संबंधी जानकारी की चर्चा की गई है।
4. **महत्वपूर्ण सीख से सहमति :** अधिक महत्वपूर्ण सीख को विशिष्टता और समर्थन देने वाली जानाकारियों के चयन पर सहमति।
5. **प्राप्त जानकारियों की पुष्टि :** पणधारियों के साथ संचार के भाग की तरह ली गई महत्वपूर्ण सीख के संबंध में चर्चा द्वारा प्राप्त जानकारियों की पुष्टि की जाती है। कोई ध्यान देने योग्य अंतर हो तो उसे वास्तविक स्रोत के साथ जाँचा जाना चाहिए।

5.2 संचार व्यवस्था / प्रतिपुष्टि

पूरी निगरानी प्रक्रिया का अत्यधिक महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि लक्ष्य से संबंधित परिणामों को श्रोताओं तक पहुँचाना, संचारित करना। इसमें श्रोताओं से चर्चा करना, उनसे प्रतिपुष्टि माँगना और पुष्टि करना तथा परिणामों के उपयोग के लिये अनुकूल निर्णय और कार्यवाही की माँग करना शामिल है। संचार व्यवस्था विधि अनुकूलक प्रबंधन के लिये महत्वपूर्ण है, जो कि जानकारियों का उपयोग भविष्य में प्रबंधन के मार्ग को बेहतर बनानें के लिये करती है। उदाहरण - यदि सामाजिक-आर्थिक निगरानी का लक्ष्य कोरल रीफ के महत्व और मूल्य को समझना है तो बाज़ार रहित और अनुपयोगी मूल्यों के संबंध में लोगों के बोध संबंधी परिणामों को मूल्य और महत्व को समझने के लिये उपयोग में लाना होगा। यदि परिणाम यह दर्शाते हैं कि ज्यादा से ज्यादा लोग कोरल रीफ को सुरक्षा देने के लिये सकारात्मक बोध रखते हैं तो यह कोरल रीफ के ऊँचे मूल्य को प्रदर्शित करता है। यह जानकारियाँ प्रबंधक लोगों और नीति निर्धारण करने वालों को, कोरल रीफ को सुरक्षा प्रदान करने में संसाधन लगाने के लिये प्रदर्शित करते हैं।

जैसा कि खंड 3.3 और 3.9 में चर्चा की जा चुकी है कि श्रोताओं या जानकारी प्राप्त करने वालों में समुदाय के सदस्य, नीति निर्धारणकर्ता और तटीय संसाधन प्रबंधक हो सकते हैं। नैतिक आधार पर यह सुझाव दिया जाता है कि सामाजिक-आर्थिक निगरानी के परिणाम संबंधी जानकारी उस समुदाय को देनी चाहिए जबकि वे लक्षित श्रोता हों या न हों। यह समुदाय सदस्यों के उस आभार के स्वरूप भी दिया जाना चाहिए जिन्होंने अपना अनमोल समय साक्षात्कार देने के लिये दिया। किसी भी सामाजिक-आर्थिक निगरानी प्रयास के लिये साक्षात्कार द्वारा थकान एक गंभीर बात है और अधिक लोगों का शामिल कर और अधिक से अधिक लोगों की परिणामों की जानकारी देने से अधिक से अधिक लोग बाद में होने वाले निगरानी कार्यक्रम में भागीदारी करने के इच्छुक होंगे। अतः इसलिए यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि समुदाय सदस्य परिणामों का उपयोग किस प्रकार करें और वह कैसे प्रबंधन को प्रभावी बना सकते हैं की उनसे चर्चा की जाये। यह निगारानी सीधे समुदाय के लिये भी उपयोगी होगी, विशेषकर उन्हें प्रतिपुष्टि, योजनाओं और नीतियों जिससे वे प्रभावित हुए हैं को मंजूर करने या उनका मूल्यांकन करने का अवसर देने से।

जब यह निर्धारण करना हो कि कौन से आंकड़ों को विशिष्टता से प्रदर्शित किया जाये और श्रोताओं के साथ बाँटा जाये, तो टीम के लिये यह ध्यान देना आवश्यक हो जाता है कि प्रस्तुत किये गये परिणामों से प्रत्येक श्रोता क्या आशा करता है और वे किस कार्यवाही की अपेक्षा करते हैं। यह आवश्यक है कि जानकारी के महत्वपूर्ण भागों को जिसको प्रत्येक श्रोता परिणामों में से देखता है की ओर ध्यान दिया जाये।

5.2.1 संप्रेषण प्रणाली

सामाजिक-आर्थिक निगरानी के परिणामों को विभिन्न श्रोताओं तक दोनों ही तरीकों- एक तरफा और दुतरफा संप्रेषण द्वारा संचारित किया जाये। एक तरफा संचार प्रणाली में निम्नलिखित सम्मिलित हैं:

- लिखित सामान (रिपोर्ट, पेपर)
- मानसदर्शन सामान (पोस्टर, पिक्चर)
- मौखिक प्रस्तुति
- जनसंचार माध्यम (समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, रेडियो, टेलीविजन)
- वेबसाईट

दुतरफा संचार क्रियावली में निम्नलिखित सम्मिलित हैं :

- आमसभा / ग्राम पंचायत
- सामूहिक चर्चा
- एक से एक की चर्चा
- सुदूर संचार (टेलीफोन, वीडियो फोन, वेब कैमरा)
- ई-मेल

दुतरफा संचार क्रियावली का फायदा यह है कि यह श्रोताओं को निगरानी कार्यक्रम में सम्मिलित करते हुए उनकी प्राप्त जानकारी की प्रतिपुष्टि प्राप्त करती है। यदि वे ऐसी क्रियावली रखते हैं जिसमें वे शामिल हो सके तो वे कार्यक्रम और परिणामों के आधार पर कार्यवाही में अधिक सहयोग देना पसंद करेगें।

जब यह निर्णय लेना हो कि कौन -सी क्रियावली का उपयोग किया जाये तो निम्नलिखित प्रश्नों की ओर ध्यान देना होगा :

- किस विधि को वे सूचना प्राप्त करने को प्राथमिकता देते हैं? यह उनके शैक्षणिक स्तर और तकनीकी क्षमता से निकटतम संबंधित होती है। साक्षारता दर की जानकारी की ओर ध्यान देना महत्वपूर्ण है, इसमें से क्या वे जानकारी पढ़ने, रेडियो सुनने या टेलीविजन देखकर में से किस विधि को जानकारी प्राप्त करने के लिये प्राथमिकता देंगे। क्या वे कम्प्यूटर जानते हैं? क्या वे इंटरनेट नियमित रूप से उपयोग करते हैं? क्या वे समय-समय पर सभा और सम्मेलन में भाग लेते हैं? यदि ऐसा है तो कब?
- क्या वे तकनीकी या शैक्षणिक गद्य जो कि अधिक सरल बातचीत शैली में हो को प्राथमिकता देंगे? कहाँ और कैसे बोलचाल संप्रेषण महत्वपूर्ण ढंग से किया जाता है? कौन -सी भाषा का उपयोग किया जाता है?
- वे क्या गाँव की सभा या आमसभा जहाँ कि खुली बातचीत का अवसर हो को प्राथमिकता देगें? इन सभाओं में कौन-सी भाषा प्रयोग में लायी जाती है? किसे उपस्थित होना चाहिए?

यदि वहाँ पर अधिकारहीन या अलाभ समूह क्षेत्र में हैं तो यह विशेषकर महत्वपूर्ण हो जाता है कि उनकी विशेष आवश्यकता के लिये संचार विधि का विकास करें जैसे विशेष सामूहिक चर्चा उनके साथ की जाये।

5.2.2 लिखित रिपोर्ट :

यदि परिणामों को लिखित तरीके से संचारित करना है तो एक रिपोर्ट को लक्षित श्रोताओं के लिये प्रस्तुत करना होगा। श्रोताओं के आधार पर रिपोर्ट के कई प्रकार या प्रपत्र हो सकते हैं। कुछ छोर प्रयोक्ता जैसे वरिष्ठ नीति निष्पादक या निर्णय-सृजनकर्ता का क्षेत्र और समुदाय के अध्ययन के सामान्य विवरण में कम रुचि हो सकती है परन्तु उनकी विषयों, समस्याओं और उनके संभवित उपायों की जानकारी में अधिक रुचि हो सकती है। दूसरे छोर प्रयोक्ता जैसे शोधकर्ता, क्षेत्र में कार्य करने की योजना बनाने वाली विकास एजेंसी और तटीय संसाधन प्रबंधकों को सामाजिक-आर्थिक दशा और तटीय संसाधन पणधारियों के संबंध में विस्तृत विवरण की आवश्यकता होगी।

प्रारूपिकतया, रिपोर्ट में निम्नलिखित सम्मिलित होना चाहिए :

- **कार्यकारिणी सारांश -** निगरानी द्वारा पहचाने गये चर्चा के विषयों, समस्याओं, अवसरों और उपायों का सारांश
- **परिचय / पृष्ठभूमि जानकारी -** सामाजिक-आर्थिक निगरानी (सामाजिक-आर्थिक जानकारी विभिन्न उपयोग के संबंध में जैसे कि ऊपर प्रस्तुत की गई है) का प्रमुख और विशिष्ट लक्ष्य की चर्चा और क्षेत्र की जैविक, भौतिकी, सामाजिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि।
- **लक्ष्य और उद्देश्य -** सामाजिक-आर्थिक निगरानी या मूल्यांकन का लक्ष्य और उद्देश्य सम्मिलित हैं।
- **विधि -** प्रतिचयन विधि पर चर्चा, आंकड़े संकलन विधि और गुणात्मक और परिमाणात्मक आंकड़ा विश्लेषण विधि का उपयोग

- **परिणाम -** निगरानी प्रयास से प्राप्त प्रमुख परिणामों की प्रस्तुति जिसमें सारिणी, रेखाचित्र, परिवर्तियों में सहसंबंध और कथात्मक विवरण चर्चा शामिल हैं। विशिष्ट परिणाम जो कि प्रत्येक परिवर्ती के लिये प्रस्तुत किये गये उन्हें प्रत्येक परिवर्ती के विश्लेषण अध्याय में नोट किया गया है। देखें परिशिष्ट अ और परिशिष्ट द और ढ विश्लेषण पत्र।
- **निष्कर्ष -** प्रमुख सीख और वास्तविक रूप से पहचाने गये निगरानी लक्ष्य के आसपास व्यवस्थित परिणाम के प्रभाव पर चर्चा ।
- **सुझाव -** निगरानी के परिणाम के फलस्वरूप अनुसंशित प्रबंधन कार्यवाही और संभवित उपाय प्रारंभ करना।
- **संदर्भित परिशिष्ट -** 1. उपयोग में लाये गये संपूर्ण सर्वेक्षण उपकरण की प्रतिलिपि (उदा. घरेलू इकाई सर्वेक्षण पत्र)
  2. संपूर्ण परिणाम जिसमें पूछे गये प्रश्नों की सांख्यिकीय का सारांश शामिल है।

5.3 अनुकूलक प्रबंधन

सॉकमॉन के परिणामों को अनुकूलक प्रबंधन में प्रयोग करना चाहिए, यह वह विधि है जो कि कार्य करके और उसके संबंध में प्रतिपुष्टि और प्रबंधन के साथ जानकारी और ज्ञान के उन्नतिशील संचयन को जोड़ते हुए सीखने पर बल देती है। अनुकूलक प्रबंधन बना है सामाजिक-आर्थिक जानकारियों का उपयोग कर प्रबंधन कार्यवाही से जो की पहले की गई थी, के परिणामों का पुनरीक्षण कर यह मूल्यांकन करता है कि इस कार्यवाही का आपेक्षित परिणाम निकला या नहीं। इस मूल्यांकन के आधार पर प्रबंधन को भविष्य में बेहतर बनाने के लिये प्रबंधन योजना में कई आवश्यक परिवर्तन किये जाते हैं। आगे की चर्चा के लिये परिशिष्ट अ में प्रत्येक परिवर्ती के विवरण के लिये देखें प्रबंधकों और अन्य पणधारियों के लिये जानकरियाँ कैसे उपयोगी होंगी परिशिष्ट अ सारिणी 5.1 में सामाजिक-आर्थिक निगरानी टीम का सोचना यह सुनिश्चित करने के लिये कि सॉकमॉन से प्राप्त जानकारियों को लेना अधिक प्रभावी होगा अनुकूलक प्रबंधन के लिये सारांशित किया गया है। यह सारिणी सामाजिक आर्थिक निगरानी टीम को निगरानी से प्राप्त जानकारी को संचारित करने की कार्यनीति योजना में सहायक होगी।

सारिणी 5.1 संचार व्यवस्था और अनुकूल प्रबंधन के लिये एक ढाँचा

सॉकमॉन निष्कर्षों और उसके योजना, प्रबंधन, नीति पर प्रभावों के संबंध में किसे सूचित करना आवश्यक है?	क्या परिवर्तन करना चाहिए या नहीं ?	उपयोग के लिये वह कौन-सा अच्छा संचार माध्यम है?	क्या यह संचार माध्यम पहले से विद्यमान है?	आवश्यक संसाधन?

परिशिष्ट अ : परिवर्तियाँ

अध्याय 4 सॉकमॉन परिवर्तियों की एक संक्षिप्त सूची प्रदान करता है। यह परिशिष्ट प्रत्येक परिवर्तियों का वर्णन करता है जिसमें निम्नलिखित सम्मिलित है :

यह क्या है - परिवर्ती का वर्णन

आंकड़े कैसे एकत्र करें - आंकड़े कैसे एकत्र किये जाये का वर्णन (उदा.मुख्य सूचना देने वालों के प्रकार, गौण या द्वितीयक आंकड़ों का स्रोत) और संबंधित प्रश्न जिसे परिशिष्ट ब और स में संकलित किया गया है। कुछ अध्यायों में अतरिक्त आंकड़ों का संकलन दिया गया है जो कि अतरिक्त उपयोगी जानकारियाँ को एकत्र करना का सुझाव देता है।

यह परिशिष्ट परिवर्तियों जिनकी निगरानी की जानी है के पूर्ण संग्रह का वर्णन करती है। इस संग्रह से निगरानी टीम को आवश्यकता अनुसार लक्ष्य और कार्यस्थल की दशा के अनुकूल परिवर्तियों का चयन करना होगा जैसी कि अध्याय 4 में चर्चा की गई है।

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें - यह व्याख्यायित करता है कि इन आंकड़ों का क्या किया जाये। इसमें अन्य आंकड़ों से तुलना और सारिणी या कथात्मक संक्षिप्त विवरण तैयार करना जो कि परिशिष्ट द और ढ में दिया गया है शामिल है। अधिकतर अध्यायों में अतिरिक्त विश्लेषण है जो कि उस विश्लेषण को नोट करता है जो कि *परिशिष्ट द और ढ विश्लेषण पत्र* में सूचित विश्लेषण के अतिरिक्त किया जाता है।

प्रबंधकों और अन्य पणधारियों के लिये जानकारियाँ कैसे उपयोगी होंगी -- पिछले अध्याय, अध्याय 2 में अंकति लक्ष्य के संबंध में जानकारियाँ कैसे उपयोगी होंगी इस बात की चर्चा है।

परिशिष्ट ब और परिशिष्ट स आदर्श के अध्यायों में वर्णित प्रत्येक परिवर्ती के लिये नोट किये गये प्रश्न शामिल हैं। परिशिष्ट द और परिशिष्ट ढ जिसमें गणना के लिये आंकड़ों की विश्लेषण सारिणी और रेखाचित्र जिनकी बाद अध्यायों में चर्चा की गई है शामिल हैं।

परिवर्तियों को उनके संकलन के साधन जैसे मुख्य सूचना देने वालों के साक्षात्कार / मानसदर्शन / गौण या द्वितीयक स्रोत और सर्वेक्षण आदि के आधार पर दो अध्याय में प्रस्तुत किया गया है। प्रत्येक अध्याय में परिवर्तियाँ (उदा. आयु, शिक्षा, साक्षरता, धर्म, मूल का विवरण) समूहों में प्रस्तुत किया गया है क्योंकि, वे निकट संबंधित अर्थ, आंकड़े संकलन के साधन, विश्लेषण और या उपयोग रखती हैं।

सामुदायिक स्तर जनसांख्यिकीय

K1. अध्ययन क्षेत्र

यहा क्या है?

अध्ययन क्षेत्र संदर्भित है तटीय और सामुद्रिक संसाधन और पणधारियों की स्थान स्थिति से जहाँ पर कि अध्ययन कार्य किया जाने वाला है। अध्ययन क्षेत्र की सीमाओं का निर्धारण संसाधन और पणधारी जहाँ रहते हैं और काम करते हैं कि भौतिक स्थान स्थिति द्वारा किया जाता है। अध्ययन क्षेत्र इसलिए अक्सर तटीय क्षेत्र और पास के जलग्रहण क्षेत्र से घिरा होता है। पणधारी अधिक गतिशील रहते हैं और अधिक बड़े क्षेत्र में विचरण करते रहते हैं जो की प्रबंधन क्षेत्र से अधिक बड़ा होता है। वहाँ पर एक या अन्य समुदाय अध्ययन क्षेत्र में हो सकते हैं जिसमें सभी महत्वपूर्ण पणधारी शामिल हैं। आगे चर्चा के लिये देखें जीसीआरएमएन मैन्युअल अध्याय 1 :प्रारंभिक तैयारी गतिविधि, अध्ययन क्षेत्र और अध्ययन कार्यस्थल की पहचान करें।

आंकड़े कैसे एकत्र करें?

अध्ययन क्षेत्र के बारे में जानकारियाँ क्षेत्र के मानचित्र और मुख्य सूचना देने वालों जैसे समुदाय के नेता से चर्चा कर प्राप्त करते हैं। जैसा कि गौण या द्वितीयक स्रोत साक्षत्कार संदर्शिका में नोट किया गया है कि यह महत्वपूर्ण है कि प्रश्नों का उत्तर देना : अध्ययन क्षेत्र की परिसीमा क्या है? क्षेत्रफल को मानचित्र पर नोट किया जाना चाहिए। सूचना देने वालों से मिलकर एक मानचित्र या नक्शा बनाना चाहिए जिसमें समुदाय के लिये भौगोलिक महत्व के क्षेत्र को मूल नाम से अंकित किया जाना चाहिए। देखें परिशिष्ट द: मुख्य सूचना देने वालों के साक्षात्कार विश्लेषण पत्र।

अतिरिक्त आंकड़ों का संकलन : यह भी उपयोगी होगा कि मौसम और हवा के उपयोग पैटर्न के आंकड़े जैसा कि समुदाय को उनका बोध है संकलित किये जाये। देखें परिशिष्ट द : मुख्य सूचना देने वालों के साक्षात्कार विश्लेषण पत्र।

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

सूचना देने वालों से प्राप्त जानकारी को सारांशित करें और कई नक्शों को एक बड़े नक्शे में संपादित करें, जिसका प्रयोग पूरी निगरानी के दौरान किया जायेगा और अंत में परिणामों के साथ प्रस्तुत किया जायेगा। अध्ययन क्षेत्र की परिसीमा तटीय संसाधन और पणधारियों की स्थान स्थिति पर आधारित है और इसे नक्शे में चिह्नित किया जाना चाहिए। महत्वपूर्ण स्थलों की जानकारी को भी नोट किया जाना चाहिए। परिणाम के रूप में तैयार किये गये नक्शे को साक्षात्कार / द्वितीयक स्रोत विश्लेषण पत्र में शामिल किया आवश्यक है।

प्रबंधकों और अन्य पणधारियों के लिये जानकारियाँ कैसे उपयोगी हो सकती हैं?

अध्ययन क्षेत्र की स्पष्ट रूप से पहचान करना संसाधनों के उपयोग पैटर्न और संभवित खतरे को पहचानने में महत्वपूर्ण होती है। अध्ययन क्षेत्र को नक्शे पर नोट करने से प्रबंधक क्षेत्र के भौगोलिक जानकारियों से परिचित होते हैं जिसमें तटीय क्षेत्र और प्रवाल द्वीप के ज्लोत्सारण क्षेत्र, कृषि क्षेत्र, घनिष्ठ आवासीय विकास, रीफ प्रवेशद्वार, कोरल के टुकड़े, वायुशिफ, लागून आदि को देख सकते हैं।

प्रबंधन और समुदायों के बीच संबंध बनाने में क्षेत्र का प्रतिचित्रण एक महत्वपूर्ण कदम होता है। समुदाय का सामाजिक नक्शे और संसाधन उपयोग गतिविधियों नक्शे बानने में मानसदर्शन यंत्र का प्रयोग किया जाता है। सामाजिक-आर्थिक कार्यक्रम के अनुभवों से अध्ययन क्षेत्र को परिभाषित करना जो कि निगरानी का केन्द्र होता है महत्वपूर्ण है। समय के साथ तुलना करने के लिये निगरानी टीम को अध्ययन की सीमा के भीतर समुदाय के परिप्रेक्ष्य में स्पष्ट होना आवश्यक है।

K2 & K3. जनसंख्या, घरेलू इकाइयों या कुटुम्ब की जनसंख्या

यह क्या है?

जनसंख्या अध्ययन क्षेत्र में रहे लोगों की कुल संख्या है। घरेलू इकाइयों या कुटुम्ब की संख्या अध्ययन क्षेत्र के घरेलू इकाइयों की संख्या है जिसे सॉकमॉन विधि (उदा.लोग जो भोजन और आय बाँटते हैं) के प्रारंभ में ही परिभाषित किया गया है, इसकी परवाह करे बैगेर कि एक घर में कई परिवार रहते हों।

आंकड़े कैसे एकत्र करें?

जनसंख्या संबंधी और घरेलू इकाइयों की संख्या संबंधित आंकड़े सामान्यतः राष्ट्रीय, क्षेत्रीय, और / या स्थानीय जनगणना सांख्यिकीय द्वारा प्राप्त कर सकते हैं जो कि स्थानीय सरकारी कार्यालय या नगर परिषद में उपलब्ध होते हैं। यह महत्वपूर्ण है कि इन आंकड़ों की मुख्य सूचना देने वालों जैसे समुदाय का मुखिया के द्वारा दुतरफा पड़ताल की जाये। जैसा कि द्वितीयक स्रोत / साक्षात्कार संदर्शिका में नोट किया गया है कि पूछे जाने वाले महत्वपूर्ण प्रश्न इस प्रकार हैं--

कितने लोग अध्ययन क्षेत्र में रहते हैं? _____

कितने घरेलू इकाइयाँ अध्ययन क्षेत्र में रहती हैं? _____

अतिरिक्त आंकड़ों का संकलन : यह भी महत्वपूर्ण होगा कि जनसंख्या में पूरे वर्ष में आये परिवर्तन और परिवर्तनों के कारणों के बारे में पूछा जाये।

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

जनसंख्या और घरेलू इकाइयों की संख्या जानने के लिये द्वितीयक स्रोत और मुख्य सूचना देने वालों से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग करें और उसे साक्षत्कार / द्वितीयक स्रोत विश्लेषण पत्र में नोट करें।

अतिरिक्त विश्लेषण : वर्तमान परिणामों को पिछले वर्ष के परिणामों में से घटाकर पूरे वर्ष में आये परिवर्तन का निर्धारण करें। यह देखने के लिये कि जनसंख्या में परिवर्तन से संसाधन की दशा और और प्रभाव में कोई संबंध है, समय के साथ जनसंख्या और घरेलू इकाइयों की संख्या में आये परिवर्तन की तुलना संसाधन की दशा आये परिवर्तन और प्रभाव के स्तर और प्रकार (K23) के आंकड़ों से करें।

प्रबंधकों और अन्य पणधारियों के लिये यह जानकारियाँ कैसे उपयोगी हो सकती हैं?

अध्ययन क्षेत्र की जनसंख्या और घरेलू इकाइयों की संख्या जानना, संभवित खतरे को जानने समझने में महत्वपूर्ण होता है। जनसंख्या का स्तर का बोध उसकी वजह से साधनों पर पड़ रहे दबाव के विषय में सामान्य बोध देता है। अधिक जनसंख्या संसाधनों पर अधिक दबाव कारण होती है। इन परिवर्तनों की जानकारी द्वारा यह देखा जा सकता है कि समय के साथ संसाधन पर दबाव बढ़ा, घटा या वैसा का वैसा ही बना रहा। इसकी तुलना संसाधन की दशा और उपयोग के स्तर से करने से यह निर्धारण करने में मदद मिलती है कि कितनी जनसंख्या बढ़ने से संसाधनों की दशा पर प्रभाव पड़ता है।

सामाजिक-आर्थिक कार्यक्रम के परिप्रेक्ष्य में, जनसंख्या और घरेलू इकाइयों की संख्या महत्वपूर्ण होती है यह निर्धारण करने में कि कितनी प्रतिचयनित घरेलू इकाइयों का साक्षात्कार लिया जाये। यह इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है कि सर्वेक्षण प्रांरभ करने के पूर्व ही इन आंकड़ों को मुख्य सूचना देने वालों से संकलित किया जाये।

K4. प्रवासन दर

प्रवासन दर वह जो लोगों के पूरे पिछले वर्ष के दौरान अध्ययन में आने या वहाँ से बाहर जाने से जनसंख्या में आये बदलाव का प्रतिशत है।

आंकड़े कैसे एकत्र करें?

प्रवासन संबंधी आंकड़े सामान्यतः राष्ट्रीय, क्षेत्रीय या स्थानीय जनगणना सांख्यिकीय में उपलब्ध होते हैं जो कि स्थानीय सरकारी कार्यालय में उपलब्ध होते है उनके द्वारा प्राप्त किये जा सकते हैं। यह महत्वपूर्ण है कि इन आंकड़ों की मुख्य सूचना देने वालों जैसे समुदाय का मुखिया के द्वारा दुतरफा पड़ताल की जाये। जैसा कि द्वितीयक स्रोत / साक्षात्कार संदर्शिका में नोट किया गया कि पूछे जाने वाला महत्वपूर्ण प्रश्न इस प्रकार हैं–

अध्ययन क्षेत्र में गये एक साल में लोगों के आने और बाहर जाने में कितनी बढ़ोतरी या कमी हुई है? _____
(नोट अ या - अंदर आने या बाहर जाने को प्रतिबिंबित करने के लिये)

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

द्वितीयक स्रोत और मुख्य सूचना देने वालों से प्राप्त आंकड़ों का प्रयोग प्रवासन दर निर्धारण के लिये करें और इसे साक्षत्कार / द्वितीयक स्रोत विश्लेषण पत्र में नोट करें। उदाहरण - यदि सन् 1999 में समुदाय में 1000 लोग थे और सन् 2000 में 500 लोग अध्ययन क्षेत्र में आ गये तो प्रवासन दर 500/ 1000 x 100 = 50 प्रतिशत होगी।

अतिरिक्त विश्लेषण : वर्तमान परिणामों को पिछले वर्ष के परिणामों में से घटाकर पूरे वर्ष में आये परिवर्तन का निर्धारण करें। यह देखने के लिये कि प्रवासन दर से संसाधन की दशा और और प्रभाव में कोई संबंध है, समय के साथ प्रवासन की दर में आये परिवर्तन की तुलना संसाधन की दशा आये परिवर्तन और प्रभाव के स्तर और प्रकार (K23) के आंकड़ों से करें।

प्रबंधकों और अन्य पणधारियों के लिये यह जानकारियाँ कैसे उपयोगी हो सकती हैं?

प्रवासन दर संभवित खतरे को जानने समझने में भी उपयोगी है। जैसे लोग क्षेत्र में आते हैं तो संसाधन पर दबाव बढ़ जाता है। संसाधन की दशा और प्रभाव के स्तर की तुलना उपयोगी होती है विशेषकर यह देखने में कि यदि नवागंतुक बदलते संसाधन की दशा और प्रभाव से संबंध रखते हैं।

प्रवासन दर पणधारियों से परस्पर संवाद-संपर्क के लिये महत्वपूर्ण होती है, विशेषकर जागरूकता कार्यक्रम बनाने के लिये। अप्रवासी को तटीय संसाधन और प्रबंधन कार्यक्रम की जानकारी कम होती है बजाय उन लोगों के जो कि लंबे समय से क्षेत्र में रह रहे हैं। एक तटीय प्रबंधन कार्यक्रम समुदाय की अधिक प्रवासन दर के साथ एक कार्यक्रम बनाना चाह सकता है जो कि पर्यावरण का सीमित मूलज्ञान और मूल्यावधारणा के साथ बढ़ती हुई जनसंख्या आवश्यकता अनुसार हो। उदाहरण - प्रबंधक यह चाह सकते हैं कि समुदाय की एक सभा पारंपरिक संसाधन उपयोगकर्ता और अप्रवासियों के साथ हो जिसमें नये आने वालों को विद्यमान अधिकार व्यवस्था से परिचित कराया जा सके। आगे, यदि प्रबंधक जानते हैं कि अप्रवासी किन गतिविधियों में सम्मिलित हैं तो पुरुष या स्त्री उन गतिविधियों की ओर लक्षित किये जा सकते हैं। उदाहरण - यदि वहाँ एक बड़ी संख्या में होटल चलाने वाले आते हैं जिन्हें तटीय परिस्थिति विज्ञान का बहुत थोड़ा -सा ज्ञान है और वह वायुशिफ साफ करना प्रारंभ करते हैं तो प्रबंधक तटीय और समुद्री संसाधन के महत्व के विषय में एक शैक्षणिक वीाडियो कार्यक्रम जो पर्यटकों के लिये आकर्षण हो और होटल गतिविधियों से इन बहुमूल्य संसाधन पर पड़ने वाले प्रभाव को दर्शाता हो बना सकते हैं।

K5-11. आयु / सेक्स अनुपात, शिक्षा, साक्षरता, मूल /जाति / जनजाति, धर्म, भाषा

यह क्या है?

आयु, लिंग, शिक्षा, साक्षरता, मूल की जानकारी और धर्म मूल जनसांख्यिकीय परिवर्तियाँ हैं। शिक्षा का स्तर को अध्ययन क्षेत्र के 16 वर्ष से अधिक के सदस्यों की औपचारिक विद्यालयीन शिक्षा के औसतन वर्ष संख्या द्वारा मापा जाता है। साक्षरता को अध्ययन क्षेत्र के कितने प्रतिशत सदस्य पढ़ और लिख सकते हैं से मापा जाता है। आयु को अध्ययन क्षेत्र के सदस्यों के विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिशत द्वारा मापा जाता है। लिंग को अध्ययन क्षेत्र की जनसंख्या में कितने प्रतिशत पुरुष और कितने प्रतिशत स्त्रियाँ है के द्वारा मापा जाता है। मूल की जानकारी और धर्म को अध्ययन क्षेत्र के सदस्यों के प्रतिशत जो कि भिन्न मूल से आते है और भिन्न धर्मों से जुड़े होते हैं के द्वारा मापा जाता है।

आंकड़े कैसे एकत्र करें?

अध्ययन क्षेत्र की आधारभूत जनसांख्यिकीय जानकारी गौण या द्वितीयक स्रोतों में महत्वपूर्ण रूप में उपलब्ध है, जैसे सरकारी जनगणना विभाग, नगर कार्यालय, और सामुदायिक केन्द्र। यह महत्वपूर्ण है कि इन आंकड़ों की दुतरफा पड़ताल मुख्य सूचना देने वालों के साथ की जाये, जैसे समुदाय का मुखिया।

आंकड़ों के संकलन को अध्ययन क्षेत्र में आयु, लिंग, शिक्षा, धर्म, और मूल से जुड़ाव जैसे विभिन्न वर्गों में लोगों के प्रतिशत निर्धारण के चारों ओर केन्द्रित रहना चाहिए। जैसा कि द्वितीयक स्रोत / साक्षात्कार संदर्शिका में नोट किया गया है कि निम्नलिखित प्रमुख प्रश्नों को संबोधित करें:

निम्न लिखित आयु वर्ग में कितने प्रतिशत लोग अध्ययन क्षेत्र में हैं? 0 -18_____;19-30_____; 31-50_____; 50 से ज्यादा_____

जनसंख्या का कितने प्रतिशत पुरुष या स्त्री हैं? पुरुष_____; स्त्री_____

अध्ययन क्षेत्र में 16 वर्ष से अधिक के लोगों ने कितने औसतन वर्ष शिक्षा ग्रहण की है? _____

जनसंख्या के कितने प्रतिशत लोग साक्षर (लिख और पढ़ सकते हैं) हैं ? _____

अध्ययन क्षेत्र में प्रत्येक मूल के कितने-कितने लोग हैं(अध्ययन क्षेत्र के प्रत्येक बड़े मूल समूह का प्रतिशत)? (इसमें लिखें) _____ (इसमें लिखें).____ (इसमें लिखें) _____

अध्ययन क्षेत्र में प्रत्येक धर्म समूह के कितने प्रतिशत लोग हैं? (धर्म का नाम लिखें.) _____ (धर्म का नाम लिखें.) _____ (धर्म का नाम लिखें.) _____

अध्ययन क्षेत्र में अधिकतर बोली जाने वाली भाषा कौन सी है और उनके बोलने वालों का प्रतिशत क्या है(अध्ययन क्षेत्र में प्रत्येक बड़ी भाषा के बोलने वालों का प्रतिशत)? (भाषा का नाम लिखें.)_____ (भाषा का नाम लिखें.)_____ (भाषा का नाम लिखें.)_____

अतिरिक्त आंकड़ों का संकलन : सामुदायिक स्तर पर पणधारियों के राजनैतिक जुड़ाव की जानकारी टीम ले सकती है। यह बेहद संवेदनशील जानकारी होती है जिसे मुख्य सूचना देने वालों या द्वितीयक स्रोत से जाना जा सकता है। राजनीति से जुड़ाव लोगों को साथ में काम करने में रुकावट होता है। राजनीति से जुड़ाव लोगों के प्रत्यक्षज्ञान और संसाधन के मूल्य के संबंध में परिज्ञान देता है।

कुछ क्षेत्र में जत्थे संबंधी जानकारी भी संकलित करना अनुकूल हो सकता है। यह महत्वपूर्ण हो जाता है जहाँ जिम्मेदारी और कार्य निर्देश जत्थे द्वारा आदेशित किये जाते हैं। इस जानकारी की, अनौपचारिक अधिकार और रीतिरिवाज (K33) तथा ताकत और प्रभाव (K37) संबंधित परिणामों द्वारा दुतरफा पड़ताल करें।

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

द्वितीयक स्रोत और मुख्य सूचना देने वालों से प्राप्त जानकारी से लोगों के प्रत्येक वर्ग का प्रतिशत का निर्धारण करते हुए उसे साक्षात्कार / द्वितीयक स्रोत विश्लेषण पत्र में नोट करें। आयु के संबंध में उदाहरण नीचे इस प्रकार है–

समुदाय की आयु का प्रतिशत : 0-18 23% ; 19-30 41%; 31-50 16%; 50 से ज्यादा 20%

अतिरिक्त विश्लेषण : अध्ययन क्षेत्र में आयु, धर्म और मूल संबंधी जानकारी को दृश्यमाध्यम से प्रदर्शित करने के लिये थ्री-पाई चार्ट बना सकते हैं। वर्तमान परिणामों को पिछले वर्ष के परिणामों में से घटाकर समय के साथ आये परिवर्तन की गणना की जा सकती है। इसके अतिरिक्त, यह अध्ययन क्षेत्र की जनसांख्यिकीय बनावट व्याख्यायित करने और उसमें समय के साथ कैसे परिवर्तन आया बतलाने के लिये उपयोगी होती है।

इसी तरह के आंकड़े सर्वेक्षण के भाग की तरह संकलित किये गये हैं। परिणामों की तुलना से आंकड़ों की सत्यता की पड़ताल होती है। यदि वहाँ परिणामों में अंतर पाया जाता है तो मुख्य सूचना देने वालों को संपर्क करना उपयोगी होगा यह जानने के लिये की अंतर के क्या कारण थे? अन्यथा, पूर्ण जनगणना सर्वेक्षण अध्ययन क्षेत्र की सत्य जनसांख्यिकीय जानने के लिये करना होगा।

प्रबंधकों और अन्य पणधारियों के लिये यह जानकारियाँ कैसे उपयोगी हो सकती हैं?

यह सभी परिवर्तियाँ प्रबंधन में पणधारियों की भागीदारी के लिये महत्वपूर्ण हैं। शिक्षा, साक्षरता, और आयु नये विचारों की अभिग्राह्यता की भविष्यवक्ता है। सामान्यतया, जैसे आयु बढ़ती है नये विचारों का खुलापन कम होता है(उदा.प्रतिबंधित क्षेत्र स्थापित करना)। और जैसे शिक्षा का स्तर बढ़ता है, विचारों का खुलापन बढ़ता है। उदाहरण - एक शिक्षित मछुवारा अधिक इच्छुक होता है बजाये अनपढ़ मछुवारे के नये कैरियर के संबंध में व्यापक प्रशिक्षण हेतु।

इन परिवर्तियों के बारे में जानने और समझने से प्रबंधकों को जागरूकता की संभावना, समर्थन, और प्रबंधन युक्तियों का अनुपालन का बोध होता है।

व्यक्तियों के मूल की जानकारी और धर्म सामाजिक ढाँचे का महत्वपूर्ण अंग है और उसे अक्सर सामूहिक सदस्यता, ईमानदारी और सामाजिक व्यवहार के अन्य पक्षों संबंधित किया जाता है। समानता बहुधा साथ कार्य करने की इच्छा को अग्रसित करती है। मूल की जानकारी और धर्म के जुड़ाव की जानकारी द्वारा प्रबंधक यह समझ सकते हैं कि पणधारियों के साथ कैसे बर्ताव करेंगे और इसलिए उनसे कैसे संवाद-संपर्क किया जाये। सजातिय या एक ही तरह के समुदाय के लोग ज्यादातर एक साथ काम करना पसंद करते हैं बजाय भिन्न-भिन्न जाति और धर्म समुदाय के।

यह जानकारी इन समूहों के प्रवेश बिंदु के निर्धारण में उपयोगी होती है। उदाहरण- यदि धार्मिक जुडाव दृढ़ है तो धार्मिक सेवाएँ या सभाएँ लोगों तक पहुँचने का साधन हो सकती हैं और धार्मिक मुखिया समुदाय के सदस्यों का उपयुक्त प्रतिनिधि हो सकते हैं। व्यक्ति के मूल और धर्म की जानकारी लोगों के बोध और उनके लिये संसाधन का मूल्य के संबंध में परिज्ञान देती है, जबकि उनके धर्म और मूल में विश्वास की समझ आवश्यक है।

संस्कृति और लिंग का आधार भागीदारी का दृढ़ सूचक हो सकता है क्योंकि, कुछ संस्कृति में स्त्रियाँ राजनीति और प्रबंधन में सक्रिय रूप से भाग नहीं लेतीं। इस तरह कि स्थिति में उन्हें प्रबंधन में सक्रिय भागीदारी के लिये शामिल करना बहुत ही कठिन हो जाता है।

शिक्षा, साक्षरता और धार्मिक तथा मूल या जातीय जुड़ाव महत्वपूर्ण है यह समझने में कि समय के साथ प्रबंधन का जीवनयापन और उनकी तंदुरुस्ती पर क्या प्रभाव हुआ। एक विशेष मूल या जातीय समूह की जनसंख्या के प्रतिशत में तेजी से कमी इस बात का सूचक है कि प्रबंधन नीतियों का उस समूह पर असमान प्रभाव पड़ा है। इस विवेचना में कठिनाई यह है कि प्रबंधन नीतियों को बीच में सहसंबंधित करना सभी दूसरी नीतियों और कार्यक्रमों से जोकि इस परिवर्तन के कारण हो सकते हैं।

आयु भविष्य में संसाधन पर पड़ने वाले दबाव की भविष्यवाणी करने में उपयोगी होती है। एक नौजवानों की जनसंख्या जो कि कई दक्षिण एशियाई क्षेत्र में आम है, यह सूचित करती है कि वहाँ आने वाले वर्षों में संसाधनों पर अधिक दबाव बनेगा।

सामाजिक-आर्थिक कार्यक्रम के परिप्रेक्ष्य में, आयु, लिंग, शिक्षा, मूल / जाति / जनजाति, धर्म और व्यवसायिक ढाँचे के वितरण की जानकारी अध्ययन क्षेत्र में साक्षात्कार किये गये लोगों की विस्तृता को सुनिश्चित करती है। उदाहरण - यदि वहाँ 30प्रतिशत बोट मालिक, 60 प्रतिशत जाल द्वारा मछली पकड़ने वाले और 10 प्रतिशत बाहरी मछुवारे है, तो टीम को यह सुनिश्चित करना होगा की साक्षात्कार प्रत्येक समूह के लिये लगभग एक जैसे प्रतिशत में किया जाये। यह महत्वपूर्ण है कि इस जानकारी को सर्वेक्षण प्रारंभ होने के पूर्व मुख्य सूचना देने वालों के साक्षात्कार से प्राप्त किया जाये। देखें 3.4चयनित उत्तरदाताओं पर चर्चा के लिये।

K12. व्यवसाय

यह क्या है?

व्यवसाय वह गतिविधि है जो जो कि जीवनयापन या आजीविका प्रदान करती है जैसे आय, खाद्य या अन्य निर्वाह के साधन। प्राथमिक व्यवसाय जीवनयापन का मुख्य स्रोत है, जबकि द्वितीय और तृतीय व्यवसाय, दूसरे और तीसरे महत्वपूर्ण जीवनयापन स्रोत हैं।

आंकड़ों कैसे एकत्र करें?

व्यवसाय संबंधी आंकड़े द्वितीयक स्रोत जैसे जनगणना सांख्यिकीय, मत्स्यपालन रिकार्ड और समुदाय विकास योजना द्वारा प्राप्त किये जा सकते हैं। जबकि, यह व्यवसाय के स्तर पर प्रस्तुत नहीं किये गये हैं जो कि प्रबंधकों के लिये उपयोगी हो सके। उदाहरण- पर्यटन को व्यवसाय के तौर पर नोट किया गया है, जबकि प्रबंधक अलग-अलग यह जानना चाहते हैं कि कितने प्रतिशत वॉटर स्पोर्टस ऑपरेटर हैं और कितने होटल कर्मचारी हैं। यह इसलिए मुख्य सूचना देने वालों जैसे समुदाय का मुखिया और विभिन्न सेक्टर(उदा. मछुवारा संघ, होटल संघ आदि) के प्रतिनिधियों का साक्षात्कार करना महत्वपूर्ण है। इस जानकारी को द्वितीयक स्रोत / साक्षात्कार संदर्शिका सारिणी में जैसा कि नीचे दिखाया गया है इसे सम्मिलित करना आवश्यक है।

अतिरिक्त आंकड़ों का विश्लेषण : टीम गैर कानूनी व्यवसाय के बारे में पूछ सकती है, जैसे अवैध तरीके से मछली आदि पकड़ना आदि। इस तरह की जानकारियाँ या सूचनाएँ सर्वेक्षण के उत्तरदाताओं से मिलना कठिन होता है, इसलिए यह विशेषकर महत्वपूर्ण होता है कि इसे मुख्य सूचना देने वालों से प्राप्त किया जाये। निरीक्षण या अवलोकन से भी अध्ययन क्षेत्र की अवैध गतिविधियों की सूचना या जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

टीम बेरोजगारी या अल्प रोजगार के स्तर के बारे में भी पूछ सकती है - और इस स्तर का ऊँचा होना संसाधन पर अधिक दबाव को सूचित करता है।

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

द्वितीयक स्रोत और मुख्य सूचना देने वालों से प्राप्त आंकड़ों का प्रयोग करते हुए यह निर्धारित करें कि प्रत्येक वर्ग में कार्यरत या रोजगार में लगी हुई जनसंख्या का प्रतिशत कितना है और लोगों की संख्या जो कि प्रत्येक व्यवसाय में लगी हुई है जो कि उनका प्राथमिक व्यवसाय है। इन सूचनाओं या जानकारियों को साक्षात्कार / द्वितीयक स्रोत विश्लेषण पत्र में नीचे दिये गये उदाहरण की तरह नोट करें।

समुदाय का बड़ा व्यवसाय	कार्यरत जनसंख्या का प्रतिशत जो इस व्यवसाय को प्राथमिक व्यवसाय मान कर करते हैं	लोगों की संख्या जो इसे व्यवसाय को प्राथमिक व्यवसाय मान कर करते हैं	कार्यरत जनसंख्या का प्रतिशत जो इस व्यवसाय को दूसरा व्यवसाय मान कर करते हैं	कार्यरत जनसंख्या का प्रतिशत जो इस व्यवसाय को तीसरा व्यवसाय मान कर करते ह
1. मछुवारे	58%	580	20%	10%
2. वॉटर स्पोर्टस ऑपरेटर	10%	100	0%	0%
3. ऑक्वाकल्चर कर्मचारी	20%	200	5%	1%
4. होटल कर्मचारी	5%	50	0%	0%
5. कृषक	5%	50	10%	4%
6. सरकारी कार्य	3%	30	0%	0%

अतिरिक्त विश्लेषण : वर्तमान परिणामों को पिछले वर्ष के परिणामों में से घटाकर समय के साथ आये परिवर्तन की गणना करें। इन परिणामों की तुलना संसाधन की स्थिति या दशा, उपयोग के प्रकार (K16), प्रभाव का स्तर और प्रकार (K22) और संभवित खतरे (S17) के बोध में आये परिवर्तन से उनके सहसंबंध को देखने लिये करें। यह बड़े व्यवसाय और उसके महत्व, उसमें प्रत्येक में लगे लोगों के प्रतिशत और संख्या और उसमें समय के साथ कैसे बदलाव आया उसका एक संक्षिप्त विवरण तैयार करने में उपयोगी होता है।

प्राथमिक और द्वितीयक व्यवसाय के प्रतिशत को जोड़ा जा सकता है जो कि एक सूचक के रूप में प्रत्येक व्यवसाय पर निर्भरता को दिखता है। इस उदाहरण में कार्यरत जनसंख्या का 80 प्रतिशत मछलीपालन पर निर्भर है जबकि 10 प्रतिशत इसे तीसरा व्यवसाय मानते हैं।

इसी तरह के आंकड़े सर्वेक्षण के दौरान भी एकत्र किये गये हैं। परिणामों की तुलना से उनके आंकड़ों की सत्यता की पड़ताल होती है। यदि परिणामों में अधिक अंतर होता है तो एक संपूर्ण जनगणना सर्वेक्षण आवश्यक हो जाता है। सूचित है कि सर्वेक्षण आंकड़े सारी जनसंख्या पर आधारित होते हैं(न कि सिर्फ कार्यरत जनसंख्या पर), जिसमे वे बेरोजगार भी शामिल हैं। सही तौर पर तुलना के लिये सर्वेक्षण से प्राप्त प्रतिशत की फिर से गणना की जानी चाहिए जो कि सिर्फ उन पर आधारित हो जो कार्यरत के रूप में सूचीबद्ध हैं (वह हैं -सूचित है कि जो लोग छात्र, बेरोजगार आदि उनके व्यवसाय के तौर पर नोट किये गये हैं)।

प्रबंधकों और अन्य पणधारियों के लिये यह जानकारियाँ कैसे उपयोगी हो सकती हैं?

व्यावसायिक संरचना एक बहुत ही महत्वपूर्ण उपयोगी स्रोत है संभवित खतरे संबंधी जानकारी के लिये। यह तटीय गतिविधियों में कितने लोग लगे हुए हैं उनकी संख्या की जानकारी प्रदान करती है और संख्या की अधिकता संसाधन के लिये संभवित खतरे को इंगित करती है। समय के साथ प्रभाव के प्रकार और स्तर (K23) और संसाधन की दशा में आये परिवर्तन की तुलना से संभवित खतरे का बोध होता है। उदाहरण - समय के साथ अधिक से अधिक लोग यदि मत्स्यपालन को अपना प्राथमिक व्यवसाय मानकर उसकी ओर विस्थापित होते हैं तो अधिक मछली पकड़ना उभरता हुआ मामला हो सकता है। संसाधन की दशा की तुलना यह दर्शाती है कि मछुवारों की संख्या बढ़ने के साथ मछलियों की संख्या घट रही है। उपयोग के प्रकार (K16) और प्रभाव के प्रकार और स्तर (K23) के साथ तुलना उपयोगी है यह देखने में कि कैसे वह गतिविधियाँ संभवतः बढती रहेंगी। संभवित खतरे का प्रत्यक्ष बोध (S17) से तुलना करना यह देखने में उपयोगी है कि समुदाय इन बढ़ोतरियों के बारे में क्या बोध रखता है- क्या उन्होंने संसाधन को प्रभावित होते देखा है। यदि मछुवारों की संख्या बढ़ती है, परन्तु संसाधन की दशा अच्छी है, उपयोग का प्रकार हल्का है और समुदाय नहीं मानता कि मछली पकड़ने से मध्यम या उच्च प्रभाव पड़ेगा तो ऐसी दशा में मछली पकड़ना खतरा नहीं हो सकता।

व्यावसायिक संरचना समुद्री संसाधन के महत्व का भी निर्धारण करने में भी उपयोगी होती है। यदि अधिक प्रतिशत में लोग संसाधन का उपयोग करते हैं तो संसाधनों पर निर्भरता अधिक होगी और इसलिए संसाधनों का महत्व अधिक होगा। समय के साथ तटीय संबंधी गतिविधियों में कार्यरत लोगों के प्रतिशत और या संख्या में बढ़ोतरी इस बात का सूचक है कि संसाधनों के महत्व में बढ़ोतरी हो रही है। लौगों का विभिन्न व्यवासायों में वितरण समुदाय की आर्थिक स्थिरता का सूचक है, जो कि संसाधनों का महत्व और समुदाय के पलट ाव को समझने में महत्वपूर्ण है।

यदि समुदाय के अधिकतर लोग मछली पकड़ने पर निर्भर करते हैं, तो मत्स्यपालन उद्योग के खत्म होने से समुदाय गंभीर रूप से प्रभावित होगा। दक्षिण एशिया में अनेकों घरेलू इकाइयों के कई-कई व्यवसाय होते हैं, जो कि व्यावहारिक कार्यनीति होती है जो कि उनकी नियमित पर्याप्त आय को सुनिश्चित करती है।

आखिर में, व्यावसायिक संरचना समुदाय के जीवनयापन पर प्रबंधन की कार्यनीति के प्रभाव को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण है। उदाहरण - प्रबंधक यह देखते हैं कि क्या वैकल्पिक आजीविका के लिये प्रशिक्षण दिये जाने से व्यवसायों में विस्थापन दृष्टिगोचर होता है या नहीं या वे देखते हैं यदि मछली पकड़ने के लिये प्रतिबंधित क्षेत्र स्थापित करने से लोग मछली पकड़ने के व्यवसाय से बाहर किसी दूसरे व्यवसाय में आते हैं।

इन जानकारियों के द्वारा पणधारियों को तटीय और समुद्री संसाधनों पर उनकी निर्भरता के स्तर का ज्ञान होता है। विभिन्न गतिविधियों का महत्व जानने से समुदाय के लोग अधिक प्रभावी ढंग से सहयोग करते हैं और प्रबंधन में अपना प्रतिनिधित्व देते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि जो भी निर्णय लिये जायेंगे उसमें पणधारियों और संसाधन का ध्यान रखा जायेगा।

सामुदायिक अवसंरचना , व्यापार विकास और स्वामित्व अधिकार

K13. सामुदायिक अवसंरचना , व्यापार विकास और स्वामित्व अधिकार

यह क्या है?

सामुदायिक अवसंरचना, स्थानीय समुदाय के विकास और संपत्ति का एक सामान्य माप है। यह सामुदायिक सेवाओं के स्तर (जैसे - अस्पताल, स्कूल, टेलीफोन, फैक्स, इंटरनेट, ब्राडबैंड, विद्युत आपूर्ति, विपणन, क्रैडिट, होटल, जलआपूर्ति, परिवहन- वायु, जहाज, बस, या ट्रेन, सार्वजनिक वितरण प्रणाली,शीतागार, स्वयं सेवक समूह) और अवसंरचना(जैसे- सड़कें, उपयोगी चीजें आदि) का एक विवरण है, जिसमें तटीय संसाधनों पर मनुष्यों द्वारा डाले गये प्रभावों(उदा.- सीवेज ट्रीटमेंट) को निर्धारित करने के लिये जरूरी जानकारी शामिल है।

व्यापार विकास, स्थानीय समुदाय और आर्थिक विकास तथा अवसरों का जो कि उपलब्ध क्रैडिट और संचार अवसंरचना पर आधारित है का एक माप है। यह क्षेत्र के वाणिज्यिक व्यापार के प्रकार और संख्या तथा उसके मालिक कौन हैं(क्या मालिक समुदाय से वहाँ के मूलवासी है या बाहरी हैं) पर आधारित है। व्यापार के स्वामित्व की जानकारी से यह ज्ञात होता है कि व्यापार से हुई आय का क्षेत्र के विकास के लिये खर्च किये जाने की क्या संभावना है और अगर ऐसा है तो इस क्षेत्र के विकास पर उसका प्रभाव अधिक या कम क्या होगा। व्यापार विकास और प्रसार औपचारिक और अनौपचारिक क्रैडिट उपलब्धता, अच्छी संचार व्यवस्था और परिवहन अवसंरचना पर आधारित है।

आंकड़े कैसे एकत्र करें?

यह जानकारी मुख्य सूचना देने वालों के साक्षात्कार, समुदाय के मुखिया, या टॉउन इंजीनियर, नगर रिकार्ड से प्राप्त द्वितीयक स्रोत के आंकड़ों के पुनरीक्षण, विशेषकर सामुदायिक विकास कार्यालय से प्राप्त आंकड़ों से और समुदाय में घूमने-फिरने से, निरीक्षण या अवलोकन और समुदाय की अवसंरचना के संख्यापत्र द्वारा प्राप्त की जा सकती है।

समुदाय की अवसंरचना के लिए क्या निम्नलिखित चीजें अध्ययन क्षेत्र में विद्यमान है का निर्धारण करना महत्वपूर्ण है--
स्कूल, निवासी डॉक्टर, निवासी नर्स, अस्पताल, कार्यरत चिकित्सालय, विद्युत आपूर्ति, टेलीफोन, इंटरनेट, रेडियो, टेलीविजन, सामाचार पत्र, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, आइस प्लांट, पक्की सड़कें, जल आपूर्ति, बैंकिंग सेवाएँ,. अनौपचारिक क्रैडिट, धार्मिक इमारतें, रेस्ट्रोरेंट, परिवहन, जहाज, वायुयान, बस, ट्रेन की उपलब्ध आवृति और समय सारिणी।

व्यापार विकास के लिए क्या निम्नलिखित चीजें गतिविधियाँ अध्ययन क्षेत्र में विद्यमान है का निर्धारण करना महत्वपूर्ण है--
खाद्य बाज़ार, रेस्ट्रोरेंट, फुड स्टॉल, गैस स्टेशन, बैंक, गिरवी दुकान, विशिष्ट् प्रकार के स्टोर, गिफ्ट शॉप, गोताखोरी संबंधित शॉप, टूर ऑपरेटर, मत्स्यपालन गाइड, अतिथिगृह /होट ल /रिसार्ट, नौका किराये पर लेना।

प्रत्येक चीजें जिसे सूचीबद्ध किया गया है यह जानना महत्वपूर्ण होगा कि कौन इन व्यापारों को मालिक है(यह कि मालिक निवास स्थान और उसके मूल की जानकारी)। विभिन्न वर्गों के व्यापारियों को संख्या द्वारा उनके महत्व को रैंकिंग करें जैसा कि नीचे दिये सारिणी में दिखाया गया है। उनके निवास स्थान और मूल संबंधी जानकारी को स्पष्ट रूप से परिभाषित करें।

व्यापार	**क्रैडिट स्रोत और ब्याज दर**	**रैंक या श्रेणी।**	**मालिक का मूल निवास और निवास का स्थान**	**रैंक या श्रेणी।**
आवृति के क्रम में श्रेणी : सबसे नीचे के वर्ग को 1 श्रेणी दी जायेगी।				

कुछ अन्य प्रकरणों में इस सूची को सुधारने की आवश्यकता अध्ययन क्षेत्र के सामुदायिक अवसंरचना और व्यापार विकास की परिवर्तियों को अधिक ठीक-ठाक ढंग से प्रतिबिंबित करने के लिये होती है। प्रांत में अवसंरचना की रेंज को सम्मिलित करना महत्वपूर्ण है। उदाहरण - यदि टेलीविजन पहले से प्रांत में प्रचलित है परन्तु सेटेलाइट रिसीवर प्रारंभिक स्ट ेज पर प्रतीत होता है तो यह अधिक अनुकूल होगा कि सेटेलाइट रिसीवर को सूची में शामिल किया जाये। समय के साथ समुदायों के बीच अर्थ पूर्ण तुलना करने के लिये एकदम सही पैमाने पर विन्यास आवश्यक है, जैसे- प्री या पोस्ट सामुद्रिक या तटीय प्रतिबंध क्षेत्र स्थापित करना।

इसी तरह यह महत्वपूर्ण है कि अध्ययन क्षेत्र के क्रैडिट के औपचारिक और अनौपचारिक स्रोत : बैंक, माइक्रो क्रैडिट स्कीम, सहकारी संस्थाएँ, परिक्रामी निधि, साहूकार आदि की सूची स्थापित की जाये। इनमें प्रत्येक क्रैडिट के संबंध में उत्तरदाताओं से ब्याज दर, प्राप्त करने की शर्तें (उदा. नौकरी की शर्तें, लिंग के आधार पर पांबदी, निवास स्थान आदि) को पूछा जाये और टीम को यह नोट करना चाहिए कि क्या क्रैडिट का स्रोत औपचारिक या अनौपचारिक है।

अतिरिक्त आंकड़ों का संकलन : टीम इन चीजों के संबंध में उनकी संख्या और अभिलक्षण संबंधी विशिष्ट जानकारी एकत्र कर सकते हैं।

मानव स्वास्थ की गुणवत्ता की विशिष्ट जानकारी भी संकलित कर सकते हैं। यह समुदाय के लोगों के सामान्य पोषण और स्वास्थ और जीवन की गुणवत्ता तथा संबंधित संपत्ति का माप है। यदि तटीय प्रबंधन लोगों के जीवनयापन और आय को बेहतर बनाता है और संपूर्ण समुदाय की संपत्ति में उन्नति होती है तो यह आशा की जा सकती है कि समुदाय में मानव स्वास्थ की गुणवता में सुधार आयेगा। मानव स्वास्थ की गुणवता जानने के लिये अनेक साधन प्रयोग में लाये जा सकते हैं जिसमें पैदा हुये बच्चे और माताओं की मृत्यु दर, स्वास्थ संबंधी सेवाओं की उपलब्धता और बीमारियों की दर जैसे- एचआईवी / एडस आदि सम्मिलित हैं।

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

मुख्य सूचना देने वालों के साक्षात्कार और द्वितीयक स्रोत से प्राप्त अवसंरचना चीजों की सूची तैयार कर उसे साक्षत्कार / द्वितीयक स्रोत विश्लेषण पत्र में अंकित करें।
व्यपार स्वामित्व संबंधी परिणाम का एक उदारण नीचे दिया गया है-

व्यापार	**क्रैडिट**	**श्रेणी या रैंक**	**मालिक का मूल निवास और निवास का स्थान**	**रैंक या श्रेणी**
मत्स्यपालन गाइड	स्वंय / परिवार बैंक	1 2	मूल निवासी, निवासी मूल निवासी नहीं, निवासी	1 2
मछली व्यापारी	साहूकार बैंक	1 2	मूल निवासी, निवासी मूल निवासी नहीं, निवासी	1 2
टूर ऑपरेटर	स्वयं बैंक	1 2	समुद्रपार, विदेशी राष्ट्रीय अनिवासी, अस्थानीय विदेशी, निवासी	1 2 3

अतिरिक्त विश्लेषण : समय के साथ इस सूची की तुलना करें। इस सूची के आधार पर एक संक्षिप्त विवरण तैयार किया जा सकता है जिसमें अध्ययन क्षेत्र की अवसंरचना को और उसमें समय के साथ आये परिवर्तन को व्याख्यायित किया जाये। व्यापार मालिकों की तुलना करें और देखें कि समय के साथ उनकी रेंकिग में क्या बदलाव हुआ है और दूसरे वर्ग के व्यपारी किस तरस से उभर कर आगे आये हैं।

प्रबंधकों और अन्य पणधारियों के लिये यह जानकारियाँ कैसे उपयोगी हो सकती हैं?

सामुदायिक अवसंरचना और व्यापार विकास अध्ययन क्षेत्र की संपत्ति निर्धारण और समुदाय पर प्रबंधन के संपूर्ण प्रभाव के निर्धारण में उपयोगी होती है। निगरानी कार्यक्रम के द्वारा प्रबंधक यह देखते हैं कि सूचीबद्ध चीजों के विद्यमान होने से समुदाय की संपत्ति और तंदुरुस्ती बढ़ी है, कम हुई है या वैसी की वैसी बनी हुई है। उदाहरण के लिये वाणिज्यिक व्यापार बढ़ने से जैसे- गोताखोरी शॉप, पर्यटकों के लिये होटल और रेस्ट्रोरेंट इस बात का सूचक है कि समुदाय के संपूर्ण आर्थिक विकास में बढ़ोतरी हुई है। इन बदलावों को तटीय प्रबंधन के प्रोत्साहन कार्यक्रम से जोड़ना कठिन है। कुछ अन्य प्रकरणों में यह नजदीकी तौर पर जुड़ा होता है, उदाहरण यदि एक प्रबंधन कार्यक्रम के अंतर्गत समुदाय को जलमार्ग या सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट प्रदान करता है। अन्य क्षेत्रों में तटीय प्रबंधक समुदाय के लिये अवसंरचना या आधारभूत सुविधाओं का उत्तरदायित्व नहीं रखते।

बैंकिंग सुविधाओं की उपलब्धता, मछुवारों के लिये बर्फ उपलब्धता, पक्की रोडों की सूचना उन मछुवारों के लिये उपयोगी है जो अपना व्यापार स्थापित करना चाहते हैं। ठीक इसी समय सीवेज ट्रीटमेंट की सूचना यह बताती है क्या किस प्रकार गंदा पानी तटीय पानी की गुणवत्ता को प्रभावित कर रहा है। इसी तरह अतिथिगृह / होटल / रेस्टोरेंट के संबंध में सूचना मिलने से उसे क्षेत्र के पर्यटन के स्तर की जानकारी मिलती है।

ऋण और उसके स्रोत की उपलब्धता साधारण रूप से पणधारियों से ऋण प्राप्त करने में तथा पणधारियों को उनके व्यापार का विकास करने और बढ़ाने अवसर देती है। यह सूचना एक तलिका के रूप में ऋण के स्रोत औपचारिक या अनौपचारिक (जैसे- बैंक, रिवालविंग फंड, कोऑपरेटिव), ऋण प्राप्त करने के नियम, उन ऋण स्रोतों द्वार प्रतिवर्ष दिये जाने वाले ऋण की सीमा आदि की जानकारी देती है।

प्रबंधकों द्वारा व्यापारियों की विभिन्नता समझ लेने से उनके लिये चलाये जाने वाले जागरूकता और अन्य गतिविधियों के कार्यक्रम उनकी विविधता समझते हुए और उनकी आवश्यकता के अनुसार उन्हें शामिल करते हुए उसे बनाते हैं जिससे उनका उपयोग समुद्री प्रबंधन गतिविधियों में प्रभावी रूप से हो सके। व्यापारियों के मूल के बारे में जानकारी मिलने से यह ज्ञात होता है कि व्यापार से मिलने वाला लाभ समुदाय के बीच में ही है या उसे कहीं बाहर भेजा जा रहा है।

अंततः , टेलीफोन, इंटरनेट का उपोयग, टेलीविजन तथा समाचार पत्र की उपलब्धता की सूचना उस क्षेत्र के शैक्षिक विकास तथा वहाँ के समुदाय के बीच जागरूकता अभियान को आगे बढ़ाने में उपयोगी होती है। इससे यह अभियान वहाँ के लोगों की आवश्यकता के अनुसार बनाकर अत्यधिक प्रचलित माध्यम के द्वारा चलाये जा सकते हैं।

तटीय एवं सामुद्रिक गतिविधियाँ

K14. गतिविधियाँ

ताटीय एवं सामुद्रिक गतिविधियाँ, तटीय और सामुद्रिक संसाधनों की अध्ययन क्षेत्र से संदर्भित है। यह गतिविधियाँ प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से तटीय और सामुद्रिक संसाधनों का उपयोग करती हैं या उन पर प्रभाव डालती हैं। इसमें शामिल किया जा सकता है जैसेः मछली पक ड़ना (जीविका, व्यावसायिक, मछली पकड़ने का जहाज, मनोरंजन), चट्टानों को बटोरना, ऑकटोपस का शिकार, मछली व्यापार, पर्यटन, वॉटर स्पोर्टस(स्कुबा डायविंग, स्नोर्केलिंग, तैराकी, जेट बोटस), अकवाकल्चर, समुद्री परिवहन, कृषि, मूंगा खनन, रेत खनन, ड्रेगिंग(तलकर्षण), तेल-गैस विकास, फौजी अड्डा, वायुशिफ समाशोधन, जंगलों का समाशोधन, उद्योग तथा संरक्षण।

तटीय एव सामुद्रिक गतिविधियाँ
मत्स्यपालन
पर्यटन
ऑक्वाकल्चर

आंकड़े कैसे एक त्रित किये जायें :

तटीय एवं सामुद्रिक गतिविधियों के संबध में आंकड़े महत्वपूर्ण सूचना देने वालों के साक्षात्कार कर के लिये जा सकते हैं जैसे- गाँव का मुखिया, व्यापारी, मछुआरे, मछली व्यवसायी और टूर गाइड। अवलोकन द्वारा भी उस क्षेत्र की गतिविधियों की पहचान की जाती है। तटीय एव सामुद्रिक गतिविधियों के संबंध में एक तालिका संगृहित की गई है और उसे द्वितीयक स्रोत/ साक्षात्कार संदर्शिका में दर्शित है।

जैसा कि कुछ तटीय एवं सामुद्रिक गतिविधियाँ मौसमी होती हैं, कछ बेवक्त तथा तट से दूर स्थानों पर होती हैं इसलिए यह आवश्यक हो जाता है कि बहुपद्धतियों से प्रयास किया जाये जिसमें विभिन्न समय पर किये गये अवलोकन तथा महत्वपूर्ण

सूचना देने वालों के साक्षात्कार को सम्मिलित कर तटीय एवं सामुद्रिक गतिविधियों की पहचान की जा सके। अतरिक्त आंकडों का एकत्रीकरण : तटीय एव सामुद्रिक गतिविधियाँ अध्ययन क्षेत्र के नक्शे से पहचानी जा सक ती हैं। जैसे - होटल क्षेत्र एक रंग के द्वारा पहचाना जा सकता है और गोताखोरी क्षेत्र किसी दूसरे रंग से। आंकड़े नक्शे पर साधारण रूप में या विशेष रूप में मार्क किये जा सकते हैं। यह भी उपयोगी होगा की कछ निश्चित गतिविधियों के मौसमीपन की जानकारी को चिन्हीत किया जाये जैसे - मछली पकड़ना और पर्यटन जो की सारे साल बदलता रहता है। दल गैरकानूनी गतिविधियों की जानकारी भी ले सकता है जैसे -अवैध मछली पकड़ना। क्योंकि, इस प्रकार की जानकारी सर्वेक्षण के दौरान उत्तर देने वालों से मिलना कठिन होता है, यह अतिमहत्वपूर्ण हो जाता है कि यह

सूचना मुख्य सूचना देने वालों से एकत्र की जाये। निरीक्षण से भी अध्ययन क्षेत्र की गैर कानूनी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त हो सकती है।

आंकडों का विश्लेषण कैसे करें

विभिन्न मुख्य सूचना देने वालों से और अवलोकन से एकत्र किये गये आकंड़ों को नोट कर दिखाये अनुसार साक्षात्कार सारणी / द्वितीयक स्रोत विश्लेषण पत्र को पूरा कीजिए।

अतरिक्त विश्लेषण : तालिकाबद्ध गतिविधियों का वर्णित करने वाला एक छोटा वृतांत भी बनाया जा सकता है।

प्रबंधकों के लिए सूचनाएँ किस प्रकार उपयोगी होंगी

तटीय एवं सामुद्रिक गतिविधियों की पहचान प्रबंधकों को तटीय एवं सामुद्रिक संसाधन के विभिन्न उपयोग और उस क्षेत्र के संभावित विरोध के बारे में जानकारी प्रदान करता है। जैसे बिना साफ किये हुए गंदे पानी को समुद्र में पंप करना संभवतः पर्यटन के लिये विरोध पैदा कर सकता है। अक्वाकल्चर की जगह भी वहाँ के मछुवारों को समद्रतट से समुद्र में जाने का मार्ग को अवरूद्ध कर सकता है। प्रयोक्ता संबंधित विरोध के उत्पन्न होने की स्थिति में तटीय और समुद्री उपयोग की बेहतर समझ वहाँ के समुदाय के लोग प्रबंधन के फैसलों में प्रभावी योगदान देते हैं।

K15. सामुद्रिक वस्तुएँ तथा सेवाएँ

तटीय एवं सामुद्रिक गतिविधियों से उत्पन्न होने वाले विशेष उत्पाद को तटीय और सामुद्रिक वस्तु तथा सेवाएँ कहते हैं। इसमें निकाली जाने वाली वस्तुएँ शामिल हैं जैसे झींगा मछली, वायुशिफ, मूंगे के उत्पाद और रेत; तथा नही निकाली जाने वाले सेवाओं में गोतोखोरी, स्नोर्केलिंग, ग्लास बॉटम टूर, वायुशिफ टूर और मनोरंजन के लिए पकड़ना शामिल है।

आंकड़े कैसे एकत्र करें

तटीय और सामुद्रिक वस्तुओं और सेवाओं के आंकड़े संबंधित गतिविधियों के मुख्य सूचना देने वालों (जैसे - लंबे समय से मछली पकड़ने वाले, होटेल एसोसिएशन के अध्यक्ष,लंबे समय से गोताखोरी नौका चलाने वाले, टूर लीडर)के साक्षात्कार से और साथ ही साथ अन्य मुख्य सूचना धारक जिन्हें गतिविधियों का ज्ञान हो के साक्षात्कार से एकत्र किये जा सकते हैं। यह भी महत्वपूर्ण है कि तटीय गतिविधियों और उनके भैतिक सबूतों का अवलोकन साक्षात्कार से प्राप्त सूचनाओं जाँच करने और आगे सूचना प्राप्त करने के लिये किया जाये।

प्रत्येक तटीय और सामुद्रिक गतिविधियों के बारे में मुख्य सूचना देने वाले से तटीय एवं सामुद्री उत्पाद वस्तुओं और सेवाओं के बारे में पूछते हुए उसकी पहचान की जानी चाहिए। जैसे पर्यटन

तटीय और सामुद्रिक गतिविधियाँ	तटीय और सामुद्रिक वस्तुएँ तथा सेवाएँ
मछली पकड़ना	झींगा मछली
	ग्रुपर
	आक्टोपस
पर्यटन	होटल
	गोताखोरी
अक्वाकल्चर	घोंघा
	समुद्री शैवाल

के लिए होटेल और गोताखोरी का इसमें शामिल होना। प्रत्येक तटीय एवं सामुद्रिक वस्तुआ/उत्पाद और सेवाओं के संबंध में एक तालिका संगृहित की गई है जो कि द्वितीयक स्रोत/ साक्षात्कार संदर्शिका में दर्शित है।

जैसा कि कुछ तटीय एवं सामुद्रिक वस्तुएँ /उत्पाद तथा सेवाएँ मौसमी होती हैं, कुछ बेवक्त तथा तट से दूर स्थानों पर होती हैं इसलिए यह आवश्यक हो जाता है कि बहुपद्धतियों से प्रयास किया जायें जिसमें विभिन्न समय पर किये गये अवलोकन तथा महत्वपूर्ण सूचना देने वालों के साक्षात्कार को सम्मिलित कर तटीय एवं सामुद्रिक वस्तुएँ /उत्पाद तथा सेवाएँ की पहचान की जा सके।

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें

विभिन्न मुख्य सूचना देने वालों से एकत्र सूचनाओं तथा अवलोकनों को संक्षिप्त कर उसे दिखाये अनुसार साक्षात्कार के अंतर्गत सारणी में सारणीबद्ध करें / द्वितीयक स्रोत विश्लेषण पत्र को पूरा कीजिए।

अतरिक्त विश्लेषण : उपर्युक्त सारणी के आधार पर यह अध्ययन क्षेत्र के तटीय एवं सामुद्रिक वस्तुएँ /उत्पाद तथा सेवाएँ से संबंधित संक्षिप्त विवरण प्रदान करने में उपयोगी हो सकती है जो कि वहाँ के लोगों के इन वस्तुओं /उत्पादों और सेवाओं के अनुभवों से संबंधित हों।

प्रबंधकों तथा अन्य पणधारियों के लिए यह सूचनाएँ किस प्रकार उपयोगी होंगी?

घरेलू तटीय एवं सामुद्रिक वस्तुओं तथा सेवाओं की सूचना प्रबंधन के संपूर्ण प्रभाव को जानने में उपयोगी होती है, विशेषकर अध्ययन क्षेत्र में घरेलू वस्तुओं के उत्पादन और मार्केटिंग के संबंध में। प्रबंधन की युक्तियों परिणाम स्वरूप उस क्षेत्र की तटीय और सामुद्रिक वस्तुओं तथा सेवाओं के उत्पादन में परिवर्तन से वहाँ के वासियों पर सकारात्मक या नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जैसे- यदि सामुद्रिक निषेध क्षेत्र में पर्यटन को सक्रिय रूप से उन्नत बनता है तो गोताखोरी का महत्व बढ़ जाता है और ज्यादा से ज्यादा वहाँ के वासी गोताखोरी अभियान से जुड़ सकते हैं।

K-16 उपयोग के प्रकार

यह क्या है?

प्रत्येक तटीय और सामुद्रिक वस्तुओं तथा सेवाओं के उपयोग के प्रकार एक विशेष विधि या गतिविधि का प्रकार है(जैसे- अतिथिगृह, स्नोर्कलिंग, स्कूबा गोताखोरी) या साधनों के प्रकार हैं जो उपयोग में लाये जाते हैं(जैसे- घात, जाल, नावें, रस्सियाँ)।

आंकड़े कैसे एकत्र करें?

विधियों या पद्धतियों के आंकड़े मुख्य सूचना देने वालों जो कि विभिन्न पणधारियों के दल के प्रतिनिधि हो सकते हैं (जैसे-अध्यक्ष, मछुवारा एसोसिएशन, प्राचीन रेत खनन अभियान के प्रबंधक) के साक्षात्कार से किये जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त यह आवश्यक हो जाता है कि इस तरह से प्राप्त आंकड़ों को आवलोकन द्वारा समुदाय में घुलमिलकर विशेषतौर पर जहाँ इस तरह की गतिविधियाँ होती हैं पुनः जाँचा जाना चाहिये।

तटीय और सामुद्रिक गतिविधियाँ	**तटीय और सामुद्रिक वस्तुएँ और सेवाएँ**	**पद्धतियाँ (प्राथमिक)**
मत्स्यपालन	झींगा मछली	घात
	ग्रुपर	हाथ की रस्सियाँ
पर्यटन	होटल	अतिथिगृह (1-7 कमरे)
	गोताखोरी	स्कूबा
अक्वाकल्चर	घोंघा	रस्सियाँ

मुख्य प्रश्न यह किया जना चाहिए कि कौन-सी विधि का प्रयोग किन वस्तुओं और सेवाओं के लिये किया जाये। जैसे-मछली पकड़ने के विधि क्या है(जैसे- ग्रुपर, झींगा) उनका उत्तर हो सकता है- घात, जाल, रस्सियों, भाला मारकर मछलीपकड़ना या ग्लिनिंग का उपयोग आदि। इसी प्रकार पर्यटन के अंतर्गत होटल सेवा के बारे में पूछे जाने पर उनका उत्तर हो सकता है- अतिथिगृह (1-7 कमरे) से सराय(5-50कमरे) से होटल या रिसार्ट(50 कमरों से ज्यादा)। अक्वाकल्चर के बारे में पूछा जाने पर उनके उत्तर में तलाब, रस्सी या पिंजरा शामिल हो सकता है। मछली व्यवसाय के बारे में पूछा जाने पर उत्तर में मछली को चलकर या बाइसाइकिल पर घर-घर बेचना या राष्ट्रीय स्तर पर रेफ्रिजरेटर युक्त ट्रक द्वारा मछली का व्यापार करना सम्मिलित हो सकता है। सामुद्रिक परिवहन के बारे में प्रश्न पूछा जाने पर उत्तर में बंदरगाह का विकास, नौपरिवहन और मनोरंजन के लिये नौकाविहार शामिल हो सकता है। यह सिर्फ उदाहरण है। निरीक्षण दल को उस क्षेत्र के संभावित उत्तरों के वर्गीकरण का विकास करना होगा। जैसे उस क्षेत्र में सिर्फ बड़े होटल हैं तो निरीक्षण दल को होटल संबंधी उत्तरों को इस प्रकार वर्गीकृत करना होगा कि उसमें सब कुछ शामिल हो। परिणाम सूचना को द्वितीयक स्रोत / साक्षात्कार संदर्शिका सारिणी में दिखाया गया है।

अतरिक्त आंकडें एकत्रित करना : प्रत्येक उपयोग के प्रकार के लिये निरीक्षण दलों को उपयोग के स्तर के बारे में जानना चाहिए। जैसे कितने घात या हाथरस्सियों का प्रयोग किया गया। इन संख्याओं की तुलना कर यह देखा जा सकता है कि समयोपरांत यह संख्या बढ़ी, घटी या स्थिर रही।

- मत्स्यपालन के आंकड़ों को निरीक्षण दल मत्स्य पालन के प्रकार को आगे और वर्गीकृत करने के लिए निम्नलिखित आधार पर एक और कालम जोड़ सकता है-
- म्बड़े पैमाने पर - पॉवरयुक्त, बड़ा निवेश, मशीन द्वारा बनाये साधन, इलेक्ट्रानिक्स, मजदूरी पर काम करने वालों का प्रभाग, दुनिया में उपलब्ध उत्पाद, दूरस्थ जल में परिचालन आदि

- म्लघु पैमाने पर- छोटी नावें, छोटे इंजिन, आंशिक या पूर्णरूप से मशीन से बनाये साधन जो कि चालक द्वारा संगृहित किये गये हों, पूर्णकालिक या अंशकालिक मजदूर, मशीन और हाथ से बनाये गीयर, राष्ट्रीय और स्थानीय बाज़ार, तटीय समुद्र में परिचालन आदि।
- म्कारीगर - छोटी नावें, छोटे इंजिन, आंशिक या पूर्णरूप से मशीन से बनाये साधन जो कि चालक द्वारा संगृहित किये गये हों, पूर्णकालिक या अंशकालिक मजदूर, मशीन और हाथ से बनाये गीयर, राष्ट्रीय और स्थानीय बाज़ार, तटीय समुद्र में परिचालन आदि।
- म्जीविका - अकेले परिचालक, पारिवारिक या समुदाय दल, अंशकालिक मजदूर, छोटी नावें, पॉवररहित, मशीनरहित, परिचालक द्वारा जोड़े गये यंत्र, प्राथमिक तौर पर घरेलू उपयोग के लिए, तटीय जल में परिचालन आदि।

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

साक्षात्कार और अवलोकन से प्राप्त आंकड़ों को संक्षिप्त करते हुए विधियों के उपयोग की एक तालिका तैयार करें। इन सूचनाओं को साक्षात्कार / द्वितीयक स्रोत वर्गीकरण पत्र में अंकित करें।

अतिरिक्त विश्लेषण: परिणामों की तुलना कर समयोपरांत विधियों में हुये परिवर्तन को जानें। तुलना करें उपयोग के प्रकारों की संसाधनों में हुए परिवर्तन से और स्तर तथा प्रभाव के प्रकारों से। यदि विधियाँ या पद्धतियाँ का सहसंबंध स्थिति और प्रभावों से हो तो (K23) देखें।

प्रबंधकों तथा अन्य पणधारियों के लिए यह सूचनाएँ किस प्रकार उपयोगी होंगी?

प्रक्रियाओं या विधियों से संबंधित सूचनाएँ मुख्य रूप से तटीय एवं सामुद्रिक संसाधानों को होने वाले खतरों की पहचान करने में उपयोगी होती है जैसे मूंगे की चट्टानों का खत्म होना। पूरे समय इन सूचनाओं का निरीक्षण प्रबंधकों को इन विधियों पर प्रबंधन द्वारा होने वाले प्रभावों जानने में मदद मिलती है। जैसे- यदि तटीय प्रबंधन प्रोग्राम मूंगे की चट्टानों को पुनःस्थापित करने का कार्यक्रम चलाता है और मूंगे की चट्टानों को क्षति पहुँचाने की प्रक्रिया जारी रहती है तो यह संकेत मिलता है कि अभियान असफल रहा है मूंगे की चट्ट ानों को बचाने में। इस सूचना से यह जानने में मदद मिलती है कि तटीय प्रबंधन कार्यक्रम कितना प्रभावी रहा।

कौनसी प्रक्रिया उस अध्ययन क्षेत्र के विकसित हो रहे पणधारियोंकी भागीदारी और तटीय प्रबंधन के जागरूकता अभियान के लिये जोखिमभरी है समझना होगा। प्रबंधकों को यह जानना होगा कि संसाधनों को पहुँचने वाले खतरों के संबंध में लोग किस प्रकार से संसाधनों से अनके कार्यों और उनके संचरण से संबंधित हैं।

यह सूचना पणधारियों को अध्ययन क्षेत्र में हो रही विभिन्न प्रक्रियाओं के महत्व को जानने के लिये स्पष्ट चित्र प्रस्तुत करती है। इससे प्रयोक्ता आधारित समस्याओं को उन समस्याओं का स्तर समझते हुए सुलझाने में मदद मिलती है। जैसे किसी विशेष यंत्र का प्रयोग कर मछली पकड़ने से उत्पन्न समस्या वहाँ के पणधिरायों द्वारा आपस में ही सुलझा ली जाती है या वह उस क्षेत्र के प्रबंधकों से सुझाव लेते हैं कि उस समस्या को कैसे सुलझाया जाये।

K - 17 वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य

यह क्या है?

तटीय और सामुद्रिक वस्तुओं तथा सेवाओं का मूल्य प्रत्येक उत्पाद का बाज़ार में अपेक्षित या वास्तविक अर्थ मूल्य है।

तटीय और सामुद्रिक गतिविधियाँ	तटीय और सामुद्रिक वस्तुएँ तथा सेवाएँ	वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य
मछलीपालन	झींगा मछली	उच्चतम
	ग्रुपर	उच्चतम
पर्यटन	होटल	मध्यम
	गोताखोरी	न्यूनतम
अक्वाकल्चर	घोंघा	मध्यम

आंकड़े कैसे एकत्र करें?

तटीय और सामुद्रिक वस्तुओं एवं सेवाओं के मूल्य के आंकड़े मुख्य सूचना देने वालों जैसे मछुआरे, खरीददार, व्यवसायी, होटल चलाने वाले और गोताखोरी करने वालों के साक्षात्कार से प्राप्त होते हैं। उन्हें कहा जाता है कि वे प्रत्येक तटीय और सामुद्रिक वस्तुओं एवं सेवाओं का मूल्य दें(उच्च, मध्यम या निम्न)। अध्ययन क्षेत्र में प्राप्त उत्तरों की अनुरूपता बनाये रखने के लिए निरीक्षण दल को अग्रिम तौर पर विशेष रूप से उच्च, मध्यम या निम्न मूल्य की परिभाषित करना होता है। जैसे- झींगा मछली की कीमत ऊँची रखी जा सकती है यदि उसकी अधिक माँग तथा अधिक ऊंची कीमत राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों में हो। होटल सेवा को मध्यम मूल्य पर रखा जा सकता है यदि उसमें कुछ ही अतिथि गृह हों। इसी तरह से न्यूनतम मूल्य मूंगे की चट्टानों के क्षतिग्रस्त या खत्म हुए क्षेत्र को दिया जा सकता है जो पक्षियों के जीवन को भी मदद नहीं करता और इसलिए वहाँ न्यूनतम संभावना परितंत्र की होती है। यह सूचनाएँ दर्ज हैं द्वितीयक स्रोत / साक्षात्कार संदर्शिका सारिणी में जैसा कि दिखाया गया है।

अतिरिक्त आंकडों का एकत्रीकरण : निरीक्षण दल मुख्य वस्तुओं और सेवाओं की कीमत के बारे में पूछ सकता है। मौसमी परिवर्तन कीमतों में भी देखा जाना चाहिए। यह उचित होगा कि प्रत्येक मौसम में मुख्य वस्तुओं की औसत कीमत आँकी जाय। इन परिणामों को द्वितीयक स्रोत / साक्षात्कार संदर्शिका सारिणी में दर्ज करना होगा।

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

विभिन्न मुख्य सूचना देने वालों से प्राप्त आंकड़ों का सारांश निकालते हुए सूचना देने वालों के साक्षात्कार सारिणी / द्वितीयक स्रोत विश्लेषण पत्र में अंकित करें। उच्च, मध्यम और न्यूनतम कीमतों / मूल्यों की परिभाषाएँ भी अंकित होनी चाहिए।

प्रबंधकों तथा अन्य पणधारियों के लिए यह सूचनाएँ किस प्रकार उपयोगी होंगी?

तटीय और सामुद्रिक वस्तुओं एवं सेवाएँ के मूल्य अध्ययन क्षेत्र में प्रबंधन का समुदाय पर संपूर्ण प्रभाव जानने के लिए उपयोगी होते हैं, इसमें जीवनयापन, विपणन(मार्केटिंग), उत्पादन्न तथा भोजन सुरक्षा सम्मिलिति हैं। जैसे यदि प्रबंधन अधिकारी किसी अक्वाकल्चर कॉपरेटिव सोसाइटी के उत्पाद की बिक्री बढ़ाने के लिए शुरूआत करते हैं तो यह आपेक्षित है कि इन उत्पादों के मूल्य बढ़ेंगे जैसे-जैसे इनकी माँग बढ़ेगी।

तटीय और सामुद्रिक वस्तुओं एवं सेवाओं के मूल्य प्रबंधन क्षेत्र के दीर्घकालिक उपयोग के महत्व को दिखाने में भी उपयोगी हैं। जैसे- यदि स्कूबा गोताखोरी एक बड़ी संख्या में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को वहाँ ऊँची कीमतों पर आकर्षित करती है जिससे होटल रूम, रेस्टोरेंट तथा गोतखोरी चलाने वालों की माँग बढ़ जाती है। जिससे अध्ययन क्षेत्र में तटीय प्रबंधकों को प्रबंधन के प्रयासों के लिए मूंगे की चट्टानों तथा मछलीपालन का चिरस्थायित्व सुनिश्चित करने के लिये न्यायोचित समर्थन मिलता है। इसके विपरीत यदि मूगे की चट्टानें के करीब विध्वंसक पदार्थ के उपयोग से मछलीपकड़ी जाती है तो गोताखोरी का महत्व कम हो जाता है और गोताखोरी के लिए मूंगे की चट्टानों के महत्व को उचित बताने में प्रबंधकों के लिये यह कठिन समय होता है।

तटीय और सामुद्रिक वस्तुओं तथा सेवाओं का मूल्य यह निर्धारित करने में उपयोगी होता है कि कौनसे संसाधनों की अत्यधिक कटाई हो रही है तथा प्रबंधकों को इसकी ओर विशेष ध्यान देना चाहिए। मूल्य वस्तुओं के संबंधित महत्व को जानने का माप है। जैसा कि मूल्य मानव के व्यवहार पर असर डालते हैं, कटाई दबाव अधिक मूल्य की वस्तुओं पर संभवतः अधिक होगा। जैसे कि न्यूनतम मछली की तुलना में ऊँची कीमत की मछली को पकड़ने के लिये अत्यधिक प्रयास की आवश्यकता होती है और इसके लिये तटीय प्रबंधकों को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

तटीय और सामुद्रिक वस्तुओं तथा सेवाओं का मूल्य प्रत्येक परिवार की आय के स्तर और उनकी तंदुरुस्ती को जानने में उपयोगी होता है। जैसे- वस्तु का मूल्य ऊँचे स्तर से परिवर्तित होकर नीचे स्तर पर पहुँच जाये तो इसका असर परिवार की आय पर और उनकी तंदुरुस्ती पर पड़ेगा।

K -18. वस्तुओं और सेवाओं का लक्ष्य बाज़ार

यह क्या है?

वस्तुओं और सेवाओं का लक्ष्य बाज़ार, बाज़ार की पहचान करना है जहाँ कि प्रत्येक उत्पाद को मुख्यतः बेचा जा सके।

तटीय और सामुद्रिक गतिविधियाँ	तटीय और सामुद्रिक वस्तुएँ तथा सेवाएँ	वस्तुओं और सेवाओं के लक्ष्य बाज़ार (प्राथमिक)
मछलीपालन	झींगा मछली	अंतर्राष्ट्रीय
	ग्रुपर	क्षेत्रीय
पर्यटन	होटल	अंतर्राष्ट्रीय
	गोताखोरी	अंतर्राष्ट्रीय
अक्वाकल्चर	घोंघा	स्थानीय

आंकड़े कैसे एकत्र करें?

तटीय और सामुद्रिक वस्तुओं तथा सेवाओं के लक्ष्य बाज़ार के आंकड़े स्थानीय मुख्य सूचना देने वालों जैसे मछुवारे, खरीदार, होटल चलाने वाले, गोताखोरी चलाने वालों के साक्षात्कार से प्राप्त किये जा सकते हैं। यह मुख्य सूचनाधारक से प्रत्येक तटीय और सामुद्रिक वस्तु और सेवाओं के प्राथमिक बाज़ार के बारे में सूचना प्रदान कर सकते हैं। मुख्य सूचना देने वालों को प्रत्येक वस्तु और सेवाओं के प्राथमिक बाज़ार (स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय)। के बारे में पूछ कर उसकी पहचान की जानी चाहिए। परिणाम स्वरूप प्राप्त सूचना को द्वितीयक स्रोत / साक्षात्कार संदर्शिका सारिणी में दर्ज किया जाना चाहिए जैसा कि दिखाया गया है।

अतिरिक्त आंकडों एकत्र करना : वैकल्पिक रूप से, मुख्य सूचनाधारक को बाज़ारों की तालिका बनाने और प्रत्येक बाज़ार के महत्व के हिसाब से उसे श्रेणी दी जानी के लिये कहा जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त बाज़ार के तौर-तरीकों के बारे में सूचना बाज़ार के संपूर्ण विवरण समझने में उपयोगी होती है।(जैसे- मछलियाँ नीलामी द्वारा बेची जाती हैं, सहकारी संस्थाओं द्वारा निर्धारित मूल्य पर बेची जाती हैं आदि)।

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

विभिन्न मुख्य सूचना देने वालों से एकत्र आंकड़ों का सार निकालते हुए साक्षात्कार संदर्शिका सारिणी / द्वितीयक स्रोत पत्र में अंकित करें जैसा कि दिखाया गया है।

अतिरिक्त विश्लेषण: प्रत्येक वस्तुओं और सेवाओं के बाज़ार को ऊपर दी गई सारिणी के आधार पर वर्णित करने में उपयोगी हो सकता है। एक प्रवाह संचित्र प्रत्येक वस्तु या सेवा को स्रोत से बाज़ार तक पहुँचने को अच्छी तरह से दर्शाता है।

प्रबंधकों तथा अन्य पणधारियों के लिए यह सूचनाएँ किस प्रकार उपयोगी होंगी?

लक्ष्य बाज़ार के संबंध में सूचना, समुदाय पर प्रबंधन के संपूर्ण प्रभाव को निर्धारित करने में उपयोगी होती है, विशेषकर मार्केटिंग, उत्पादन और खाद्य सुरक्षा के संदर्भ में। जैसे- मूलभूत सुविधाओं में निवेश, प्रमुख शहरों को रोडमार्ग से जोड़ना आदि के परिणाम स्वरूप राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार के मार्ग खुलते हैं।

जैसे कि जीवनयापन और समुदाय के लोगों की आय बाज़ार से जुड़ी होती है, मछली बाज़ार का अभिविन्यास महत्वपूर्ण हो जाता है जो यह जानकारी देता है कि जलसंबंधी उत्पाद कहाँ पर उस क्षेत्र में बेचे गये। यह वेरियेबल (परिवर्तनीय) समय के साथ हुए जलसंबंधी उत्पाद के बड़े बाज़ारों में परिवर्तन के वर्गीकरण में उपयोगी है। यह दिखलाता है स्थानीय उत्पादकों और व्यावसायियों के संबंध को विभिन्न बाज़ारों के संदर्भ में जैसे अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार से जुड़ाव जो की कटाई की प्रणालियों को प्रभावित कर सकता है।

लक्ष्य बाज़ार संबंधी जानकारी एक सूचक के रूप में उपयोगी होती है और बताती है कि कितना दबाव संसाधनों पर डाला जाये। उदा. मछुवारे अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार के लिये अधिक से अधिक ऊँची कीमत वाली मछली को पकड़ने का प्रयास करते हैं । यह समय के साथ समुद्री वस्तुओं या जलीय वस्तुओं के बाज़ार में आये परिवर्तन को भी दर्शाता है। बाज़ार के बदलाव के साथ प्रबंधन उपायों के प्रभाव का मूल्यांकन किया जा सकता है। उदा. प्रबंधन की युक्तियों के फलस्वरूप कीमती मछलियाँ क्षेत्र में उपलब्ध होती हैं और जिसका क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर बाजार में विपणन किया जा सकता है।

विभिन्न बाज़ारों से उनके संपर्क को अच्छी तरह समझनें से पणधारियों को व्यापार के अवसरों में आये परिवर्तन की जानकारी दी जा सकती है।

K 19-22. पारंपरिक ज्ञान, उपयोग का पैटर्न, गतिविधि स्थल, मौसमीपन

यह क्या है?

पारंपरिक ज्ञान संदर्भित है समुदाय के परिस्थिति-विज्ञान संबंधी ज्ञान से और उपयोग पैटर्न संदर्भित है स्थान से, मौसमीपन तथा तटीय और सामुद्रिक गतिविधियों के समय से।

आंकड़ें कैसे एकत्र करें?

तटीय और सामुद्रिक गतिविधियाँ	तटीय और सामुद्रिक वस्तुएँ और सेवाएँ	विधियाँ (प्राथमिक)	स्थानस्थिति	समय	मौसम
मछली पकड़ना	झींगा मछली(लोबस्टर)	घात	खाड़ी	लघु ज्वारभाटा	सभी
	ग्रुपर	रस्सी	रीफ	लघु ज्वारभाटा	मौसम 1
	ऑक्टोपस	भाला	रीफ	लघु दीर्घ ज्वारभाटा	मौसम 2
पर्यटन	होटल	अतिथिगृह (1-7 कमरों का)	समुद्र तट		मौसम 2
	गोताखोरी	स्कूबा	रीफ	लघु ज्वार-भाटा	मौसम 2
ऑक्वाकल्चर	ओयस्टर (घोंघा)	रस्सी	समुद्र तट		

उपयोग पैटर्न संबंधी आंकड़े सर्वप्रथम गौण स्रोत से एकत्र करें जिसमें समुदाय और नगर कार्यालय सम्मिलित हैं जिनके पास मानचित्र होता है जिसमें विभिन्न गतिविधियों की जानकारी नोट की गई होती है।(उदा. आंचलिक नक्शा जिसमें कृषि क्षेत्र अंकित होता है, मछली पकड़ने का अध्ययन जो कि मछली पकड़ने के क्षेत्र के रूप में दर्ज होता है)। अगला, मुख्य सूचना देने वालों के रूप में विभिन्न गतिविधियों (उदा. अनुभवी मछुवारे, ग्लीनर, ऑक्टोपस के शिकारी, गोताखोरी केन्द्र, रिसार्ट मालिक) के प्रतिनिधियों के साक्षात्कार से प्राप्त किये जा सकते हैं। भागीदारी प्रतिचित्रण तकनीक को भी उपयोग में लाया जा सकता है(देंखे जीसीआरएमएन मैन्युअल, अध्याय 3: कार्यक्षेत्र के आंकड़े एकत्रीकरण, मानसदर्शन तकनीक, नक्शे) आखिर में, अवलोकन द्वारा उपयोग पैटर्न की पहचान करते हुए उसे सत्यापित करें।

अतिरिक्त आंकड़ों को एकत्र करना : टीम भागीदारी संबंधित साधन का उपयोग विभिन्न गतिविधियों की स्थान स्थिति आधारित मानचित्र पर जगहों के नाम देशीभाषा में देते हुए अंकित कर सकती है। इससे ज्यादा जानकारी मिलती है स्थानस्थिति के संबंध में बजाय समान्यतः तट या रीफ नोट करने के। टीम उपयोग पैटर्न में पूरे वर्ष में आने वाले परिवर्तन के बारे में और उनके कारणों के बारे में भी पूछ सकती है।

वस्तुओं और सेवाओं के आधार पर गतिविधियों की स्थलस्थिति / मौसम संबंधित एकत्र किये आंकड़ों से प्राप्त जानकारी को गौण स्रोत / साक्षात्कार संदर्शिका सारिणी में दिखाये अनुसार नोट करें। साक्षात्कार करने के दौरान एक मौसम आधारित कैलेंडर भी तैयार करना चाहिए जो कि साक्षात्कारकर्ता और साक्षात्कार देने वाले दोनों को ही इस संबंध में साझासमझ रखने में मदद करता है। चित्र 1 और 2 जो कि संसाधन गतिविधि मानचित्र और मौसम रेखाचित्र को दिखाता है जिसे मिनीकॉय द्वीप, भारत के पारंपरिक संसाधन प्रयोक्ता की मदद से बनाया है।

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

मुख्य सूचना देने वालों और गौण स्रोत से प्राप्त गतिविधियों की स्थानस्थिति का आकलन करें और उसे साक्षात्कार / गौण स्रोत विश्लेषण पत्र जैसा कि दिखाया गया है अंकित करें। तटीय समुदाय में संसाधन उपयोगकर्ता के संसाधन उपयोग के पैटर्न को एक मानचित्र और मौसम कैलेंडर पर स्पष्ट रूप से दर्शाने के लिये अंकित करें। उदाहरण के लिये मिनीकॉय द्वीप , भारत के संसाधन उपयोगकर्ता के सुझाव अनुसार एक संसाधन गतिविधि मानचित्र और मौसम कैलेंडर बनाया गया है जिसे बॉक्स 1 और बॉक्स 2 में दिखाया गया है।

बॉक्स 1. मिनीकॉय द्वीप का संसाधन गतिविधि मानचित्र

बॉक्स 2. मिनीकॉय द्वीप में रीफ संबंधित गतिविधियों के लिये मौसम कैलेंडर

मौसम की स्थिति >	तूफानी		भीगा / गीला			शांत मौसम					गर्म	
गतिविधि	मई	जून	जुलाई	अगस्त	अगस्त	न्अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल
कौड़ियाँ संकलन					♀♀♂♀♂♀♂♀♂♀♂♀♂♂♀♀♂♀♀♂♀♂♀♂♀♀♂♀♀♂♀♀♂♀							
बोल्डर संकलन					♂ ♂							
शिंगल और रेत					♂ ♂ ♂ ♂ ♂ ♂ ♂ ♂ ♂ ♂ ♂ ♂ ♂♂ ♂ ♂ ♂ ♂ ♂ ♂ ♂							
ऑक्टोपस शिकार	♂♂	♂ ♂ ♂ ♂ ♂			♂ ♂ ♂ ♂ ♂ ♂ ♂ ♂ ♂ ♂ ♂ ♂ ♂♂ ♂ ♂ ♂♂♂♂♂♂							
कास्ट नेटिंग	♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂ ♂♂♂♂ ♂					♂ ♂ ♂ ♂ ♂ ♂ ♂ ♂ ♂ ♂ ♂ ♂						♂
नेटिंग (शाल काकल)	♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂						♂ ♂ ♂ ♂		♂ ♂ ♂ ♂ ♂♂			
शोर हेंड लाइन	♂♂ ♂ ♂ ♂ ♂			♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂								
बोट हेंड लाइन	♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂								♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂			
केकड़ा और झींगा	♂ ♂ ♂ ♂ ♂ ♂ ♂ ♂ ♂								♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂			
पोल और लाइन ट्यूना					♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂♂							
स्नोरकेलिंग					♀ ♂ ♀ ♂♀ ♂ ♀ ♂ ♀ ♂♀ ♂ ♀ ♂ ♀ ♂ ♀ ♂ ♀ ♂							
स्रोत : फोकस ग्रुप की पणधारियों से चर्चा दिसंबर2002 और मई 2003												

अतिरिक्त आंकडों का विश्लेषण : विभिन्न गतिविधियों की स्थानस्थिति की तुलना कर टीम परस्परव्यापति क्षेत्र की और उससे संभावित झगड़ों की पहचान करती है। समय के साथ स्थानस्थिति की तुलना से उपयोग पैटर्न कैसे बदलता है को देखा जा सकता है। एक संक्षिप्त कथात्मक विवरण गतिविधियों, उनकी स्थानस्थिति और उनमें समय के साथ कैसे परिवर्तन आता है तैयार किया जा सकता है।

प्रबंधकों और अन्य पणधारियों के लिये यह जानकारियाँ कैसे उपयोगी होती हैं?

उपयोग के प्रकार (K16) के समान, उपयोग के पैटर्न संबंधित जानकारी तटीय और समुद्री संसाधनों पर आने वाले खतरों को पहचानने में उपयोगी होती है। गतिविधियों की स्थानस्थिति जानने से प्रबंधक उसके प्रभाव का आकलन करने में समर्थ होते हैं। उदा. यदि होटल विकास कार्यक्रम कोरल रीफ के नजदीक चलाया जाता है तो सीवेज (नालियों द्वारा बहता गंदा पानी) और तलछट छोड़ने से वहाँ संसाधनों के लिये संभावित खतरा बढ़ जाता है। क्षेत्र का आकार प्रभाव करने के स्तर का एक सूचक है। यह विशेषकर उपयोगी है यह जानने में कि कितनी गतिविधियाँ हो रही हैं जबकि उपयोग के प्रकार (K16) गतिविधियाँ होने की जानकारी मात्र देता है।

समय के साथ इस गतिवधि की निगरानी द्वारा प्रबंधक, प्रबंधन की प्रभावात्मकता इन गतिविधियों पर देखते हैं। उदा. यदि तटीय प्रबंधन कार्यक्रम वायुशिफ को फिर से लगाने का कार्य प्रारंभ करते हैं और साथ ही साथ वायुशिफ की कटाई लगातार चलती रहती है जिसे एक गतिविधि की भांति नोट किया गया है तो प्रबंधक यह देखते हैं कि एक तरफ लगातार कट ाई और दूसरी ओर उसे फिर से लगाने के कार्य के फलस्वरूप उसमें पिछले वर्ष की तुलना में कितनी बढ़ोतरी या कमी या स्थिती वैसी ही बनी हुई है। यदि कमी हुई है तो कार्यक्रम का कुछ सकारात्मक प्रभाव हुआ हो सकता है। यह जानकारी तटीय प्रबंधन कार्यक्रम की प्रभावात्मकता का आकलन करने में सहायक होती है।

आखिर में, उपयोग पैटर्न के प्रतिचित्रण द्वारा, प्रबंधक समस्या को अच्छी तरह समझ सकते हैं विशेषकर संसाधन अभिगमन और पणधारियों के बीच उपयोग की परस्परव्याप्ति से उत्पन्न द्वन्द्व के संबंध में। यह निर्धारित करने में सहायक होता है कि यदि गतिविधियों का क्षेत्रीकरण किया जाये तो वह उस क्षेत्र के लिये अनुकूल होगा।

उपयोग पैटर्न और क्षेत्र के अभिलक्षण जहाँ कि इसे संचालित किया जाता है की बेहतर जानकारी द्वारा पणधारी यह अच्छी तरह समझेगें कि वह जो प्रभाव तटीय पर्यावरण पर डालते हैं उसका प्रभाव भविष्य में उनके व्यापार पर क्या होगा। इस जानकारी के फलस्वरूप पणधारी प्रबंधन के संवेदनशील क्षेत्रों को प्रतिबंधित करने के निर्णयों में सहायक बनने के लिये अधिक प्रयास करेंगे।

K 23. प्रभाव का स्तर और प्रकार

यह क्या है?

तटीय और सामुद्रिक संसाधन पर तटीय और समुद्री गतिविधियों के प्रभाव के प्रकार का और उसके स्तर संबंधित आमजनता का प्रत्यक्षज्ञान ही प्रभाव का स्तर और प्रकार है। यह इसका वैज्ञानिक मूल्यांकन नहीं है बल्कि यह लोग क्या सोचते है उसका दस्तावेज है।

तटीय और सामुद्रिक गतिविधियाँ	तटीय और सामुद्रिक वस्तुएँ और सेवाएँ	विधियाँ (प्राथमिक)	प्रभाव का स्तर	प्रभाव के प्रकार (प्राथमिक)
मछली पकड़ना	झींगा	घात	निम्न	जरूरत से ज्यादा मछली पकड़ना
	ग्रुपर	रस्सी	मध्यम	जरूरत से ज्यादा मछली पकड़ना
पर्यटन	होटल	अतिथिगृह (1-7 कमरों का)	मध्यम	प्रदूषण
	गोताखोरी	स्कूबा	निम्न	लंगर द्वारा क्षति
ऑक्वाकल्चर	ओयस्टर	रस्सी	निम्न	पोषैणक भारण

आंकड़े कैसे एकत्र करें?

आंकड़े मुख्य सूचना देने वालों और फोकस ग्रुप जिसमें समुदाय के मुखिया, अधिकारी, समुदाय के वरिष्ठ सदस्य और अन्य जो समुदाय का सामान्य राय प्रस्तुत करते हैं शामिल हैं, के साक्षात्कार द्वारा करें।

मुख्य सूचना देने वालों को स्केल (उच्च / मध्यम / निम्न / कुछ भी नहीं) का उपयोग करते हुए प्रत्येक तटीय और समुद्री गतिविधि उसकी वस्तुओं और सेवाओं के संबंध में प्रभाव के स्तर को पहचाने के लिये पूछा जाना चाहिए। उच्च का मतलब यहाँ संसाधनों पर गंभीर या अपरवर्तनीय प्रभाव हो सकता है जैसे वायुशिफ क्षेत्र की कटाई और भराई, मध्यम का मतलब यहाँ संसाधनों पर मध्यम प्रभाव हो सकता है जैसे वायुशिफ की कटाई, निम्न का मतलब यहाँ संसाधनों पर थोड़ा प्रभाव हो सकता है जैसे वायुशिफ का सिर्फ छोटा -सा क्षेत्र ही भंग हुआ और कुछ भी नहीं का मतलब संसाधनों पर कोई प्रभाव नहीं को दर्शाता है। उत्तरों में अनुरूपता बनाये रखने के लिए टीम को अग्रीम रूप से प्रभाव के स्तर(उच्च, मध्यम और निम्न) को विशेषरूप से परिभाषित करना चाहिए।

तत्पश्चात प्रभाव के प्राथमिक प्रकारों को संक्षिप्त में नोट किया जाना चाहिए। उदा. यदि होटल के विकास से प्रदूषण पैदा होता है तो प्रदूषण को नोट किया जाना चाहिए। परिणामों से प्राप्त जानकारी को गौण स्रोत साक्षात्कार संदर्शिका सारिणी में जैसा कि दिखाया गया है नोट करें।

अतिरिक्त आंकड़ों को एकत्र करना : प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभावों को पहचानने के लिये प्रभावों के प्रकार को अधिक विवरण के साथ व्याख्यायित कर सकते हैं। उदा. सीवेज का बहिर्गमन पानी की गुणवत्ता पर सीधा प्रभाव डालता है और प्रतिप्रवाह कृषि बारिश के मौसम में तलछट या कीचड़ उत्पन्न करता है।

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

प्रभाव के सामान्य स्तर और प्रभाव के प्रकार निर्धारित करने के लिए आंकड़ों को सारांश निकालें और साक्षात्कार / गौण स्रोत विश्लेषण पत्र की सारिणी में अंकित करें जैसा कि दिखाया गया है। प्रभाव के स्तर(उच्च, मध्यम और निम्न) की परिभाषा भी नोट की जानी चाहिए।

अतिरिक्त विश्लेषण : परिणामों को पिछले वर्ष के परिणामों से तुलना करके प्रभाव के प्रकार और स्तर में आये परिवर्तन को जानें। इन परिवर्तन की तुलना संसाधन की दशा से करते हुए उनके आपसी संबंध को जानें।

सर्वेक्षण के भाग के सदृश आंकड़े एकत्र करें जहाँ कि लोगों से यह पूछा गया कि वे तटीय संसाधनों के संबंध में पाँच सबसे बड़े खतरे किसे मानते हैं। परिणामों की तुलना करते हुए आंकड़ों की सत्यता परखें। मुख्य सूचना देने वालों द्वारा पूर्ण की सारिणी में व्यक्ति द्वारा बताई गई गतिविधियों को उच्च स्थान पर नोट किया जाना चाहिए। लोगों के प्रत्यक्षज्ञान का सही तौर पर आकलन करने के यह आवश्यक हो जाता है कि लिए पूर्ण जनसंख्या सर्वेक्षण किया जाये।

प्रबंधकों और अन्य पणधारियों के लिये यह जानकारियाँ कैसे उपयोगी होती हैं?

उपयोग के प्रकार (K16) और उपयोग पैटर्न के सदृश, प्रभाव के प्रकार और स्तर संबंधी जानकारियाँ तटीय संसाधनों पर आने वाले खतरों के बारे में जानने में सहायक होती हैं। समुदाय के सदस्य विशेषकर जो सीधे संसाधनों का प्रयोग करते हैं बहुधा इस संबंध में अधिक जानकार होते हैं कि क्या संभवित खतरे संसाधनों को प्रभावित करेगें। यह जानकारी गतिविधियों को जानने की वैज्ञानिक अध्ययन की आवश्यकता में विवेचनात्मक हो सकती है। उदा. समुदाय के सदस्य तेल और गैस के विकास के संसाधनों पर प्रभाव को उच्च स्तर का मानते हैं चूँकि उन्होंने कुछ बड़े रिसावों को देखा है। इस तरह के प्रभाव वैज्ञानिक अध्ययन जो कि वर्ष में एक बार किया जाता है अध्ययन के लिये छूट जाते हैं।

समय के साथ इन जानकारियों की निरीक्षण से प्रबंधक, प्रत्येक गतविधि पर प्रबंधन के प्रभाव को देखते हैं और जानते हैं कि प्रबंधन कितना प्रभावी है। उदा. यदि तटीय प्रबंधन कार्यक्रम ऊपरी भागों की खेती में कीटनाशक दवाइयों और अन्य रसायनों के प्रयोग को कम करना प्रारंभ करता है और यह फिर भी प्रभाव के प्रकार के रूप में नोट किया जाता है तो यह माना जा सकता है कि कार्यक्रम प्रभावी नहीं रहा।

आखिर में, यह जानकारियाँ जागरूकता कार्यक्रम बनानें और पणधारियों के भागीदारी लेने में आलोचनात्मक होगीं। अगर समुदाय के सदस्य यह मानते हैं कि वहाँ के संसाधनों पर कोई किसी तरह का गतिविधियों का प्रभाव नहीं है तो ऐसी स्थिति में उन्हें तटीय प्रबंधन में सम्मिलित करना कठिन हो जाता है। यदि समुदाय के सदस्य यह मानते हैं कि एक या दो गतिविधियाँ ही संसाधनों को प्रभावित कर रही हैं, और वैज्ञानिक शोध यह बताते हैं कि वहाँ और भी कई गतिविधियाँ संसाधनों को प्रभावित कर रही हैं तो ऐसी स्थिति में जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ की आवश्यकता होती है ताकि समुदाय के लोग विस्तृत रूप से उन गतिविधियों के बारे में जाने जो संसाधनों को प्रभावित कर रही हैं।

K 24. परदेशियों द्वारा उपयोग का स्तर

तटीय और सामुद्रिक गतिविधियाँ	तटीय और सामुद्रिक वस्तुएँ और सेवाएँ	विधियाँ (प्राथमिक)	परदेशियों द्वारा उपयोग का स्तर
मछली पकड़ना	झींगा	घात	निम्न
	ग्रुपर	रस्सी	निम्न
पर्यटन	होटल	अतिथिगृह (1-7 कमरों का)	उच्च
	गोताखोरी	स्कूबा	उच्च
ऑक्वाकल्चर	ओयस्टर	रस्सी	निम्न

यह क्या है?

परदेशियों द्वारा उपयोग का स्तर संदर्भित है अध्ययन क्षेत्र में परदेशी तटीय संसाधनों का उपयोग स्थानीय उपयोगकर्ता के सापेक्ष किस मात्रा में करते हैं। उदा. यदि वहाँ 1000 विदेशी मछुवारें हैं और स्थानीय मछुवारे सिर्फ 10 तो परदेशियों के उपयोग का स्तर अधिक होगा। परदेशी वह है जो अध्ययन क्षेत्र में नहीं रहता(या रहता है मौसम के आधार पर)। वे पड़ोसी समुदाय या दूसरे देश के हो सकते हैं।

यह क्या है?

परदेशियों द्वारा उपयोग का स्तर संदर्भित है अध्ययन क्षेत्र में परदेशी तटीय संसाधनों का उपयोग स्थानीय उपयोगकर्ता के सापेक्ष किस मात्रा में करते हैं। उदा. यदि वहाँ 1000 विदेशी मछुवारें हैं और स्थानीय मछुवारे सिर्फ 10 तो परदेशियों के उपयोग का स्तर अधिक होगा। परदेशी वह है जो अध्ययन क्षेत्र में नहीं रहता(या रहता है मौसम के आधार पर)। वे पड़ोसी समुदाय या दूसरे देश के हो सकते हैं।

आंकड़े कैसे एकत्र करें?

यह जानकारी या आंकड़े मुख्य सूचना देने वालों जैसे समुदाय के मुखिया, नगर के अधिकारी और पणधारियों के समूहों के प्रतिनिधियों के साक्षात्कार द्वारा प्राप्त करें।

मुख्य सूचना देने वालों से परदेशियों द्वारा तटीय संसाधनों के उपयोग के वर्तमान स्तर के बारे में उच्च, मध्यम और निम्न के स्केल का प्रयोग करते हुए पूछा जाना चाहिए। स्केल को प्रत्येक क्षेत्र के अनुसार परिभाषित करना चाहिए, जबकि उच्च का मतलब परदेशियों द्वारा अधिक उपयोग को दर्शाता है अर्थात् अध्ययन क्षेत्र में अधिकतम मछली परदेशियों द्वारा पकड़ी जाती हैं। इसी प्रकार मध्यम का मतलब सामान्य उपयोग है अर्थात् कुछ परदेशियों द्वारा मछली पकड़ना और निम्न का मतलब है बहुत थोड़ा उपयोग अर्थात् परदेशियों द्वारा बहुत कम उपयोग जैसे बीस गेस्ट हाउस में से सिर्फ एक में परदेशी रहते हैं। अध्ययन क्षेत्र के उत्तरदाताओं के उत्तरों में अनुरूपता बनाये रखने के लिये यह आवश्यक है कि टीम को अग्रिम रूप से परदेशियों द्वारा उपयोग के स्तर(उच्च, मध्यम, निम्न) को परिभाषित करना आवश्यक है। इन उत्तरों को गौण स्रोत / साक्षात्कार संदर्शिका सारिणी में जैसा कि दिखाया गया है नोट करें। सामुदायिक अवसंरचना या मूलभूत ढाँचा, व्यापार विकास और स्वामित्व अधिकार(K13) भी देखें।

अतिरिक्त आंकड़ों का संकलन : मुख्य सूचना देने वालों से परदेशी / विदेशी कहाँ से आते हैं पहचान करने के लिये पूछा जाना चाहिए।

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

मुख्य सूचना धारकों से प्राप्त आंकड़ों का संश्लेषण परदेशियों द्वारा संसाधन के उपयोग के स्तर को निर्धारित करने के लिये करते हुए उसे साक्षात्कार / गौण स्रोत विश्लेषण पत्र की सारिणी में दिखाये अनुसार अंकित करें। परदेशियों द्वारा उपयोग के स्तर के संबंध में उच्च, मध्यम, निम्न की परिभाषा को नोट करें।

अतिरिक्त आंकड़ों का विश्लेषण : समय के साथ इन स्तरों की तुलना करें। यह परदेशियों द्वारा संसाधन के उपयोग के स्तर में समय के साथ आये परिवर्तन को व्याख्यायित करने में सहायक होगा।

प्रबंधकों और अन्य पणधारियों के लिये यह जानकारियाँ कैसे उपयोगी होती हैं?

परदेशियों या विदेशियों द्वारा संसाधन के उपयोग के स्तर की जानकारी विकासशील पणधारियों के भागीदारी और जागरूकता कार्यक्रम के लिये उपयोगी है। अनिवासियों को बहुधा अनदेखा कर दिया जाता है क्योंकि, वे तुरंत दृष्टिगोचर नहीं होते। यह समझने से कि संबंधित संख्या में लोग दूसरे क्षेत्र से आते हैं, प्रबंधक समुदाय के बाहर लोगों से संबंध बनाने के महत्व का निर्धारण करते हैं। यदि प्रबंधकों को यह जानकारी हो कि परदेशी (पुरुष या स्त्री) कहाँ आते हैं वह उस क्षेत्र को लक्षित कर सकते हैं। यदि वे परदेशी समुद्रपार (उदा. विदेशी मछली पकड़ने के जलयान) से आते हैं तो प्रबंधकों को कस्टम और इमीग्रेशन के साथ जानकारी हासिल करने के लिये कार्य करना होगा। अन्य संबंध में यह जानकारी पड़ोसी समुदायों की शिक्षा बढ़ाने और आगे बढ़ने वाले कार्यक्रमों के लिये हो सकता है।

तटीय प्रबंधन की समस्याओं को समझने के लिये बाहरी उपयोग को समझना महत्वपूर्ण है। उदा. विदेशियों की बढ़ती हुई संख्या अक्सर समुदाय में द्वन्द्व का स्रोत होती है।

यह जानकारी संसाधन की महत्व और मूल्यांकन का निर्धारण करने में भी उपयोगी होती है। यदि लोग अध्ययन क्षेत्र के बाहर संसाधन का उपयोग करते हैं तो यह बड़े क्षेत्र के लिये संसाधन के महत्व को दर्शाता है बजाय वहाँ के समुदाय के लिये। तटीय प्रबंधन के लिये अतिरिक्त संसाधन की आवश्यकता को राजनीतिज्ञों और आमजनता को बताना महत्वपूर्ण होगा।

K25. घरेलू उपयोग

यह क्या है?

तटीय और सामुद्रिक वस्तुओं और सेवाओं का प्रयोग यह दर्शाता है कि अध्ययन क्षेत्र की घरेलू इकाइयाँ अपने उपभोग, मनोरंजन और बिक्री के लिये तटीय और सामुद्रिक वस्तुओं और सेवाओं का उपयोग कैसे करते हैं। यह परिवर्ती अधिक संबंधित है निकालने वाली गतिविधियों(उदा.मछली पकड़ना, ऑक्वाकल्चर) से।

आंकड़े कैसे एकत्र करें?

तटीय और सामुद्रिक वस्तुओं और सेवाओं के घरेलू उपयोग की जानकारी या आंकड़े मुख्य सूचना देने वालों जैसे समुदाय के अधिकारियों और व्यापारियों के साक्षात्कार द्वारा प्राप्त करें। मुख्य सूचना देने वालों को वस्तुओं या सेवाओं के सामान्य घरेलू उपयोग को बताने और श्रेणीबद्ध करने के लिये पूछा जाना चाहिए। उन्हें पूछा जाना चाहिए कि वे संसाधन का उपयोग अपने व्यक्तिगत उपभोग, आराम या बिक्री के लिये कर रहे हैं। व्यक्तिगत या स्वयं के लिये उपभोग का अर्थ है घरेलू उपयोग जैसे मछली का उपभोग भोजन के लिये। आराम का अर्थ है मनोरंजन के लिये और बिक्री का अर्थ धन प्राप्त करने या दूसरी वस्तु के लिये वस्तु विनिमय के लिये। उत्तरों को गौण स्रोत / साक्षात्कार संदर्शिका सारिणी में दिखाये अनुसार अंकित करें।

तटीय और सामुद्रिक गतिविधियाँ	**तटीय और समुद्री वस्तुएँ और सेवाएँ**	**घरेलू इकाइयों का उपयोग(प्राथमिक)**
मछली पकड़ना	झींगा	बिक्री
	ग्रुपर	स्वंय के उपभोग
पर्यटन	होटल	बिक्री
	गोताखोरी	बिक्री
ऑक्वाकल्चर	ओयस्टर	बिक्री

अतिरिक्त आंकड़ों का विश्लेषण : यदि खाद्य सुरक्षा का मामला हो, तो मुख्य सूचना देने वालों से खाद्य सुरक्षा विषय संबंधित प्रश्न पूछे जा सकते हैं जैसे क्या वहाँ विविध प्रकार के उचित मूल्य के खाद्य उत्पाद पूरे वर्ष उपलब्ध रहते हैं और स्थानीय समुद्र से निकाले गये समुद्री उत्पाद पूरे वर्ष उचित मूल्य पर उपलब्ध रहते हैं आदि।

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

मुख्य सूचना देने वालों से प्राप्त आंकड़ों का सारांश निकालते हुए उसे साक्षात्कार / गौण स्रोत विश्लेषण पत्र की सारिणी में अंकित करें।

अतिरिक्त विश्लेषण : सर्वेक्षण के भाग के सदृश आंकड़े एकत्र करें। परिणामों की तुलना आंकड़ों की परिशुद्धता जाँचने के लिये करें। यदि परिणामों में अंतर हो तो यह उपयुक्त होगा कि सूचना देने वालों को संपर्क किया जाये अंतर का कारण जानने के लिये। अन्यथा, अध्ययन क्षेत्र की जनसांख्यिकीय सही तौर पर समझने के लिये संपूर्ण जनगणना सर्वेक्षण (सभी घरेलू इकाइयों का साक्षात्कार, न कि सिर्फ एक नमूने का) करना चाहिए।

प्रबंधकों और अन्य पणधारियों के लिये यह जानकारियाँ कैसे उपयोगी होती हैं?

तटीय और सामुद्रिक वस्तुओं तथा सेवाओं का उपयोग घरेलू इकाइयाँ कैसे करते है संबंधित जानकरी घरेलू इकाइयों की खाद्य और आय के लिये उनकी तटीय संसाधनों पर निर्भरता के संबंध में पूरा ज्ञान प्रदान करती हैं। अतः यह घरेलू इकाइयों या परिवारों की खाद्य सुरक्षा विषय को समझना महत्वपूर्ण हो जाता है। यह जानकारियों संसाधन उपयोगकर्ता के जीवनयापन और उनकी खाद्य सुरक्षा के संबंध में प्रबंधन युक्तियाँ किस प्रकार से प्रभाव डालती हैं समझने में उपयोगी होती हैं।उदा. यदि परिवार या घरेलू इकाइयाँ उनकी द्वारा समुद्र से पकड़ी या निकाली वस्तुओं का स्वयं ही उपभोग करते हैं तो मछली पकड़ने पर प्रतिबंध प्रत्याशित हो जाता है जो खाद्य उपलब्धता और उसके फलस्वरूप खाद्य सुरक्षा को प्रभावित करता है।

K26. पणधारी (स्टेकहोल्डर)

पणधारी एक व्यक्ति, लोगों का समूह या संगठन है जो रुचि लेता है, शामिल हो काम करता है या तटीय संसाधन प्रबंधन द्वारा प्रभावित (सकारात्मक या नकारात्मक) होता है। यह पणधारी वास्तव में कार्यस्थल पर या उसके आसपास रह सकते हैं और नहीं भी, परन्तु लोग जिन्हें इसमें रुचि होती है या जिनका तटीय संसाधन प्रबंधन पर प्रभाव होता है वहीं रहते हैं। देखें जीसीआरएमएन मैन्युअल अध्याय 1: आरंभ करने की गतिविधियाँ, रीफ पणधारियों की पहचान कर आगे चर्चा करें।

आंकड़ें कैसे एकत्र करें?

क्षेत्र के मुख्य सूचना देने वालों (उदा. सरकारी अधकारी, चुने हुए अधिकारी, मछुवारे, मुख्य व्यापारी, मछली व्यापारी) से प्रत्येक तटीय गतिविधि(मछली पकड़ना, ऑक्वाकल्चर, पर्यटन) से संबंधित तीन मुख्य पणधारी समूह को बताने के लिये पूछते हुए साक्षात्कार करें। तटीय गतिविधियों की पहचान परिवर्ती के भाग के रूप में की गई है, गतिविधियाँ (K14) और गौण स्रोत / साक्षात्कार संदर्शिका सारिणी में दिखाये अनुसार नोट करें।

अतिरिक्त आंकड़ों का संकलन : समुदाय. के अंदर आधिपत्य या ताकत (राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक)की ढाँचागत स्थिति को समझने जानने के लिये मुख्य सूचनादेने वालों से विभिन्न पणधारी समूहों के बारे में कि वे किस प्रकार एक दूसरे को प्रभावित करते हैं पूछा जाना चाहिए।

तटीय गतिविधि*	**पणधारी समूह - 1**	**पणधारी समूह - 2**	**पणधारी समूह - 3**
मछली पकड़ना	निर्वाह / आराम	व्यावसायिक	
पर्यटन	ऑक्वाकल्चर मालिक, प्रबंधक और कर्मचारी		
ऑक्वाकल्चर	होटल मालिक, प्रबंधक और कर्मचारी	वॉटर स्पोर्टस ऑपरेटर्स	पर्यटक
*गतिविधियों (K14)में चिह्नित गतिविधियों के अनुसार सूची तैयार करें।			

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

मुख्य सूचना देने वालों से प्राप्त आंकडों को सारांशित करते हुए उसे साक्षात्कार / गौण स्रोत विश्लेषण पत्र की सारिणी में अंकित करें।

अतिरिक्त विश्लेषण : एक संक्षिप्त कथात्मक विवरण प्रत्येक तटीय गतिविधि में सम्मिलित पणधारी समूह को व्याख्यायित करने के लिये तैयार करें।

प्रबंधकों और अन्य पणधारियों के लिये यह जानकारियाँ कैसे उपयोगी होती हैं?

तटीय संसाधन प्रबंधक यह मानते हैं कि तटीय संसाधन पणधारियों की तटीय संसाधन की योजना बनाने और प्रबंधन में सक्रिय भागीदारी तटीय संसाधन प्रबंधन की सफलता को बेहतर बना सकती है। यदि स्थानीय लोग तटीय प्रबंधन में भाग लेते हैं और उन पर अपना स्वामित्व समझते हैं, अतः वे तटीय संसाधन प्रबंधन में सहायक होना अधिक पसंद करते हैं। पणधारियों के संबंध में समझ प्रबंधकों को प्रबंधन युक्तियों द्वारा प्रभावित हुए व्यक्तियों की पहचान करने में मदद करती है और वे इस प्रभाव को इन पणधारियों को बताते हैं।

पणधारियों की पहचान यह निर्णय करने के लिये भी की जाती है कि निगरानी किस एक पर केन्द्रित होनी चाहिए। सभी पणधारियों संबंधी जानकारी या पहचान पणधारियों को यह सुनिश्चित करने अवसर प्रदान करती है कि सभी उपयोगकर्ता वर्ग को प्रबंधन गतिविधियों में सम्मिलित किया गया है और कार्यक्रम के संभावित फायदे उनकी आवश्यकता अनुसार अनुकूल रहें।

K27. पर्यटक रूपरेखा

यह क्या है?

पर्यटक रूपरेखा अध्ययन क्षेत्र के आगंतुक पर्यटकों का अभिलक्षण से संदर्भित है। पर्यटक राष्ट्रीय और विदेशी दोनों ही हो सकते हैं।

आंकड़े कैसे एकत्र करें?

अध्ययन क्षेत्र के स्तर पर पर्यटक संबंधी आंकड़े एकत्र करें। पर्यटक संबंध आंकड़े विभिन्न स्रोतों द्वारा प्राप्त किये जा सकते हैं जैसे, राष्ट्रीय पर्यटक बोर्ड, स्थानीय पर्यटक बोर्ड, अप्रवास विभाग, जनगणना ब्यूरो, गैर सरकारी संगठन, व्यापार(उदा. होटल) और पर्यटक आकर्षण केन्द्र (उदा. समुद्री रिजर्व, राष्ट्रीय उद्यान)आदि। अधिकतर देशों के पास पर्यट क और यात्रा से संबंधित संकलित सांख्यिकी होती है और उसे रिपोर्ट की तरह प्रस्तुत किया जाता है। अतरिक्त आंकड़े मुख्य सूचना देने वालों जैस, डॉयरेक्टर टूरिज्म बोर्ड, होटल मार्केटिंग डॉयरेक्टर और ट्रेवल एजेंटों से निम्नलिखित प्रश्न पूछ कर प्राप्त कर सकते हैं।

पूछे जाने वाले प्रश्न :

वहाँ कितने आगंतुक या पर्यटक प्रतिवर्ष आते हैं?_____

कितने पर्यटक निम्नलिखित देशों से आते हैं?:
(अपने देश से)_____; (देश का नाम)_____; (देश का नाम)_____; (देश का नाम)_____; (देश का नाम)_____

कितने पर्यटक निम्नलिखित महीनों में आते हैं?
जनवरी_____ फरवरी_____मार्च_____ अप्रैल_____ मई_____ जून_____ जुलाई_____ अगस्त_____
सितम्बर_____ अक्टूबर_____ नवंबर_____ दिसंबर_____

कितने पर्यटक निम्नलिखित परिवहन के साधन से आये?: एअर_____ समुद्री जहाज_____ अन्य_____

कितने प्रतिशत पर्यटक निम्नलिखित आयु वर्ग में हैं: 0-18_____; 19-30_____; 31-50_____; 50से ज्यादा_____

कितने प्रतिशत पर्यटक पुरुष या स्त्री हैं? पुरुष_____ स्त्री_____

कितने प्रतिशत पर्यटक निम्नलिखित गतिविधियों में रुचि लेते हैं?:
प्राकृतिक_____ समुद्रीतट_____ गोताखोरी / स्नोर्केलिंग_____ मछली पकड़ना_____ संस्कृति_____ अन्य_____

अतिरिक्त आंकडों का संकलन : टीम तुलना के लिये राष्ट्रीय स्तर के आंकड़ों को एकत्र कर सकती है। अतिरिक्त आंकड़े एकत्र किये जा सकते हैं जैसे, रहने की अवधि, औसतन दैनिक खर्च, गंतव्य स्थान और आवास का प्रकार आदि।

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

अधिकतर आंकड़ों का विश्लेषण हो चुका है और वह वार्षिक रिपोर्ट में उपलब्ध है। गौण स्रोत और मुख्य सूचना देने वालों से प्राप्त आंकड़ो को सारांशित करते हुए साक्षात्कार / गौण स्रोत विश्लेषण पत्र सारिणी में अध्ययन क्षेत्र के पर्यटकों की रूपरेखा दर्शाने के लिये अंकित करें।

अतरिक्त आंकड़ों का विश्लेषण : यदि पर्यटन संबंधी समय सापेक्ष आंकड़े उपलब्ध हों, तो उसकी प्रवृत्ति और अध्ययन क्षेत्र में पर्यटन अभिलक्षणों में आये बदलाव का विश्लेषण किया जा सकता है।

प्रबंधकों और अन्य पणधारियों के लिये यह जानकारियाँ कैसे उपयोगी होती हैं?

पर्यटक रूप रेखा महत्वपूर्ण है प्रबंधकों के यह जानने के लिये कि पर्यटन से क्या खतरे और अवसर हैं, जैसे तटीय और समुद्री संसाधनों पर स्तरीय दबाव। समय के साथ यह सूचनाएँ या जानकारियाँ उपयोगी होती हैं यह निर्धारण करने के लिये कि यह दबाव बढ़ेगा, कम होगा या स्थिर बना रहेगा। इनकी तुलना गतिविधियाँ (K18), उपयोग का पैटर्न (K20) और प्रभाव का स्तर और प्रकार (K23) परिवर्तियों के साथ यह आकलन करने में सहायक होती है कि परिवर्तन से संसाधन की दशा कैसे प्रभावित होती है। यदि पर्यटन कम हो रहा है और साथ ही समुदाय को हाने वाला फायदा भी घट रहा है ऐसी स्थिति में यह प्रबंधकों के लिये अन्य संसाधन गतिविधियों के संबंध में निर्णय लेने के लिये भी महत्वपूर्ण है।

जनसांख्यिकीय जानकारी(आयु, राष्ट्रीयता, लिंग) पर्यटन के लिये विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं की माँग की सूचक है। उदा. नवयुवक अधिक सक्रिय होते हैं वृद्ध पर्यटक से और इसलिए ऐसी स्थिति में संभवतः अधिक दबाव संसाधनों पर होगा। इसी तरह, पर्यटकों की रुचि और मौसमीपन को समझने से यह जाना जा सकता है कि कौन से संसाधन पर अधिक दबाव होगा और कब होगा।

पर्यटकों के रुचि को अच्छी तरह जानकर पणधारियों अपने व्यवसाय माँग के अनुरूप ढालनें में मदद मिलती है। यह प्रबंधकों, टूर ऑपरेटरों और गाइडों को भी अवसर देते है मिलजुलकर काम करने और कार्यनीति बनाते हुए संसाधनों पर पड़ रहे दबाव को कम करने और पर्यटकों को उस क्षेत्र के तटीय और सामुद्रिक पर्यावरण की समस्याओं की जानकारी देने के लिए।

शासन प्रणाली, संस्थान एवं निर्णायक निकाय

K28. प्रबंधन निकाय / संस्था

यह क्या है?

एक प्रबंधन ढाँचा निकाय या संस्था एक संस्थान है जो नियंत्रित करता है कि कैसे तटीय संसाधनों का प्रबंधन किया जाये और सुनिश्चित करता है कि वहाँ एक पारदर्शी पद्धति है योजना बनाने के लिए, उसे स्थापित करने के लिए और नियम और कानून को लागू करने के लिए। प्रबंधन निकाय सरकारी, गैर सरकारी या समुदाय का संगठन हो सकता है जो कि अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय , राज्य स्तर पर कार्य करता है। अध्ययन क्षेत्र में विभन्न तटीय गतिविधियों के लिए कई प्रबंधन निकाय या संस्थाएँ हो सकती है जैसे - तटीय अंचल प्रबंधन, मछलीपालन, अक्वाकल्चर, वायुशिफ, पर्यटन, समुद्री परिवहन और आवासीय विकास आदि।

आंकड़े कैसे एकत्र करें?

प्रबंधन निकायों या संस्थाओं से संबंधित सूचनाएँ विभिन्न गतिविधियों के प्रबंधन प्लान के अध्ययन से मिल सकती हैं। यह सूचनाएँ मुख्य सूचनाधराकों जिन्हें तटीय संसाधन प्रबंधन या तटीय गतिविधियों की जानकारी हो के साक्षात्कार से प्राप्त हो सकती है(जैसे- सरकारी एजेंसियों के प्रतिनिधि, चुने हुए अधिकारी, गैर सरकारी संस्थाओं के प्रतिनिधि आदि)। यह महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक तटीय गतिविधियों से संबंधित प्रबंधन संस्था के नाम और अस्तित्व की जानकारी उस व्यक्ति के साक्षात्कार से प्राप्त की जाये जो उस प्रबंधन संस्था के परिचालन के लिये जवाबदार हो। इस तरह प्राप्त सूचना की प्रबंधन संस्था अस्तित्व में है या नहीं और संस्था का नाम अंकित किया जाये द्वितीयक स्रोत / साक्षात्कार संदर्शिका सारिणी में जैसा कि दिखाया गया है।

तटीय गतिविधियाँ	**प्रबंधन संस्था(एँ) हाँ या नहीं और नाम**
मत्स्यपालन	हाँ - मतस्यपालन विभाग
पर्यटन	हाँ - पर्यटन विभाग
अक्वाकल्चर	नहीं
तालिका का विकास गतिविधियों के अनुसार गतिविधियों (K14) की पहचान करते हुए करें	

अतिरिक्त आंकड़ें एकत्र करना : मुख्य सूचना देने वालों को प्रत्येक मुख्य प्रबंधन संस्था के मुखिया को पहचानने के लिये पूछा जाना चाहिए।

आंकड़ो का विश्लेषण कैसे करें?

प्रबंधन प्लान, मुख्य सूचना देने वालों और उत्तरदायी लोगों से प्राप्त आंकड़ों का सारांश निकालते हुए उसे साक्षात्कार सारिणी / द्वितीय स्रोत विश्लेषण पत्र में अंकित करें।

प्रबंधकों तथा अन्य पणधारियों के लिए यह सूचनाएँ किस प्रकार उपयोगी होंगी?

प्रबंधन संस्थाओं के बारे में प्राप्त सूचनाएँ उपयोगी होती हैं प्रबंधन के संपूर्ण प्रभाव को समुदाय के संदर्भ में देखने में, विशेषकर शासन प्रणाली के संबंध में। तटीय गतिविधियों की कानूनन आदेश का निर्णय लेने वाले अधिकारी की पहचान प्रबंधकों को उस क्षेत्र में प्रबंधन सीमा के अंतर्गत चल रही गतिविधियों को और अच्छी तरह से समझने, अन्य प्रबंधन संस्थाओं से संयोजन करने, प्रबंधन प्रणाली में और अधिक पारदर्शिता लाने और अधिक प्रभावी प्रबंधन का मौका देती है। प्रबंधन संस्थाओं की पहचान उन सब के लिए भी मददगार होती है जो कि प्रबंधन के प्रभाव उपायों के संबंध में अधिकारियों से विचार विमर्श करना चाहते हैं।

K29. प्रबंधन योजना

यह क्या है?

प्रबंधन योजना, तटीय संसाधन प्रबंधन कार्यक्रम के लिये कार्यनीति निर्देश स्थापित करती है। प्रबंधन योजना एक दस्तावेज है जो संपूर्ण प्रबंधन परियोजना के लक्ष्य और उद्देश्य को, प्रबंधन पद्धति के संस्थागत ढाँचे को और प्रबंधन युक्तियों के संविभाग को दर्शाता है।

आंकड़े कैसे एकत्र करें?

प्रबंधन योजना के संबंध में सूचानाएँ, मुख्य सूचनाधारक के रूप में संबंधित राष्ट्र, क्षेत्र, तथा स्थानीय सरकारी एजेंसी के अधिकारी जो की तटीय प्रबंधन की गतिविधियों के लिये उत्तरदायी हों के साक्षात्कार से प्राप्त हो सकती हैं। वहाँ अध्ययन क्षेत्र में तटीय गतिविधियों के आधार पर अनेकों प्रबंधन योजनाएँ चल रही हो सकती हैं जिसमें एकीकृत तटीय क्षेत्र प्रबंधन योजना, मत्स्यपालन प्रबंधन योजना, तटीय विकास योजना, वायुशिफ प्रबंधन योजना शामिल हैं जिससे यह निर्णय लेने में मदद कि किस गतिविधि को संबोधित किया जाये।

प्रत्येक तटीय गतिविधि के लिये प्रबंधन योजना के होने या न होने की पहचान हाँ या नहीं में करते हुए उसे द्वितीयक स्रोत / साक्षात्कार संदर्शिका सारिणी में अंकित करें जैसा कि दिखाया गया है।

तटीय गतिविधियाँ	**प्रबंधन योजना (हाँ या नहीं)**
मत्स्यपालन	हाँ
पर्यटन	हाँ
अक्वाकल्चर	नहीं
तालिका का विकास गतिविधियों के अनुसार गतिविधियों (K14)की पहचान करते हु करें	

अतरिक्त आंकड़ों को एकत्र करना : प्रबंधन योजना के बारे में पूछा जाने पर प्रबंधन योजना के अंगों (जैसे- क्रियान्विति, शिक्षा) के बारे में भी सूचनाएँ एकत्र की जा सकती हैं।

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

द्वितीयक स्रोत और मुख्य सूचना देने वालों से प्राप्त सूचनाएँ, द्वितीयक स्रोत / साक्षात्कार संदर्शिका सारिणी में अंकित करें जैसा कि दिखाया गया है।

अतरिक्त विश्लेषण : प्रत्येक तटीय गतिविधि का विवरण जानने में यह उपयोगी हो सकता है। समय अंतराल के साथ प्रबंधन योजनाओं और संसाधन की स्थिति तथा उसके उपयोग प्रतिरूप में आये परिवर्तन की तुलना कर यह जानने में कि उनमें कोई संबंध है में उपयोगी होता है।

प्रबंधकों तथा अन्य पणधारियों के लिए यह सूचनाएँ किस प्रकार उपयोगी होंगी?

यह जानना कि विभिन्न गतिविधियों के लिये प्रबंधन योजना चल रही है, अध्ययन क्षेत्र में प्रबंधन के संपूर्ण प्रभाव को देखने में उपयोगी होता है, विशेषकर शासन प्रणाली के संबंध में। प्रबंधन योजना का अस्तित्व और उसका अभिग्रहण प्रबंधकों को बताता है कि तटीय प्रबंधन योजना उसके लक्ष्य और उद्देश्य से संदर्शित है और संपूर्ण योजना कानूनन आदेश के अंतर्गत क्रियान्वित हो रही है।

प्रबंधन योजना के अस्तित्व और अन्य शासन प्रणाली के परिवर्तनीय (Variables)(जैसे औपचारिक नियम और अधिकार) का संसाधन के उपयोग के प्रतिरूप तथा संसाधनों की स्थिति का तुलनात्मक वर्गीकरण यह निर्धारित करने में क्या शासन प्रणाली की युक्तियाँ संसाधन की तंदुरुस्ती और उसके व्यवहार को प्रभावित करती हैं उपयोगी होता है।

यह जानने से की उस अध्ययन क्षेत्र में विभिन्न गतिविधियों के लिए प्रबंधन योजना चल रही है उस क्षेत्र के पणधारियों को योजना के संबंध में परामर्श ले सकते हैं। इससे अध्ययन क्षेत्र के प्रबंधन के संपूर्ण प्रभाव को आंका जा सकता है।

K30. विधान / कानून सामर्थ्यीकरण

यह क्या है?

कानून /विधान, सरकार का औपचारिक विधान है जो कि तटीय संसाधन प्रबंधन को एक मजबूत कानूनी आधार देता है ताकि योजना, प्रबंधन ढाँचे, नियम और कानून, क्रियान्वयन विधि को मान्यता, आदर मिले तथा उसे लागू किया जा सके। विभिन्न पणधारियों के लिये यह सामर्थ्यकारी या आसामर्थ्यकारी हो सकता है। जैसे- एक राष्ट्रीय मत्स्यपालन कानून या कोड को सामर्थ्यकारी विधान या कानून माना जा सकता है जो कि यह परिभाषित करता है कि मत्स्यपालन का उपयोग और प्रबंधन किस प्रकार किया जाये।

आंकड़े कैसे एकत्र करें?

सामर्थ्यकारी विधान या कानून के बारे में सूचना मुख्य सूचनाधारक जो कि संबंधित राष्ट्र, क्षेत्र तथा स्थानीय सरकारी एजेंसियों के अधिकारी हो सकते हैं जिनपर तटीय संसाधन प्रबंधन की जवाबदारी हो, के साक्षात्कार से प्राप्त हो सकती है। यह उचित होगा कि उनसे प्रकाशित कानूनी दस्तावेज की प्रतिलिपि प्राप्त करने के लिये प्रार्थना की जाये। इससे यह जानने में मदद मिलती है कि सामर्थ्यकारी विधान उस जगह में लागू है।

गतिविधियाँ(तालिका का विकास गतिविधियों के अनुसार पहचान की गई गतिविधियों K14) **से करें)**	**विधान/कानून सामर्थ्यीकरण (हाँ या नहीं)**
मत्स्यपालन	हाँ
पर्यटन	नहीं
अक्वाकल्चर	नहीं

सामर्थ्यकारी विधान या कानून का अस्तित्व अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, राज्य / प्रांत और स्थायी स्तरों पर हो सकता है। फोरम तथा विधान सामर्थ्यीकरण की सीमा तटीय संसाधन प्रबंधन के लिये अलग-अलग हो सकती है। कानूनी व्यवस्था अनेकों तत्वों पर आधारित है जिसमें सरकार का स्वरूप, निधि की उपलब्धता, लोक प्रशासन ढाँचा, सरकारी स्तर, राज्य का केन्द्रीकरण या अकेन्द्रीकरण, अधिकार क्षेत्र की सीमा और निर्णय निर्धारण तथा तटीय संसाधन के प्रकार और गतिविधियाँ शामिल हैं।

प्रत्येक तटीय गतिविधि के प्रबंधन योजना की सहायता के लिए साक्षात्कार और दस्तावेजों का पुनःनिरीक्षण किया जाना चाहिए यह जानने के लिए सामर्थ्यकारी विधान या कानून का उस क्षेत्र में अस्तित्व है या नहीं।

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

विभिन्न मुख्य सूचना देने वालों से और द्वितीयक स्रोत से प्राप्त सूचनाएँ साक्षात्कार सारिणी / द्वितीयक स्रोत विश्लेषण पत्र में अंकित करें।

अतिरिक्त विश्लेषण: यह संक्षिप्त विवरण द्वारा यह समझाने के लिये की प्रत्येक तटीय गतिविधि के लिए समार्थ्यकारी विधान कानून है उपयोगी होगा। समय के साथ-साथ सामर्थ्यकारी विधान या कानून के अस्तित्व और संसाधन की स्थिति तथा उसके उपयोग प्रतिरूप में आये परिवर्तन की तुलना कर यह जानने में कि उनमें कोई संबंध है में उपयोगी होता है।

यह सूचनाएँ प्रबंधकों और अन्य पणधारियों के लिये कैसे उपयोगी हो सकती हैं?

यह जानने में कि विभिन्न गतिविधियों के लिये सामर्थ्यकारी विधान या कानून है, अध्ययन क्षेत्र में प्रबंधन के संपूर्ण प्रभाव को देखने में उपयोगी होता है, विशेषकर शासन प्रणाली के संबंध में। सामर्थ्यकारी विधान या कानून की समझ उपयोगी होती है यह सुनिश्चित करने में की प्रबंधन योजना और कार्यनीति को सफता पूर्वक क्रियान्वित करने में यथोचित विधान या कानून का समर्थन प्राप्त है। सामर्थ्यकारी विधान या कानून के अस्तित्व की समझ यह सुनिश्चित करती है कि जा रहीं प्रबंधन युक्तियाँ को कानून का समर्थन प्राप्त है। प्रबंधन युक्तियों के प्रभाव का संबंध प्रबंधन योजना और सामर्थ्यकारी विधान या कानून से हो सकता है।

सामर्थ्यकारी विधान या कानून के अस्तित्व और अन्य शासन प्रणाली के परिवर्तनीय (Variables)(जैसे औपचारिक नियम और अधिकार)के साथ संसाधन के उपयोग के प्रतिरूप तथा संसाधनों की स्थिति का तुलनात्मक वर्गीकरण यह निर्धारित करने में कि क्या शासन प्रणाली की युक्तियाँ संसाधन की तंदुरुस्ती और उसके व्यवहार को प्रभावित करती हैं उपयोगी होता है। वर्तमान कानून के संबंध में बढ़ती हुई समझ पणधारियों को कानून की सीमा में कार्य करने में मदद करती है।

K31. प्रबंधन के संसाधन

यह क्या है?

प्रबंधन के संसाधन संदर्भित है मानवीय और आर्थिक संसाधन से जिससे प्रबंधन योजना की गतिविधियाँ चलती हैं।

आंकड़े कैसे एकत्र करें?

प्रबंधन संसाधनों के बारे में सूचनाएँ, अध्ययन क्षेत्र के प्रत्येक प्रबंधन संस्था के प्रबंधक या डॉयरेक्टर के साक्षात्कार द्वारा की जा सकती है। प्रबंधकों या डॉयरेक्टरों से संगठन चार्ट दिखाने के लिये प्रार्थना की जानी चाहिए जिसमें कार्यक्रम या गतिविधि के अनुसार विभाग कर्मचारियों का आवंटन निर्देशित हो। कितने कर्मचारी (पूर्णकालिक, अंशकालिक, स्वयं सेवक) प्रत्येक कार्यक्रम या गतिविधि के लिए निर्दिष्ट किये गयें हैं जानना चाहिए। जहाँ संगठन चार्ट उपलब्ध न हो, वहाँ प्रबंधकों या डॉयरेक्टर से मिलकर पहले उनके प्रत्येक कार्यक्रमों की जानकारी लेते हुए उसमें शामिल कर्माचारियों के बारे में जानते हुए चार्ट तैयार करना चाहिए।

तटीय गतिविधियाँ*	**कर्मचारियों की संख्या**	**बजट**
मत्स्यपालन	5	1,000
पर्यटन	25	25,000
अक्वाकल्चर	0	0
*सारिणी का विकास गतिविधियों के अनुसार उनकी पहचान गतिविधि K14 में से करते हुए करें।		

प्रबंधकों या डॉयरेक्टर से यह भी पूछा जाना चाहिए कि उनके प्रबंधन संस्था और प्रबंधन योजना के लिए संपूर्ण बजट कितना है। प्राप्त उत्तरों को द्वितीयक स्रोत /साक्षात्कार संदर्शिका सारिणी में अंकित करें जैसा कि दिखाया गया है।

अतिरिक्त आंकड़ें एकत्र करना : अतिरिक्त सूचना प्रत्येक मद में बजट का निर्दिष्टीकरण अन्य प्रबंधन गतिविधियों के संबंध में, जैसे शिक्षा या क्रियान्वयन की जानकारी द्वारा एकत्र की जा सकती है। तकनीकी और साधनों का विभिन्न प्रबंधन गतिविधियों के निर्दिष्टीकरण की जानकारी भी प्राप्त की जा सकती है।

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

विभिन्न मुख्य सूचना देने वालों से और द्वितीयक स्रोत से प्राप्त सूचनाएँ को संक्षिप्त करते हुए साक्षात्कार सारिणी / द्वितीयक स्रोत वर्गीकरण पत्र में अंकित करें।

अतिरिक्त विश्लेषण: वर्तमान में निर्दिष्ट कर्मचारियों और बजट की व्याख्या भी प्रदान की जा सकती है।

यह सूचनाएँ प्रबंधकों और अन्य पणधारियों के लिये कैसे उपयोगी हो सकती हैं?

प्रबंधन के संसाधनों की समझ उपयोगी हो सकती है समुदाय पर होने वाले प्रबंधन के संपूर्ण प्रभाव का आकलन करने में विशेषकर शासन प्रणाली के संबंध में। उदाहरण- जैसे प्रत्येक कार्यक्रम या गतिविधियों के लिए निर्दिष्ट कर्मचारियों की जानकारी विभिन्न गतिविधियों के महत्व और संख्या के पूर्वानुमान तथा खास गतिविधियों की आवृत्ति जैसे गश्त या पहरेदारी को लागू करना जानने में उपयोगी हो सकती है। प्रबंधन के संसाधनों की सीमा इंगित करती है प्रबंधन कितना प्रभावी है और उसके लक्ष्य को प्राप्त करने तथा प्रबंधन योजना को लागू करने की क्षमता को।

यह सूचना अन्य पणधारियों के लिये उपयोगी हो सकती है यह जानने में कि सामुद्रिक और तटीय संसाधन प्रबंधन को कितना महत्व दिया गया है जिस संसाधन से उनका जीवनयापन होता है।

K32. औपचारिक अधिकार और नियम

यह क्या है?

औपचारिक अधिकार संबंध रखता है तटीय गतिविधियों के संबंध में उपयोग किये गये अधिकार से। विधि के अंतर्गत औपचारिक अधिकार कानूनी रूप में लिखे गये हैं। उदाहरण- एक औपाचारिक अधिकार की व्यवस्था के अंतर्गत मछुवारों को एक क्षेत्र में मछली पालने या पकड़ने का अधिकार दिया गया है।

औपचारिक नियम कानूनन विधि में लिखे गये हैं और यह विशेष रूप से तटीय संसाधनों का पणधारियों और संबंधित सरकारी एजेंसी द्वारा उपयोग के संबंध में बताते हैं कि क्या करना आवश्यक है, क्या करने की अनुमति है और क्या वर्जित है? नियम यह स्थापित करते हैं कि अधिकारों का प्रयोग कैसे किया जाये। उदाहरण- जैसे कि वह मछुवारे जो औपचारिक अधिकार और नियम के द्वारा दिये गये अधिकार के अंतर्गत एक निर्दिष्ट क्षेत्र में मछली पकड़ सकते हैं, उनमें एक औपचारिक नियम यह है कि उन्हें मछली पकड़ने के लिए सिर्फ हाथ रस्सी का प्रयोग ही करना चाहिए।

यह परिवर्तनीय (Variable) औपचारिक क्रियाशील नियम और विनियम पर केन्द्रित है जो कि संसाधन प्रयोक्ताओं के कब, कहाँ और कैसे तटीय संसाधनों का उपयोग किया जाये से संबंधित दैनंदिन होने वाले निर्णयों को प्रभावित करता है। यह नियम और विनियम तटीय गतिविधियों के लिए निश्चित होते हैं और एक जवाबदार तटीय प्रबंधन करने वाली एजेंसी द्वारा स्थापित किये जाते हैं।

आंकड़े कैसे एकत्र करें?

अधिकार के संबंध में औपचारिक विधान की पहचान द्वितीयक सूचना स्रोत जैसे लिखा हुआ विधान, राष्ट्रीय, क्षेत्रीय या स्थानीय स्तर पर द्वारा की जा सकती है। यह विधान लिखा हुआ होता है और कानूनन सरकार द्वारा प्रकाशित किया जाता है। इनके अंतर्गत राष्ट्रीय मछलीपालन कोड या नियम, पर्यावरण कानून वायुशिफ निस्सारण के संबंध में, मूंगा चट्टानों के उपयोग और निस्सारण से संबंधित कानून और तटीय आवासीय विकास से संबंधित कानून। इस संबंध में अतरिक्त सूचनाएँ मुख्य सूचना देने वालों, संबंधित एजेंसियों में कार्यरत सरकारी अधिकारियों जिन पर प्रत्येक तटीय गतिविधियों के प्रबंधन का दायित्व हो, के साक्षात्कार से प्राप्त हो सकती हैं।

औपचारिक नियम और विनियम की जानकारी द्वितीयक सूचना स्रोत जैसे लिखा हुआ विधान, राष्ट्रीय, क्षेत्रीय या स्थानीय स्तर पर की जा सकती है। यह विधान लिखा हुआ होता है और कानूनन सरकार द्वारा प्रकाशित किया जाता है। इस संबंध में अतरिक्त सूचनाएँ मुख्य सूचना देने वालों, संबंधित एजेंसियों में कार्यरत सरकारी अधिकारियों जिन पर प्रत्येक तटीय गतिविधियों के प्रबंधन का दायित्व हो के साक्षात्कार से प्राप्त हो सकती हैं।

अधिकार और तटीय गतिविधियों के लिए औपचारिक नियम को राष्ट्रीय, राजकीय और स्थानीय सरकार के स्तर पर प्राप्त करना चाहिए। प्रत्येक तटीय गतिविधियों के संबंध में वहाँ औपाचारिक अधिकार व्यवस्था और औपचारिक नियम के अस्तित्व के बारे में समुदाय स्तर पर हाँ या नहीं में जानना चाहिए। इस सूचना को साक्षात्कार / द्वितीयक स्रोत संदर्शिका सारिणी में अंकित करना चाहिए जैसा कि दिखाया गया है।

तटीय गतिविधियाँ*	**औपचारिक अधिकार एवं नियम (हाँ या नहीं)**	**संबंधित नियम और विनियम (हाँ या नहीं)**
मत्स्यपालन	हाँ	हाँ
पर्यटन	नहीं	नहीं
अक्वाकल्चर	हाँ	नहीं
*सारिणी का विकास गतिविधियों के अनुसार उनकी पहचान गतिविधि K18 में से करते हुए करें।		

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

विभिन्न मुख्य सूचना देने वालों से और द्वितीयक स्रोत से प्राप्त सूचनाएँ का सारांश लेते हुए साक्षात्कार सारिणी / द्वितीयक स्रोत विश्लेषण पत्र में अंकित करें।

अतिरिक्त विश्लेषण: यह उपयोगी होगा कि प्रत्येक तटीय गतिविधि के लिए औपचारिक अधिकार व्यवस्था तथा नियमों की व्याख्या करें। समय के साथ प्रबंधन योजना (K29) के अस्तित्व में आये परिवर्तन को उपयोग प्रतिरूप (K20) में आये परविर्तन तथा संसाधन स्थिति (K16)के अनुभव की तुलना उनके आपसी संबंध को जानने के लिये की जानी चाहिए।

यह सूचनाएँ प्रबंधकों और अन्य पणधारियों के लिये कैसे उपयोगी हो सकती हैं?

औपचारिक अधिकार यह आकलन करने में उपयोगी हौता है कि प्रबंधन का समुदायों पर संपूर्ण प्रभाव देखने में, विशेषकर शासन प्रणाली के संबंध में। तटीय संसाधन पर औपचारिक अधिकार की सीमा संपूर्ण स्वामित्व से लेकर और उसके उपयोग पर नियंत्रण और सुनिश्चित दलों जैसे मछुवारों के संगठन द्वारा तटीय संसाधनों निर्दिष्टीकरण और उनके कुल बिना

कानून उपयोग तक है। प्रबंधकों के लिए यह समझपाना कठिन होता है अतः इसलिए प्रबंधन व्यवस्था को यथार्थपूर्ण और निपुणतापूर्ण बनाया और लागू किया गया है, और प्रभाव को समझा गया और संबोधित किया गया है। स्थानीय पणधारियों के साथ-साथ प्रबंधन अधिकारियों के उस क्षेत्र में तटीय संसाधनों पर औपचारिक अधिकार के अस्तित्व, प्रकृति और ताकत के बारे में समझना भी आवश्यक हो जाता है ताकि प्रबंधन ढाँचे का प्रभावपूर्ण संचालन हो सके।

यह परिवर्तनीय (Variable) उपयोगी है तटीय क्षेत्र में मानवीय गतिविधियों पर वर्तमान नियंत्रण स्तर का आकलन करने में और किस सीमा तक लोग यह स्वीकार करेंगे कि तटीय गतिविधियों का उपयोग अतिरिक्त नियमों द्वारा संचालित हो और औपचारिक नियमों से प्रभावित होंगे।

औपाचिरक अधिकार व्यवस्थाओं और नियमों के अस्तित्व की तुलना संसाधन उपयोग के प्रतिरूप तथा संसाधनों की स्थिति से करना यह निर्धारित करने में उपयोगी होती हैं कि क्या शासन प्रणाली की युक्तियाँ संसाधन की तंदुरुस्ती और उसके व्यवहार को प्रभावित करती हैं।

पणधारियों को औपचारिक अधिकार नियम की जानकारी होने से वह उसी नियमों की सीमा में रहकर कार्य कर सकते हैं और आगे यह पणधारी अपनी सुसंगति से अनौपचारिक अधिकार और नियमों, प्रथा और परंपराओं को पालन करने वालों में इन नियमों के पालन को बढ़ाते हैं।

K33. अनौपचारिक अधिकार और नियम, प्रथाएँ तथा परंपराएँ

यह क्या है?

बहुत से तटीय समुदायों में तटीय संसाधन प्रबंधन की दो प्रणालियाँ मौजूद है। एक अनौपचारिक प्रबंधन प्रणाली जो संसाधन प्रयोक्ता के समुदायों द्वारा बनाई और लागू की गई है, जो कि बहुधा औपाचारिक सरकारी प्रबंधन प्रणाली के साथ मौजूद होती है। यह अनौपचारिक प्रणाली सरल या जटिल, सरलता से अनुपालित या सावधानीपूर्वक रक्षित की जा सकती है। तटीय संसाधान उपयोग और प्रबंधन की प्रथाएँ और परंपराएँ एक कार्यप्रणाली हैं जो समाजिक और सांस्कृतिक विशिष्टता, समुदाय के वर्ग और जाति को प्रतिबिंबित करती है। इसमें शामिल हो सकते हैं जैसे - वरिष्ठ मछुवारे जो सीधे मछलीपालन की गतिविधि से जुड़े हों उनकी पहचान करना, मछली पकड़ने जाने से पहले प्रार्थना करना, एक द्वन्द्व प्रबंधन क्रियावली या निर्णय लेने में सक्षम व्यवस्था की पहचान आदि।

अनौपचारिक अधिकार और नियम लिखे हुए नहीं होते। यह एक अनौपचारिक (प्रथाएँ और परंपराएँ) प्रणाली है जिसके द्वारा लोग तटीय संसाधनों की गतिविधि के संबंध में अधिकार प्राप्त करते हैं और विशेष रूप से परिभाषित करते हैं कि किस कार्य की आज्ञा है और क्या वर्जित है। यह इन अनौपचारिक नियमों के लागू होने के स्तर से भी संदर्भित है।

आंकड़े कैसे एकत्र करें?

प्रत्येक तटीय गतिविधियों (जैसे उचित हो)के लिए अनौपचारिक अधिकार एवं नियमके संबंध में सूचना मुख्य सूचना देने वालों के साक्षात्कार और अवलोकन द्वारा प्राप्त की जा सकती है। मुख्य सूचनाधारक समाज के वरिष्ठ सदस्य और सरकारी अधिकारी हो सकते हैं। इन मुख्य सूचना देने वालों से प्रत्येक तटीय गतिविधि के संबंध में प्रथा / परंपरा, अनौपचारिक अधिकार और नियमों के बारे में पूछकर उसे नीचे दी गई द्वितीय स्रोत / साक्षात्कार संदर्शिका सारिणी में अंकित करना चाहिए। इसके बाद उन्हें प्रत्येक अधिकार और नियम, प्रथाओं / परंपराओं के समुदाय के सदस्यों द्वारा अनुपालन स्तर(अधिक, मध्यम या कम है) के बारे में पूछा जाना चाहिए। अवलोकन भी आवश्यक है क्योंकि, साक्षात्कार से प्राप्त सूचनाएँ केवल आदर्श व्यवहार को दर्शाती हैं न कि वास्तविक व्यवहार को। संसाधनों का उपयोग करने वालों पर भी नजर रखी जानी चाहिए कि जैसे वे अनौपचारिक अधिकार और नियम का पालन करते हैं यह आकलन करने के लिये कि उसे उसी प्रकार लागू किया गया है जैसे कि व्याख्या की गई है।

तटीय गतिविधियाँ*	प्रथाएँ और परंपराएँ	अनौपचारिक अधिकार व्यवस्थाएँ	अनौपचारिक नियम	अनुपालन स्तर
ग्रुपर मछली पकड़ना	ग्रुपर मद्वलियों के अंडा देने की प्रक्रिया का क्षेत्र या मौसम			
*सारिणी का विकास गतिविधियों के अनुसार उनकी पहचान गतिविधि K14 में से करते हुए करें।				

जब अनौपचारिक शासन प्रणाली के संबंध में सूचानाएँ एकत्र करते हैं तो यह जान लेना चाहिए कि इस व्यवस्था को पूरा समझने में अधिक समय लग सकता है। इस प्रणाली के विवरण का वास्तविक अध्ययन करने के लिए समुदाय के सदस्यों के साथ अतिरिक्त समय देना पड़ सकता है। यह दल के लिये उपयोगी होगा कि कौन-सा दल (प्रयोक्ता, आयु, लिंग, बाहरी) अनऔपाचिरक नियमों, अधिकार, प्रथाओं और परंपराओं का अनुपाल करता है या नहीं।

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

मुख्य सूचनाधराकों से प्राप्त सूचना को साक्षात्कार सारिणी /द्वितीयक स्रोत विश्लेषण पत्र में अंकित करें।

अतिरिक्त विश्लेषण: संक्षिप्त व्याख्या द्वारा प्रत्येक तटीय गतिविधि के लिये तटीय संसाधनों के उपयोग और प्रबंधन में अनौपचारिक अधिकारों. नियमों और प्रथाओं तथा परंपराओं का आकलन करना।

प्रबंधकों और अन्य पणधारियों के लिये यह सूचनाएँ कैसे उपयोगी हो सकती हैं?

तटीय उपयोग और प्रबंधन के लिये प्रथाएँ और परंपराएँ तथा अनौपचारिक अधिकार और नियम समुदाय पर प्रबंधन का संपूर्ण प्रभाव देखने में और संसाधन की सांस्कृतिक विशिष्ट ता और उपयोग की समझ का आकलन करने में उपयोगी होता है। अनौपचारिक अधिकारों और नियमों की जानकारी महत्वपूर्ण हो जाती है जब कि संसाधन प्रयोक्ता यह महसूस करते हैं कि उनके लिये अनौपचारिक अधिकार और नियम ज्यादा विधिसम्मत है बजाय औपचारिक उपयोग अधिकार और नियम से और इस प्रकार वह कानून और बनाये गये कानून की अवज्ञा करते हैं। अनौपचारिक अधिकार और नियम की समझ प्रबंधकों को एक ऐसे प्रबंधन कार्यक्रम को बनाने में मदद करती है जो प्रथाओं और परंपराओं का आदर करते हुए

उसी व्यवस्था पर आधारित हो तथा इसमें नियम बनाने की युक्तियाँ शामिल हों। इससे अधिक संसाधन प्रयोक्ता सहमत होंगे और इसे उँचे स्तर के अनुपालन तक पहुँचाने में मदद मिलेगी। इन सभी प्रथाओं और परंपराओं को समझने से प्रबंधक इन्हें मान्यता देते हुए इस प्रकार प्रबंधन कार्यक्रम से जोड़ सकते हैं जिससे समुदाय की सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराओं पर असर कम होगा या नहीं के बराबर होगा। यह समझना कि क्या इन नियमों और परंपराओं का आदर हो रहा है और किसके द्वारा किया जा रहा है, प्रबंधन प्रशासन के विकास में उनके जुड़ाव के प्रभाव को प्रबंधकों द्वारा उनका सम्मान करने में सहायक होगा।

अनौपचारिक अधिकार और नियम प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा की परंपरागत विधि भी प्रदान करते हैं, जैसे- उपयुक्त काल का बंद होना, वर्जित क्षेत्र, और यह उस क्षेत्र की प्रबंधन योजना का समाविष्ट भाग हो सकता है जो कि औपचारिक प्रबंधन योजना का पूरक है।

अन्य पणधारियों के अनौपचारिक अधिकार नियमों और प्रथाओं तथा परंपराओं की जानकारी, यदि उस अध्ययन क्षेत्र में कोइ समस्या के संबंध में विरोधाभास हो तो पणधारियों के आपसी संबंधों में सुधार और आदर बढ़ाने में सहायक होती है। अनौपचारिक नियमों और परंपराओं संबंधित सूचना देने से, पणधारी यह सुनिश्चित करते हैं कि प्रबंधकों को उसकी जानकारी हो और कोशिश करते हैं कि उन्हें प्रबंधन योजना से जोड़ा जाये।

K34. सामुदायिक प्रोत्साहन

यह क्या है?

सामुदायिक प्रोत्साहन संबंध रखता है वर्तमान में स्थापित प्रोत्साहन योजना से जो कि सामुद्रिक और तटीय संसाधनों के अच्छे प्रबंधन के लिये समुदाय की भागीदारी को प्रोत्साहित करते है। इसमें चारपाई /रात्रि लेवी(जैसे- पर्यटकों से प्राप्त फीस का कुछ प्रतिशत समुदाय ट्रस्ट या फंड में दिया जाना), समुदाय फंड, माइक्रो क्रेडिट योजना आदि।

आंकड़ें कैसे एकत्र करें?

सूचनाएँ एकत्र करें मुख्य सूचना देने वाले से जैसे पणधारियों के प्रतिनिधि, तटीय प्रबंधकों, होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष से, मछुवारों के संगठन के मुखिया से आदि। सूचना देने वाले द्वारा चल रहीं सामुदायिक प्रोत्साहन योजना या समुदाय के सरंक्षण के फायदे को बढ़ाने या प्रबंधन गतिविधियों में पणधारियों की भागीदारी को बढ़ाने के लिये बन रही योजनाओं की लिस्ट बनाने के लिये कहा जाना चाहिए।

आंकड़ो का विश्लेषण कैसे करें?

मुख्य सूचनादेने वाले से प्राप्त सूचना को साक्षात्कार सारिणी /द्वितीयक स्रोत विश्लेषण पत्र में अंकित करें जैसा कि नीचे दिखाया गया है:

पणधारी ग्रुप या दल	प्रोत्साहन का प्रकार
बड़े होटल	30US$ प्रत्येक बिस्तर / रात्री स्थानीय समुदाय ट्रस्ट को
गोताखोरी केन्द्र	गोताखोरी की फीस MPA क्षेत्र में समुदाय ट्रस्ट को
मछुवारे	सब्सीडाइज्ड कीमत पर घात की खरीदी और मत्स्यपालन विभाग द्वारा बड़े जाल के प्रयोग को कम करना।

अतिरिक्त विश्लेषण: समय के साथ सामुदायिक प्रोत्साहन, प्रभाव के स्तर, उपयोग के प्रकार (K16) और उपयोग के स्वरूप में हुये परिवर्तनों की तुलना करें।

प्रबंधकों और अन्य पणधारियों के लिये यह सूचनाएँ कैसे उपयोगी हो सकती हैं?

अध्ययन क्षेत्र में सामुदायिक प्रोत्साहन योजना की जानकारी उसके संसाधन प्रबंधन पर संपूर्ण प्रभाव को देखने में उपयोगी होती है। प्रबंधक यह मालूम करते हैं कि किस तरह की एक प्रोत्साहन योजना दूसरे से अधिक कारगर है और यदि वे उपयोगी है पणधारियों की भागीदारी प्रबंधन गतिविधियों में बढ़ाने में।

इस योजना का अस्तित्व में होने की जानकारी से उसके सामुदायिक उपयोग में अधिक पारदर्शिता आती है जैसे- इन सामुदायिक प्रोत्साहन की अभिज्ञता पणधारियों में बढ़ने से अधिक से अधिक पणधारी भागीदारी या योगदान देने के लिये प्रार्थना करते हैं और उसमें शामिल हो जाते हैं।

K35. पणधारियों की सहभागिता और तुष्टि

यह क्या है?

पणधारियों की सहभागिता और तुष्टि एक युक्ति है जिससे लोगों के तटीय प्रबंधन (निर्णय देने वाले और लागू करने वाले) में योगदान मापते हैं और यह देखते हैं कि वे कैसे अपने वर्तमान योगदान स्तर से संतुष्ट हैं। गतिविधियों के कार्यान्वयन में लागू करना, अभिज्ञता और निगरानी आदि शामिल हैं।

आंकड़े कैसे एकत्र करें?

पणधारियों की भागीदारी (शून्य भागीदारी से संपूर्ण क्रियाशील भागीदारी तक) और उनकी तुष्टि (उच्च, मध्यम, निम्न स्तर) संबंधी जानकारी या सूचना मुख्य सूचनाधारक जैसे समुदाय के अधिकारी, मुखिया, पणधारी संगठन, तटीय प्रबंधन के कर्मचारी और / या पणधारियों के प्रतिनिधियों का महत्वपूर्ण दल के साक्षात्कार से प्राप्त की जा सकती है। मुख्य सूचनाधराकों से प्राप्त सूचना को द्वितीयक स्रोत / साक्षात्कार संदर्शिका सारिणी में अंकित करें जैसा कि नीचे दिखाया गया है। सूचना देने वालों को उनकी तटीय प्रबंधन और उनकी गतिविधियों क्रियान्वयन में निर्णायक के रूप में भागीदारी के स्तर (1= भागीदारी की संख्या, 5=संपूर्ण क्रियाशील भागीदारी) और उस भागीदारी के स्तर से क्या वह संतुष्ट हैं ? के बारे में पूछा जाना चाहिए।

पणधारियों के ग्रुप या दल*	गतिविधि **	पणधारियों की भागीदारी (1 से 5)***	भागीदारी से संतुष्टि का स्तर (उच्च / मध्यम /निम्न)
मछुवारे	निर्णय प्रक्रिया	3	उच्च
	निगरानी	1	मध्यम
	प्रवर्तन	2	निम्न
मछली व्यवसाय	निर्णय प्रक्रिया	1	मध्यम
	निगरानी	1	उच्च
	प्रवर्तन	1	मध्यम
*सारिणी का विकास पणधारियों के ग्रुप के अनुसार उनकी पहचान पणधारियों K26 में से करते हुए करें। ** प्रबंधन गतिविधियों की सारिणी का विकास प्रबंधन योजना के अनुसार यदि उसका अस्तित्व हो K29 में हो तो करें। *** 1= भागीदारी की संख्या, 5=संपूर्ण क्रियाशील भागीदारी			

अतरिक्त आंकड़े एकत्र करना : पणधारियों की भागीदारी के बारे में जानकारी या सूचना तटीय प्रबंधन बैठकों के अवलोकन द्वारा प्राप्त की जा सकती है जैसे यदि पणधारी बैठक में उपस्थित होते हैं और विकल्पों को व्याख्यायित करते हैं और यह भी

आकलन करें कि उनके द्वारा दिये गये विकल्प प्रबंधन संस्था द्वारा मान लिये जाते हैं। दल का यह मालूम करना कि क्यों लोग अपनी भागीदारी के स्तर से खुश नहीं हैं? और उसे कैसे परिवर्तित किया जाये।

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

मुख्य सूचना देने वालों से प्राप्त सूचनाएँ और अवलोकन को साक्षात्कार सारिणी /द्वितीयक स्रोत विश्लेषण पत्र में अंकित करें।

अतरिक्त आंकड़ों का विश्लेषण: तटीय प्रबंधन में किस प्रकार के पणधारियों की भागीदारी होते हैं और उनके भागीदारी स्तर की व्याख्या या स्पष्टीकरण में उपयोग हो सकता है।

प्रबंधकों और अन्य पणधारियों के लिये यह सूचनाएँ कैसे उपयोगी हो सकती हैं?

तटीय प्रबंधन में पणधारियों की क्रियात्मक भागीदारी तटीय प्रबंधन गतविधियों की सफलता को और बढ़ाती है। यदि पणधारी निर्णायक और क्रियान्वयन गतिधियों में ज्यादा भाग लेते हैं और उन कार्यों पर अपना स्वामित्व महसूस करते हैं तो वे अधिकांशतः तटीय प्रबंधन गतिविधियों को सहायता देना पसंद करेगें।

प्रबंधक समयअंतराल के साथ यह देख सकते हैं कि योजना का क्रियान्वयन कितना प्रभावी रहा पणधारियों की भागीदारी से, जो कि बहुधा प्रबंधन का उद्देश्य रहा है। तटीय और प्रबंधन विधियों में पणधारियों के तुष्टि स्तर उनके भागीदारी के स्तर की निगरानी पणधारियों की प्रबंधन कार्यक्रमों से संतुष्टि और उनके सहायता देने की संभावना की प्रतिपुष्टि या जानकारी प्रदान करती है।

तटीय संसाधनों का लोगों के लिय महत्व समझने में पणधारियों के भागीदारी का स्तर जानना उपयोगी होता है। अधिक लोगों के संसाधन का महत्व समझनें से, अधिक से अधिक लोग प्रबंधन में भागीदारी करना चाहेंगे। यहाँ और भी कई अन्य कारण हैं जैसे- संकट स्थिति (जैसे - तेल का रिसाव), परन्तु पणधारियों के भागीदारी का स्तर की जानकारी संसाधन का महत्व दर्शाने में हो सकती है।

पणधारियों की भागीदारी और संतुषटि स्तर की निगरानी पणधारियों को प्रबंधकों को प्रबंधन विधियों के बारे में प्रतिपुष्टि देने का अवसर देती है। यह प्रबंधकों को विशेष पणधारियों को लक्ष्य बनाकर प्रयास करने में सहायक होंगे।

K36. समुदायों और पणधारियों के संगठन

यह क्या हैं?

समुदाय और पणधारियों के संगठन बनाये गयें हैं तटीय संसाधन प्रबंधन में संसाधन प्रयोक्ता और पणधारियों का प्रतिनिधित्व करने के लिये और प्रभावित करते हैं प्रबंधन के निर्णय की दिशा और प्रबंधन को। यह औपचारिक या अनौपचारिक संस्थान / निकाय हो सकते हैं।

आंकड़े कैसे एकत्र करें?

सामुदायिक और पणधारियों के संगठन के संबंध में सूचना द्वितीयक स्रोत और मुख्य सूचना देने वालों या केन्द्रित ग्रुपों के साक्षात्कार से प्राप्त हो सकती है। मुख्य सूचनाधारक और केन्द्रित ग्रुप में तटीय संसाधन प्रबंधन एजेंसियों के अधिकारी, अन्य संबंधित सरकारी अधिकारी, समुदाय मुखिया, समुदाय एसोसिएशन के सदस्य, बुजुर्ग मछुवारे, गैरसरकारी और धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि आदि इसमें शामिल हैं।

सामुदायिक संगठन	औपचारिक या अनौपचारिक	मुख्य कार्य	प्रभाव (तटीय प्रबंधन पर, समुदाय समस्याओं पर, दोनों पर या किसी पर भी नहीं

जैसा कि द्वितीय स्रोत और साक्षात्कार संदर्शिका सारिणी में अंकित है प्रत्येक संगठन की सूचना एकत्र की जानी चाहिए जैसे संगठन औपचारिक या अनौपचारिक तौर पर अधिकृत हैं और उन संगठनों के मुख्य कार्य क्या हैं। मुख्य सूचना धारकों को पूछा जाना चाहिए कि संगठन तटीय प्रबंधन समस्या को, समुदाय समस्या को या तटीय प्रबंधन और समुदाय समस्या दोनों को प्रभावित करते हैं या उनका कोई प्रभाव इन पर नहीं है।

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

मुख्य सूचना देने वालों, केन्द्रित ग्रुपों और द्वितीयक स्रोत से प्राप्त आंकड़ों को संक्षिप्त या उनका सारांश निकालते हुए साक्षात्कार/ द्वितीय स्रोत विश्लेषण पत्र में अंकित करें।

अतिरिक्त विश्लेषण: समुदायों और पणधारियों के संगठनों की संख्या, औपचारिक हैं या अनौपचारिक और उनके क्रियात्मकता / जवाबदारियाँ आदि की पहचान करें। औपचारिक और अनौपचारिक संगठनों के प्रतिशत की गणना करें।

प्रबंधकों और अन्य पणधारियों के लिये यह सूचनाएँ कैसे उपयोगी हो सकती हैं?

समुदायों और पणधारियों को संगठन की समझ उनकी भागीदारी और प्रतिनिधित्व को प्रबंधन और निर्णय लेने में बढ़ाने में सहायक होती है। परिणामों को समुदाय के स्तर की पृष्ठभूमि में या सामूहिक प्रयास को देश या क्षेत्र के संबंध में प्रतिपादित करना चाहिए। प्रबंधक संगठनों की जानकारी या उन्हें समझ कर विभिन्न दलों या ग्रुपों की पहचान कर जो प्रबंधन की युक्तियों से प्रभावित हैं और इस प्रभाव को संगठनों को बताते हैं।

विभिन्न पणधारियों संगठनों की अच्छी जानकारी होने से, पणधारियों को अच्छी समझ होती है तटीय संसाधन प्रबंधन में उनके प्रतिनिधित्व के स्तर को जानने की और संभावित सामर्थ्य की जो निर्णयों को प्रभावित कर सके। यह सामुहिक प्रयास की आवश्यकता को दर्शाता है।

K37. सामर्थ्य और प्रभाव

यह क्या है?

सामर्थ्य और प्रभाव, उस व्यक्ति या दल से संदर्भित है जो समुदाय पर प्रभाव रखता है विशेषकर पैठ, उपयोग और सामुद्रिक और तटीय संसाधनों नियंत्रण में।

आंकड़ें कैसे एकत्र करें?

सामर्थ्य और प्रभाव के संबंध में सूचनाएँ मुख्य सूचना देने वालों या केन्द्रित ग्रुपों के साक्षात्कार से प्राप्त हो सकती है। मुख्य सूचना देने वालों या केन्द्रित ग्रुपों में विभिन्न पणधारियों के ग्रुप के प्रतिनिधि जो कि संसाधन नियंत्रण और अभिगम यंत्रावली से परिचित हों आदि शामिल हैं। मुख्य सूचना देने वालों और / या दलों का चयन में लिंग और आयु की जानकारी बहुधा महत्वपूर्ण होती है।

अतरिक्त आंकड़ें एकत्र करना : दल जाँच करना चाहिये या जानना चाहिये कि पणधारियों के बीच के द्वन्द्व या संघर्ष के बारे में।

मुख्य सूचना देने वालों / दलों या पणधारियों को गतिविधियों (K14) की पहचान करने के लिये पूछा जाना चाहिए।

उन संगठनों या व्यक्तिगत लोगों की लिस्ट बनायें जो आपकी गतविधियों के बारे में निर्णय लेते हैं(जैसे - कहाँ, कब, कैसे और इस कार्य को कौन कर सकता है)?_____

किस (गतिविधि, आयु, लिंग) और से(जरूरी नहीं है कि वह कार्यालयीन विधि का भाग हो) क्रियान्वित होने वाली गतिविधि को बढ़ाने या उसमें परिवर्तन के लिये सलाह ली जा सकती है?_____

सामुद्रिक और तटीय संसाधन (जैसे- गैर सरकारी संगठन, सामाजिक ग्रुप, समाचार पत्र) के बारे में कहाँ से सूचनाएँ प्राप्त होगीं?_____

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

प्राप्त सूचनाओं को संक्षिप्त या सारांशित करें साक्षात्कार / द्वितीयक स्रोत विश्लेषण पत्र में और दल या ग्रुप, वैयक्तिक, और सूचनाओं के स्रोत को कितनी बार उन्हें उल्लिखित किया गया है के आधार पर श्रेणीबद्ध करें(बारम्बार उल्लिखित, अधिक शक्तिशाली और इसलिए ऊँची श्रेणी में रखा जाना चाहिए)

प्रबंधकों और अन्य पणधारियों के लिये यह सूचनाएँ कैसे उपयोगी हो सकती हैं?

दल या ग्रुप / व्यक्ति जो सामर्थ्य और समुदाय में प्रभाव रखते हैं बहुधा निर्णायक होते हैं उन किसी भी गतिविधियों को जो समुदाय में हो रही हों की सफलता में, जबकि वे तटीय और सामुद्रिक संसाधन सीधे भागीदार हों या न हों। इस प्रकार, यह जान लेने से कि यह ग्रुप या व्यक्ति कौन हैं प्रबंधक यह सुनिश्चित करते है कि उन्हें प्रबंधन हस्तक्षेप में सम्मिलित किया जाये और प्रबंधन प्रभाव को बढ़ाया जाये।

कौन समार्थ्य और प्रभाव रखता है यह स्पष्ट होने से, समुदाय के सदस्यों को निर्णय प्रक्रिया को सुधारते हुए प्रबंधन की गतिविधियों को बेहतर बनाने में मदद मिलती है।

सर्वेक्षण परिवर्तियाँ

घरेलू जनसांख्यिकीय

S1-8 आयु / सेक्स अनुपात, लिंग, शिक्षा, प्रान्त जाति जनजाति, धर्म, भाषा, पेशा, घरेलू आकार

यह क्या है?

जैसा कि पिछले मुख्य सूचनाधारक / द्वितीयक स्रोत परिवर्नियाँ अध्याय में वर्णित किया है उम्र, लिंग, प्रांत, शिक्षा, धर्म, भाषा, पेशा और घरेलू आकार तथा संरचना आदि ही मूल जनसांख्यिकीय परिवर्तियाँ या परिवर्तनीय हैं। दल को घरेलू आकार और संरचना की जाँच पारिवारिक इकाई के स्तर पर करनी होगी। घरेलू आकार या पारिवारिक आकार अध्ययन क्षेत्र में औसत परिवार के आकार की ओर संकेत करता है। पारिवारिक या घरेलू संरचना संबंध रखती है कि परिवार का मुखिया पुरुष है या स्त्री (विधवा या नहीं)। पारिवारिक संरचना औसतन संख्या पुरुष, स्त्री और बच्चों से भी संबंधित है जो परिवार की रचना करते हैं।

अतिरिक्त आंकड़ें एकत्र करना : टीम पारिवारिक स्तर पर, अधिक विवरण परिवार के लोगों द्वारा विदेशी भाषा बोले जाने के बारे में पूछ सकता है। यह सूचना दे सकता है कि स्थानीय समुदाय अच्छी स्थिति में हैं और वह बढ़ते हुए या संभवित पर्यटन क्षेत्र में दिये जा रहे अवसर ले सकता है।

टीम को गैर कानूनी व्यवसाय की मौजूदगी के बारे में भी जानना चाहिए. जैसे कि अनधिकार मछली पकड़ना और तस्करी। यह भी अंकित करना चाहिए कि यह बहुत ही संवेदनशील समस्या हो सकती है और इसलिए मुख्य सूचना देने वालों से इस संबंध में सूचना प्राप्त करना सरल होगा (K12 देखें)।

आंकड़े एकत्र कैसे करें?

इन सब जनसांख्यिकीय परिवर्तनियों की सूचनाएँ उत्तर देने वाले परिवार के सभी सदस्यों से पूछ कर एकत्र की गई है। इस तरह टीम परिवार के सभी सदस्यों की क्रमबद्ध जनसांख्यिकीय अभिलक्षण की सूचनाएँ एकत्र करते हैं, न कि एक उत्तर देने वाले सदस्य से संबंधित सूचना।

दल को उत्तरदात्ता से नीचे दी गई सारिणी को भरने के लिये कहना चाहिए जैसा कि सर्वेक्षण संदर्शिका में अंकित है। प्रत्येक परिवार के सदस्य के नाम को पहले कालम और संबंधित सूचनाएँ दाहिनी ओर दिये गये कालमों में अंकित करना चाहिए।

घरेलू इकाइयों के सदस्य*	**आयु**	**लिंग**	**पूर्ण शैक्षिक स्तर (सिर्फ पूछें यदि >16वर्ष हो)**	**धर्म** **	**जाति**	**भाषा (बोले जाने वाली)**	**प्राथमिक व्यवसाय**	**द्वितीयक व्यवसाय**
HH								

*उत्तरदाता के परिवार के सभी जीवित व्यक्तियों की पहचान उनके नाम और भूमिका द्वारा करें। (जैसे- दादी / नानी)

**धर्म से जुड़ाव के संबंध में घरेलू स्तर पर पूछा जाना बहुत ही संवेदनात्मक होता है। यह बहुत ही उपयुक्त होता है कि यह सूचना समुदाय स्तर पर मुख्य सूचना देने वालों या द्वितीयक स्रैतों से प्राप्त की जाये।

HH:दर्शाता है कि परिवार का मुखिया कौन है(जैसे - माँ) और यदि औरत है तो क्या वह विधवा है?

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

व्यवसाय विश्लेषण

व्यवसाय के विश्लेषण के लिये पहले साक्षात्कार के दौरान अंकित किये गये व्यवसायों को पहचानें और उन्हें सर्वेक्षण वर्गीकरण पत्र की सारिणी में उनकी लिस्ट या तालिका तैयार करें। सुविधा के लिए 'विविध' के अंतर्गत सभी व्यवसायों का ग्रुप तैयार करें जिसमें जनसंख्या का 5% से कम लोग साथ में हैं।

इसके पश्चात लोगों की कुल संख्या गणना करें सभी घरेलू सारिणीयों से जिसमें उनके व्यवसाय को प्राथमिक व्यवसाय मानते हुए तालिकाबद्ध किया गया है। कितने प्रतिशत लोग प्रत्येक व्यवसाय में कार्यरत है जो कि उनका प्राथमिक व्यवसाय है की गणना

प्रत्येक व्यवसाय में अंकित लोगों की संख्या को सभी घरेलू इकाइयों के लोगों की कुल संख्या से भाग देकर, जैसा कि सर्वेक्षण विश्लेषण पत्र और सारिणी में दिखाया गया है करें। वही गणना द्वितीयक व्यवसाय के लिये पहले सभी घरेलू इकाइयों के लोगों की कुल संख्या की गणना करते हुए जिनका प्रत्येक का व्यवसाय द्वितीयक व्यवसाय अंकित किया गया है, करें। उसके पश्चात कितने प्रतिशत लोग घरेलू इकाइयों से जिनका प्रत्येक का व्यवसाय द्वितीयक व्यवसाय अंकित किया गया है कि गणना द्वितीयक व्यवसाय के लोगों की कुल संख्या प्रत्येक व्यवसाय के लिये को सभी घरेलू इकाइयों के लोगों की कुल संख्या जिनका की साक्षात्कार किया गया है जैसा कि सारिणी में दिखाया गया है से विभाजित करके गणना करें। यह भी अंकित करें कि कुल प्रतिशत घरेलू इकाइयों के सदस्यों का जो द्वितीयक या दूसरा व्यवसाय करते हैं 100% से कम है। चूँकि यह सभी घरेलू इकाइयों के सदस्य द्वितीयक व्यवसाय या दूसरा पेशा नहीं करते। नीचे दिये गये उदाहरण में, 80% दूसरा व्यवसाय या द्वितीयक पेशा करते हैं और 20% नहीं।

अंत में प्रत्येक व्यवसाय के प्राथमिक और द्वितीयक व्यवसाय के प्रतिशत को जोड़कर समुदाय के सदस्यों का कुल प्रतिशत जो कि प्रत्येक व्यवसाय पर आधारित हैं का आकलन करें जैसा कि सारिणी में दिखाया गया है। यह सूचित है कि कुल जोड़ 100% से अधिक होगा, क्योंकि, कुल प्रतिशत में घरेलू इकाइयों के सदस्यों के प्राथमिक एवं द्वितीयक व्यवसाय शामिल हैं। अंतः इसलिए उनकी गणना दो बार करनी चाहिए यदि वे दूसरा व्यवसाय करते हों।

व्यवसाय	**प्राथमिक**		**द्वितीयक / दूसरा**		**समुदाय सदस्यों का कुल प्रतिशत जो इस व्यवसाय पर आधारित है (प्राथमिक या द्वितीयक)**
	घरेलू इकाइयों के सदस्यों की संख्या जो कि प्राथमिक व्यवसाय के तौर पर तालिकाबद्ध हैं	**घरेलू इकाइयों के सदस्यों का प्रतिशत जो कि प्राथमिक व्यवसाय के तौर पर तालिकाबद्ध हैं**	**घरेलू इकाइयों के सदस्यों की संख्या जो कि द्वितीयक व्यवसाय के तौर पर तालिकाबद्ध हैं**	**घरेलू इकाइयों के सदस्यों का प्रतिशत जिनका प्रत्येक व्यवसाय द्वितीयक व्यवसाय के तौर पर तालिकाबद्ध है**	
मछली पकड़ना	65	32.5%	50	25%	57.5%
होटल विकास	50	25%	20	10%	35%
अक्वाकल्चर	30	15%	60	30%	45%
विविध* (कोरल खनन, कृषिकर्म)	5	2.5%	30	15%	17.5%
व्यवसाय नहीं**	50	25%	0	0%	25%
कुल	**200**	**100%**	**160**	**80%**	**180%**

*सभी व्यवसाय को एक साथ अंकित करें जो कि <5% घरेलू सदस्यों के लिये हो

**उदाहरण के लिये , बेरोजगार, छात्र, सेवा-निवृत्त

अतिरिक्त विश्लेषण : इन परिणामों की तुलना मुख्य सूचना देने वालों / द्वितीयक स्रोत व्यवसाय (K7) से प्राप्त परिणामों से करें, जिसमें पूछा गया है कि कितने प्रतिशत जनसंख्या का इस व्यवसाय को प्राथमिक व्यवसाय मानता है और कितने प्रतिशत द्वितीयक व्यवसाय। यदि उसमें अर्थपूर्ण अंतर हो तो, मुख्य सूचना देने वालों को कारण जानने के लिये संपर्क किया जाना चाहिए। यदि अंतर व्याख्यायित नहीं किया जा सके तो, यह आवश्यक हो जाता है कि सभी घरेलू इकाइयों का साक्षात्कार व्यावसायिक ढाँचे के सही आकलन के लिया किया जाये। यह सूचित है कि मुख्य सूचना देने वाले / द्वितीयक स्रोत आंकड़े कार्यरत जनसंख्या पर आधारित हैं और इसलिए इसमें छात्र, सेवा-निवृत्त या काम नहीं करने वाले लोग शामिल नहीं हैं। सही तौर पर तुलना करने के लिए, घरेलू इकाइयों के प्रतिशत की पुनर्गणना कार्यरत लोग जो की तालिकाबद्ध हैं पर आधारित होनी चाहिए(जैसे- वह लोग शामिल नहीं हैं जिनका व्यवसाय छात्र या बेरोजगार आदि अंकित हैं)

समय के साथ प्रत्येक व्यवसाय के लोगों की संख्या में आये परिवर्तन की तुलना, उपयोग के प्रकार(K-16), स्तर एवं प्रभाव के प्रकार (K23) और संसाधन की स्थिति में समय के साथ आये परिवर्तन से करते हुए उनके आपसी संबंधों की पहचान करें।

समय के साथ व्यावसायिक ढाँचे में आये परिवर्तन की भी गणना करें। वर्तमान वर्ष के प्रतिशत और संख्या लेते हुए उसे पिछले वर्ष के प्रतिशत और संख्या में से घटायें और देखे कि उसमें कितनी बढ़ोतरी हुई है, कमी आयी है या कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

जनसांख्यिकीय विश्लेषण : प्रत्येक प्राथमिक व्यवसाय के लिए प्रत्येक आयु वर्ग, शैक्षिक वर्ग, जातीय वर्ग, धार्मिक वर्ग और लिंग वर्ग के लोगों के प्रतिशत की गणना करें और इस प्रतिशत को सर्वेक्षण विश्लेषण पत्र में अंकित करें(नीचे उदाहरण देखें आयु और शिक्षा सारिणी के लिए)।

उत्तरदाता प्रतिशत							
प्राथमिक व्यवसाय	**आयु 0-15**	**आयु 16-25**	**आयु 26-45**	**आयु 45 से ज्यादा**	**< 6 वर्ष पाठशाला की शिक्षा**	**6-9 वर्ष पाठशाला की शिक्षा**	**>9वर्ष पाठशाला की शिक्षा**
मछली पकड़ना	6%	20%	39%	35%	10%	60%	30%
होटल विकास कार्य	0%	45%	30%	25%	5%	30%	65%

अतिरिक्त विश्लेषण : इन सभी व्यवसायों का एक साथ जनसांख्यिकीय आंकडों की तुलना साक्षात्कार / द्वितीयक स्रोत, आयु, लिंग, शिक्षा, साक्षरता, जातीयता, धर्म और भाषा (ख़5-11) आंकड़ों के साथ करें। यदि उनमें कोई अर्थपूर्ण अंतर हो तो, कारण जानने के लिए मुख्य सूचना देने वालों को संपर्क करें। यदि अंतर व्याख्यायित नहीं किया जा सके तो, यह आवश्यक हो जाता है कि सभी घरेलू इकाइयों का साक्षात्कार कर सामुदायिक जनसांख्यिकीय का सही आकलन किया जाये। इसके अतिरिक्त, एक लघु कथात्मक विवरण तैयार किया जाना चाहिए जिससे प्रत्येक व्यवसायिक दलों की विशेषताओं को वर्णित किया जा सके।

घरेलू इकाइयों के आकार का विश्लेषण एवं घरेलू इकाई ढाँचा : औसतन घरेलू या पारिवारिक इकाई की गणना प्रत्येक घरेलू इकाई के लोगों की संख्या को जोड़कर उसे घरेलू इकाइयों की संख्या से विभाजित कर करें।

सूचनाएँ कैसे प्रबंधकों और पणधारियों के लिये उपयोगी हो सकती है?

मुख्य सूचना देने वालों / द्वितीय स्रोत से प्राप्त जनसांख्यिकीय आंकड़ों के अतिरिक्त सर्वेक्षण से प्राप्त आंकड़ें प्रत्येक व्यवसाय का महत्वपूर्ण विश्लेषण करते हैं। इससे प्रबंधकों को विभिन्न व्यवसायों में नियुक्त किये गये लोगों के प्रकार के बारे में जानकारी प्राप्त होती है जो कि उनको प्रबंधन कार्यक्रम बनाने में मदद करती है। उदाहरण- यदि प्रबंधक जानते हैं कि अधिकतर अक्वाकल्चर मालिक पढ़े-लिखे नहीं हैं और अधिकतर होटल मालिक उच्च शिक्षा प्राप्त हैं, ऐसी स्थिति में प्रबंधक अक्वाकल्चर मालिकों के लिये आभासी परिकल्पना पर आधारित शिक्षण कार्यक्रम और होटल मालिकों के लिए विज्ञान संदर्भित शिक्षण कार्यक्रम का विकास कर सकते हैं।

कुटुम्ब जिनकी मुखिया स्त्री हो और विशेषकर कुटुम्ब की मुखिया विधवा हो यह देखा गया है कि वह समाज में अधिक गरीब होगी। संसाधन प्रबंधन में परिवर्तन हेतु इन कुटुम्बों या घरेलू इकाइयों को प्रबंधक विशेषकर असुरक्षित दल के अंतर्गत पहचानकर आवश्यकता अनुरूप कार्यक्रम बनाते हैं।

समुदाय, पणधारियों को उन्नत बनाने के लिए सूचनाओं को एकत्र करने में दिया गया सहयोग यह सुनिश्चित करता है कि प्रबंधकों को पणधारियों के विस्तृत-वर्णक्रम की अच्छी जानकारी है और वे ऐसी प्रबंधक गतिविधियों को बनाने में सक्षम हैं जो कि उनकी परिस्थितियों के बेहतर अनुकूल हो।

S9. कुटुम्ब या घरेलू आय स्रोत

यह क्या है?

कुटुम्ब की आय संदर्भित है कुटुम्ब की आय के मुख्य स्रोत से। यह सूचना व्यवसायिक ढाँचे की सूचना के अतिरिक्त एकत्र की गई है जो किसी भी आय स्रोत की पहचान करती है जिसका संबंध ऐसे व्यवसाय जैसे विदेश से पैसे का भेजा जाना आदि से नहीं हो।

आंकड़े कैसे एकत्र करें?

जैसा कि सर्वेक्षण संदर्शिका में अंकित है, कुटुम्ब की आय संबंधित आंकड़े प्रत्येक उत्तरदाता से पूछकर प्राप्त किये गये हैं।
आपके कुटुम्ब का अत्यधिक महत्वपूर्ण आय का स्रोत क्या है?_____
आपके कुटुम्ब का दूसरा अत्यधिक महत्वपूर्ण आय का स्रोत क्या है?_____

यह सूचित है कि इन आंकड़ों को एकत्र करना जैसे कि यह व्यक्तिगत प्रश्न होता है और इसे पूछा जाना कुछ व्यक्तियों के लिए संवेदनशील हो सकता है। यह आवश्यक है कि दल सावधानी पूर्वक अपने अध्ययन क्षेत्र और समुदाय के सदस्यों का आकलन करते हुए यदि अनुकूल हो तो यह प्रश्न पूछे।

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

प्रत्येक व्यवसाय या पेशे के लिए गणना करते हुए यह अंकित करें कि कितने प्रतिशत उत्तरदाता, कुटुम्ब की इसे प्राथमिक आय स्रोत मानते हैं और कितने प्रतिशत इसे दूसरा आय स्रोत मानते हैं और इन प्रतिशतों को सर्वेक्षण विश्लेषण पत्र में अंकित करें।

अतिरिक्त विश्लेषण : इन परिणामों की तुलना व्यावसायिक आंकड़ों (K12 और c1) से यह सत्यापित करने के लिये करें कि वही व्यवसाय दोषदर्शी महत्व के हैं। सूचित है कि वहाँ पर आय-स्रोत और वह उसका व्यवसाय न होने से अंतर हो सकता है (जैसे - भेजा हुआ धन)। समय के साथ विभिन्न व्यवसायों और पेशों के महत्व में आये परिवर्तन की जानकारी के लिये इन परिणामों की निगरानी करें।

सूचाएँ कैसे प्रबंधकों और पणधारियों के लिये उपयोगी हो सकती है?

प्राथमिक एवं द्वितीयक आय स्रोत संबंधी सूचनाएँ, समुदाय के लिए संसाधनों के महत्व के आकलन में उपयोगी हो सकती हैं। उदाहरण - यदि 80% से ज्यादा समुदाय यह मानता है कि उनका प्राथमिक या द्वितीयक आय स्रोत मछली पकड़ना है तो यह दर्शाता है कि समुदाय मछली पकड़ने पर और इसके फलस्वरूप सामुद्रिक संसाधन पर अवलंबित है।

समुदाय का आय के लिये विभिन्न गतिविधियों के महत्व की बेहतर समझ या जानकारी द्वारा समुदाय सूचित सहयोग दे सकता है जो कि प्रबंधकों को प्रबंधन की गतिविधियों को उन्नत बनानें में और कुछ नियम एवं विनियमों का पणधारियों की जीवनयापन पर प्रभाव देखने हेतु मदद करता है।

S10. कुटुम्बकीय गतिविधियाँ

यह क्या है?

कुटुम्बकीय तटीय और सामुद्रिक गतिविधियाँ, अध्ययन क्षेत्र में तटीय एवं सामुद्रिक संसाधनों का कुटुम्बकीय उपयोग की पहचान है।

तटीय और सामुद्रिक गतिविधियाँ

1. जीविका के लिये मछली पकड़ना
2. रीफ ग्लीनिंग
3. बोल्डर, रेत एकत्रीकरण
4. पर्यटन

आंकड़ें कैसे एकत्र करें?

उत्तरदाता से कुटुम्ब के सदस्यों द्वारा तटीय और सामुद्रिक संसाधनों के सभी उपयोगों के बारे में पूछा जाना चाहिए। इस सूचना को *सर्वेक्षण संदर्शिका सारिणी* में अंकित करना चाहिए जैसा कि दिखाया गया है।

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

सभी परिवारों या कुटुम्बों के सर्वेक्षण से प्राप्त आंकड़ों को सभी परिवारों की अत्यधिक महत्वपूर्ण गतिविधियों के अनुसार क्रमबद्ध और श्रेणीबद्ध करें। परिवारों द्वारा बारंबार प्रतिवेदित या सूचित गतिविधि को प्रथम स्थान पर तालिकाबद्ध करें, उसके बाद द्वितीय गतिविधि आदि। यह सूचना *सर्वेक्षण विश्लेषण पत्र* में अंकित करें जैसा कि दिखाया गया है।

अतिरिक्त विश्लेषण : समुदाय में परिवारों की विभिन्न तटीय और सामुद्रिक गतिविधियों को वर्णित करने के लिये एक कहानी बनाई जा सकती है।

सूचनाएँ प्रबंधकों के लिये किस प्रकार उपयोगी हो सकती है?

कुटुम्बकीय तटीय और सामुद्रिक गतिविधियों की पहचान प्रबंधकों के लिए महत्वपूर्ण है उस क्षेत्र की विभिन्न तटीय और सामुद्रिक गतिविधियों के उपयोग और कुटुम्बों की कुछ निश्चित गतिविधियों पर आवलंबन को समझने में।

S11. घरेलू वस्तुएँ और सेवाएँ

यह क्या है?

तटीय और सामुद्रिक वस्तुएँ तथा सेवाएँ विशेष उत्पाद हैं जिसे घरेलू तटीय और सामुद्रिक गतिविधियों द्वारा उत्पादित किया गया है। इसमें शामिल हैं निकाले जाने वाली वस्तुएँ जैसे मछली, वायुशिफ लकड़ियाँ, कोरल उत्पाद और रेत ; और नहीं निकाले जाने वाली सेवाएँ जैसे पर्यटन / मनोरंजन की गतिविधियाँ और अक्वाकल्चर आदि।

आंकड़े कैसे एकत्र करें?

उत्तरदाता को परिवारों की प्रत्येक तटीय और सामुद्रिक गतिविधियों से उत्पन्न वस्तुओं और सेवाओं के बारे में पूछा गया है। यह सूचना *सर्वेक्षण संदर्शिका सारिणी* में अंकित है जैसा कि दिखाया गया है।

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

सभी परिवारों या कुटुम्बों के सर्वेक्षण से प्राप्त आंकड़ों को परिवार की प्रत्येक गतिविधियों से प्राप्त अत्यधिक महत्वपूर्ण तटीय और सामुद्रिक वस्तुओं तथा सेवाओं के अनुसार क्रमबद्ध और श्रेणीबद्ध करें। परिवारों द्वारा बारंबार प्रतिवेदित या सूचित वस्तु या सेवा को प्रथम स्थान पर तालिकाबद्ध करना चाहिए, उसके बाद द्वितीय वस्तु या सेवा आदि को। यह सूचना *सर्वेक्षण विश्लेषण पत्र* में अंकित करें जैसा कि दिखाया गया है।

तटीय और सामुद्रिक गतिविधियाँ	**तटीय और सामुद्रिक वस्तुएँ और सेवाएँ**
1. मछली पकड़ना	ग्रुपर
	ऑक्टोपस
	चारा
2. ग्लीनिंग	कौड़ियाँ
	ऑक्टोपस
	मनोरंजन के लिये मछली पकड़ना

अतिरिक्त विश्लेषण : समुदाय में घरेलू तटीय एवं सामुद्रिक वस्तुएँ तथा सेवाओं को संक्षिप्त विवरण द्वारा समझानें में यह उपयोगी हो सकता है।

सूचनाएँ प्रबंधकों के लिए कैसे उपयोगी हो सकती हैं?

घरेलू तटीय और सामुद्रिक वस्तुओं एवं सेवाओं संबंधित सूचनाएँ या जानकारी प्रबंधन के संपूर्ण प्रभाव का आकलन करने में उपयोगी हो सकती हैं, विशेषकर अध्ययन क्षेत्र में विपणन और घरेलू उत्पादन के संबंध में। प्रबंधन की युक्तियों के परिणाम स्वरूप उस क्षेत्र में उत्पादित तटीय और सामुद्रिक वस्तुओं तथा सेवाओं में परिवर्तन आ सकता है जिसका वहाँ की घरेलू इकाइयों पर सकारात्मक या नकारात्मक प्रभाव देखा जा सकता है। उदाहरण - यदि समुद्री आरक्षित क्षेत्र सक्रिय रूप से पर्यटन को उस क्षेत्र में बढ़ाता है तो यह आशा कि जा सकती है कि गोताखोरी उद्योग से संबंधित गतिविधियों की बढ़ोतरी होगी और ज्यादा से ज्यादा कुटुम्ब के सदस्य काम करने के लिये इस क्षेत्र में विस्थापित हो सकते हैं।

S12. उपयोग के प्रकार

यह क्या है?

उपयोग के प्रकार यह बताता है कि विशेष विधि या विकास प्रक्रिया (जैसे- घात, जाल, अतिथिगृह, स्कूबा गोताखोरी) का प्रत्येक तटीय और सामुद्रिक वस्तु तथा सेवा के लिए नियोजित होना (उपयोग के प्रकार देखें K-16)अधिक सूचना के लिए।

आंकड़ें कैसे एकत्र करें?

प्रत्येक तटीय और सामुद्रिक वस्तु तथा सेवा के लिये उपयोग में लायी गयी विशेष विधि या विकास प्रक्रिया के बारे में उत्तरदाता से पूछकर उसकी पहचान की जानी चाहिए। इन सूचनाओं को *सर्वेक्षण संदर्शिका सारिणी* में अंकित करें जैसा कि दिखाया गया है।

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

घरेलू इकाइयों के सर्वेक्षण से प्राप्त आंकड़ों को घरेलू इकाइयों के लिए प्रत्येक गतिविधियों में से अत्यधिक महत्वपूर्ण तटीय और सामुद्रिक वस्तुओं और सेवाओं के अनुसार क्रमबद्ध और श्रेणीबद्ध करें। घरेलू इकाइयों द्वारा वस्तु या सेवा जो अधिक बारंबार प्रतिवेदित या सूचित की जाती है उसे प्रथम स्थान पर तालिकाबद्ध करें उसके उपरांत द्वितीय अधिक महत्वपूर्ण सूचित वस्तु या सेवा आदि को। इन सूचनाओं को *सर्वेक्षण विश्लेषण पत्र* में जैसा कि दिखाया गया है अंकित करें।

अतिरिक्त विश्लेषण : समुदाय में घरेलू तटीय एवं सामुद्रिक वस्तुएँ तथा सेवाओं को संक्षिप्त विवरण द्वारा समझानें में यह उपयोगी हो सकता है।

तटीय और सामुद्रिक गतिविधियाँ	तटीय और सामुद्रिक वस्तुएँ त सेवाएँ	विधियाँ
1. मछली पकड़ना	ग्रुपर	घात रस्सी नौका और रस्सी
	ऑक्टोपस	बरछी भाला रस्सी
	ट्यूना चारा	जाल
2. ग्लीनिंग	कौड़ियाँ	छड़
3. पर्यटन	होटल विकास	अतिथिगृह सब सम्मिलित
	गोताखोरी	स्कूबा
	मनोरंजनात्मक मछली पकड़ना	25 पैसेंजर नौका

सूचनाएँ प्रबंधकों और अन्य पणधारियों के लिए कैसे उपयोगी हो सकती हैं?

उपयोग के प्रकार से संबंधित सूचनाएँ उपयोगी हो सकती हैं विशेषकर आशंका या खतरे को पहचानने में जैसे तटीय और सामुद्रिक संसाधनों में से वायुशिफ की निकासी। एक समयावधि के दौरान इस सूचना की निगरानी करने से प्रबंधक यह देखते है कि प्रबंधन का प्रभाव इस विधियों पर क्या हुआ। जैसे- यदि तटीय प्रबंधन कार्यक्रम के अंतर्गत वायुशिफ को पुनः लगाना अभियान का प्रारंभ करता है, तो भी वायुशिफ निकासी जारी है जो कि विधि के रूप में तालिकाबद्ध है, यह बताता है कि अभियान हो रही वायुशिफ निकासी को रोकने में असमर्थ है। यह सूचना तटीय प्रबंधन कार्यक्रम की प्रभावात्मकता का आकलन करने में भी मदद करती है।

अध्ययन क्षेत्र में कौन सी प्रक्रिया चल रही है की समझ विकासशील पणधारियों की तटीय प्रबंधन में भागीदारी और सतर्कता कार्यक्रमों में क्रांतिक होती है। प्रबंधकों के लिए यह जानना आवश्यक हो जाता है कि लोग संसाधनों के संभवित संकट के संबंध में, उनके साथ व्यवस्थित रूप से कार्य करने में और संचारण करने में कैसे संसाधनों से जुड़े हुए हैं।

S13. घरेलू बाज़ार अभिविन्यास

यह क्या है?

घरेलू बाज़ार अभिविन्यास, बाज़ार की वह पहचान है जिसमें प्रत्येक तटीय और सामुद्रिक उत्पाद जो की घरेलू इकाइयों द्वारा उत्पादित किया जाता है सबसे पहले बेचा जाता है। यह घरेलू इकाइयों की सूचना का उपयोग संपूर्ण समुदाय के बाज़ार अभिविन्यास का आकलन करने में हो सकता है।

आंकड़ें कैसे एकत्र करें?

प्रत्येक तटीय और सामुद्रिक वस्तु तथा सेवा जिसमें घरेलू इकाइयाँ शामिल हैं, उत्तरदाता से उसके प्राथमिक बाज़ार जिसमें उसे सबसे पहले बेचा जाता है(अंतर्राष्टीय, राष्ट्रीय, क्षेत्रीय या स्थानीय) के बारे में पूछ कर उत्तरों को सर्वेक्षण संदर्शिका सारिणी में नोट किया जाना चाहिए जैसा कि दिखाया गया है। टीम की यह आवश्यकता होती है कि उसे अग्रिम रूप से बाज़ार अनुस्थापन के प्रकार के बारे में बताया जाये ताकि उत्तरदाता के उत्तरों में अनुरूपता बनी रहे।

तटीय और सामुद्रिक गतिविधियाँ	तटीय और सामुद्रिक वस्तुएँ तथा सेवाएँ	विधियाँ	लक्षित बाज़ार
1. मछली पकड़ना	ग्रुपर	घात रस्सियाँ सायनाइड	क्षेत्रीय
	ऑक्टोपस	महाजाल रस्सियाँ	स्थानीय
	झींगा मछली	महाजाल	क्षेत्रीय
2. ग्लीनिंग	कौड़ियाँ	छड़	क्षेत्रीय
3. पर्यटन	होटलों का विकास	अतिधिगृह - जिसमें सब सम्मिलित है	अंतर्राष्ट्रीय
	गोताखोरी	स्कूबा	राष्ट्रीय
	मनोरंजन के लिये मछली पकड़ना	25 पैसेंजर नौका	स्थानीय

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

वस्तुओं और सेवाओं को तालिकाबद्ध करें और उत्तरदाताओं के प्रतिशत की गणना करें जिनके उत्तर में प्रत्येक वस्तु या सेवा को अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, क्षेत्रीय या स्थानीय बाज़ार में बेचे जाने की सूचना नोट की गई थी। इस सूचना को सर्वेक्षण विश्लेषण पत्र में जैसा दिखाया गया है अंकित करें। बाज़ार अनुस्थापन (अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, क्षेत्रीय या स्थानीय) के प्रकार की परिभाषा नोट की जानी चाहिए जैसा कि नीचे दिखाया गया है-

(नमूना आँकड़ें) तटीय और सामुद्रिक वस्तुएँ तथा सेवाएँ	%**नोट किये गये अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार**	%**नोट किये गये राष्ट्रीय बाज़ार**	%**नोट किये गये क्षेत्रीय बाज़ार**	%**नोट किये गये स्थानीय बाज़ार**
ग्रुपर	0%	30%	40%	30%
ऑक्टोपस	0%	15%	35%	50%
झींगा	20%	20%	35%	35%
होटलों का विकास	60%	35%	3%	2%
गोताखोरी	50%	40%	8%	2%
मनोरंजन की लिये मछली पकड़ना	10%	10%	30%	50%

अतिरिक्त विश्लेषण : विभिन्न् बाज़ारों जिसमें वस्तुएँ या सेवाएँ बेची जाती हैं का एक कथानात्मक विवरण बनाते हुए व्याख्यायित करें।

अन्य पणधारियों और प्रबंधकों के लिये यह सूचनाएँ कैसे उपयोगी हो सकती हैं?

प्रबंधन के समुदाय पर संपूर्ण प्रभाव का आकलन करने के लिये विशेषकर विपणन, उत्पादन और खाद्य सुरक्षा के संदर्भ में, बाज़ार अनुस्थापन संबधित सूचनाएँ उपयोगी होती हैं। उदा.- मूलभूत सुविधाएँ के लिये निवेश जैसे- मुख्य शहरों से सड़क संपर्क के फलस्वरूप राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों तक पहुँच बढ़ जाती है।

इसलिए समुदाय के लोगों का जीवनयापन और आय दोनों ही बाज़ार से संबंधित हैं। मछली बाज़ार का अनुस्थापन महत्वपूर्ण है जो कि यह बताता है कि कहाँ पर जलसंबंधी उत्पाद जो उस क्षेत्र में पैदा होते बेचे जाते हैं। यह जलसंबंधी उत्पाद के बाज़ार में समय के साथ आये बदलाव का विश्लेषण करने में मदद करता है। यह स्थानीय उत्पादनकर्ता और विभिन्न बाज़ार के व्यापारियों के संबंधों को दिखलाता है। उदा. अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार से संबंध उत्पादन पद्धति को प्रभावित करता है।

लक्ष्य बाज़ार की जानकारी यह जानने में कि संसाधनों पर कितना दबाव बनाना चाहिए में उपयोगी होती है। उदा.- मछुवारे अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार की ऊँची कीमत की मछली पकड़ने में अपने पूरा जोर लगाकर प्रयास कर सकते हैं। यह समय के साथ जलसंबधी उत्पाद के बाज़ार में आये बदलाव को भी बतलाता है। प्रबंधन युक्तियों के प्रभाव का मूल्यांकन बाज़ार के बदलाव से किया जा सकता है। उदा.- प्रबंधन युक्तियों द्वारा क्षेत्र में उपलब्ध ऊंची कीमत की मछलियों का विपणन क्षेत्रीय और राष्ट्रीय बाज़ारों में किया जा सकता है।

S.14 घरेलू उपयोग

यह क्या है?

तटीय और सामुद्रिक वस्तुओं तथा सेवाओं का घरेलू उपयोग वह है जो यह बतलाता है कि अध्ययन क्षेत्र की घरेलू इकाइयाँ किस प्रकार तटीय और सामुदिक वस्तुओं तथा सेवाओं का उपभोग, आराम और बिक्री के लिये करते हैं।

आंकड़ों को कैसे एकत्र करें?

प्रत्येक उत्तरदाता को प्रत्येक वस्तु या सेवा के प्राथमिक घरेलू उपयोग - स्वयं द्वारा उपभोग, मनोरंजन गतिविधि या बिक्री के बारे में पूछा जाना चाहिए और इसे सर्वेक्षण संदर्शिका सारिणी में जैसा दिखाया गया है अंकित करना चाहिए।

तटीय और सामुदिक वस्तुएँ तथा सेवाएँ	**तटीय और सामुदिक वस्तुएँ तथा सेवाएँ**	**घरेलू उपयोग**
1. मछली पकड़ना	ग्रुपर	स्वयं के उपभोग के लिये
	ऑक्टोपस	बिक्री के लिये
	झींगा मछली	बिक्री के लिये
2. बोल्डर और रेत एकत्र करना	कोरल बोल्डर, गोल-गोल पत्थरों वाली रेत	स्वयं के उपभोग के लिये बिक्री के लिये
3. पर्यटन	होटलों का विकास	बिक्री के लिये
	गोताखोरी	बिक्री के लिये
	मनोरंजन के लिये मछली पकड़ना	मनोरंजन गतिविधि के लिये

अतिरिक्त आंकड़ें एकत्र करना : यदि खाद्य सुरक्षा का प्रश्न हो तो, सूचना देने वालों से खाद्य सुरक्षा संबंधित प्रश्न प्रश्न पूछे जाना चाहिए। सूचनादेने वालों को कीमत के हिसाब से प्रोटीन के स्रोत को श्रेणी देने के लिये कहा जाना चाहिए(उदा.- सबसे कम कीमत =1) और देखना चाहिए कि कैसे मछली और अन्य स्थानीय मुख्य उत्पाद जिनका उपभोग घरेलू स्तर पर किया जाता है श्रेणीबद्ध किये जायें। सूचनादेने वालों को यह भी पूछा जाना चाहिए कि वह कितनी बार प्रत्येक सप्ताह या माह में सामुद्रिक उत्पाद का उपभोग करते हैं जैसे- मछली अन्य आम प्रोटीन स्रोत(जैसे-गोमाँस और बकरा) के संबंध में। सामुद्रिक उत्पादों की कीमतों और उपभोग की जानकारी की पड़ताल करने में मौसम के तत्वों का भी ध्यान रखना चाहिए। घरेलू इकाइयों द्वारा उपयोग में लाने वाले उत्पाद की पूरे साल भर उपलब्धता के बारे में भी प्रश्न किया जाना चाहिए, विशेषकर यदि वह अपेक्षाकृत सस्ता प्रोटीन स्रोत हो।

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

घरेलू बाज़ार अनुस्थापन परिवर्ती की तरह वस्तुओं और सेवाओं को तालिकाबद्ध करें और उत्तरदाताओं का प्रतिशत जो प्रत्येक वस्तु या सेवा का स्वयं के लिये उपयोग, आराम या बिक्री के लिये उपयोग करते हैं नोट करें। यह जानकारी सर्वेक्षण विश्लेषण पत्र में अंकित करें।

यदि सामुद्रिक वस्तुओं के उपभोग की आवृति के संबंध में प्रश्न पूछा जाये तो उत्तरों के ग्रुप का अनुकूल वर्गीकरण उपभोग आवृति के लिये करें(उदा. प्रत्येक सप्ताह में तीन बार से अधिक, सप्ताह में तीन बार से कम, माह में एक या दो बार, माह में एक बार से भी कम परन्तु नियमित, विशेष अवसर पर, कभी नहीं)। इसी तर दूसरे प्रोटीन स्रोत के लिये भी करें। इसके पश्चात कितने प्रतिशत घरेलू इकाइयाँ प्रत्येक वर्ग में विभिन्न प्रोटीन स्रोतों का उपयोग करती हैं की गणना करें। आम माँस और मछली के उपभोग की आवृति की तुलना करें।

समय के साथ बदलाव को देखें। मछली और अन्य प्रोटीन स्रोत की आवृति में आये बदलाव की तुलना भौतिक जीवन शैली (S28)से करें और देखें यदि वे सहसंबंधित हों।

अतिरिक्त विश्लेषण : तटीय और सामुद्रिक वस्तुओं एवं सेवाओं का समुदाय द्वारा घरेलू उपयोग और विभिन्न उपलब्ध प्रोटीन स्रोत और उनकी कीमतों को स्थानीय स्तर पर वर्णित करने में उपयोगी हो सकता है।

सूचनाएँ प्रबंधकों और अन्य पणधारियों के लिये कैसे उपयोगी हो सकती हैं?

तटीय और सामुद्रिक वस्तुओं एवं सेवाओं का घरेलू उपयोग संबंधित जानकारी घरेलू इकाइयों की भोजन और आय के लिए तटीय और सामुद्रिक संसाधनों पर निर्भरता के बारे में जानकारी देती है। अतः इसलिए खाद्य सुरक्षा की समस्या को समझना महत्वपूर्ण हो जाता है। यह जानकारी यह समझनें में कि प्रबंधन युक्तियों से किस प्रकार संसाधन उपभोक्ता के जीवनयापन और खाद्य सुरक्षा पर प्रभाव डाला जा सकता है उपयोगी हो सकती है। उदा. - यदि घरेलू इकाइयाँ प्राथमिक तौर पर उत्पाद

का उपभोग करती हैं तो मछली पकड़ने पर प्रतिबंध लगने की संभावना बढ़ जाती है जिससे खाद्य उपलब्धता प्रभावित होती है और इससे घरेलू इकाइयों की खाद्य सुरक्षा पर प्रभाव पड़ता है। मछली और अन्य सामुद्रिक वस्तुओं के उपभोग की आवृति की जाँचपड़ताल करने से समुदाय का सामुद्रिक संसाधनों पर निरर्भता कें संबंध में प्रबंधकों की जानकारी बढ़ जाती है।

तटीय और सामुद्रिक संसाधनों पर जीवनयापन और खाद्य सुरक्षा की निर्भरता की अच्छी जानकारी से पणधारी प्रबंधकों को बेहतर अनुकूल प्रबंधन गतिविधि को समुद्री संसाधनों पर निर्भरता का स्तर को ध्यान में रखते हुए तैयार करते हैं।

अवस्था और बोध, औपचारिक / अनौपचारिक संस्थाओं में भागीदारी

S15. बाज़ार रहित और अनुपयोगी मूल्य

यह क्या है?

तटीय संसाधनों का बाज़ार रहित और अनुपयोगी मूल्य वह है जो बतलाता है कि लोग तटीय संसाधन जिनका व्यवसाय नहीं किया जाता (बाज़ार रहित) और संसाधन का मूल्य जिसे समाज के एक हिस्से द्वारा उपयोग नहीं किया(अनुपयोगी) जाता है के मूल्य के बारे में क्या सोचते हैं। बाज़ार रहित मूल्य संसाधन (उदा. मछली) और सेवाओं (उदा. गोताखोरी) का वह मूल्य है जिस पर किसी भी बाज़ार में व्यापार नहीं किया गया हो। इसमें प्रत्यक्ष उपयोग जैसे गोताखोर जिन्हें गोताखोरी के लिये जाना होता है आनेजाने के लिये व्यक्तिगत साधन का उपयोग करते हैं शामिल हैं तथा अप्रत्यक्ष उपयोग जैसे जैविकीय सहायक कार्य पुष्टिकारक रूप में, मछली के आवास और तटरेखा की तूफानी लहरों से सुरक्षा आदि में शामिल हैं। अनुपयोगी मूल्य का किसी भी उपयोग से संबंध नहीं है और इसमें वैकल्पिक मूल्य (यह जाननें का मूल्य कि उपलब्ध संसाधन जिसे भविष्य में उपयोग करने के लिये किसी एक को निर्णय लेना है), वसीयत मूल्य(यह जाननें का मूल्य कि संसाधन आने वाली पीढ़ी के लिये उपलब्ध होंगे) और अस्तित्व मूल्य (यह जाननें का मूल्य कि संसाधन का अस्तित्व निश्चित स्थिति में बना रहेगा) शामिल हैं।

आंकड़ें कैसे एकत्र करें?

बाज़ार रहित और अनुपयोगी मूल्य की संकल्पना ज्यादातर अव्यावहारिक और काल्पनिक है। आदर्शतः, किसी अर्थशास्त्री को इन परिवर्तियों का मूल्यांकन करना चाहिए क्योंकि, अर्थशास्त्रीय विधियों का उपयोग जटिल होता है। यह जानते हुए कि अधिकतर क्षेत्र में सहजता पूर्वक अर्थशास्त्री उपलब्ध नहीं हैं, सॉकमॉन ने लोगों के अनुभवों या बोध को स्केल के आधर पर मापने का रास्ता निकाला।

यह विधि क्रमबद्ध प्रश्नों का उपयोग करती है जिनका केन्द्र अप्रत्यक्ष बाज़ार रहित मूल्यों (उदा. जैविकीय सहायक कार्य) के संबंध में लोगों के प्रत्यक्षज्ञान पर और वसीयत से संबंधित अनुपयोगी मूल्यों तथा संसाधन की अस्तित्व मूल्यों पर रहता है। इनमें सुंदरता, समुद्र की देखरेख बच्चों के बच्चों के लिये, पानी पर आनंद लेने वाला समय और अन्य नहीं निकाले जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं के बारे में जो कि एक स्वस्थ तटीय पर्यावरण देता है जैसे बयान शामिल हैं।

अनुपयोगी मूल्य के संबंध जानकारी एकत्र करने का एक ही रास्ता है कि तटीय समुदाय के लोगों(बच्चे, स्त्री- पुरुष मछुवारे) से पूछा जाये कि सबसे पहले कौन सी बात आती है जब वे तटीय या समुद्री परितंत्र के बारे में सोचते हैं, जैसे- कोरल रीफ, और पूछा जाना चाहिए कि कैसे इस परितंत्र का मूल्यांकन करते हैं। इस प्रकार से एकत्र करे बयानों को विभिन्न प्रकार की अनुपयोगी मूल्यों के आधार पर ग्रुपों के अंतर्गत रखा जाना चाहिए।

निम्नलिखित प्रस्तावित वक्तव्य हैं, जिसे प्रत्येक कार्यस्थल की आवश्यकता अनुरूप बदला जा सकता है। प्रत्येक उत्तरदाता को यह बताने को कहा जाना चाहिए कि वह किस मात्रा तक इन क्रमबद्ध वक्तव्यों से सहमत है या असहमत है। उत्तरदाता को प्रत्येक वक्तव्य के संबंध में पूछा जाना चाहिए कि यदि वे पूर जोर तरीके से सहमत हैं(5), सहमत हैं(4), सहमत नहीं या असहमत हैं(3), असहमत हैं(2) या पूर जोर तरीके से असहमत हैं(1) –

_____ क) समुद्री लहरों से तटीय सुरक्षा के लिये रीफ महत्वपूर्ण है।(अप्रत्यक्ष बाज़ार रहित मूल्य)

_____ ख) लंबे समय में, यदि हम कोरल की सफाई कर देते हैं तो मछली पकड़ना बेहतर होगा।(अप्रत्यक्ष बाज़ार रहित मूल्य)

_____ ग) जब तक वायुशिफ को सुरक्षित नहीं करते हमारे लिये कोई भी मछली पकड़ने के लिये नहीं रहेगी। (अप्रत्यक्ष बाज़ार रहित मूल्य)

_____ घ) कोरल रीफ सिर्फ महत्वपूर्ण है यदि आप मछली पकड़ते हैं या गोताखोरी करते हैं।(अस्तित्व अनुपयोगी मूल्य)

_____ च) मैं चाहता हूँ कि आने वाली पीढ़ी वायुशिफ और कोरलरीफ का आनंद ले।(वसीयत अनुपयोगी मूल्य)

_____ छ) मछली पकड़ने को कुछ निश्चित क्षेत्र में प्रतिबंधित किया जाना चाहिए, कुछ ऐसे क्षेत्र को भी जहाँ कोई मछली नहीं पकड़ता सिर्फ कोरल और मछली को बढ़ने देने के लिए।(अस्तित्व मूल्य)

_____ ज) हमें कुछ तटीय क्षेत्रों में विकास को प्रतिबंधित करना होगा ताकि आने वाली पीढ़ी को प्राकृतिक पर्यावरण मिल सके।(वसीयत मूल्य)

_____ झ) समुद्रीघास का लोगों के लिये कोई मूल्य नहीं है।(अस्तित्व मूल्य)

यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि वक्तव्य लिखे हुए हों जैसे कि कुछ सहमतियाँ सही या सकारात्मक विश्वास को बताती हैं, जबकि दूसरों के साथ विपरीत विश्वास को दर्शाती हैं। यह किया गया था उत्तरों पर नियंत्रण के लिये जहाँ उत्तरदाता सभी चीजों से सहमत या असहमत हों इस प्रकार महत्ता के अनुसार वक्तव्यों को अनियमित क्रम में रखना चाहिए।

अतिरिक्त आंकड़े एकत्र करना : कुछ निश्चित सामुद्रिक और तट संबंधी गतिविधियाँ या चीजें समुदाय के लिये महत्वपूर्ण सांस्कृतिक मूल्य की हो सकती हैं। उत्तरदाताओं को समुदाय की विभिन्न गतिविधियों या चीजों (उदा. मछली पकड़ना, मंदिर, रीफ)को उनके सांस्कृतिक महत्व के अनुसार श्रेणीबद्ध करते हो तालिकाबद्ध करना चाहिए। यह विशेष कर उपयोगी होता है यह पहचानने में कि कौन-कौन-सी गतिविधियाँ या चीजें जीवयापन के लिये महत्वपूर्ण नहीं फिर भी उनका समुदाय के जीवन के लिये महत्व है। उदा.- कुछ क्षेत्रों में जहाँ मछली पकड़नें की गतिविधि को पर्यटन में परिवर्तित कर दिया गया है, लेकिन समुदाय फिर भी यह महसूस करता है कि मछली पकड़ना उनकी जीवनचर्या का अभिन्न अंग है जब कि वह उनके जीवनयापन या आय का मुख्य स्रोत नहीं रह गया है।

खुले आम प्रश्न किया जाये जैसे- यदि कोरल रीफ गायब हो जाये खत्म हो जाये तो आप पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा?, यदि मछलियाँ गायब हो जायें उसके फलस्वरूप मछली पकड़ना बंद हो जाये तो आप पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा? और यदि यदि सारे समुद्रतट का विकास कर दिया जाये तो आप पर इसका क्या प्रभाव होगा? आदि तरह के प्रश्न पूरी तरह से संसाधनों और उसके उपयोग के महत्व को समझने के लिये पूछे जायें।

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

प्रत्येक प्रश्न के लिये, उत्तरदाता के प्रतिशत की गणना प्रत्येक स्तर की सहमति के लिये करें और उसे सर्वेक्षण विश्लेषण पत्र में अंकित करें। इस बात का आकलन करने कि उत्तरदाता संसाधन के बाज़ार रहित या अनुपयोगी मूल्य का प्रतीक है, यह ध्यान में रखना चाहिए कि वे किस हद तक वक्तव्य से सहमत हैं। वक्तव्य क, ग, च, छ और ज सकारात्मक दिये गये, और उत्तरदाता इस वक्तव्यों से सहमत हैं, अर्थात् वे संसाधन की मूल्य समझते हैं। वक्तव्य ख, घ, और झ नकारात्मक रहे, अर्थात् उत्तरदाता इन वक्तव्यों से सहमत हैं अर्थात् वे संसाधनों का कोई मूल्य नहीं समझते हैं।

अतिरिक्त विश्लेषण : सहमति के स्तर (उदा. सहमति प्रभावशाली ढंग से और सहमति) को सरल विवेचना के लिये मिलाया जा सकता है। उदा.- यदि 23प्रतिशत उत्तरदाता वक्तव्य से प्रभावशाली तरीके से सहमत हैं और 34प्रतिशत उत्तरदाता सिर्फ सहमत हैं तो इन दोनों को मिलाकर कहा जा सकता है कि 50 प्रतिशत से अधिक उत्तरदाता रीफ महत्वपूर्ण है तट ीय जमीन को तूफानी लहरों से संरक्षण के लिये वक्तव्य से सहमत है। यह सरल होगा समझकर बाद में प्रत्येक वर्ग में प्रतिशत को तालिकाबद्ध करने में।

यह व्याख्यायित करना भी उचित होगा कि लोग संसाधनों को कितना महत्व देते हैं। एक समय के बाद यदि लोगों के प्रत्यक्ष बोध में बदलाव आया हो परिणामों की तुलना करें।

यह सूचनाएँ या जानकारी प्रबंधकों और अन्य पणधारियों के लिये कैसे उपयोगी हो सकती है?

अनुपयोगी और बाज़ार रहित मूल्यों से संबंधित जानकारी यह समझनें में कि लोग तटीय संसाधन को कितना महत्व देते हैं में उपयोगी होती है। बहुधा मूल्यांकन का केन्द्र केवल बाज़ार मूल्य होते हैं, जैसे रोजगार का स्तर, आय और शुद्ध लाभ। प्रबंधक अनुपयोगी और बाज़ार रहित मूल्यों के अनुभव की जानकारी द्वारा संसाधन के संपूर्ण महत्व का चित्र खींचते हैं। यह संसाधन के महत्व और उसके संरक्षण को पॉलिसी बनाने वालों और आमजनता के समक्ष उसे व्याख्यायित करने और प्रबंधन के लिये जनसहयोग जुटानें में उपयोगी होती है और यह दर्शाती है कि समुद्री संसाधन का महत्व उन उत्पादों जो लाये गये और बेचे गये से ज्यादा है।

यह अनुभव या प्रत्यक्ष ज्ञान, जागरूकता अभियान के विकास में भी उपयोगी है क्योंकि, प्रबंधक यह जानना चाहते हैं कि लोग कितना संसाधनों द्वारा प्रदान की गई वस्तुओं और सेवाओं के आगे क्या लाया गया और बेचा गया के बारे में सोचते हैं या महत्व देते हैं। समय-समय पर इन जानकारियों की निगरानी यह देखनें में कि प्रबंधन कार्यक्रम का लोगों के तौर-तरीकों में और प्रत्यक्षज्ञान में क्या प्रभाव होता है में उपयोगी हो सकती है।

विभिन्न पणधारी संसाधनों को कैसे महत्व देते हैं संबंधित जानकारी पणधारियों को एक दूसरे को समझने और आपसी संबंध को बेहतर बनानें में उपयोगी होती है। यह भी उनके लिये एक अवसर होता है कि कुछ संसाधनों (उदा. बाज़ार मूल्य से परे) के महत्व को प्रबंधकों को बतायें ताकि उनकी सुरक्षा बेहतर हो सके।

S16. संसाधन की स्थिति का प्रत्यक्षज्ञान

यह क्या है?

लोग तटीय संसाधनों की स्थिति के बारे में क्या सोच या बोध रखते हैं वही संसाधन की स्थिति का प्रत्यक्षज्ञान है।

आंकड़ें कैसे एकत्र करें?

संसाधन की स्थिति के प्रत्यक्षज्ञान संबंधित आंकड़ें प्रत्येक उत्तरदाता को यह पूछ कर प्राप्त करें- आप कैसे बता सकते हैं कि
प्रत्येक निम्नलिखित संसाधन की वर्तमान परिस्थिति पैमाने का प्रयोग करते हुए– बहुत अच्छा (5), अच्छा (4), नहीं अच्छा या खराब (3), खराब(2), बहुत खराब (1)(संसाधन की तालिका का संपादन कार्यस्थल के संसाधनों का ध्यान रखकर करें) : वायुशिफ_____; कोरल रीफ_____ ताजा पानी (नदी)_____; पहाड़ी जंगल_____; समुद्री घासें_____

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

प्रत्येक संसाधन के लिये पैमाने के प्रत्येक स्तर के उत्तरों के प्रतिशत की गणना करें और उसे सर्वेक्षण विश्लेषण पत्र में अंकित करें।

संसाधन	**उत्तरदाताओं का प्रतिशत जो संसाधन की स्थिति व्याख्यायित करतें है:**				
	बहुत अच्छी (5)	**अच्छी (4)**	**न अच्छी न खराब (3)**	**खराब (2)**	**बहुत खराब (1)**
वायुशिफ	3%	10%	30%	34%	23%
कोरल रीफ	5%	12%	34%	30%	23%
फ्रेश जल	2%	15%	62%	15%	6%
पहाड़ी जंगल	40%	30%	20%	8%	2%
समुद्री घास	12%	18%	30%	27%	2%
संसाधन की तालिका को कार्यस्थल के अनुसार छाँटें					

अतिरिक्त विश्लेषण : कुछ वर्गों को सरल विवेचना के लिये जोड़ा जा सकता है। उदा. यदि 23प्रतिशत उत्तरदाता यह कहते हैं कि वायुशिफ अत्यधिक खराब स्थिति में है और 34प्रतिशत यह कहते हैं कि वह खराब स्थिति में है तो उसे जोड़ते हुए यह कहा जा सकता है कि 50प्रतिशत से अधिक उत्तरदाता यह मानते हैं कि वायुशिफ खराब या अत्यधिक खराब स्थिति में हैं। यह तरीका समझने के लिये आसान है बजाय प्रत्येक वर्ग के प्रतिशत को तालिकाबद्ध करने से। इसके अतिरिक्त, एक संक्षिप्त ब्योरा तैयार किया जा सकता है जो यह बतलाता है कि लोग कैसे संसाधन की दशा या स्थिति को समझते हैं। समय के साथ इन परिणामों का निरीक्षण करने से लोगों की समझ संसाधन की स्थिति के परिप्रेक्ष्य में आये बदलाव की जानकारी मिलेगी।

प्रबंधकों और अन्य पणधारियों के लिए यह जानकारी या सूचनाएँ कैसे उपयोगी हो सकती है?

संसाधन प्रयोक्ता द्वारा संसाधनों की दशा या स्थिति के प्रत्यक्षबोध की जानकारी तटीय संसाधनों पर आने वाले संभवित खतरों की पहचान करने में उपयोगी है। कौन -सा संसाधन खराब स्थिति में है यह जाननें से प्रबंधक यह जान लेते हैं कि इस संसाधन को बड़ा खतरा क्या हो सकता है जबकि अधिकतर खतरे विशेष संसाधन से जुड़े होते हैं। उदा. यदि वायुशिफ, समुद्री घास और कोरल रीफ को पहाड़ी जंगल और फ्रेश जल (नदी) से ज्यादा खराब स्थिति में पाया गया है तो समुद्र पर आधारित गतिविधियाँ जैसे - मछली पकड़ना, नौकायन करना आदि अधिक खतरा हो सकती है बजाय सांसारिक गतिविधियों के।

यह जानकारियाँ जागरूकता कार्यक्रम बनानें में निर्णायक है और इसमें पणधारियों की भागीदारी की अपेक्षा करती हैं। यदि समुदाय के सदस्य यह नहीं मानते हैं कि संसाधन खतरे में हैं तो उन्हें तटीय प्रबंधन में सम्मिलित करना कठिन हो जायेगा। यदि समुदाय के सदस्य यह मानते हैं कि संसाधन अच्छी स्थिति या दशा में है और वैज्ञानिक शोध से यह ज्ञात होता है कि उनकी स्थिति खराब होती जा रही है, ऐसी स्थिति में जागरूकता कार्यक्रम के शुरूआत करने की आवश्यकता होती है ताकि संसाधन की स्थिति के बारे में उन्हें बेहतर जानकारी दी जा सके।

समय के साथ इन जानकारियों का निरीक्षण करने से प्रबंधक यह जानते हैं कि लोगों में प्रबंधन के प्रभाव से संसाधन के प्रति प्रत्यक्ष ज्ञान और तौर तरीकों में क्या परिवर्तन आया है। उदा. यदि तटीय प्रबंधन योजना के अंतर्गत एक जागरूकता अभियान दयनीय तटीय परितंत्र के लिये प्रारंभ किया जाता है और उत्तरदाता लगातार यही बताते रहते हैं कि संसाधन अच्छी दशा में है ऐसी स्थिति में यह माना जाता है कि कार्यक्रम प्रभावी नहीं है।

लोगों के संसाधन की स्थिति संबंधित प्रत्यक्षज्ञान, जैवभौतिकी (Biophysical) शोध और प्रबोधन या निगरानी कार्यक्रम बनाने में उपयोगी होता है। बहुधा यह देखा गया है कि समुदाय के सदस्य जो सीधे संसाधन का उपयोग करते हैं संसाधन की दशा या स्थिति की अधिक जानकारी रखते हैं। यह सूचनाएँ या जानकारियाँ वैज्ञानिक कार्यक्रम को दिशा देने में, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहाँ वैज्ञानिक आंकड़े उपलब्ध न हों उपयोगी होती हैं।

S17. संभवित खतरे को जानना / समझना

यह क्या है?

तटीय संसाधनों को लोगों के विचार में कौन-सा बड़ा खतरा है यही जानना संभवित खतरे को जानना है।

आंकडें कैसे एकत्र करें?

आने वाले खतरे को जानना संबंधित आंकड़े प्राप्त करने के लिये नीचे दिये प्रश्न उत्तरदाता से पूछें: तटीय संसाधन के लिये वह कौन से पहले पाँच बड़े खतरे हैं?
1_____ 2_____ 3_____ 4_____ 5_____

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

सभी सर्वेक्षण से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर बड़े खतरों को सूचीबद्ध करें। उत्तरदाताओं का प्रतिशत की गणना करें जिन्होंने प्रत्येक खतरे को सूची में दिखाये अनुसार नोट किया है और इसे सर्वेक्षण विश्लेषण पत्र में नीचे दिखाये अनुसार अंकित करें:

चिह्नित खतरे	**इस खतरे को नोट करने वालों का प्रतिशत**
नाली में बहने वाला गंदा कूड़ा करकट	53%
जरूरत से ज्यादा मछली पकड़ना	30%
लंगर से होने वाली क्षति	26%

* यह ध्यान दें कि उत्तरों को 100 प्रतिशत तक न जोड़ा जाये क्योंकि, उत्तरदाता पाँच खतरों तक ही सूचीबद्ध कर सकते हैं।

अतिरिक्त विश्लेषण : जहाँ अनुकूल हो वहाँ खतरों को जोड़ें। उदा. यदि कुछ लोग कहते हैं लंगर से होने वाली क्षति और दूसरे कहते हैं नौकायन प्रथा, तो लंगर से होने वाली क्षति कहने वाले उत्तरों को नौकायन प्रथा के अंतर्गत सम्मिलित किया जा सकता है। समय के साथ इन परिणामों का निरीक्षण कर यह आकलन करें की आने वाले खतरों में क्या बदलाव आया है।

इन परिणामों की तुलना साक्षात्कार से प्राप्त आंकड़ों / द्वितीयक स्रोत के प्रभाव के स्तर और प्रकार के आंकड़ों से करें(K23)। ऊपर सूचीगत खतरों को प्रभाव के स्तर और प्रकार के परिणामों में उच्चतम सूचीबद्ध करें। यदि उनमें महत्व अतंर हो तो मुख्य सूचना देने वालों को संपर्क किया जाना चाहिए यह जानने के लिये कि उसका क्या कारण है। यदि अंतर को व्याख्यायित नहीं किया जा सके तो यह आवश्यक हो जाता है कि सही तौर पर आने वाले खतरे को जानने के लिये सभी घरेलू इकाइयों का साक्षात्कार किया जाये। यह दोनों तरह के आंकड़ों से लोगों के लिय कौनसा बड़ा खतरा है जानने में उपयोगी हो सकता है।

लोगों की खतरों के प्रति जानकारी की यथार्थता जानने के लिये इन परिणामों की तुलना संसाधन की दशा संबंधित खतरे के वैज्ञानिक अध्ययन से करें।

प्रबंधकों और अन्य पणधारियों के लिए जानकारियाँ किस प्रकार उपयोगी हैं?

आने वाले खतरों की जानकारी तटीय संसाधन पर आने वाले खतरें की पहचान करने में उपयोगी होती है। समुदाय के सदस्य विशेषकर वे जो संसाधन का उपयोग सीधे करते हैं अक्सर उन्हें संसाधनों को पहुँचने वाले खतरों संबंधी अधिक जानकारी होती है। यह सूचनाएँ या जानकारियाँ वैज्ञानिक कार्यक्रम को दिशा देने में, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहाँ वैज्ञानिक आंकड़े उपलब्ध न हों, मुख्य गतिविधियों की पहचान करते हुए जिन पर यह केन्द्रित है, उपयोगी होती हैं।

समय के साथ इन सूचनाओं पर निगरानी से प्रबंधक तटीय गतिविधियों पर प्रबंधन का प्रभाव देखते हैं।उदा. यदि प्रबंधन कार्यक्रम मछली पकड़ना प्रतिबंधित करता है और लोग खतरे को जानते हुए मछली पकड़ना जारी रखते हैं तब यह कहा जा सकता है कार्यक्रम प्रभावी नहीं था। आगे वैज्ञानिक अध्ययन से ही इसकी यथार्थता का आकलन हो सकता है।

आखिर में, यह जानकारी जागरूकता कार्यक्रम के विकास और पणधारियों की भागीदारी के लिए आलोचनात्मक हो जाती है, यदि समुदाय के सदस्य यह मानते हैं कि इस प्रकार के कार्यक्रमों का तटीय संसाधन पर कोई प्रभाव नहीं है, अतः तटीय प्रबंधन में उन्हें सम्मिलित करना कठिन हो जाता है। यदि समुदाय के सदस्य यह मानते हैं कि एक या दो गतिविधियों द्वारा संसाधन पर प्रभाव पड़ रहा है, जबकि वैज्ञानिक शोध यह दर्शाते हैं कि और भी कई गतिविधियों का प्रभाव है, तो ऐसी स्थिति में एक जागरूकता अभियान प्रारंभ करने की आवश्यकता होती है ताकि लोग संसाधन पर संपूर्ण गतिविधियों के प्रभाव को बेहतर तरीके से समझ सकें।

S18. नियम और विनियम के संबंध में जागरूकता

यह क्या है?

लोगों की तटीय संसाधन के संबंध में विद्यमान नियम और विनियम की जानकारी ही नियम और विनियम के संबंध में जागरूकता कहलाता है।

आंकड़ें कैसे एकत्र करें?

नियम और विनियम संबंधित आंकड़ें प्रत्येक उत्तरदाताओं से निम्नलिखित पूछ कर प्राप्त करें: क्या वहाँ निम्नलिखित गतिविधियों से संबंधित नियम और विनियम हैं?: (गतिविधियों की सूची तैयार करें ताकि (K14) की गतिविधियों पर प्रकाश डाला जा सके, उत्तर हाँ या न में दें): मछली पकड़ना_____ वायुशिफ उपयोग_____ऑक्वाकल्चर_____हा`टलों का विकास_____, आवासी विकास_____वॉटर स्पोर्टस_____ समुद्री परिवहन_____

जागरूकता का आकलन करने के लिए टीम का विद्यमान नियम और विनियम को जानना जरूरी है। यह प्रबंधकों को पूछकर या औपचारिक अधिकार और नियम (K32) तथा अनौपचारिक अधिकार एवं नियम, रीतिरिवाज और परंपारएँ (K33) तथा खंड में एकत्रित जानकारी द्वारा इसका आकलन कर सकते हैं। उत्तरों की तुलना के लिए संसाधनों को गोलकृत करें जिनके संबंध में नियम और विनियम विद्यमान हैं।

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

उत्तरदाताओं के प्रतिशत की गणना करें जिन्होंने प्रत्येक गतिविधि के लिए नियम और विनियम को नोट किया हो और इसे सर्वेक्षण विश्लेषण पत्र में नोट करें।

अतिरिक्त विश्लेषण : गोलकृत किये गये संसाधनों के प्रतिशत की तुलना करें। गोलकृत गतिविधियों (जिनके लिये नियम और विनियम विद्यमान है) के प्रति अधिक जागरूकता होती है बजाय अन्य गतिविधियों के। गतिविधियाँ जिसकी अधिक जागरूकता है, अब तक प्रारंभ नहीं हुई हैं लोगों की गलतफहमी को दर्शाती है। गतिविधियाँ जिनको गोलाकृत किया है और उनकी कम जागरूकता है यह दर्शाती है कि लोग यह नहीं मानते हैं कि उन गतिविधियों को लिये कोई नियम और विनियम हैं। एक संक्षिप्त कथात्मक विवरण विद्यमान नियम और विनियम की चर्चा करते हुए उनके अनुपालन और कार्यान्वित करने (इन दो परिवर्तियों के परिणाम आगे दिये गये अनुसार प्राप्त करें) के बारे में तैयार करें।

प्रबंधकों और अन्य पणधारियों के लिये यह जानकारी कैसे उपयोगी है?

यह जानकारी जागरूकता कार्यक्रम तैयार करने और पणधारियों की भागीदारी लेने में आलोचनात्मक है। यदि समुदाय के सदस्यों को विद्यमान नियम और विनियमों के प्रति जागरूक नहीं है तो उनके लिये उनका पालन करना कठिन हो जाता है। उनको तटीय प्रबंधन में सम्मिलित करना भी कठिन हो जाता है। समुदाय का नियमों और विनियमों के प्रति जानकारी के स्तर को समझ जागरूकता कार्यक्रम तैयार करने में महत्वपूर्ण होती है। शिक्षा अनुपाल की नींव या आधार है। अतः इसलिए यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि प्रबंधक यह जाने कि समुदाय के लोग किस नियम और विनियम से अन्नभिज्ञ हैं ताकि जागरूकता कार्यक्रम उसको लक्षित करके तैयार किया जा सके। नियमों और विनयमों की समुदाय के लोगों में जागरूकता की निगरानी महत्वपूर्ण होती है लोगों के व्यवहार और प्रत्यक्षज्ञान पर प्रबंधन के प्रभाव का आकलन करने में।

S19. अनुपालन

यह क्या है?

अनुपालन यह बताता है कि लोगों को किस सीमा तक विनियमों के अनुपालन का बोध है। लोगों के नियमों और विनियमों के अनुपालन की सीमा का बोध संबंधित जानकारी का संबंध, कितनें लोग नियम और विनियम के प्रति जानकारी रखते हैं से जुड़ा हुआ है।

आंकड़ें कैसे एकत्र करें?

अनुपाल संबंधित आंकड़ें उत्तरदाताओं से निम्नलिखित पूछकर करें:
1 से 5 के स्केल पर (1= अनुपालन नहीं करना, 5 = संपूर्ण अनुपालन) यह बतायें कि लोग किस सीमा तक तटीय प्रबंधन के नियमों और विनियमों का पालन करते हैं?_____

अतिरिक्त आंकड़े: उत्तरदाताओं को यह पूछा जाना चाहिए कि किन गतिविधियों या नियमों का लोग पालन करते हैं और किनका नहीं।

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

उत्तरदाताओं के प्रतिशत की गणना प्रत्येक अनुपालन बोध के स्तर के लिये करें और उसे सर्वेक्षण विश्लेषण पत्र में नोट करें।

अतिरिक्त विश्लेषण : कुछ वर्गों को सरल निर्वचन के लिये जोड़ा जा सकता है। उदा. यदि 23 प्रतिशत उत्तरदाता यह कहते हैं कि वहाँ पूरा अनुपालन है और 42प्रतिशत उत्तरदाता यह कहते हैं कि थोड़ा अनुपालन हुआ है तो इसे जोड़ कर यह कहा जा सकता है कि 65प्रतिशत उत्तरदाता यह महसूस करते हैं कि थोड़े से पूरे तक अनुपालन हुआ है। यह समझने में सरल है बजाय प्रत्येक वर्ग के प्रतिशत सुननें से। इन परिणामों की तुलना समय के साथ अनुपालन का स्तर बढ़ता है, घटता है या स्थिर रहता है के आकलन में करें। यह उपयोगी होगा कि अनुपालन, कार्यान्वित करना और विद्यमान नियम तथा विनियम के संबंध में एक संक्षिप्त चर्चा पिछले और आगे आने वाले परिवर्ती से करें।

प्रबंधकों और अन्य पणधारियों के लिये जानकारियाँ कैसे उपयोगी होंगी?

पणधारियों की भागीदारी और तटीय प्रबंधन की समस्याओं की पहचान को समझने के लिये अनुपालन संबंधित जानकारी उपयोगी होती है। अनुपालन की कमी सिर्फ संसाधन के लिये ही नहीं बल्कि पणधारियों के सहयोग लेने में अहितकर होती है। यदि यह चारों तरफ यह मान लिया जाता है कि लोगों द्वारा विनियमों का पालन नहीं हो रहा है तो ऐसी स्थिति में किसी का भी विश्वास, सहयोग, भागीदारी लेने या अनुपालन करने में कठिनाई होती है।

समय के साथ इन जानकारियों या सूचनाओं की निगरानी से प्रबंधक लोगों के तौर-तरीकों और प्रत्यक्षबोध पर प्रबंधन का प्रभाव देखते हैं। यदि अनुपालन का स्तर बढ़ता है तो यह लोगों के अनुपालन बोध को दर्शाता है। अगर ऐसा नहीं है तो प्रबंधक के लिये यह आवश्यक हो जाता है कि वे अधिक प्रभावपूर्ण अनुपालन के लिये लोगों(उदा.नियमों के उलंघन की संख्या में कमी की रिपोर्ट पार्क के सूचनापत्र में) से बातचीत करें।

S20. कार्यान्विति या प्रवर्तन

यह क्या है?

कार्यान्विति यह बताता है कि लोगों को किस सीमा तक नियमों और विनियमों के कार्यान्वित होने का बोध है। यह अनुपालन लोगों के व्यवहार(उदा. क्या लोग नियमों में निष्ठा रखते हैं) बताता है, के अतिरिक्त अनुपालन के समान है। कार्यान्विति प्रबंधन गतिविधियों को जैस- गश्त लगाने, दंड वसूलने और गैरकानूनी यंत्रों को जब्त करने आदि का परिचय देता है। लोगों के नियम और विनियम किस सीमा तक कार्यान्वित किये गये है संबंधित जानकारी दृढ़ रूप से कितने लोग नियम और विनियम के बारे में जानते हैं से जुड़ी हुई है।

आंकड़े कैसे एकत्र करें?

कार्यन्विति संबंधी आंकड़े उत्तरदाताओं से निम्नलिखित पूछकर करें:
1 से 5 के स्केल पर (1= कार्यान्वित नहीं किया गया, 5 = पूरा कार्यान्वित) यह बतायें कि किस सीमा तक नियम और विनियम कार्यान्वित हुये हैं?_____

अतिरिक्त आंकड़े एकत्र करना : उत्तरदाता को से कार्यान्विति के संबंध में सुनिश्चित प्रश्न पूछा जाये जैसा पूछें- किस सीमा तक प्रत्येक तटीय गतिविधि के लिये नियम और विनियम कार्यान्वित किये गये हैं? कितनी बार नियमों को तोड़ते हुए पकड़ा गया है? और प्रबंधन समिति कार्यान्विति को बेहतर बनाने में कौनसा एक काम कर सकती है?

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

उत्तरदाताओं के प्रतिशत की गणना प्रत्येक कार्यान्विति बोध के स्तर पर करें और उसे सर्वेक्षण विश्लेषण पत्र में दर्ज करें।

अतिरिक्त विश्लेषण : जैसा कि पहले के खंड में अनुपालन संबंध में चर्चा की गई थी कुछ वर्गों को सरल निर्वचन के लिये जोड़ सकते हैं। इन परिणामों की तुलना समय के साथ-साथ यदि कार्यान्विति बढ़ रही है, घट रही है या स्थिर है के आकलन के लिये करें। एक संक्षिप्त कथात्मक विविरण कार्यान्विति, अनुपालन, और विद्यमान नियम तथा विनियम की चर्चा करते हुए तैयार करें। कार्यान्विति में बदलाव की तुलना पणधारियों के भागीदारी और संतुष्टि (K35) तथा निर्णयों में भागीदारी (S21) में बदलाव से करें और देखें इन दोनों के आपसी संबंध को देखें।

प्रबंधकों और अन्य पणधारियों के लिये जानकारियाँ कैसे उपयोगी हैं?

कार्यान्विति संबंधी जानकारी तटीय प्रबंधन की समस्या समझने में महत्वपूर्ण है। कार्यान्विति प्रबंधन का अधिक दिखाई देने वाला पहलू है और इसलिए वह समुदाय को प्रबंधन की प्रभावात्मकता का बोध कराने वाला मुख्य अंग है। कार्यान्वित करने में कमी सिर्फ संसाधनों के लिये ही नहीं है बल्कि वह पणधारियों के सहयोग लेने में भी अहितकर है। अनुपालन के समान, यदि चारों तरफ यह मान लिया जाता है कि नियम और विनियम कार्यन्वित नहीं हो रहे हैं तो ऐसी स्थिति में किसी का भी विश्वास, सहयोग, भागीदारी लेने या अनुपालन करने में कठिनाई होती है। समय के साथ इन जानकारियों या सूचनाओं की निगरानी से भी प्रबंधक शासनप्रणाली पर प्रबंधन का प्रभाव देखते हैं जबकि कार्यान्विति उसका मुख्य अंग है। यह पणधारियों का अवसर देता है कि वे प्रबंधकों को उनके प्रबंधन की प्रभावात्मकता बोध के बारे में बतायें।

S21. निर्णय सृजन में भागीदारी

यह क्या है?

निर्णय लेने में भागीदारी यह बताता है कि तटीय प्रबंधन में संसाधन प्रयोक्ता विशेषकर निर्णय सृजन में कितने सक्रिय हैं।

आंकड़ों को कैसे एकत्र करें?

तटीय प्रबंधन में भागीदारी संबंधी आंकड़े प्रत्येक उत्तरदाता को निम्नलिखित प्रश्न पूछकर प्राप्त करें:
1 से 5 के स्केल पर (1= भागीदारी नहीं, 5= पूरी सक्रिय भागीदारी) यह बतायें कि किस सीमा तक आप तटीय प्रबंधन में भागीदारी रखते हैं,:

निर्णय सृजन में?_____
निगरानी में?_____
जागरूकता बढ़ानें में?_____
कार्यान्विति / चौकसी_____

1 से 3 के स्केल पर (1उकम, 2 = मध्यम, 3 = अधिक) यह बतायें कि किस सीमा तक तटीय प्रबंधन में अपने भागीदारी के स्तर से संतुष्ट हैं, :

निर्णय सृजन में?_____
निगरानी में?_____
जागरूकता बढ़ानें में?_____
कार्यान्विति / चौकसी_____

प्रबंधन गतिविधियों की सूची को प्रबंधन की में महत्ता प्राप्त गतिविधियों में शामिल किया जाना चाहिए(यदि विद्यमान हो तो प्रबंधन योजना की राय लें।)

अतिरिक्त आंकड़ों को एकत्र करना: उत्तरदाता को यह भी पूछा जाना चाहिए : क्या आप निर्णय-सृजन / तटीय प्रबंधन गतिविधियों में भाग लेगें? और किस प्रकार की भागीदारी आप देना पसंद करेंगे? यदि आप तटीय प्रबंधन में उनके भागीदारी के स्तर से संतुष्ट नहीं है तो उत्तरदाता से यह पूछना उपयोगी होगा कि- क्यों या कैसे उनकी भागीदारी का स्तर बेहतर

हो सकता है? यह प्रश्न पूछे गयें है इस बात का आकलन करने के लिये कि यदि उत्तरदाता यह महसूस करते हैं कि क्या उन्हें वास्तव में निर्णय-सृजन में और तटीय प्रबंधन गतिविधि में भागीदारी का अवसर मिलेगा और कैसे वे भविष्य में भागीदारी देना पसंद करेंगे।

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

उत्तरदाताओं के प्रतिशत की गणना प्रत्येक भागीदारी और संतुष्टि बोध के स्तर के लिये गये सर्वेक्षण से करें और उसे सर्वेक्षण विश्लेषण पत्र में प्रबंधन गतिविधियों के अनुसार अंकित करें। प्रत्येक भागीदारी के स्तर और प्रत्येक चिह्नित गतिविधि के लिये गणना करें कि कितने प्रतिशत अधिक, मध्यम और कम संतुष्ट हैं।(सर्वेक्षण विश्लेषण पत्र देखें)

अतिरिक्त विश्लेषण : समय के साथ यह आकलन करने के लिये कि भागीदारी और संतुष्टि स्तर बढ़ रहा है, घट रहा है या स्थिर बना हुआ है परिणामों की तुलना करें। इन परिणामों की तुलना लोगों के संसाधन की दशा और आने वाले खतरे के बोध (S16 और S18) तथा नियम और विनियमों की जागरूकता (S21) संबंधित आंकड़ों से करें और देखें यदि इनमें कोई आपसी संबंध हो। उदा. यदि नियम और विनियम के प्रति जागरूक नहीं हैं और यह सोचते हैं कि संसाधनों को बहुत कम खतरा है तो ऐसी स्थिति में प्रबंधन में भागीदारी के लिये प्रयास नहीं करेंगे। भागीदारी और संतुष्टि, समय के साथ उसमें कैसे बदलाव हुआ और कैसे वह लोगों के प्रत्यक्षज्ञान से जुड़ी हुई है, के संबंध एक संक्षिप्त चर्चा की जा सकती है।

प्रबंधकों और अन्य पणधारियों के लिये जानकारियाँ कैसे उपयोगी हो सकती हैं?

समय के साथ भागीदारी की निगरानी से प्रबंधक देखते हैं कि पणधारियों को प्रबंधन में सम्मिलित करना जो बहुधा प्रबंधन का उद्देश्य था, से कार्यक्रम कितना प्रभावी रहा। पणधारियों के संतुष्टि स्तर का उनके तटीय प्रबंधन क्रियान्वयन में उनके भागीदारी के स्तर के साथ निगरानी पणधारियों की प्रबंधन कार्यक्रम से संतुष्टि और उनके सहयोग को जारी रखने की संभावना को दर्शाती है।

पणधारियों का भागीदारी स्तर, तटीय संसाधनों का लोगों के लिये महत्व समझने में उपयोगी होता है। जितने अधिक लोग संसाधन का महत्व समझेंगे उतना ही उनकी प्रबंधन में भागीदारी बढ़ेगी। यहाँ और भी कई कारण हैं जैसे संकट की स्थिति(उदा. तेल का रिसाव) , परन्तु साधारणतया पणधारियों के भागीदारी का स्तर संसाधन के महत्व को दर्शाने में उपयोगी हो सकता है।

भागीदारी और संतुष्टि के स्तर की निगरानी भागीदारी के साथ पणधारियों को एक अवसर प्रदान करती है कि वे प्रबंधकों को प्रबंधन क्रिया के संबंध में प्रतिपुष्टि दे सकें। यह विशेष पणधारियों पर लक्षित प्रयास के लिये पणधारियों और प्रबंधकों के लिए मदद होगी।

S22. पणधारियों के संगठनों / संस्थाओं में सदस्यता

यह क्या है?

संसाधन उपयोगकर्ता पणधारियों के संगठनों में सदस्यता संदर्भित है औपचारिक और अनौपचारिक दोनों सदस्यता से। पणधारी संगठन में सीधे प्रयोगकर्ता(उदा. मछुवारों की सहकारी संस्था, गोताखोरी क्लब) के साथ ही साथ लोग जिनकी गतिविधियाँ संसाधन को प्रभावित करती हैं(उदा. वनवासी संघ, होटल संघ) और जो संसाधन पर प्रभाव नहीं डालते, लेकिन प्रबंधन में पैसा लगाते या हस्तक्षेप रखते हैं(उदा. पर्यावरण संगठन)।

आंकड़ें कैसे एकत्र करें?

पणधारियों के संगठन में सदस्यता संबंधी आंकड़ें उत्तरदाता को निम्नलिखित प्रश्न पूछ कर करें:
क्या आपके परिवार से कोई संगठन का सदस्य है?_____
किस सगंठन या संगठनों का?_____

अतिरिक्त आंकड़े एकत्र करना: टीम नगर सदस्यता के बारे में भी पूछ सकती है(उदा.चर्च, युवकों का संगठन, स्त्रियों के संघ) साधारण तौर पर समुदाय की भागीदारी संबंधित जानकारी प्राप्त करने के लिए।

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

उत्तरदाताओं का प्रतिशत की गणना करें जो कि कम से कम एक संगठन के सदस्य हों। नामी संगठनों की सूची तैयार करें और प्रत्येक संस्था के सदस्य उत्तरदाताओं के प्रतिशत की गणना करें। इन जानकारियों को सर्वेक्षण विश्लेषण पत्र में अंकित करें।
कम से कम एक संगठन में सदस्यता का प्रतिशत 82%

सदस्यता के लिये नामी संगठन	% उत्तरदाता संगठन में सदस्य
मछुवारा सहकारी संस्था	67%
वॉटर स्पोर्टस एसोसिएशन	32%
टूरिज्म एसोसिएशन	10%
ऑक्वाकल्चर बिजनेस ऑनर ग्रुप	25%

अतिरिक्त विश्लेषण : समय के साथ सदस्यता विस्थापन के परिणामों की तुलना करें। अनेकों पणधारियों के संगठन की सदस्यता प्रतिशत की व्यवसाय (K12) प्रतिशत से तुलना करें यह देखने के लिये कि उनमें क्या संबंध है(उदा. यदि 90% समुदाय के मछुवारे हैं तो वहाँ पर मछुवारा एसोसिएशन में सदस्यता का प्रतिशत अधिक होगा)। सदस्यता एक संक्षिप्त विवरण दिया जा सकता है, कि कैसे यह व्यवसायगत ढाँचे से संबंधित है और कैसे उसमें समय के साथ बदलाव आया है।

प्रबंधकों और अन्य पणधारियों के लिये जानकारियाँ कैसे उपयोगी हैं?

यदि नामी संगठन तटीय प्रबंधन में शामिल होते हैं तो उसकी सदस्यता पणधारियों की प्रबंधन में भागीदारी का सूचक होगी। उदा. यदि मछुवारा एसोसिएशन किसी निश्चित क्षेत्र को मछली पकड़ने से बंद करने के लिये उत्तरदायी होती है तो अधिक सदस्यता सूचित होती है और तटीय प्रबंधन में अधिक भागीदारी का पता चलता है।

यदि कोई संगठन में असंतुलित सदस्यता है तो उसके आकलन के लिये सदस्यता और व्यवसायिक ढाँचे की तुलना उपयोगी होती है। व्यवसाय जिसमें अधिक लोगों को रोजगार मिलता है उससे ऊँचे दर्जे की सदस्यता की आशा की जाती है। इस आशा से उत्पन्न विवाद यह सूचित करता है कि समस्या आपेक्षाकृत बड़ी है- सदस्यता ग्रुप को अधिक महत्व दिया जाना या संगठन को अधिक प्रभावी मानना। यदि कोई व्यवसाय कम कर्मचारी के साथ ऊंचे दर्जे की सदस्यता रखता है यह हो सकता है चूँकि लोग रोजगार में उनकी रुचि के अनुसार व्यवसाय में नहीं थे(उदा. जैसे समुदाय के लोग मछली पकड़ने के व्यवसाय से पर्यटन व्यवसाय में आते हैं, लेकिन लोग मछुवारा सहकारी संघ के सदस्य रुचि के अनुसार बने रहते हैं)। यह उपयोगी होगा कि मुख्य सूचना देने वालों से बातचीत की जाये और परिणामों को उनको समझाया जाये।

S23-25 विदित तटीय प्रबंधन की समस्याएँ, विदित तटीय प्रबंधन उपाय, विदित समुदाय समस्याएँ

यह क्या है?

विदित तटीय प्रबंधन समस्याएँ और उसके उपाय तथा विदित समुदाय समस्याएँ आवश्यक रूप से यह मूल्यांकन करती हैं कि जिन समस्याओं का सामना समुदाय और तटीय प्रबंधन कर रहा है और उन्हें कैसे सुलझाया जाये के बारे में लोग क्या सोचते हैं।

आंकड़े कैसे एकत्र करें?

इस परिवर्ती संबंध आंकड़े उत्तरदाता से निम्नलिखित प्रश्न पूछ कर प्राप्त करें:
संभवित खतरों से अलग, आप कौन -सी दो बड़ी समस्याएँ देखते हैं जिसका सामना समुदाय में तटीय प्रबंधन कर रहा है? 1_____; 2_____
आप इन समस्याओं का क्या उपाय देखते हैं? 1_____; 2_____
समुदाय कौन-सी दो बड़ी समस्याओं का सामना कर रहा है? 1_____; 2_____

अतिरिक्त आंकड़े एकत्र करना: उत्तरदाताओं को पहचानी गयी समस्या और उसके उपाय को समझाने के लिये पूछा जा सकता है। उन्हें यह भी पूछा जा सकता है कि समुदाय की समस्या का क्या उपाय वे सोचते हैं।

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

सभी सर्वेक्षण से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर, समुदाय जो बड़ी समस्याओं का सामना कर रहा है उसकी सूची तैयार करें। उत्तरदाताओं के प्रतिशत की गणना करें जिन्होंने प्रत्येक समस्या को बताया हो। वर्ग की अनुकूलता के अनुसार समस्याओं का समूह बनायें, विशेषकर कोई विशेष समस्या के संबंध में। उदा. यदि 4प्रतिशत उत्तरदाता समुदाय में मछुवारों क और ख के बीच के झगड़े और 12प्रतिशत मछुवारों के बीच के साधारण झगड़े को बताते हैं तो इन्हें सरलता के लिये जोड़ा जाना चाहिए। इस सूचना को सर्वेक्षण विश्लेषण पत्र में दर्ज करें।

इसी विधि द्वारा इसी तरह विदित तटीय प्रबंधन उपायों और विदित समुदाय समस्याओं के आंकड़े एकत्र करें।

अतिरिक्त विश्लेषण : समय के साथ विदित प्रयोजन के लिये प्रबंधन समुदाय में कैसे लाता है इसके परिणामों की तुलना करें। लोगों का समस्या और उसके उपाय संबंधी प्रत्यक्ष ज्ञान और इसमें समय के साथ आये बदलाव का एक विवरण दिया जा सकता है।

प्रबंधकों और अन्य पणधारियों के लिये जानकारियाँ कैसे उपयोगी हो सकती हैं?

तटीय प्रबंधन समस्याएँ और उसके उपाय संबंधित लोगों के प्रत्यक्षज्ञान की जानकारी उपयोगी होती है यह समझने के लिये कि लोग क्या सोचते हैं कि उन्हें तटीय प्रबंधकों द्वारा इस संबंध में बताया जाना चाहिए जो कि प्रबंधकों को प्रबंधन प्राथमिकता तय करने में सहायक हो। समुदाय समस्या की जानकारी प्रबंधकों को यह समझने में सहायक होती है कि कौन -सी बड़ी समस्याओं का सामना समुदाय कर रहा है(उदा. घटिया पोषण, विद्युत की कमी) जिसमें प्रबंधन कार्यक्रम सहायक हो सकता है या नहीं भी। प्रबंधकों के समुदाय से संबंधों के परिप्रेक्ष्य में विदित समस्याओ और उसके उपायों का अधिक महत्व है बजाय विज्ञान द्वारा चिह्नित खतरों और उसके उपायों का, इन सबका समुदायों से मुख्य संबंध है और इसलिए प्रबंधन इन समस्याओं को बताते देखा गया है या उसे असली समस्याओं को समुदायों को बताना चाहिए यदि उनमें बड़ा अंतर हो।

S26 और S27. तटीय प्रबंधन की सफलता और चुनौतियाँ

यह क्या है?

तटीय प्रबंधन की सफलता और चुनौतियाँ, समुदाय में तटीय प्रबंधन में क्या अच्छी तरह कार्य करेगा और क्या नहीं के बारे में लोग क्या सोचते हैं का मूल्यांकन करता है।

आंकड़े कैसे एकत्र करें?

तटीय प्रबंधन की सफलता और चुनौतियाँ संबंधी आंकड़े उत्तरदाता से निम्नलिखित पूछकर प्राप्त करें:
आप कौन -सी दो चीजें सोचते हैं कि जो समुदाय में तटीय प्रबंधन के लिये अच्छा कार्य करेंगी? 1 _____; 2 _____
आप कौन -सी दो चीजें सोचते हैं जो कि समुदाय में तटीय प्रबंधन के लिये अच्छा कार्य नहीं करेंगी? 1 _____; 2 _____

अतिरिक्त आंकडों को एकत्र करना : उत्तरदाताओं को ऊपर पूछे गये प्रत्येक प्रश्न को व्याख्यायित करने के लिये कहें।

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

सभी सर्वेक्षण से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर, उत्तरदाताओं के बताये अनुसार उन चीजों का जो कि तटीय प्रबंधन में अच्छा काम करती हैं सूचीबद्ध करें। उत्तरदाताओं के प्रतिशत जिन्होंने प्रत्येक चीजों को नोट किया था कि गणना करें। चीजों को वर्गों के अंतर्गत अनुकूलता के हिसाब से ग्रुप में बाँटे। इसी तरह से यही विधि अपनाते हुए तटीय प्रबंधन की चुनौतियों संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण करें। इन जानकारियों को सर्वेक्षण विश्लेषण पत्र में अंकित करें।

अतिरिक्त विश्लेषण : समय के साथ तटीय प्रबंधन संबंधी सफलता और चुनौतियों में आये बदलाव के परिणामों की तुलना करें। परिणामों का परीक्षण करने के लिये इसकी तुलना विदित तटीय प्रबंधन की समस्याओं (S24) से करें।

प्रबंधकों और अन्य पणधारियों के लिये जानकारियाँ कैसे उपयोगी हो सकती हैं?

तटीय प्रबंधन की सफलता और चुनौतियों संबंध जानकारी, तटीय प्रबंधन में अवसरों और उपायों के संबंध में परिज्ञान प्रदान करती है। यह लोगों के तटीय प्रबंधन संबंधी तौर-तरीके और प्रत्यक्षज्ञान को समझने में भी उपोयगी होती हैं और उनको प्रबंधन में भाग लेने के लिए इच्छा जाहिर करने में भी उपयोगी हो सकती है। यदि यह जाना जाता है कि यह तटीय प्रबंधन कार्यक्रम अच्छा कार्य करेगा तो ज्यादा से ज्यादा लोग इस कार्यक्रम में सम्मिलित होना चाहेंगे। यह सूचनाएँ या जानकारियाँ पूरा परिज्ञान देती हैं कार्यक्रम के प्रभाव का आकलन करनें में या प्रबंधन के संबंध में गलत धारणा को उजागर करने में ताकि प्रबंधक समुदाय को इसे विशेष विवरण के साथ समझा सकें।

यह पणधारियों को प्रबंधन कार्यक्रम की सफलता और असफलता के संबंध में प्रबंधकों को प्रतिपुष्टि प्रदान करने का अवसर देती है।

S28. जीवन की भौतिक शैली

यह क्या है?

जीवन की भौतिक शैली एक सूचक है समुदाय की समाज सापेक्ष स्थिति का और अक्सर इसे संपत्ति सूचक के रूप में भी उपयोग किया जाता है। इसमें घर-मकान बनाने का समान (उदा. छत, दीवारें), घरेलू साज-सज्जावट(उदा.गलीचा, सोफा-कुर्सियाँ), घरेलू इलेक्ट्रानिक(उदा. सेटेलाइट टी.वी., रेडियो) और उत्पादनकारी संपत्ति(उदा. नावें, मछली पकड़ने के यंत्र) का मूल्यांकन शामिल हो सकता है।

आंकड़े कैसे एकत्र करें?

जीवन की भौतिक शैली संबंधित आंकड़े अधिक सरलता से अवलोकन और साक्षात्कार द्वारा प्राप्त किये जा सकते हैं। पहले यह महत्वपूर्ण है कि मुख्य सूचना देने वालों का साक्षात्कार धन-संपत्ति और गरीबी का मानदंड क्या है के बारे में करें। कौन सा घर-मकान बनाने का समान, घरेलू साज-सज्जावट, इलेक्ट्रानिक और उत्पादनकारी संपत्ति धन-संपत्ति / गरीबी को दर्शाती है। इसके पश्चात उत्तरदाता को घरेलू स्तर पर निम्नलिखित प्रश्न पूछे जायें:
क्या आपका अपना मकान है? हाँ _____; नहीं _____
घर का आकार : कितने कमरे हैं _____

तत्पश्चात निम्नलिखित जानकारियों का अवलोकन करें या पूछें:
छत का प्रकार : टाईल_____, टीन_____, लकड़ी_____, छप्पर _____, घास-फूस _____
दीवार के बाहरी ढाँचे का प्रकार : टाईल_____, ईंट / कांक्रीट_____, पत्थर_____, गारा_____, खर_____, घास-फूस_____
खिड़कियाँ : ग्लास_____, फ्रेम_____, खुली हुई जगह_____, कोई नहीं _____
फर्श : टाईल_____,लकड़ी_____, सीमेंट_____, गारा_____
जल आपूर्ति : जल पाइप द्वारा_____, निजी कुआँ / पाताल कुआँ_____, सार्वजनिक कुआँ_____, नदी_____
पॉवर : विद्युत उर्जा_____, सोलर उर्जा_____, बैटरी_____, कोई भी नहीं_____

यह एक सरलीकृत घर बनाने के समान की सूची है। कुछ अध्ययनों में अध्ययन क्षेत्र के अंतर्गत इस सूची को संपत्ति प्रवणता को सही दर्शाने के लिये आवश्यकता अनुरूप सुधार किया जा सकता है। उदा. कुछ स्थानों पर गारे से बनी दीवारों को सबसे सस्ता माना जाता है, जिसमें सूची को पुनः बनाने की आवश्यकता होती है:
दीवार : कांक्रीट फिनिश_____, कांक्रीट फिनिश नहीं की हुई_____, पत्थर फिनिश_____, पत्थर और गारा_____, गारा_____

अन्य अध्ययन में जहाँ घर बनाने के सामान जिससे घर बना हो का मतलब संपत्ति या गरीबी का मापदंड माना जाता है लेकिन अधिकतर घर एक जैसे ही सामान से बने हुए हैं, ऐसी स्थिति में सामान की दशा ही बेहतर तरीका हो सकती है संपत्ति के विभिन्न स्तर के अंतर देखने के लिए। इसके पश्चात छत बनानें के सामान के प्रत्येक वर्ग की दशा को लिया जा सकता है उदा.(टीन, छप्पर) वहाँ पर दशा अच्छी या खराब प्रवणता की हो सकती है।

समय के साथ सही निर्माणकार्य के स्तर की अर्थपूर्ण तुलना की आवश्यकता होगी।

उत्पादनकारी संपत्ति को जानने के लिये उत्तरदाता से निम्नलिखित पूछें:
क्या आप के पास अपनी नाव है?_____
आपके कितनी नावों के मालिक हैं?_____
नाव किस चीज की बनी हुई है, (फाइबरग्लास या लकड़ी)?_____
नाव कैसे चलती है(पैडल, पाल, या मोटरीकृत)?_____

कुछ अध्ययनों में देखा गया है कि गृहनिर्माण को समुदाय नें सामाजिक स्थिति या दशा तय करने का साधन नहीं माना है। इस अध्ययनों में टीम अपना ध्यान घरेलू और उत्पादनकारी संपत्ति जैसे पशुधन, परिवहन और जमीन आदि पर केन्द्रित कर सकती है। कुछ अध्ययनों में उपयोग में आने वाली नौकाओं के प्रकार को संपत्ति का एक अच्छा सूचक माना गया है।

अतिरिक्त आंकड़े एकत्र करना : समुदाय में सामाजिक स्थिति या दशा और संपत्ति के बारे में अधिक जानने के लिए, उत्तरदाताओं को उनकी अन्य घरेलू संपत्ति के स्वामित्व के बारे में पूछा जाना चाहिए। इस सूची में सम्मिलित है जैसे- टेलीविजन, रेडियो, रेफ्रिजरेटर, फर्निचर और अन्य संपत्ति। उन्हें मछली पकड़ने के यंत्रों के स्वामित्व के बारे में भी पूछा जा सकता है। संपत्ति के आधार पर उत्तरदाताओं को पणधारियों के ग्रुप को श्रेणीबद्ध करने के लिये कहा जा सकता है।

स्वभावतः संपत्ति या सामान का प्रयोग प्रत्येक कार्यस्थल पर निर्भर करता है और अधिकतम अनुकूल को ही टीम द्वारा बताया जाता है। यह मापदंड कुछ अन्य स्थलों में प्रतिबिंबित हो साकता है। इस प्रकार सही समय पर सही प्रश्न जोड़ना सही तात्पर्य दे सकता है।

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

उन मकानों के प्रतिशत की गणना करें जिनमें प्रत्येक वर्ग से घर बनाने का समान उपयोग में लाया गया है और इसे सर्वेक्षण विश्लेषण पत्र में अंकित करें।

प्रबंधकों और अन्य पणधारियों को यह जानकारियाँ कैसे उपयोगी हो सकती हैं?

समय के साथ जीवन की भौतिक शैली संबंधी जानकारी समुदाय की आर्थिक स्थिति और संबंधित संपत्ति के बारे में जानने में उपयोगी होती है और विशेषकर उन क्षेत्रों में जहाँ आय संबंधी आंकड़े सही मालूम नहीं किये जा सकते। समय के साथ प्रबंधन का जीवनयापन पर प्रभाव का आकलन करना महत्वपूर्ण है। यदि तटीय प्रबंधन कार्यक्रम सकारात्मक प्रभाव डालता है तो जीवन की भौतिक शैली संबंधित परिणाम का प्रतिशत ऊँचे स्तर पर विस्थापित हो सकता है(उदा. छप्पर से टीन छत)। यह विशेषकर समुदाय की आर्थिक लाभ के शेयर(इक्विटी) की सीमा के आकलन में उपयोगी होगीं। यदि प्रबंधन कार्यक्रम से न्याय संगत प्रभाव दिखता है, तो टीम सारे समुदाय और पणधारियों के दलों में विस्थापन की स्थिति को देखेगी।

जीवन की भौतिक शैली संबंधित जानकारी बढ़ने से संपत्ति द्वारा पणधारियों का समय के साथ उनके अच्छी स्थिति में होने का मूल्यांकन करती है और यह एक प्रबंधन के प्रभावी होने का सूचक हो सकता है।

S29. गरीबी का स्तर

यह क्या है?

गरीबी के कई आयाम हैं और इसे भिन्न संस्कृति तथा संदर्भ में विभिन्न तरीकों से परिभाषित किया जा सकता है। बहुधा, गरीबी को इस प्रकार परिभाषित करते हैं- गरीबी वह स्थिति है जिसमें लोग अपनी दशा से संतुष्ट नहीं हो सकते जो कि उनकी न्यूनतम आय स्तर, उपभोग या पौषणिक अन्तर्ग्रहण से संबंधित है, जो कि उनकी मूलभूत आवश्यकता जैसे भोजन, घर और तंदुरुस्ती के लिये आवश्यक है। उत्तरोत्तर, गरीबी के अन्य अभौतिक पक्षों को भी मान्यता मिली है और गरीबी को अनेको आयामों वाली दशा के द्वारा परिभाषित किया गया है "जिसके कई रूप हैं, जो कि जगह-जगह पर और समय के साथ बदलते रहते हैं और जिसे अनेकों तरीकों से वर्णित किया गया है।"[8] दक्षिण एशिया के अनेकों समुदायों में, आय के मानदंड, उपभोग या पौषणिक स्तर दोनों के संबंध में गरीबी चारों ओर फैली हुई है और व्यापक स्तर पर लोगों की सामर्थ्यता अपने स्वयं और अपने परिवार को चुननें, उनके निर्णयों पर असर करते हुए उनके जीवन को या उनके जीवनयापन में सकारात्मक बदलाव लाने की क्षमता को प्रभावित करती है। सॉकमॉन के प्रसंग के आधार पर तटीय और सामुद्रिक संसाधनों के प्रयोक्ताओं के समुदायों में यह सभी गरीबी के पहलू महत्वपूर्ण हैं और गरीबी के स्तर को एक सूचक के रूप में प्रयोग कर समुदाय में गरीब और सुसंपन्न लोगों में अंतर को जानते हैं। पहले तो उनके पास की संपत्ति और दूसरे इसके द्वारा समाज पर प्रभाव(दोनों में चुनाव करने की क्षमता कि वे कैसे इन स्रोतों का उपयोग करें जो उनके पास उपलब्ध हैं)।

आंकड़ें कैसे एकत्र करें?

जहाँ गरीबी के मध्यम आंकड़े उपलब्ध हैं, यह सामान्यतः दलों के के संबंध में आंकड़े प्रदान करते है जिसमें से कुछ ऊपर तथा कुछ गरीबी रेखा से नीचे होते हैं और जिनका प्रयोग प्रशासकों द्वारा किया जाता जो कि इससे राहत दिलाने और समाज को बचाने के कार्यक्रम के जिम्मेदार भी हैं। यह संपत्तिधारण, उपभोग और आय के स्तर को दिशा देने में और सामान्यतः विभिन्न व्यावसायिक दलों के गरीबी के स्तर के विवरण में न जाकर, जिसमें तटीय प्रबंधकों को विशेष रुचि हो सकती है जो कि सॉकमॉन का संचालन करते हैं।

एक सामाजिक या आर्थिक मैपिंग का अभ्यास समुदाय के साथ किया जाता है या ऐसे मुख्य सूचना देने वाले दलों के साथ जो कि सॉकमॉन का संचालन करनें वालों को समुदाय के भिन्न दलों के गरीबी स्तर के संबंध में अधिक जानकारी प्राप्त करने और उसका व्यापक चित्र खींचनें में तथा यह समझने में कि किन आयामों से गरीबी संसाधन प्रयोक्ता को प्रभावित कर रही है मदद करते हैं। यह विशेष कर महत्वपूर्ण है जब इस तरह के अभ्यास किये जायें तो विस्तृत चर्चा प्रश्न पूछते हुए की जाये कि समुदाय में गरीबी क्या है या गरीबी का क्या मतलब है और इसके द्वारा गरीबी स्तर की भिन्न परिभाषाओं को स्थापित करें जो कि स्थानीय लोगों के लिये अर्थपूर्ण हों। गरीबी के मानक मापदंड साधन कार्यस्थल के लिये व्यापक आंकड़े प्रदान करने में सहायक होते हैं लेकिन ये बहुधा समुदाय के अंदर लोगों के बारे में बहुत कम जानकारी देते हैं। नीचे दिये गया बॉक्स 3 भारत के एक सामाजिक / संपत्ति मैपिंग का उदाहरण दर्शाता है।

8. World Bank, http://web.worldbank.org/WBSITE/EXTERNAL/TOPICS/EXTPOVERTY/0,,contentMDK:20153855~menuPK:373757~pagePK:148956~piPK:216618~theSitePK:336992,00.html

बाक्स 3: इदिनथाकालपुदुर, सामाजिक प्रतिचित्रण, गल्फ ऑफ मन्नार, भारत

सामाजिक प्रतिचित्रण, गल्फ ऑफ मन्नार के इस उदाहरण में, एक अध्ययन दल ने भिन्न-भिन्न रंगों के कार्डों द्वारा घरों को दर्शाया है। यह रंग भिन्न प्रकार के घरों को दर्शानें में उपयोग में आये हैं, इस प्रकार हरा कार्ड छप्पर वाले घर को, गुलाबी टाईल वाले घर को और पीला एक पक्के घर को दर्शाता है। प्रत्येक परिवार के विवरण इन कार्डों में दर्ज किये गये हैं, शैल, सींक, पत्तियाँ, बीज आदि को कार्डों पर रखा गया है जो कि परिवारों की मुख्य अभिलक्षण, जनसांख्यिकीय विशेषता, व्यवसाय विवरण और संबंधित संपत्ति / गरीबी दर्शाते हैं।

इस तरह का अभ्यास काफी समय लेते हैं लेकिन समुदाय में अलग-अलग परिवारों के सामाजिक और आर्थिक परिस्थिति के ऊँचे स्तर के विवरण प्रदान करता है। इस प्रकार इससे सॉकमॉन के संचालकों को स्पष्ट रूप से भिन्न दलों की परिस्थिति समझने में सहायता मिलती है।

इस तरह से एकत्र के आंकडों को प्रभावी रूप से समुदाय स्तर जनसांख्यिकीय (K1-K12) जानकारी और घरेलू इकाइयों के स्तर के आंकड़ों (S1-S14) से जोड़ा जा सकता है। जानकारी के लिए ग्राफिकल मैप फार्मेट विशेषकर स्पष्ट रूप से भिन्न पणधारी दलों के स्थान की पहचान और विशेषकर गरीब परिवार किस-किस स्थान पर हैं जो कि अधिकतर आंकड़े एकत्र करते समय छोड़ दिये जाते हैं तथा रीफ के उपयोग में बदलाव की चर्चा में सहायक होता है। संपत्ति प्रतिचित्रण अभ्यास के आंकड़े अन्य जनसांख्यिकीय आंकड़ों के साथ जोड़ सकते हैं और एक उच्च स्तर का संकल्प पारिवारिक स्तर जानकारी के लिये प्रदान करता है।

आंकड़ों का विश्लेषण कैसे करें?

सामाजिक या संपत्ति प्रतिचित्रण अभ्यास के आंकडों का उपयोग कर, एक मैट्रिक्स तैयार कर सकते हैं, जैसा कि एक नीचे दिया गया है, भिन्न संसाधन प्रयोक्ता दल के गरीबी के स्तर का विश्लेषण करते हैं। इस मैट्रिक्स की पहली पंक्ति में उपयोग किया गया मापदंड संदर्भित समुदाय की स्थिति के अनुसार भिन्न-भिन्न हो सकता है और अभ्यास के दौरान गरीबी के अभिलक्षण की पहचान स्थानीय लोगों द्वारा की जाती है। इस प्रकार भिन्न मापदंडों का तात्पर्य मुख्य सूचना देने वालों और समुदाय के सदस्यों के साथ हुई प्रारंभिक चर्चा पर आधारित है।

इस विश्लेषण द्वारा प्राप्त विवरण का स्तर समय के साथ बढ़ सकता है। उदा. नीचे दी गई सारिणी में, प्रारंभिक संपत्ति प्रतिचित्रण अभ्यास के दौरान एक दल को खुले समुद्र के मछुवारे के रूप में परिभाषित किया गया, आगे जाँचपड़ताल और समुदाय की महत्वपूर्ण जानकारी के फलस्वरूप इसे भिन्न कार्यवाही के पैमाने या मछली पकड़ने की विधि के अनुसार इसे विभाजित कर दिया गया और परिवारों के संपत्ति स्तर में जो इसमें सम्मिलित थे बदलाव देखा गया।

व्यावसायिक / समुदाय के आजीविका वर्ग(मूल व्यवसाय / आजीविका के स्रोत पर आधारित)	**इन वर्गों के पारिवारिक आजीविका गतिविधियों का विशिष्ट संयोजन**	**इन व्यवसाय वर्ग में लोगों / परिवारों की संख्या**	**इन व्यावसायिक वर्गों की व्यावसायिक / आजीविका वर्ग के अभिलक्षण (लिंग/ आयु / परिवार का आकार/ मूल जाति आदि)**	**कोरल रीफ संसाधनों पर निर्भरता का स्तर**	**इस वर्ग का गरीबी स्तर**
1. रीफ मछुवारे	रीफ में गोताखोरी, रीफ ग्लीनिंग, लघु-स्तर की खेंती	120	बड़ा परिवार, मिश्रित जाति, क्षेत्र के दीर्घावधि निवासी	+++++	गरीब
2. खुले समुद्र के मछुवारे	ट्यूना / छोटी-गहरे समुद्र की मछली पकड़ना, मछली व्यापार	230	बड़ा परिवार, प्रधान जाति, क्षेत्र के दीर्घावधि निवासी, स्त्रियों की सहभागिता मछली व्यापार में	+++	मध्यम / धनी
3. वायुफिश मछुवारे	पुश नेटिंग/ घात द्वारा वायुफिश क्षेत्र में मछली पकड़ना, लकड़ी काटना, काठ कोयला बनाना, लघु-स्तर की खेंती	80	अधिकतर पुरुष, छोटे परिवार, नीची जाति, क्षेत्र में कई नये प्रवासी, युवा परिवार	++	बहुत गरीब
4. पर्यटन संचालक	पर्यटक गाइड, अतिथिगृह संचालन, रेस्टोरेंट / लघु-स्तर विक्रय, मछली व्यापार	50	पुरुष और स्त्रियाँ, क्षेत्र में अधिकतर नये प्रवासी	+++++	मध्यम / धनी
5. कृषक	कृषि, व्यापार, परिवहन	50	बड़े परिवार, प्रधान जाति	+	धनी
6. मजदूरी करने वाले	बिल्डिंग मजदूर, खुले समुद्र में मछली पकड़ने वाले मजदूर, केकड़े का छिलका उतारना, कछ रीफ और वायुशिफ में मछली पकड़ना	140	अधिक स्त्रियाँ, स्त्री परिवार की मुखिया, विधवा, युवतियाँ	++	बहुत गरीब
7. सरकारी नौकरी	सरकारी नौकरी, लघु-स्तर की खेंती, कछ दुकान के मालिक, कछ रीफ में मछली पकड़ने वाले	15	पुरुष और स्त्रियाँ दोनों ही नौकरी में	+	मध्यम

अतिरिक्त विश्लेषण : पिछली जानकारी को नवीनीकरण करते समय, नई जीवनयापन गतिविधियों और विभिन्न गतिविधियों में सम्मिलित लोगों की संख्या में हुए बदलाव को देखा गया जिससे सॉकमॉन के अनुसंधानकर्ता ने व्यवसायिक स्वरूप में आये बदलाव को पहचाना। इसकी तुलना संसाधनों की दशा में बदलाव, उपयोग के प्रकार(K-16), प्रभाव का स्तर एवं प्रकार (K23) और आने वाले खतरे (S17) से करें और देखें इनके आपसी संबंध को।

प्रबंधकों और अन्य पणधारियों को यह जानकारियाँ कैसे उपयोगी हो सकती हैं?

दक्षिण एशिया में गरीबी हमेशा बहुआयामी रही है। तटीय और समुद्री संसाधन के प्रयोक्ता परिवार गरीब होते हैं क्योंकि, उनके पास बहुत ही सीमित संपत्ति अर्जित करने की पहुँच होती है और जीवनयापन के भी सीमित विकल्प होते हैं। इसके फस्वरूप इन्हें इस तथ्य से जोड़ा जाता है कि ये जाति से तालुक रखते हैं या आदिवासी दल के हैं जिसकी परिस्थिति बहुत ही कमजोर है या चूँकि परिवार की मुखिया विधवा है। गरीब तटीय और समुद्री संसाधन प्रयोक्ता समुदाय की मीटिंग में अनिच्छुक रहते हैं क्योंकि, वे गैर कानूनी गतिविधियों में सम्मिलित हैं या बहुधा उनमें आमसभाओं में भाग लेने में आत्मविश्वास की कमी है या वे सोचते हैं कि उनके पास कहने के लिये कुछ भी नहीं।

परिणामस्वरूप उनके समुदाय में उन्हें निर्णय-सृजन में सम्मिलित नहीं किया जाता है। प्रबंधक जो सॉकमॉन का संचालन करते हैं उन्हें भिन्न तटीय और समुद्री संसाधन प्रयोक्ता वर्ग की गरीबी के स्तर के बारे में अभिज्ञ होना चाहिए क्योंकि, यह तटीय और सामुद्रिक संसाधन प्रबंधन से संबंधित निर्णय-सृजन में इन वर्गों की भागीदारी क्षमता को प्रभावित करती है और तटीय और सामुद्रिक संसाधन प्रयोक्ता के संबंध में नये प्रबंधन के विनियम का अवलोकन करने की सीमा को भी प्रभावित करती है– अधिक गरीब प्रयोक्ता सामान्यतः इन संसाधनों के उनके स्वयं के उपयोग के संबंध में प्रतिबंध को मानने को असमर्थ होते है क्योंकि, उसके पास और कोई जीवनयापन का विकल्प नहीं होता। इसलिए तटीय और सामुद्रिक गरीब प्रयोक्ताओं की मदद के लिये किसी भी तरह के आवश्यक प्रतिबंध लागने से पहले यदि प्रबंधन को अपने कार्यों में सफल होना है तो वैकल्पिक जीवनयापन के साधन की पहचान करते हुए उसे प्रारंभ करना आवश्यक होता है।

तटीय और सामुद्रिक संसाधन प्रबंधन और सुरक्षा के संबंध में गरीबों को आगे लाने हेतु गरीबों के उस वर्ग को समुदाय के भिन्न वर्गों के बीच से स्पष्ट पहचान करते हुए प्रबंधकों को उनकी ओर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। बहुत गरीब वर्गों के साथ काम करने के लिये सहनशक्ति, समर्पण और अतिरिक्त संसाधन की आवश्यकता होती है और प्रबंधकों को प्रारंभ से ही उस वर्ग के लिये अभिज्ञ होना चाहिए जिस पर उन्हें ध्यान केन्द्रित करना है।

सॉकमॉन विधि में सम्मिलित है, नमूना परिवार से अभ्यास द्वारा पारिवारिक स्तर के एकत्र आंकड़े, संपत्ति प्रतिचित्रण के दौरान एकत्र किये गये आंकड़े भी नमूना चयन कार्यनीति के निर्णय लेने में एक उपयोगी आधार प्रदान करते हैं और भिन्न गरीबी स्तर, व्यावसायिक और सामाजिक-आर्थिक अभिलक्षण वाले परिवारों संबंधित उन आंकड़ों को एकत्र करनें में उपयोगी होते है।

सॉकमॉन विधि द्वारा प्राप्त गरीबी स्तर के आंकड़ों का नियमित नवीनीकरण से प्रबंधकों को स्थानीय समुदायों में लोगों के जीवनयापन के संबंध में प्रबंधन युक्तियों के प्रभाव की जानकारी मिलती है। समुदाय में गरीबी के स्तर में बदलाव, गरीबों के उत्थान या उनकी संसाधन के उपयोग संबंधी समस्याओं का उनके वर्ग पर नकारात्मक प्रभाव का जो कि उनके लिये चलाई गयी कई योजनाओं के सफलतापूर्वक कार्यान्वयन का नतीजा है। समुदाय में गरीबी का वितरण का पुर्ननिरीक्षण समुदाय के जनसांख्यिकीय आंकड़ों के साथ यह निरीक्षण करते हुए किया जा सकता है कि किस आयु, मूल या व्यावसायिक वर्ग ज्यादा या कम प्रभावित हुये हैं संसाधन के प्रयोग के संबंध में। इन परिवर्तियों में समय के साथ आये बदलाव और प्रभाव का स्तर तथा प्रकार (K23) और संसाधन की दशा की तुलना वर्तमान संभाव्य खतरे को दर्शाती है।

भिन्न प्रयोक्ता के गरीबी स्तर के आंकड़ों को तुलना निर्णय-सृजन में भागीदारी (S21) के आंकड़ों से करने से प्रबंधक यह जानते हैं कि गरीब संसाधन प्रयोक्ता को तटीय और सामुद्रिक संसाधन की निर्णय-सृजन संबंधी प्रक्रिया में शामिल किया गया या नहीं।

समुदाय के अगुआओं या नेताओं और निर्णय-सृजन वर्ग जो कि प्रबंधकों के साथ कार्य करते हैं उनसे चर्चा करते हुए समुदाय में गरीबी के स्तर के आंकड़ों को संदर्भित करते हुए उन पर विस्तृत रूप से ध्यान देते हैं जबकि उन तटीय और सामुद्रिक प्रबंधन की युक्तियों का लोगों के जीवनयापन पर सकारात्मक या नकारात्मक रहा हो।

परिशिष्ट ब : द्वितीयक स्रोत / मुख्य सूचना देने वाले और केन्द्रित वर्ग साक्षात्कार संदर्शिका

समुदाय स्तर जनसांख्यिकीय

K1. अध्ययन क्षेत्र

मुख्य सूचना देने वालों की सक्रिय भागीदारी द्वारा अध्ययन क्षेत्र का आधार मानचित्र या नक्शा तैयार करें, उसमें स्थानों के नाम उनके भौगोलिक लक्षणों और स्थानों के उपयोग महत्व के अनुसार चिह्नित या मार्क करें। यह नाम बहुधा प्रशासनिक नक्शों में नहीं पाये जाते।

सामाजिक-आर्थिक निगरानी टीम से यह आशा की जाती है कि वह उनके कार्यस्थल की आवश्यकता अनुसार साक्षात्कार के प्रश्नों में सुधार करेंगे। लिंग संबंधित आंकड़ों को प्रत्येक परिवर्तियों के लिये अलग-अलग करना चाहिए।

K2. जनसंख्या

कितने लोग अध्ययन क्षेत्र में रहते हैं? _____

K3. परिवारों या घरेलू इकाइयों की संख्या

कितने परिवार या घरेलू इकाइयाँ अध्ययन क्षेत्र में रहते हैं? _____

K4. प्रवासन दर

पूरे बीते वर्ष में लोगों के अध्ययन क्षेत्र में आने या जाने से कितनी शुद्ध बढ़ोतरी या कमी जनसंख्या में हुई है? _____

(अ या - का चिन्ह क्षेत्र में आने या जाने को दर्शाता है)

K5. आयु

निम्न लिखित आयु वर्ग में कितने प्रतिशत लोग अध्ययन क्षेत्र में हैं?

0 -18_____;19-30_____;31-50_____ 50 से ज्यादा _____

जब उत्तरदाता के पास प्रश्न का कोई उत्तर न हो तो उसे नहीं मालूम अंकित करें। यह भी ध्यान दें कि उस प्रश्न के लिये स्थानीय गतिविधियों के आधार पर कोई और पूछने का तरीका या रास्ता तो नहीं?

K6. लिंग / सेक्स अनुपात

जनसंख्या के कितने प्रतिशत पुरुष या स्त्री हैं? पुरुष_____; स्त्री_____

K7. शिक्षा

अध्ययन क्षेत्र में औसतन कितने वर्ष की, 16 वर्ष की आयु से अधिक के लोगों ने शिक्षा प्राप्त की है?_____

K8. साक्षरता

कितने प्रतिशत लोग साक्षर हैं (स्थानीय या राज्य की भाषा पढ़ और लिख सकते हैं)?_____

K9. मूल / जाति / जनजाति

अध्ययन क्षेत्र में प्रत्येक मूल / जाति / जनजाति के कितने प्रतिशत है?

(1) _____ (2) _____ (3) _____

K10. धर्म

अध्ययन क्षेत्र में प्रत्येक धर्म समूह के कितने प्रतिशत है?

(1) _____ (2) _____ (3) _____

K11. भाषा

कौन-कौन सी मुख्य भाषाएँ अध्ययन क्षेत्र में बोली जाती हैं(अध्ययन क्षेत्र में प्रत्येक मुख्य भाषा के बोलने वालों का प्रतिशत)?

(1) _____ (2) _____ (3) _____

K12. व्यवसाय

निम्नलिखित सारिणी को पूरा करें:

समुदाय में मुख्य व्यवसाय	इस व्यवसाय को करने वालों का प्रतिशत	इस व्यवसाय को प्राथमिक व्यवसाय के रूप में करने वालों की संख्या	इस व्यवसाय को गौण व्यवसाय के रूप में करने वालों की संख्या	इस व्यवसाय को तीसरे व्यवसाय के रूप में करने वालों की संख्या
1				
2				
4				
4				
5				

सामुदायिक अवसंरचना या मूलभूत ढाँचा, व्यापार विकास और स्वामित्व अधिकार :

*K13. **सामुदायिक अवसंरचना या मूलभूत ढाँचा, व्यापार विकास और स्वामित्व अधिकार :***

अध्ययन क्षेत्र में विद्यमान सेवाओं या व्यापार को गोलकृत करें:

सेवाएँ: विद्यालय, निवासी डॉक्टर, निवासी नर्सें, अस्पताल, डिस्पेंसरीज, इलेक्ट्रीसिटी, टेलीफोन, इंटरनेट, रेडियो, टेलीविजन, समाचार पत्र, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, आइस प्लांट, पक्की सड़कें, घरों को जलआपूर्ति, बैंकिग सेवा, धार्मिक स्थान(मस्जिद, चर्च, मंदिर), सार्वजनिक वितरण प्रणाली, जहाज, विमान, बस टर्मिनल।

व्यापार : निजी उद्यम, खाद्य बाज़ार, रेस्ट्रोरेंट, खाद्य स्टॉल, पेट्रोल स्टेशन, बैंक, विशेष दुकानें, गिफ्ट शॉप, डॉइव शॉप, टूर ऑपरेशन, फिशिंग गाइड, गेस्टहाउस / होटल / रिसार्ट, नौका किराये पर देना

समुदाय आधारित संगठन (CBOs) और क्रैडिट की उपलब्धता

निम्नलिखित सारिणी को पूरा करें-

व्यापार	सीबीओ का प्रकार	क्रैडिट का स्रोत	औपचारिक / अनौपचारिक	ब्याज की दर	प्राप्त करने की शर्तें	लोगों / वर्गों की संख्या जो क्रैडिट सुविधा लेते हैं
उदा. मछली विक्रय	व्यक्ति	साहूकार	अनौपचारिक	24%	कोई शर्त नहीं और किसी भी समय उपलब्ध	35%
उदा.	स्वंय सहायता समूह (एस एच जी)	बैंक	औपचारिक	12%	एसएचजी का गठन और न्यूनतम बचत	20-100%
क्रैडिट स्रोतः दोस्त /परिवार / साहूकार / बैंक / परिक्रामी निधि सीबीओ : व्यक्ति / एसएचजी / कंपनी / सहकारी संस्था / पार्टनरशिप फर्म						

तटीय और सामुद्रिक गतिविधियाँ

K14 - 25 गतिविधियाँ, वस्तएँ और सेवाएँ, उपयोग के प्रकार, वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य, वस्तुओं और सेवाओं का लक्ष्य बाज़ार, पारंपरिक ज्ञान, उपयोग पैटर्न, गतिविधि स्थल, मौसमीपन, प्रभाव के स्तर और प्रकार, बाह्य लोगों द्वारा उपयोग का स्तर, घरेलू उपयोग :

निम्नलिखित सारिणी को पूरा करें (देखें परिशिष्ट अ, K14-25 उदाहरण के लिये कि सारिणी कैसे पूरी करें)

तटीय और सामुद्रिक गतिविधियाँ	तटीय और सामुद्रिक वस्तुएँ और सेवाएँ	उपयोग के प्रकार (विधि/ यंत्र प्रयोग)	वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य	लक्षित बाज़ार	पारंपरिक ज्ञान	उपयोग का पैटर्न	गतिविधि स्थल	मौसमीपन	प्रभाव का स्तर	प्रभाव का प्रकार	बाहर के लोगों का उपयोग स्तर	घरेलू उपयोग

कौन सी व्यावसायिक विभिन्नता स्थानीय समुदाय में विद्यमान है?(प्रतिशत) - तटीय और सामुद्रिक परितंत्र के उपयोग के संयोजन के लिये गतिविधियाँ (K14) के साथ संकलित करें।

K26. पणधारी : (उन सभी पणधारियों की सूची तैयार कीजिए जो सीधे तटीय और सामुद्रिक परितंत्र का उपयोग करते हैं)

निम्नलिखित सारिणी को पूरा करें:

पणधारी	गतिविधि	कहाँ गतिविधि क्रियान्वित की गई / मौसम		लिंग और आयु वर्ग
* गतिविधियाँ (K14) में चिह्नित गतिविधियों के अनुसार सूची तैयार करें।				

K.27 पर्यटक रूपरेखा (प्रोफाइल):

कतने पर्यटक प्रत्येक वर्ष यहाँ आते हैं?_____

कितने पर्यटक निम्नलिखित देशों से आते हैं?:
(अपने देश से)_____; (देश का नाम)_____; (देश का नाम)_____; (देश का नाम)_____; (देश का नाम)_____

कितने पर्यटक निम्नलिखित महीनों में आते हैं?
जनवरी_____; फरवरी _____; मार्च_____; अप्रैल_____; मई _____; जून _____; जुलाई _____; अगस्त _____; सितम्बर_____; अक्टूबर_____; नवंबर _____; दिसंबर_____

कितने पर्यटक निम्नलिखित परिवहन के साधन से आये? एअर_____; समुद्री जहाज_____; अन्य_____

कितने प्रतिशत पर्यटक निम्नलिखित आयु वर्ग में हैं: 0-18_____; 19-30_____; 31-50_____; 50से ज्यादा_____

कितने प्रतिशत पर्यटक पुरुष या स्त्री हैं? पुरुष_____; स्त्री_____

कितने प्रतिशत पर्यटक निम्नलिखित गतिविधियों में रुचि लेते हैं?:
प्राकृतिक_____; समुद्रीतट_____; गोताखोरी / स्नोर्केलिंग_____; मछली पकड़ना_____; संस्कृति_____; अन्य_____

शासनप्रणाली, संस्थाएँ और निर्णय-सृजन निकाय

K28-32 प्रबंधन निकाय प्रशासन का प्रतिरूप, प्रबंधन योजना, विधान सक्षमकरण, प्रबंधन संसाधन, औपचारिक अधिकार और नियम:

निम्नलिखित सारिणी को पूरा करें (देखें परिशिष्ट अ, K28-32 उदाहरण के लिये कि सारिणी कैसे पूरी करें)

तटीय गतिविधि*	**प्रबंधन योजना (हाँ या नहीं)**	**विधान सक्षमकरण**	**कर्मचरियों की संख्या**	**बजट**	**औपचारिक अधिकार और नियम (हाँ या नहीं)**	**संबंधित नियम और विनियम (हाँ या नहीं)**	**औपचारिक और या अनौपचारिक नियमों और विनियमों का अनुपालन**	
							स्थानीय	**प्रवासी**
*K14 में पहचानी गई गतिविधि के आधार पर सूची बनायें।								

K33. अनौपचारिक अधिकार और नियम, रीतिरिवाज और परंपराएँ :

निम्नलिखित सारिणी को पूरा करें

तटीय गतिविधि	**रीतिरिवाज और प्रथाएँ**	**अनौपचारिक अधिकार व्यवस्था**	**अनौपचारिक नियम**	**अनुपालन का स्तर**	
				स्थानीय	**प्रवासी**
K14 में पहचानी गई गतिविधि के आधार पर सूची बनायें। यदि स्थानीय क्षेत्र के संबध में औपचारिक और व्यावहारिक नियम तथा विनियम उपलब्ध हों तो उन्हें विस्तार पूर्वक बतायें।					

K34. सामुदायिक प्रोत्साहन

देखें परिशिष्ट अ, (K34) उदाहरण के लिये कि सारिणी कैसे पूरी करें:

पणधारियों के समूह	**प्रदान करने से लाभ**	**प्रोत्साहन के प्रकार**

K35. पणधारियों की भागीदारी और संतुष्टि

देखें परिशिष्ट अ (K35) उदाहरण के लिये कि निम्नलिखित सारिणी कैसे पूरी करें:

पणधारी समूह*	**निर्णय-सृजन और प्रबंधन गतिविधियाँ****	**पणधारियों की भागीदारी (1 से 5)*****	**भागीदारी से संतुष्टि का स्तर (उच्च, मध्यम, निम्न)**

* पणधारी (K26) में चिह्नित पणधारियों के समूह के अनुसार सूची तैयार करें।

** प्रबंधन योजना (K29) यदि विद्यमान हो तो उसके अनुसार प्रबंधन गतिविधियों की सूची तैयार करें।

***1= भागीदारी नहीं, 5= पूरी तरह से सक्रिय भागीदारी

K36. समुदाय और पणधारियों के संगठन

निम्नलिखित सारिणी को पूरा करें:

समुदाय संगठन	**औपचारिक या अनौपचारिक**	**मुख्य कार्य**	**प्रभाव (तटीय प्रबंधन पर, सामुदायिक विषयों पर, दोनों पर, दूसरे प्रभाव के क्षेत्र पर)**

K37. ताकत और प्रभाव

उन संगठनों और व्यक्तियों को सूचीबद्ध करें जो कि आपकी गतिविधि के संबंध में निर्णय-सृजन (जैसे- कहाँ, कब, कैसे और कौन इस गतिविधि को क्रियान्वित करेगा) में शामिल हैं? _____

किससे (गतिविधि, आयु, लिंग) और कोई दूसरे(आवश्यक नहीं है कि कार्यालयी का भाग हो) को जिसको क्रियान्वित हो रही गतिविधि, उसके विस्तार या परिवर्तन करने के लिये सलाह ली जाये? _____

कहाँ से आपको तटीय और समुद्री संसाधनों के बारे में जानकारी मिलती है(उदा. गैर सरकारी संगठन, सामाजिक ग्रुप, सामाचार पत्र)? _____

परिशिष्ट स : सर्वेक्षण संदर्शिका

घरेलू इकाइयों की जनसांख्यिकीय

सामाजिक आर्थिक निगरानी टीम से यह आशा की जाती है कि वे कार्यस्थल की आवश्यकता अनुसार पूछे जाने वाले प्रश्नों का चयन या सुधार करेंगे।	जब उत्तरदाता प्रश्न का उत्तर देने में असमर्थ हो तो नहीं मालूम या नहीं ज्ञात है के उत्तर के रूप में नोट करें।

S1-8. आयु / सेक्स अनुपात, लिंग, शिक्षा, मूल /जाति / जनजाति, भाषा, व्यवसाय, परिवार का आकार

परिवार के सदस्य*	आयु	लिंग	मूल/जाति / जनजाति	पूरी की गई शिक्षा का स्तर(सिर्फ यदि पूछा जाये >16 वर्ष)	धर्म**	मूल / मूल स्थान	भाषा (विदेशी भाषा, मातृभाषा और अन्य)	प्राथमिक व्यवसाय	गौण व्यवसाय
HH									

*सभी जीवित परिवार के सदस्यों की पहचान करते हुए उनके नाम या उनके पद(उदा. दादी / नानी) को नोट करें

**पारिवरिक स्तर पर धर्म के जुड़ाव संबंधित जानकारी पूछना बहुत ही संवेदनशील होता है। इस जानकारी को समुदाय स्तर पर मुख्य सूचना देने वालों से या गौण स्रोत से लेना अधिक अनुकूल होगा।

HH : परिवार के मुखिया का सूचक है।(उदा. माँ) और यदि वह स्त्री हो तो यह कि वह विधवा है?(W)

S9. घरेलू इकाइयों की आय स्रोत

आपके परिवार की आय का अधिक महत्वपूर्ण स्रोत क्या है? _____

आपके परिवार की आय का दूसरा अधिक महत्वपूर्ण स्रोत क्या है? _____

तटीय और सामुद्रिक गतिविधियाँ (घरेलू स्तर पर)

S10-14. घरेलू इकाइयों की गतिविधियाँ, घेरलू वस्तुएँ और सेवाएँ, उपोयग के प्रकार, घरेलू बाज़ार अनुस्थापन, घरेलू इकाइयों द्वारा उपयोग:

(देखें परिशिष्ट अ, S10-14 उदाहरण के लिये सारिणी कैसे पूरी करें)

तटीय और सामुद्रिक गतिविधियाँ	तटीय और सामुद्रिक वस्तुएँ और सेवाएँ	विधियाँ	लक्षित बाज़ार	घरेलू इकाइयों द्वारा उपयोग
1.				
2.				
3				

तौरतरीके और प्रत्यक्ष बोध, औपचारिक / अनौपचारिक संस्थाओं में भागीदारी

S15. बाज़ार रहित और अनुपोयगी मूल्य : (स्थानीय रूप की जागरूकता और उपयोगी / अनुपयोगी मूल्य में अनुभवी हों- यह आवश्यक नहीं कि विज्ञान आधारित या हमारे सीखे हुए ज्ञान द्वारा उनके उपयोग या जागरूकता के मूल्य का आकलन किया जाये।)

निम्नलिखित वक्तव्य के संबंध में सहमति को श्रेणी या दर्जा देने के लिये स्केल का प्रयोग करते हुए करें: दृढ़ रूप से सहमति(5); सहमति(4); न ही सहमति और न ही असहमति(3); दृढ़ रूप से असहमति(1)

_____ क) समुद्री लहरों से तटीय जमीन सुरक्षा के लिये कोरल रीफ महत्वपूर्ण है।(अप्रत्यक्ष बाज़ार रहित मूल्य)

_____ ख) समुद्रीघास के तल कछुओं और डूगांग को भोजन प्रदान करते हैं।(अप्रत्यक्ष बाज़ार रहित मूल्य)

_____ ग) रीफ और लागून हमें सुंदर मछलियाँ और शैल प्रदान करते हैं।(अप्रत्यक्ष बाज़ार रहित मूल्य)

_____ घ) वायुशिफ समुद्री जीवों के लिये नर्सरी के रूप में महत्वपूर्ण है।(अप्रत्यक्ष बाज़ार रहित मूल्य)

_____ च) कोरल रीफ महत्वपूर्ण हैं क्योंकि, वह सुंदर होती है।(अस्तित्व अनुपयोगी मूल्य)

_____ छ) मैं चाहता हूँ कि आने वाली पीढ़ी वायुशिफ और कोरल रीफ का आनंद ले।(वसीयत अनुपयोगी मूल्य)

_____ ज) कुछ निश्चित क्षेत्र में मछली पकड़ना प्रतिबंधित किया जाना चाहिए, यदि कोई भी ऐसे क्षेत्रों में मछली नहीं पकड़ता है तो यह सिर्फ कोरल और मछली को बढ़ने देने के लिए।(अस्तित्व मूल्य)

_____ झ) हमें कुछ तटीय क्षेत्रों में विकास को प्रतिबंधित करना होगा ताकि आने वाली पीढ़ी को प्राकृतिक पर्यावरण मिल सके।(वसीयत मूल्य)

S16. संसाधन की दशा का प्रत्यक्षबोध

निम्नलिखित संसाधनों की वर्तमान स्थिति को 1 से 5 के स्केल पर कैसे व्याख्यायित करेंगे- बहुत अच्छा(5), अच्छा(4), न अच्छा या न ख़राब(3), ख़राब(2), बहुत ख़राब(1) (कार्यस्थल के संसाधनों को दर्शाने के लिये संसाधन की सूची का संपादन करें)?:

रेत के टीले_____; वायुशिफ_____; कोरल रीफ_____; ताजा पानी_____; ऊँची भूमि या पहाड़ी जंगल_____; समुद्रीघास के तल_____; मछली पकड़ने के बंदरगाह / मछली लदान केन्द्र_____

S17. संभवित खतरों को जानना

तटीय संसाधन की तंदुरुस्ती के लिये पाँच बड़े खतरे कौन से हैं?
1_____; 2_____; 3_____; 4_____; 5_____

S18. नियमों और विनियमों की जागरूकता:

क्या वहाँ निम्नलिखित गतिविधियों से संबंधित नियम और विनियम हैं(स्थानीय, अनौपचारिक, नियम / प्रचलित और राज्य संस्थापित)?: (गतिविधियाँ (K14) के अनुसार गतिविधियों की सूची तैयार करें) (उत्तर हाँ या नहीं में)

मछली पकड़ना_____; वायुशिफ उपयोग_____; ऑक्वाकल्चर_____; होटल विकास_____; आवासीय विकास_____; वॉटर स्पोर्टस_____;
समुद्री परिवहन_____

हाँ या न उत्तर के लिये संक्षिप्त स्पष्टीकरण दें।

S19. अनुपालन

1 से 5 के स्केल (1= अनुपालन नहीं, 5= संपूर्ण अनुपालन) पर बताइये कि तटीय प्रबंधन के नियमों और विनियमों का अनुपालन लोग किस सीमा तक करते हैं?_____

S20. कार्यान्विति या प्रवर्त्तन

1 से 5 के स्केल पर (1= कार्यान्वित नहीं किया गया, 5 = पूरा कार्यान्वित) यह बतायें कि किस सीमा तक नियम और विनियम कार्यान्वित हुये हैं?_____

S21. निर्णय सृजन में भागीदारी

1 से 5 के स्केल पर (1= भागीदारी नहीं, 5 = पूरी सक्रिय भागीदारी) यह बतायें कि किस सीमा तक आप तटीय प्रबंधन में भागीदारी रखते हैं? _____

S22. पणधारियों के संगठन में सदस्यता

क्या आपके परिवार को कोई सदस्य पणधारियों के संगठन का सदस्य है? _____
किस संगठन में? _____

S23. विदित तटीय प्रबंधन की समस्याएँ

संभवित खतरों से अलग, आप कौन -सी दो बड़ी समस्याएँ देखते हैं जिसका सामना समुदाय में तटीय प्रबंधन कर रहा है?
1 _____; 2 _____

S24. विदित तटीय प्रबंधन उपाय

आप इन समस्याओं का क्या उपाय देखते हैं? 1 _____; 2 _____

S25. विदित समुदाय समस्याएँ

समुदाय कौन-सी तीन बड़ी समस्याओं का सामना कर रहा है? 1 _____; 2 _____; 3 _____

S26. तटीय प्रबंधन की सफलता

आप कौन -सी दो चीजें सोचते हैं जिसने समुदाय में तटीय प्रबंधन के लिये अच्छा कार्य किया है?
1 _____; 2 _____

S28. तटीय प्रबंधन की चुनौतियाँ

आप कौन -सी दो चीजें सोचते हैं जिसने समुदाय में तटीय प्रबंधन के लिये अच्छा कार्य नहीं किया?
1 _____; 2 _____

S28. जीवन की भौतिक शैली

क्या आपका अपना मकान है? हाँ _____; नहीं _____
घर का आकार : कितने कमरे हैं _____

घरेलू समान के लिये:
घर का प्रकार :_____
जल आपूर्ति : जल पाइप द्वारा_____; निजी कुआँ / पाताल कुआँ _____; सार्वजनिक कुआँ _____; नदी _____
पॉवर : विद्युत उर्जा_____; सोलर उर्जा_____; बैटरी_____; कुछ भी नहीं _____

उत्पादनकारी संपत्ति के लिये:
क्या आप के पास अपनी नाव है?_____
आप कितनी नावों के मालिक हैं?_____
नाव किस चीज की बनी हुई है, (फाइबरग्लास या लकड़ी)?_____
नाव कैसे चलती है(पैडल, पाल, या मोटरीकृत)?_____
अन्य कौन से यंत्र के आप मालिक हैं?_____
कितने लोग आपके साथ नाविकदल के रूप में काम करते हैं?_____

सूचना : यह साक्षात्कार संदर्शिका के विषयानुकूलित लें, सही स्केल पर व्याख्या आवश्यक है। अन्य प्रकार की जानकारियाँ जैसे शिक्षा (S3) अनुकूल हो सकती है घरेलू इकाइयों की संपत्ति दर्शाने में(देखें परिशिष्ट अ: S29)

S29. गरीबी के स्तर

देखें परिशिष्ट अ (S29) उदाहरण के लिये कि- यह सारिणी कैसे पूरी करें।

समुदाय के व्यावसायिक / रोजगार समूह (मूल व्यवसाय / आजीविका के स्रोत पर आधारित है)	**इन समूहों की घरेलू जीवनयापन गतिविधियों का लाक्षणिक संयोजन**	**इन व्यावसायिक समूहों में लोगों / परिवारों की संख्या**	**इस व्यावसायिक / आजीविका समूहों के अभिलक्षण (लिंग, आयु, परिवार का आकार, मूल समूह आदि)**	**तटीय और समुद्री संसाधनों पर निर्भरता का स्तर**	**इस समूह की गरीबी का स्तर**

परिशिष्ट द : मुख्य सूचना देने वालों के साक्षात्कार और गौण स्रोत विश्लेषण पत्र

पूरे विश्लेषण के दौरान यह महत्वपूर्ण है कि यह अध्ययन क्षेत्र के अवलोकन को प्रतिबिंबित करे और ध्यान दे यदि साक्षात्कार द्वारा प्राप्त आंकड़े विपरीत हों

दृष्टि संबंधित यंत्रों और मैट्रिक्सों का प्रयोग स्थानिक, समय के उपयोग, श्रेणीबद्ध करने और निर्णय-सृजन के लिये करें। समुदाय की सहायता से बनाये गये मानचित्र और रेखाचित्र कार्यस्थल पर आंकड़ों का विश्लेषण करने और मान्यकरण करने में सहायक होते हैं।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना करते समय 'नहीं मालूम' जैसे उत्तरों को गणना में शामिल न करें। दूसरे शब्दों में यह कहा जा सकता है कि गणना सिर्फ प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के आधार पर ही होनी चाहिए।

समुदाय स्तर की जनसांख्यिकीय

क्षेत्र

K1. अध्ययन क्षेत्र

संसाधन, पणधारियों और अध्ययन क्षेत्र की राजनैतिक सीमाओं के साथ आधार मानचित्र। लोगों की भागीदारी द्वारा प्रतिचित्रण या मानचित्रण अभ्यास को क्रियान्वित करते हुए आधार मानचित्र तैयार करें जो कि समुदाय द्वारा नोट की गई महत्वपूर्ण भौगोलिक विशेषताओं को दर्शाता है। जहाँ तर संभव हो मूलनिवास स्थान का नाम का प्रयोग करें चूँकि जब भी कोई इस क्षेत्र को नाम द्वारा संबोधित करता है तो यह समान संदर्भ प्रदान करता है। यह मानचित्र, विभिन्न परिवर्तियों के विश्लेषण में प्रयुक्त अन्य मानचित्रों के लिये आधार प्रदान करता है जैसे संसाधन प्रयोग गतिविधि। अध्याय 1 में दिये गया प्रकरण अध्ययन संदर्भित है जिसमें उदाहरण के लिये समुदाय द्वारा एक आधार मानचित्र,अगाती लक्षद्वीप पर पर क्रियान्वित सॉकमॉन अभ्यास के दौरान तैयार किया गया।

अतिरिक्त विश्लेषण : समुदाय मानचित्र को सुधारने (देखें बाक्स 4) और भौगोलिक संदर्भों के लिये जीआईएस(GIS) और जीपीएस(GPS) का उपयोग कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, अध्ययन क्षेत्र का मौसम संबंधी मानचित्र मौसम के हिसाब से परिवर्तनीय जानकारियों को दिखानें के लिये तैयार कर सकते हैं। मुख्य गतिविधियों, समस्याओं और अवसरों को वर्षचक्र की सहायता से प्रदर्शित करें। बाक्स 5 में दिया गया उदाहरण यह दिखाता है कि टीम कैसे मौसम का रेखाचित्र तैयार कर सकती है जो कि पूरे वर्ष के विभिन्न महीनों के दौरान की सांस्कृतिक, व्यवासायिक और मौसम स्थिति को दर्शाता है।

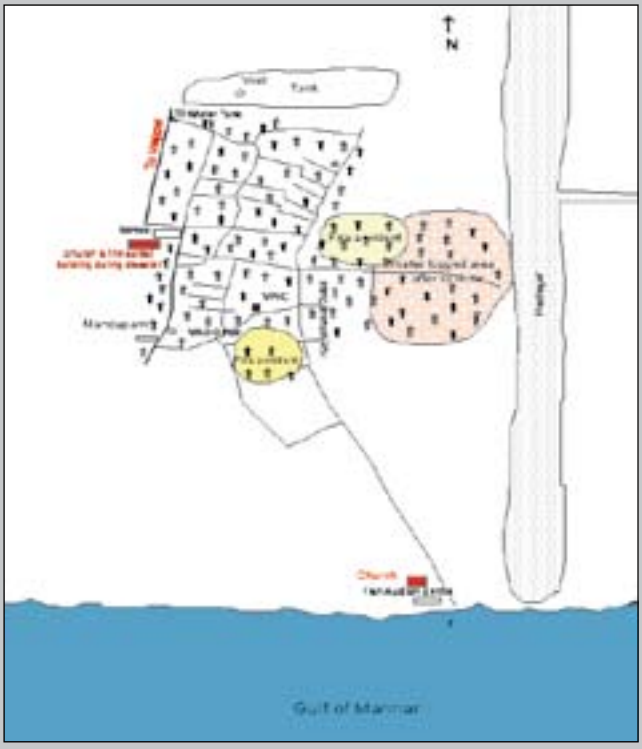

बाक्स 4: प्रतिभागिता द्वारा जीआईएस प्रतिचित्रण

गल्फ ऑफ मन्नार के विकास में सॉकमॉन अभ्यास के दौरान लोगों के सहयोग से यह भौगोलिक स्थिति संदर्भित मानचित्र बनाया गया।

पहले टीम ने मुख्य सूचना देने वालों की सहायता से महत्वपूर्ण स्थल चिन्ह अंकित करते हुए डिजिटल स्ट्रीट मानचित्र तैयार किया।

मानचित्र को पुनः बड़े पेपर पर तैयार किया गया और उसे समुदाय के समक्ष सत्यापन के लिये प्रस्तुत किया गया और जिसमें उन्होंने सभी घरों की स्थान स्थिति को जाँचते हुए सुधारा किया।

इन आंकड़ों को पुनः डिजिटल मानचित्र में अंकित करते हुए अध्ययन क्षेत्र की संपूर्ण रूपरेखा तैयार की गई जिसे समुदाय के सहयोग और सत्यापन द्वारा तैयार किया गया।

बाक्स 5 : तमिलनाडु, भारत के एक समुदाय द्वारा तैयार किया गया मौसम कैलेंडर रेखाचित्र

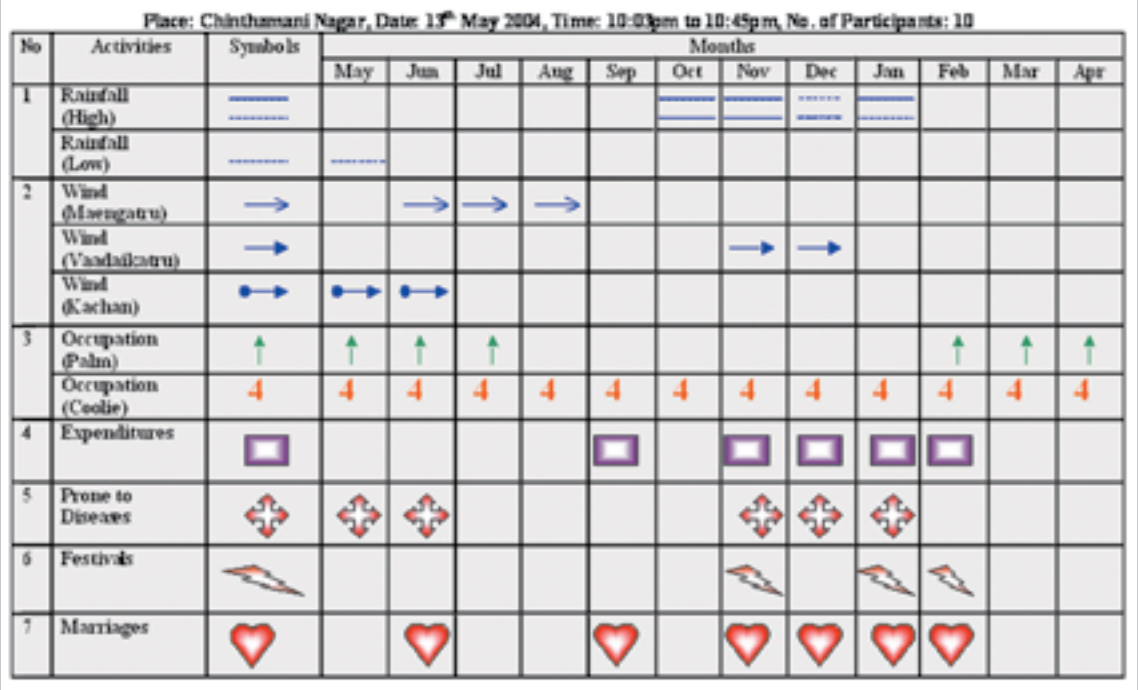

K2. जनसंख्या

अध्ययन क्षेत्र की कुल जनसंख्या _____

K3. परिवारों की संख्या

अध्ययन क्षेत्र के कुल परिवारों की संख्या _____

K4. प्रवासन दर

पिछले वर्ष अध्ययन क्षेत्र में लोगों के क्षेत्र में लोगों के आने और जाने से शुद्ध कितनी बढ़ात्तरी या घटोत्तरी हुई? _____
(नोट अ या - आने या जाना दर्शाने के लिये)

K5. आयु

(देखें परिशिष्ट अ. K8 उदाहरण के लिये कि सारिणी कैसे पूरी करें।):
समुदाय की आयु प्रतिशत : निम्न लिखित आयु वर्ग में कितने प्रतिशत लोग अध्ययन क्षेत्र में हैं? 0 -18_____; 19-30_____; 31-50_____; 50 से ज्यादा_____

K6. लिंग / सेक्स अनुपात

समुदाय का प्रतिशत: कितने प्रतिशत पुरुष या स्त्री हैं? पुरुष_____; स्त्री_____

K7. शिक्षा

शिक्षा के औसतन वर्ष संख्या जो कि >16 वर्ष से ज्यादा के हैं_____

K8. साक्षरता

कितने प्रतिशत लोग साक्षर हैं ?_____

K9. मूल / जाति / जनजाति

अध्ययन क्षेत्र में प्रत्येक मूल / जाति / जनजाति के कितने प्रतिशत है? (1)_____; (2)_____; (3)_____

K10. धर्म

समुदाय में प्रत्येक धर्म समूह के कितने प्रतिशत है? (धर्म का नाम लिखें.)_____; (धर्म का नाम लिखें.)_____; (धर्म का नाम लिखें.)_____

K11. भाषा

बोली जाने वाले भाषा के आधार पर लोगों का प्रतिशत
(भाषा का नाम लिखें.)_____; (भाषा का नाम लिखें.)_____; (भाषा का नाम लिखें.)_____

K12. व्यवसाय

(देखें परिशिष्ट अ, K12 उदाहरण के लिये कि सारिणी कैसे पूरा करें)

समुदाय का मुख्य व्यवसाय	**लोगों का प्रतिशत जो कि इस व्यवसाय को प्राथमिक व्यवसाय के रूप में करते हैं**	**लोगों की संख्या जो इस व्यवसाय को प्राथमिक व्यवसाय के रूप में करते हैं**	**लोगों का प्रतिशत जो कि इस व्यवसाय को गौण या दूसरे व्यवसाय के रूप में करते हैं**	**लोगों का प्रतिशत जो कि इस व्यवसाय को तीसरे व्यवसाय के रूप में करते हैं**
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				

सामुदायिक अवसंरचना या मूलभूत ढाँचा, व्यापार विकास और स्वामित्व अधिकार :

K13. सामुदायिक अवसंरचना या मूलभूत ढाँचा, व्यापार विकास और स्वामित्व अधिकार :

अध्ययन क्षेत्र में विद्यमान अवसरंचना :

_____ _____ _____
_____ _____ _____
_____ _____ _____

अध्ययन क्षेत्र में विद्यमान व्यापार विकास और स्वामित्व अधिकार (देखें परिशिष्ट अ, K13 उदाहरण के लिये कि सारिणी कैसे पूरा करें)

व्यापार	**मालिक का मूल और निवास स्थान**	**आवृति* को क्रम से श्रेणी दें**

*सबसे कम श्रेणी अंक में 1 है।

समुदाय आधारित संगठन (CBOs) और क्रैडिट की उपलब्धता :
निम्नलिखित सारिणी को पूरा करें-

व्यापार	**सीबीओ का प्रकार**	**क्रैडिट का स्रोत**	**औपचारिक / अनौपचारिक**	**ब्याज की दर**	**प्राप्त करने की शर्तें**	**लोगों / वर्गों की संख्या जो क्रैडिट सुविधा लेते हैं**
क्रैडिट स्रोतः दोस्त /परिवार / साहूकार / बैंक / परिक्रामी निधि सीबीओ : व्यक्ति / एसएचजी / कंपनी / सहकारी संस्था / पार्टनरशिप फर्म						

K14 -25 गतिविधियाँ, वस्तएँ और सेवाएँ, उपयोग के प्रकार, वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य, वस्तुओं और सेवाओं का लक्ष्य बाज़ार, पारंपरिक ज्ञान, उपयोग पैटर्न, गतिविधि स्थल, मौसमीपन, प्रभाव के स्तर और प्रकार, बाह्य लोगों द्वारा उपयोग का स्तर, घरेलू उपयोग :

निम्नलिखित सारिणी को पूरा करें (देखें परिशिष्ट अ, K14-25 उदाहरण के लिये कि सारिणी कैसे पूरी करें)

तटीय और सामुद्रिक गतिविधियाँ	तटीय और सामुद्रिक वस्तुएँ और सेवाएँ	उपयोग के प्रकार (विधि/ यंत्र प्रयोग)	वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य	लक्षित बाज़ार	पारंपरिक ज्ञान	उपयोग का पैटर्न	गतिविधि स्थल	मौसमीपन	प्रभाव का स्तर	प्रभाव का प्रकार	बाहर के लोगों का उपयोग स्तर	घरेलू उपयोग

इन प्राप्त जानकारियों (संदर्भित है परिशिष्ट द, K1 परिशिष्ट अ, K19-22) को दर्शान के लिये भागीदारी प्रतिचित्रण का प्रयोग करें

तटीय और सामुद्रिक गतिविधियाँ	तटीय और सामुद्रिक वस्तुएँ और सेवाएँ	निकाले जाने वाले और नहीं निकाले जाने वाले उपयोग	उपयोग का पैटर्न		
			स्थानस्थिति	समय	मौसम

K26. पणधारी (च्ह्यङ्खत्त्ङ्खण्दृङ्खङ्खद्धद्म): (तटीय और सामुद्रिक संसाधना का सीधे उपयोग करने वाले सभी पणधारियों की सूची तैयार करें)

निम्नलिखित सारिणी को पूरा करें:

पणधारी	गतिविधि	कहाँ गतिविधि क्रियान्वित की गई / मौसम?		लिंग और आयु वर्ग

K27. पर्यटक रूपरेखा

प्रतिवर्ष आने वाले आगंतुक या पर्यटक की कुल संख्या ___________

पर्यटकों की संख्या निम्नलिखित देशों से आते हैं?: (अपने देश से)________; (देश का नाम)________; (देश का नाम)________; (देश का नाम)________; (देश का नाम)________

पर्यटकों की संख्या जो निम्नलिखित महीनों में आते हैं? जनवरी________; फरवरी________; मार्च________; अप्रैल________; मई________; जून________; जुलाई________; अगस्त________; सितम्बर________; अक्टूबर________; नवंबर________; दिसंबर________

पर्यटक संख्या जो निम्नलिखित परिवहन के साधन से आते हैं?: एअर________; समुद्री जहाज________; अन्य________

कितने प्रतिशत पर्यटक निम्नलिखित आयु वर्ग में हैं: 0-18________; 19-30________; 31-50________; 50से ज्यादा________;

कितने प्रतिशत पर्यटक पुरुष या स्त्री हैं? पुरुष________; स्त्री________;

कितने प्रतिशत पर्यटक निम्नलिखित गतिविधियों में रुचि लेते हैं?: प्राकृतिक________; समुद्रीतट________; गोताखोरी / स्नोर्केलिंग________; मछली पकड़ना________; संस्कृति________; अन्य________

K28-32 प्रबंधन निकाय /प्रशासन का प्रतिरूप, प्रबंधन योजना, विधान सक्षमकरण, प्रबंधन संसाधन, औपचारिक अधिकार और नियम:

(देखें परिशिष्ट अ, K28-32 उदाहरण के लिये कि सारिणी कैसे पूरी करें)

तटीय गतिविधि*	प्रबंधन निकाय (हाँ या नहीं)और नाम	प्रबंधन योजना(हाँ या नहीं)	विधान सक्षमकरण (हाँ या नहीं)	कर्माचरियों की संख्या	बजट	औपचारिक अधिकार और नियम (हाँ या नहीं)	संबंधित नियम और विनियम (हाँ या नहीं)
K14 में पहचानी गई गतिविधि के आधार पर सूची बनायें।							

K33. अनौपचारिक अधिकार और नियम, रीतिरिवाज और परंपराएँ :

तटीय गतिविधि*	रीतिरिवाज और प्रथाएँ	अनौपचारिक अधिकार व्यवस्था	अनौपचारिक नियम	अनुपालन का स्तर(उच्च, मध्यम, निम्न)
*K14 में पहचानी गई गतिविधि के आधार पर सूची बनायें।				

K34. सामुदायिक प्रोत्साहन :

देखें परिशिष्ट अ, (K34) उदाहरण के लिये कि सारिणी कैसे पूरी करें:

पणधारियों के समूह	प्रोत्साहन के प्रकार

*K35. **पणधारियों की भागीदारी और संतुष्टि***

पणधारी समूह*	**निर्णय-सृजन और प्रबंधन गतिविधियाँ****	**पणधारियों की भागीदारी (1 से 5)*****	**भागीदारी से संतुष्टि का स्तर (उच्च, मध्यम, निम्न)**

* पणधारी (K26) में चिह्नित पणधारियों के समूह के अनुसार सूची तैयार करें।

** प्रबंधन योजना (K29) यदि विद्यमान हो तो उसके अनुसार प्रबंधन गतिविधियों की सूची तैयार करें।

***1= भागीदारी नहीं, 5= पूरी तरह से सक्रिय भागीदारी

*K36-37. **समुदाय और पणधारियों के संगठन, ताकत और प्रभाव***

सामुदायिक संगठन	**औपचारिक या अनौपचारिक**	**मुख्य कार्य**	**प्रभाव (तटीय प्रबंधन पर, सामुदायिक विषयों पर, दोनों पर, दूसरे प्रभाव के क्षेत्र पर)**

सारांश

सामुदायिक संगठन	**संख्या**	**प्रतिशत**	**मुख्य कार्य**	**प्रभाव (तटीय प्रबंधन पर, सामुदायिक विषयों पर, दोनों पर, किसी पर नहीं)**
औपचारिक				
अनौपचारिक				
कल				

परिशिष्ट ढ : सर्वेक्षण विश्लेषण पत्र

घरेलू इकाइयों की जनसांख्यिकीय

पूरे विश्लेषण के दौरान यह महत्वपूर्ण है कि यह अध्ययन क्षेत्र के अवलोकन को प्रतिबिंबित करे और ध्यान दे यदि साक्षात्कार द्वारा प्राप्त आंकड़े विपरीत हों

प्रश्नों के उत्तरों की गणना करते समय 'नहीं मालूम' जैसे उत्तरों को गणना में शामिल न करें। दूसरे शब्दों में यह कहा जा सकता है कि गणना सिर्फ प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के आधार पर ही होनी चाहिए।

S1-8 आयु / सेक्स अनुपात, लिंग, शिक्षा, प्रान्त / जाति / जनजाति, धर्म, भाषा, पेशा, घरेलू आकार

व्यवसाय

(देखें परिशिष्ट अ, S1-S8 उदाहरण के लिये कि कैसे सारिणी पूरा करें)

व्यवसाय	**प्राथमिक**		**गौण / दूसरा**		**समुदाय सदस्यों का कल प्रतिशत जो इस व्यवसाय पर आधारित है (प्राथमिक या गौण)**
	घरेलू इकाइयों के सदस्यों की संख्या जो कि प्राथमिक व्यवसाय के तौर पर तालिकाबद्ध हैं	**घरेलू इकाइयों के सदस्यों का प्रतिशत जो कि प्राथमिक व्यवसाय के तौर पर तालिकाबद्ध हैं**	**घरेलू इकाइयों के सदस्यों की संख्या जो कि गौण व्यवसाय के तौर पर तालिकाबद्ध हैं**	**घरेलू इकाइयों के सदस्यों का प्रतिशत जिनका प्रत्येक व्यवसाय द्वितीयक व्यवसाय के तौर पर तालिकाबद्ध हैं**	
	A	(A/I) x 100%	Q	(Q/I) x 100%	(A+Q)/I x 100%
	B	(B/I) x 100%	R	(R/I) x 100%	(B+R)/I x 100%
	C	(C/I) x 100%	S	(S/I) x 100%	(C+S)/I x 100%
	D	(D/I) x 100%	T	(T/I) x 100%	(D+T)/I x 100%
	E	(E/I) x 100%	U	(U/I) x 100%	(E+U)/I x 100%
	F	(F/I) x 100%	V	(V/I) x 100%	(F+V)/I x 100%
विविध(सभी व्यवसाय को एक साथ अंकित करें जो कि <5% घरेलू सदस्यों का हो)*	G	(G/I) x 100%	W	(W/I) x 100%	(G+W)/I x 100%
व्यवसाय नहीं (उदाहरण के लिये, बेरोजगार, छात्र, सेवा-निवृत्त)	H	(H/I) x 100%	X	(X/I) x 100%	(H+Y)/I x 100%
कुल	I	100%	Y*	**	***

*आवश्यक नहीं है = I क्योंकि, सभी उत्तरदाता दूसरा व्यवसाय नहीं करते।

**आवश्यक नहीं हैं = 100% क्योंकि, सभी उत्तरदाता दूसरा व्यवसाय नहीं करते।

***100% से अधिक क्योंकि, प्रथामिक और गौण (दूसरा) व्यवसाय क जोड़ा गया है।

आयु और शिक्षा के आधार पर व्यवसाय

(देखें परिशिष्ट अ, S1-S8 उदाहरण के लिये कि यह सारिणी कैसे पूरी करें)

	उत्तरों का प्रतिशत						
प्राथमिक व्यवसाय	**आयु 0-15**	**आयु 16-25**	**आयु 26-45**	**आयु 45 वर्ष से ज्यादा**	**<6 वर्ष स्कूल शिक्षा**	**6-9वर्ष स्कूल शिक्षा**	**>9वर्ष स्कूल शिक्षा**

लिंग और धर्म के आधार पर व्यवसाय

प्राथमिक व्यवसाय	उत्तरों का प्रतिशत						
	स्त्री	**पुरुष**	**मूल**	**धर्म का नाम लिखें_____**	**धर्म का नाम लिखें_____**	**धर्म का नाम लिखें_____**	**धर्म का नाम लिखें_____**

मूल /जाति / जनजाति के आधार पर व्यवसाय

प्राथमिक व्यवसाय	उत्तरों का प्रतिशत					
	मूल /जाति / जनजाति लिखें _____	**मूल /जाति / जनजाति लिखें _____**	**मूल /जाति / जनजाति लिखें _____**	**मूल /जाति / जनजाति लिखें _____**	**मूल /जाति / जनजाति लिखें _____**	**मूल /जाति / जनजाति लिखें _____**

घरेलू इकाइयों या परिवारों के आकार

औसतन परिवार या घरेलू इकाई का आकार _____

व्यवसाय के आधार पर घरेलू आकार और संरचना

प्राथमिक व्यवसाय	**औसतन परिवार या घरेलू इकाई का आकार**	**प्रत्येक परिवार में स्त्रियों की औसतन संख्या**	**प्रत्येक परिवार में पुरुष की औसतन संख्या**	**परिवारों का प्रतिशत जिनकी मुखिया स्त्री हो**	**परिवारों का प्रतिशत जिनकी मुखिया पुरुष हो**
कुल / समग्र					

S9. घरेलू इकाइयों या परिवारों का आय स्रोत

व्यवसाय	**प्राथमिक रूप से अंकित का प्रतिशत**	**गौण या द्वितीयक रूप से अंकित का प्रतिशत**

तटीय और सामुद्रिक गतिविधियाँ

S10-12. घरेलू गतिविधियाँ, घरेलू वस्तुएँ और सेवाएँ, उपयोग के प्रकार

(देखें परिशिष्ट अ, S10-S14 उदाहरण के लिये कि कैसे सारिणी पूरा करें)

तटीय और सामुद्रिक गतिविधियाँ	**तटीय और सामुद्रिक वस्तुएँ तथा सेवाएँ**	**उपयोग के प्रकार**
1.		
2.		
3.		
4.		

S13. घरेलू बाज़ार अभिविन्यास

(देखें परिशिष्ट अ, S13 उदाहरण के लिये कि यह सारिणी कैसे पूरी करें)

तटीय और सामुद्रिक वस्तुएँ तथा सेवाएँ	%नोट किये गये अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार	%नोट किये गये राष्ट्रीय बाज़ार	%नोट किये गये क्षेत्रीय बाज़ार	%नोट किये गये स्थानीय बाज़ार

S14. घरेलू उपयोग

तटीय और सामुदिक वस्तुएँ तथा सेवाएँ	% घरेलू खपत	%बिक्री	%आराम के लिये

तौर तरीके और प्रत्यक्षज्ञान

S15. बाज़ार रहित और अनुपयोगी मूल्य

मूल्य वक्तव्य	उत्तरों का प्रतिशत				
	1= दृढ़ रूप से असहमत	2= असहमत	3= न सहमत न ही असहमत	4= सहमत	5= दृढ़ रूप से सहमत
समुद्री लहरों से तटीय भूमि की सुरक्षा के लिये रीफ महत्वपूर्ण है।					
लंबी अवधि के दौरान, यदि हम कोरल की सफाई कर देते हैं तो मछली पकड़ना बेहतर होगा।					
समुद्रीघास कछुओं और डूगांग को भोजन प्रदान करते हैं।					
रीफ और लागून हमें सुंदर मछलियाँ और शेल प्रदान करते हैं।					
जब तक वायुशिफ को सुरक्षित नहीं करते भविष्य में हमारे लिये कोई भी मछली पकड़ने के लिये नहीं रहेगी।					
कोरल रीफ सिर्फ महत्वपूर्ण है यदि आप मछली पकड़ते हैं या गोताखोरी करते हैं।					
मैं चाहता हूँ कि आने वाली पीढ़ी वायुशिफ और कोरलरीफ का आनंद ले।					
मछली पकड़ने को कुछ निश्चित क्षेत्र में प्रतिबंधित किया जाना चाहिए, जबकि वहाँ कोई मछली नहीं भी पकड़ता हो, उन क्षेत्रों में कोरल और मछली को बढ़ने देने के लिए।					
हमें कुछ तटीय क्षेत्रों में विकास को प्रतिबंधित करना होगा ताकि आने वाली पीढ़ी को प्राकृतिक पर्यावरण मिले सके।					
समुद्रीघास का लोगों के लिये कोई मूल्य नहीं है।					

S16. संसाधन की स्थिति का प्रत्यक्षबोध

(देखें परिशिष्ट अ, S16 उदाहरण के लिये कि कैसे सारिणी पूरा करें)

संसाधन*	**उत्तरों का प्रतिशत जो कि संसाधन की दशा को इस प्रकार बतलाते हैं:**				
	बहुत अच्छी(5)	**अच्छी(4)**	**न ही अच्छी, न ही खराब(3)**	**खराब (2)**	**बहुत खराब (1)**
वायुशिफ					
कोरल रीफ					
ताजा पानी					
पहाड़ी जंगल					
समुद्रीघास					
।स्थानीय कार्यस्थल पर संसाधन की सूची संपादित करें।					

S17. संभवित खतरे को जानना / समझना

(उदाहरण के लिये देखें परिशिष्ट अ, S17)

चिह्नित खतरे खतरे को नोट करने वालों का प्रतिशत

_____ _____

_____ _____

_____ _____

S18. नियम और विनियम के संबंध में जागरूकता

उत्तरदाताओं का प्रतिशत जो जागरूक हैं नियम और विनियम के प्रति निम्नलिखित के संबध में(गतिविधियाँ (K14) के अनुसार गतिविधियों की सूची तैयार करें):

मछली पकड़ना_____

वायुशिफ उपयोग_____

ऑक्वाकल्चर_____

होटलों का विकास_____

आवासीय विकास_____

वॉटर स्पोर्टस_____

समुद्री परिवहन_____

S19. अनुपालन, कार्यान्विति या प्रवर्तन, निर्णय-सृजन में भागीदारी

तटीय प्रबंधन नियमों और विनियमों को जानने /समझने वाले उत्तरदाताओं का प्रतिशत प्रत्येक अनुपालन और कार्यान्विति या प्रवर्तन के स्केल पर :

	उत्तरदाताओं का प्रतिशत				
	5(पूर्ण अनुपालन कार्यान्विति भागीदारी)	**4**	**3**	**2**	**1(नही अनुपालन कार्यान्विति भागीदारी)**
अनुपालन					
कार्यान्विति या प्रवर्त्तन					
भागीदारी					

*S22. **पणधारियों के संगठनों / संस्थाओं में सदस्यता***

(देखें परिशिष्ट अ, S22 उदाहरण के लिये कि कैसे सारिणी पूरा करें)

सदस्यों का प्रतिशत जो कि कम से कम एक संगठन के सदस्यता रखते हैं_____

सदस्यता के लिये नामी संगठन	सदस्यता का प्रतिशत
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____

*S23. **विदित तटीय प्रबंधन की समस्याएँ***

बड़ी समस्याएँ जिसका सामना तटीय प्रबंधन समुदाय में कर रहा है	इस समस्याओं को नोट करने वालों का प्रतिशत
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____

*S24. **विदित तटीय प्रबंधन उपाय***

समस्या का उपाय	इस उपाय को नोट करने वालों का प्रतिशत
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____

*S25. **विदित सामुदायिक समस्याएँ***

बड़ी समस्या जिसका सामना समुदाय कर रहा है	इस समस्या को नोट करने वालों का प्रतिशत
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____

*S26. **तटीय प्रबंधन की सफलता***

वस्तुएँ जिन्होंने समुदाय में तटीय प्रबंधन के लिये अच्छा कार्य किया	इस समस्या को नोट करने वालों का प्रतिशत
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____

*S27. **तटीय प्रबंधन की चुनौतियाँ***

चीज जिसने समुदाय में तटीय प्रबंधन के लिये अच्छा कार्य नहीं किया	इस चीज को नोट करने वालों का प्रतिशत
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____

जीवन की भौतिक शैली

*S28. **जीवन की भौतिक शैली :***

घरेलू समान के लिये:

कितने प्रतिशत उत्तरदाताओं का अपना मकान है: _____

कितने प्रतिशत मकान उसमें रहने वालों के अपने मकान हैं: _____

कितने प्रतिशत घरों में :

छतः टाईल_____; ष्टीन_____; लकड़ी_____; छप्पर_____; घास-फूस_____

दीवार के बाहरी ढाँचे का प्रकार : टाईल_____; ईंट / कांक्रीट_____; पत्थर_____; गारा_____; खर_____; घास-फूस_____

खिड़कियाँ : ग्लास_____; फ्रेम_____; खुली हुई जगह_____; कोई भी नहीं_____

फर्श : टाईल_____; लकड़ी_____; सीमेंट_____; गारा_____

जल आपूर्ति : जल पाइप द्वारा_____; निजी कुआँ / पाताल कुआँ_____; सार्वजनिक कुआँ_____; नदी_____

पॉवर : विद्युत उर्जा_____; सोलर उर्जा_____; बैटरी_____; कोई भी नहीं_____

औसतन कमरों की संख्या : _____

उत्पादनकारी संपत्ति के लिये:

कितने प्रतिशत उत्तरदाताओं के पास अपनी नाव है: 0 नाव_____; 1 नाव_____; 2नावें_____; 2नावों से ज्यादा_____

कितने प्रतिशत नावें बनी हुई हैं: फाइबरग्लास_____; लकड़ी _____

कितने प्रतिशत नाव चलती हैं : मोटरीकृत_____; बिना मोटर की_____

*S29. **गरीबी का स्तर***

गरीबी के स्तर के लिये :

लोगों की प्रतिशत / संख्या जो कि समुदाय द्वारा गरीब माने जाते हैं_____

तटीय समुदाय द्वारा संबंधित संपत्ति और गरीबी का विवरण_____

लोगों का प्रतिशत जिसे आधिकारिक स्रोत द्वारा गरीबी रेखा के नीचे माना जाता है_____

आधिकारिक स्रोत द्वारा जारी किया गया गरीबी रेखा विवरण_____